वार्षिक प्रतिवेदन
2023-24

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर
Indian Institute of Technology Indore

॥ ज्ञानम् सर्वजनहिताय ॥

भारत 2023 INDIA

अनुक्रमणिका

1. परिचय 02
2. निदेशक संदेश 06
3. शासी मंडल, संस्थान के अधिकारीगण, आईआईटी इंदौर के अभिषद् के सदस्यगण 08
4. शैक्षणिक कार्य 14
5. पदक प्राप्तकर्ता 15
6. रैंकिंग 17
7. संकाय कार्य 18
8. विभाग व स्कूल की प्रोफ़ाइल 19
   - खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी एवं अंतरिक्ष अभियांत्रिकी विभाग (Astronomy, Astrophysics and Space Engineering)
   - जीवविज्ञान एवं जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी विभाग (Biosciences and Biomedical Engineering)
   - संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग (Computer Science and Engineering)
   - विद्युत अभियांत्रिकी विभाग (Electrical Engineering)
   - यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग (Mechanical Engineering)
   - धातुकर्म अभियांत्रिकी एवं पदार्थ विज्ञान विभाग (Metallurgical Engineering & Materials Science)
   - जानपद अभियांत्रिकी विभाग (Civil Engineering)
   - भौतिकी विभाग (Physics)
   - रसायन विज्ञान विभाग (Chemistry)
   - गणित विभाग (Mathematics)
   - मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल (Humanities & Social Sciences)
9. केंद्रों की प्रोफ़ाइल 41
   - उद्यमिता शिक्षा एवं विकास केंद्र (CEED)
   - परिष्कृत उपकरण केंद्र (SIC)
   - उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स केंद्र (CAE)
   - संगणक एवं सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र (CITC)
   - आईआईटीआई दृष्टि सीपीएस फ़ाउंडेशन
   - भारतीय वैज्ञानिक ज्ञान परंपरा केंद्र (CISKS)
   - अत्याधुनिक रक्षा एवं अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी केंद्र (CFDST)
   - ग्रामीण विकास एवं प्रौद्योगिकी केंद्र (CRDT)
   - जय प्रकाश नारायण राष्ट्रीय मानविकी उत्कृष्टता केंद्र (JPNNCEH)
   - डीएसटी – नीति अनुसंधान केंद्र (DST-CPR)
10. प्रशासन अनुभाग एवं भर्ती प्रकोष्ठ 69
11. वित्त एवं लेखा 71
12. सामग्री प्रबंधन अनुभाग (एमएमएस) 75
13. अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) 77
14. अंतर्राष्ट्रीय संबंध 83
15. पूर्व छात्र एवं कॉर्पोरेट संबंध (एसीआर) 90
16. शैक्षणिक बाह्य संपर्क 93
17. आईआईटी इंदौर द्वारा गाजिंदा स्थित शासकीय मध्य विद्यालय का अंगीकरण 95
18. मेकरस्पेस 96
19. आधारभूत संरचना विकास कार्यालय 98
20. छात्र कार्य 102
21. प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ, आईआईटी इंदौर 106
22. छात्रावास 109
23. केंद्रीय आहार सुविधा 111
24. परामर्श प्रकोष्ठ टीम 112
25. एक भारत श्रेष्ठ भारत 116
26. आईआईटी इंदौर खबरों में 118
27. संस्थान के कार्यक्रम एवं समारोह 120
28. राजभाषा समिति 129
29. संस्थान की सुविधाएँ 132
   - विद्यार्जन संसाधन केंद्र
   - स्वास्थ्य केंद्र
   - केंद्रीय कार्यशाला

परिचय

मध्य प्रदेश राज्य में स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर, जिसे आईआईटी इंदौर या आईआईटीआई के नाम से जाना जाता है, 2009 में भारत सरकार द्वारा स्थापित राष्ट्रीय महत्व वाला संस्थान है। यह भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए दूसरी पीढ़ी के आठ आईआईटी में से एक है। संस्थान ने आईआईटी बॉम्बे के मार्गदर्शन में इंदौर के देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान में एक अस्थायी परिसर में 2009–10 से काम करना शुरू किया। केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री अर्जुन सिंह ने 17 फरवरी, 2009 को इंदौर शहर से लगभग 25 किलोमीटर दूर खंडवा रोड पर सिमरोल नामक गाँव में लगभग 501.42 एकड़ (2.1 किमी^{2}) के क्षेत्र में फैले स्थायी परिसर की आधारशिला रखी। वहीं, फरवरी 2016 से, आईआईटी इंदौर ने अपने स्थायी परिसर से काम करना शुरू कर दिया।

संस्थान का बुनियादी ढांचा: कुल क्षेत्रफल 501 एकड़ है। कुल निर्मित क्षेत्रफल: 2,21,000 वर्ग मीटर, जिसमें 5 छात्रावास, शैक्षणिक भवन, विद्यार्जन संसाधन केंद्र (केंद्रीय पुस्तकालय), प्रशासनिक भवन, सेमिनार हॉल और ऑडिटोरियम के साथ व्याख्यान कक्ष परिसर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, केंद्रीय आहार सुविधा, 3 आवासीय इकाइयाँ, खेल परिसर, केंद्रीय विद्यालय भवन और अन्य संबद्ध सेवाएँ शामिल हैं।

विभाग / स्कूल:

आईआईटी इंदौर निम्नलिखित विभागों / स्कूल के साथ अभियांत्रिकी, विज्ञान व मानविकी में पाठ्यक्रम प्रदान करता है

- खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी एवं अंतरिक्ष अभियांत्रिकी
- जनपद अभियांत्रिकी
- विद्युत अभियांत्रिकी
- धातुकर्म अभियांत्रिकी एवं पदार्थ विज्ञान
- भौतिकी
  गणित
- जीव विज्ञान एवं जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी
- संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- यांत्रिक अभियांत्रिकी
- मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल
- रसायन विज्ञान

उपलब्ध पाठ्यक्रम:

- **बी.टेक** (संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी, यांत्रिक अभियांत्रिकी, जनपद अभियांत्रिकी, धातुकर्म अभियांत्रिकी एवं पदार्थ विज्ञान, रासायनिक अभियांत्रिकी, गणित एवं कंप्यूटिंग, अंतरिक्ष विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, इंजीनियरिंग इन फ़िजिक्स)
- **बी.टेक + एमटेक** डुअल डिग्री
- **एमटेक, एमटेक+पीएचडी** डुअल डिग्री
- **डेटा विज्ञान एवं प्रबंधन में एमएस डिग्री** (एमएस–डीएसएम)
- **एमएससी, एमएससी+पीएचडी** डुअल डिग्री
- **एमएस (रिसर्च), एमएस (रिसर्च)+पीएचडी** डुअल डिग्री
- **पीएचडी**
- भारत में और बाहर के लिए **छात्र विनिमय कार्यक्रम** (इन एंड आउटबउंड)।

संस्थान में 205 नियमित संकाय सदस्य, 10 विजिटिंग संकाय सदस्य और 176 नियमित गैर–शैक्षणिक कर्मचारी हैं।

अनुसंधान एवं विकास: आईआईटी इंदौर में अनुसंधान को अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर मान्यता मिली है। संकाय सदस्य और वैज्ञानिक जापान, दक्षिण कोरिया, रूसी संघ, पुर्तगाल, फ्रांस, जर्मनी, यूके, यूएसए और कई अन्य देशों में अनुसंधान संगठनों के साथ कई प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं और संयुक्त सहयोग में सक्रिय रूप से शामिल हैं। आईआईटी इंदौर पारंपरिक विषयों के अभिसरण को पहले अकल्पनीय को पूरा करने की कुंजी के रूप में देखता है। इस दूरदर्शिता के साथ, आईआईटी इंदौर बुनियादी और अनुप्रयुक्त अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास और नवाचार पर ध्यान केंद्रित करते हुए अंतःविषय अनुसंधान कार्यक्रमों को बढ़ावा दे रहा है।

आईआईटी इंदौर की एक प्रमुख योग्यता अनुसंधान आधारित शैक्षणिक कार्यक्रम है क्योंकि यह स्नातक और स्नातकोत्तर शिक्षण का एक मुख्य घटक है। आईआईटी इंदौर ने स्नातक छात्रों को अग्रणी शोध परियोजनाओं में शामिल करने के विचार को सोच–समझकर प्रचारित किया है। छात्रों के लिए विदेशी प्रयोगशाला भ्रमण योजना।

पेटेंट: अब तक 155 फ़ाइल पेटेंट में से 66 पेटेंट स्वीकृत हुए हैं, जिनमें से 32 वित्तीय वर्ष 2023–2024 में प्रदान किए गए।

अंतर्राष्ट्रीय संबंध: आईआईटी इंदौर अपने शिक्षण और शोध पोर्टफोलियो को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ले जाने के उद्देश्य से तेजी से वैश्विक स्तर पर विस्तार कर रहा है। वर्तमान में, हम उत्तरी अमेरिका, यूरोप, एशिया और ओशिनिया के देशों के साथ गहन सहयोग कर रहे हैं। पिछले वर्ष की तरह, इस वर्ष भी हमने तीन फ्रंट पर उल्लेखनीय प्रगति की है। सबसे पहले, हम अपने डिग्री कार्यक्रमों (आसियान और सार्क क्षेत्रों से) में कई अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की भर्ती और मेजबानी करने में सफल रहे। दूसरा, हमने अपने शिक्षा मंत्रालय से कई अनुदान प्राप्त किए, जो हमारे अंतर्राष्ट्रीयकरण प्रयासों में अच्छी तरह से सहायक है। तीसरा, हमने यूरोप में अपने कार्यों का और विस्तार किया।

विदेशी छात्र: हमारे डिग्री कार्यक्रमों में विदेशी छात्रों के नामांकन में वृद्धि जारी रखते हुए, 2019 से, हमने 04 अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की मेजबानी की है जो बांग्लादेश, नेपाल और नाइजीरिया से थे और स्टडी इन इंडिया (एसआईआई) कार्यक्रम के माध्यम से हमारे साथ जुड़े थे। वर्तमान में, हमारे

परिसर में नेपाल, नाइजीरिया, इथियोपिया और बांग्लादेश के मूल निवासी 05 एमटेक छात्र और 02 पीएचडी शोध छात्र हैं। इसके अतिरिक्त, आईआईटी इंदौर अपनी स्थापना के बाद से ही विदेशी छात्रों को इंटर्न के रूप में मेज़बानी कर रहा है, आज तक हमने 08 थाई छात्रों, 01 ताइवान और 01 यूएसए के छात्रों की मेजबानी की है। इससे हमें आसियान देशों और विशेष रूप से थाईलैंड में अपना ब्रांड स्थापित करने में मदद मिली है। संस्थान में अभी तक कुल 20 विदेशी छात्र हैं।

पूर्व छात्र संबंधः किसी शैक्षणिक संस्थान की विरासत उसके छात्रों को सिखाए जाने वाले पेशेवर, नैतिक और नैतिक संकेतों से परिलक्षित होती है। आईआईटी इंदौर का पूर्व छात्र नेटवर्क शैक्षणिक और शोध के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता की ओर संस्थान को आगे बढ़ाने और नेतृत्व करने में एक आवश्यक और अभिन्न अंग है। उनमें से एक महत्वपूर्ण संख्या पहले से ही राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित संगठनों को अपनी सेवाएँ देकर राष्ट्र निर्माण में गहराई से लगी हुई है। उनमें से कुछ ने देश को विकास और समृद्धि के मार्ग पर ले जाने के लिए नए उद्यमशील उपक्रम स्थापित करने का मार्ग अपनाया है। आईआईटी इंदौर पूर्व छात्रों के साथ जुड़ाव का बंधन विकसित करने की संस्कृति में विश्वास करता है और पूर्व छात्रों के साथ निरंतर संपर्क बनाया जाता है, ताकि उन्हें संस्थान की नवीनतम जानकारी से जोड़ा जा सके और वे अपने सहयोगी बनने के बाद भी आगे बढ़ सकें।

कॉर्पोरेट संबंधः कॉर्पोरेट्स के साथ घनिष्ठ संबंध एक और पहलू है जिसे एक शैक्षणिक और शोध संस्थान किसी संस्थान के वैश्विक प्रभाव में संभावनाओं को देखने के लिए पोषित करता है। आईआईटी इंदौर सभी आयामों में अपने घातीय विकास के लिए लगातार विभिन्न उद्योगों के साथ व्यवहार्य साझेदारी की खोज कर रहा है। संस्थान व्यापक समुदाय को लाभ पहुंचाने के लिए कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) गतिविधियों के माध्यम से सामाजिक प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए निगमों के लिए एक लचीला और अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र भी प्रदान करता है।

आईआईटी इंदौर में सुविधाएंः संस्थान में आईआईटी इंदौर समुदाय के सदस्यों के लिए कई सुविधाएं हैं जैसे स्वास्थ्य केंद्र, परामर्श सेवाएं, छात्रावास, केंद्रीय आहार सुविधा, प्रशिक्षण व प्लेसमेंट, संगणक एवं सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र, क्रेच सुविधा, ई–भुगतान, परिवहन व ग्रीन वाहन सुविधाएँ, केन्द्रीय विद्यालय, केंद्रीय कार्यशाला, इनडोर और आउटडोर खेल सुविधाएं, जिमनास्टिक, शॉपिंग और फूड स्टॉल, प्रिंटिंग सुविधाएं आदि।

एनआईआरएफ रैंकिंगः संस्थान ने एनआईआरएफ रैंकिंग प्रणाली द्वारा **"इंजीनियरिंग श्रेणी"** के अंतर्गत 16वां स्थान और "समग्र" श्रेणी में 33वां स्थान प्राप्त किया।

सामाजिक मिशन व बाह्य संपर्कः आईआईटी इंदौर के 15वें स्थापना दिवस पर, 321 उदार दाताओं के योगदान से 10वां सफल रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। अवाना क्लब के सदस्यों ने जगन्नाथ नारायण वृद्धाश्रम का दौरा किया और बुजुर्ग सदस्यों को खुशी, साथ और सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से निवासियों से जुड़े।

अवाना क्लब आईआईटी इंदौर ने बॉम्बे में बीइंग सेवक चौरिटेबल फाउंडेशन के साथ मिलकर दृष्टिबाधित छात्रों के लिए आवश्यक किट प्रदान की, जो सामाजिक कल्याण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। किट में विशेष ब्रेल सिस्टम, महत्वपूर्ण पोषक तत्व, नोटबुक और शैक्षिक सामग्री शामिल थी, जो दृष्टिबाधित शिक्षार्थियों की अनूठी जरूरतों को पूरा करती थी। अवाना टीम ने सिमरोल हायर सेकेंडरी स्कूल और कन्याशाला का दौरा किया, जहाँ उन्होंने कक्षा 4 से 12 तक के छात्रों के साथ बातचीत की। उत्साह और समर्पण के साथ, टीम ने विभिन्न विषयों की बुनियादी अवधारणाओं को साझा किया, जिससे एक आकर्षक और इंटरैक्टिव सीखने का परिवेश बना। परिसर में वस्त्र दान अभियान चलाया जा रहा है जिसका उद्देश्य परिसर के सभी कार्यालयों से कपड़े और स्टेशनरी आइटम एकत्र करना है, जिससे उदारता की भावना व्यापक समुदाय तक पहुँच सके। स्थानीय संगठनों के साथ साझेदारी करते हुए, उन्होंने उन क्षेत्रों की पहचान की जहाँ दान का सबसे महत्वपूर्ण प्रभाव होगा।

आईआईटी इंदौर द्वारा गजिंदा में शासकीय मध्य विद्यालय का अंगीकरणः सामाजिक और शैक्षणिक आउटरीच कार्यक्रमों के दायरे का विस्तार करने के अपने प्रयास में, संस्थान ने विद्यालय के शैक्षणिक मानकों को बदलने के लिए शैक्षणिक और अवसंरचनात्मक सहायता प्रदान करने के लिए, महू तहसील, जिला–इंदौर के अंतर्गत खंडवा रोड पर बाइग्राम के पास स्थित शासकीय मध्य विद्यालय गजिंदा की पहचान की है। संस्थान के 15वें स्थापना दिवस के अवसर पर आईआईटी इंदौर के निदेशक द्वारा गांव के विद्यालय को अंगीकार करने की औपचारिक घोषणा की गई। सहयोग के क्षेत्रों की पहचान करने के लिए, वरिष्ठ संकाय सदस्यों और अधिकारियों की एक टीम ने स्कूल का दौरा किया और प्रधानाध्यापक, शिक्षकों और छात्रों के साथ सार्थक बातचीत की।

विद्यालय में कक्षा 1 से 8 तक की आठ कक्षाएँ हैं, जिनमें 194 छात्र हैं (लड़केः 98 और लड़कियाँः 96)। कुल छात्रों में से 180 यानी 93 प्रतिशत छात्र अनुसूचित जनजाति समुदाय से हैं, 11 छात्र यानी 6 प्रतिशत अनुसूचित जाति समुदाय से हैं और 3 छात्र यानी 1 प्रतिशत ओबीसी समुदाय से हैं। इसलिए सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के छात्रों के लिए शिक्षा पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है, ताकि सफलता के समान अवसर सुनिश्चित किए जा सकें और विभिन्न सामाजिक–आर्थिक समूहों के बीच शैक्षिक उपलब्धि में अंतर को पाटा जा सके।

आईआईटी इंदौर का शासी मंडल

अध्यक्ष **डॉ. के. सिवन** भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर (22 अगस्त, 2023 से अभी तक)	**अध्यक्ष** **प्रोफ़ेसर दीपक बी. फाटक** भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर (18 फ़रवरी 2019 से 17 अगस्त 2023 तक)
निदेशक **प्रोफेसर सुहास एस. जोशी** भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर	**श्री एस.के.बरनवाल** अपर सचिव (टीई), भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली
श्री मनु श्रीवास्तव प्रधान सचिव तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग, मध्य प्रदेश सरकार	**प्रोफेसर योगेश एम. जोशी** रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी कानपुर
प्रोफेसर धनंजय वी. भट्ट प्रोफेसर (सेवानिवृत्त), यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग एस. वी. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इच्छानाथ, सूरत (11 जुलाई, 2028 से 22 नवंबर, 2023)	**श्री मनोज कोहली** कार्यकारी अध्यक्ष, एसबी एनर्जी (सॉफ्ट बैंक ग्रुप), नई दिल्ली (11 जुलाई, 2028 से 22 नवंबर, 2023 तक)
प्रोफेसर प्रभात कुमार उपाध्याय (अभिषद् नामित) विद्युत अभियांत्रिकी विभाग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर	**प्रोफेसर प्रीति ए. भोबे (अभिषद् नामित)** भौतिकी विभाग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर
श्री एस. पी. होता कुलसचिव व सचिव, शासी मंडल भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर	

संस्थान के निम्नलिखित पदाधिकारी संस्थान के प्रबंधन के विभिन्न विशिष्ट क्षेत्रों में योगदान दे रहे हैं:

- अधिष्ठाता, शैक्षणिक कार्य
- अधिष्ठाता, अंतर्राष्ट्रीय संबंध
- अधिष्ठाता, अनुसंधान एवं विकास
- अधिष्ठाता, पूर्व छात्र और कॉर्पोरेट संबंध
- अधिष्ठाता, शैक्षणिक बाह्य संपर्क
- अधिष्ठाता, प्रशासन
- अधिष्ठाता, आधारभूत संरचना विकास
- अधिष्ठाता, छात्र कार्य
- अधिष्ठाता, संकाय कार्य
- कुलसचिव

कुलसचिव कार्यालय
वित्तीय वर्ष 2023–2024 के दौरान आयोजित वैधानिक प्राधिकरणों की बैठकें

शासी मंडल	:	04.05.2023, 14.07.2023 और 20.11.2023 को तीन बैठकें आयोजित की गई
वित्त समिति	:	04.05.2023, 14.07.2023 और 20.11.2023 को तीन बैठकें आयोजित की गई
भवन एवं निर्माण समिति	:	13.04.2023, 30.10.2023 और 30.01.2024 को तीन बैठकें आयोजित की गई
अभिषद	:	12.05.2023, 07.07.2023, 30.11.2023, 12.12.2023, 19.12.2023, 15.01.2024, 25.01.2024 एवं 28.3.2024 को आठ बैठकें आयोजित की गई

(रुपये करोड़ में)

वित्तीय स्थिति: 31.03.2024 तक

ऑब्जेक्ट हेड 35 के अंतर्गत अनुदान गैर–आवर्ती	ऑब्जेक्ट हेड 36 के अंतर्गत अनुदान आवर्ती–वेतन	ऑब्जेक्ट हेड 31 के अंतर्गत अनुदान आवर्ती–सामान्य व्यय	हेफ़ा ऋण के लिए अनुदान
36.60	82.32	63.85	40.57

उद्देश्य

21वीं सदी के पीछे प्रेरक शक्ति, ज्ञान प्रधान समाजों का विकास है। इससे भारत में उच्च शिक्षा के नए संस्थानों की स्थापना हुई है। 2009 में स्थापित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर उस पहल का एक ऐसा हिस्सा है जो भारत को वैश्विक ज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में लीडर के रूप में देखता है। पुराने आईआईटी की परंपरा को जारी रखते हुए आईआईटी इंदौर का लक्ष्य अनुसंधान आधारित शिक्षा और नवाचार संचालित अनुसंधान तथा उद्यमिता पर ध्यान केंद्रित करके भारत को उसके विकास पथ पर आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाना है। आईआईटी इंदौर का लक्ष्य मानवतावादी सरोकारों के साथ इस उद्देश्य को हासिल करना है।

दृष्टिकोण

शैक्षणिक

- विचारों की स्वतंत्रता तथा अनुसंधान एवं नवाचार विचारों की स्वतंत्र अभिव्यक्ति के साथ एक शैक्षणिक वर्ग को विकसित करना और उसका बढ़ावा देना।
- अत्याधुनिक सुविधाओं पर व्यापक व्यावहारिक प्रशिक्षण के साथ निरंतर अद्यतित ज्ञान का संतुलन प्रदान करना।
- डेटा विज्ञान, इलेक्ट्रिक वाहन, कुशल परिवहन प्रणाली, अंतरिक्ष अभियांत्रिकी, भारतीय वैज्ञानिक ज्ञान आदि जैसे भविष्य के क्षेत्रों में नए शैक्षणिक कार्यक्रम शुरू करना।।
- अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की बढ़ती संख्या का चयन करके तथा शिक्षण एवं अनुसंधान में प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय संकाय सदस्य को शामिल करके संस्थान के अंतर्राष्ट्रीयकरण को बढ़ावा देना।
- विभिन्न पीजी एवं पीएचडी कार्यक्रमों में उद्योगों, रक्षा बलों तथा अभियांत्रिकी संस्थानों से उम्मीदवारों को बढ़ाना।
- शिक्षण, अनुसंधान तथा नवाचार के लिए उद्योगों से अनुबद्ध संकाय सदस्य की भागीदारी बढ़ाना।
- पाठ्यक्रम डिजाइन, अनुसंधान, विकास तथा उद्यमिता में प्रतिष्ठित उद्योगों एवं विदेशी विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञों को शामिल करना।

अनुसंधान, विकास और उद्यमिता

- विज्ञान, अभियांत्रिकी, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान में अंतःविषय अनुसंधान को बढ़ावा देना।
- सतत विकास, जलवायु परिवर्तन और खाद्य एवं जल सुरक्षा जैसे कुछ चुने हुए क्षेत्रों पर बाधाकारी और सामाजिक रूप से प्रभाव डालने वाले अनुसंधान पर कार्य करना।
- नए उत्पादों, प्रक्रियाओं और प्रौद्योगिकियों के लिए उद्योग उन्मुख अनुसंधान को बढ़ावा देना।
- अभियांत्रिकी के साथ जीवन विज्ञान, चिकित्सा विज्ञान तथा कृषि विज्ञान के अभिसरण पर ध्यान देना।
- औद्योगिक अनुसंधान पार्क की स्थापना करके स्टार्ट अप और उद्यमिता के चलन को बढ़ावा देना, जो मध्य भारत का केंद्र बिंदु होगा।
- एग्रेसिव पेटेंटिंग और आईपीआर की सुरक्षा।

लक्ष्य

- सामाजिक अनुसंधान, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और ग्रामीण विकास के माध्यम से संस्थान की शैक्षणिक, तकनीकी और सामाजिक पहुँच को बढ़ाना।
- उद्योग, शिक्षण और अनुसंधान संस्थानों के लिए विश्व स्तरीय अनुसंधान और शिक्षण सुविधाओं का विकास करना।
- कौशल विकास और राष्ट्रीय आवश्यकताओं के प्रति अनुसंधान और नवाचार को बढ़ाना।
- अभियांत्रिकी एवं जैव चिकित्सा उपकरण, रक्षा, ई–वाहन, वैकल्पिक ऊर्जा संसाधनों आदि में विश्वस्तरीय तकनीकी नवाचार के विकास में योगदान देना।

निदेशक संदेश

मुझे यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि आईआईटी इंदौर, दूसरी पीढ़ी के आईआईटी में से एक के रूप में, भारत में शीर्ष रैंकिंग वाले संस्थान के रूप में उभरा है।

यह संस्थान राष्ट्रीय स्तर पर इंजीनियरिंग विश्वविद्यालयों में 14वें स्थान पर और क्यूएस रैंकिंग में भारतीय संस्थानों में 11वें स्थान पर है। अपेक्षाकृत नए संस्थान के रूप में, हम आने वाले वर्षों में अपनी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में सुधार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

आईआईटी इंदौर अपनी शैक्षणिक, शोध, बाह्य संपर्क व सामाजिक गतिविधियों में कई दिशाओं में विस्तार कर रहा है। एनईपी 2020 की शुरुआत से ही, आईआईटी इंदौर ने समग्र शिक्षा और नई शिक्षण विधियों को अपनाते हुए कई नए शैक्षणिक कार्यक्रम और पाठ्यक्रम लागू किए हैं।

संस्थान अभी 9 बीटेक कार्यक्रम और 15 एमटेक कार्यक्रम प्रदान करता है, जिसमें एम्स भोपाल और आरआरकैट के साथ सहयोगात्मक **एमटेक (बायोमेडिकल इंजीनियरिंग)** व **एमटेक (लेजर एंड ऑप्टिक्स)** शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, वोल्वो–आयशर के साथ हाइब्रिड वाहन प्रौद्योगिकी पर एग्जेक्यूटिव एम.टेक कार्यक्रम व नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी, भोपाल के साथ **'साइबर सुरक्षा एवं साइबर कानून'** पर आगे आने वाले मास्टर कोर्स कुछ उल्लेखनीय अतिरिक्त कार्यक्रम हैं। आईआईटी इंदौर 6 एमएस (रिसर्च) कार्यक्रम भी प्रदान करता है, जिसमें आईआईएम इंदौर के साथ एक, 5 एमएससी कार्यक्रम और 20 विषयों में पीएचडी कार्यक्रम शामिल हैं। वहीं, परिसर में छात्रों की संख्या 3000 से अधिक है।

संकाय सदस्य उद्योग व सामाजिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कार्यक्रमों के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। स्नातक छात्रों के पास अधिक वैकल्पिक विकल्प हैं, एनईपी 2023 पाठ्यक्रम में दूसरे सेमेस्टर से विभाग के वैकल्पिक विषयों की अनुमति है। एनईपी के तहत, प्रोफ़ेशनल व सोसाइटल–कनेक्ट पाठ्यक्रमों की शुरूआत शिक्षार्थी–केंद्रित दृष्टिकोण और उद्यमिता को बढ़ावा देती है। संस्थान व्यावहारिक अंतर्दृष्टि के लिए इंडस्ट्री प्रोफ़ेशनल के साथ जुड़ने और उनके लिए प्रमुख बीटेक पाठ्यक्रम खोलने की योजना बना रहा है। परियोजना–केंद्रित शिक्षण और मेकर स्पेस कोर्स जैसे नई शिक्षण विधियों ने छात्रों की भागीदारी और परिणामस्वरूप उनके सीखने के अनुभव को बढ़ाया है। साथ ही, संस्थान मध्य प्रदेश के सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों को उनके मेधावी छात्रों की मेजबानी करके भी सहायता करता है।

नए बी.टेक विद्यार्थियों के लिए जीवन कौशल विकास कार्यशाला **'जेनेसिस'** को छह दिन तक बढ़ा दिया गया है, जिसमें एमसीटीई महू में एक व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र भी शामिल है।

आईआईटी इंदौर के लिए अनुसंधान अपनी स्थापना के बाद से ही आधार रहा है, जिसका ध्यान सामाजिक योगदान, विशेष रूप से वंचित समुदायों पर है। पिछले वर्ष, संस्थान में लगभग 1000 अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन, कुल मिलाकर लगभग 7500 जैसे कार्य निष्पादित किए गए हैं। आईआईटी इंदौर ने ₹450 करोड़ की लागत वाली 617 अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं शुरू की हैं, जिनमें से 75 परियोजनाएं पिछले वर्ष ₹25 करोड़ की थीं। इसके अतिरिक्त, ₹24 करोड़ की लागत वाली 423 परामर्श परियोजनाएं हैं, जिनमें पिछले वर्ष ₹9.6 करोड़ की 117 परियोजनाएं शामिल हैं। जल शक्ति मंत्रालय की ओर से ₹9 करोड़ की **'नर्मदा नदी क्षेत्र प्रबंधन'** एक उल्लेखनीय परियोजना है। आईआईटी इंदौर ने 155 पेटेंट फ़ाइल किए हैं, जिनमें से 66 स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 32 पिछले वर्ष स्वीकृत हुए थे। संस्थान विभिन्न योजनाओं के माध्यम से अनुसंधान को बढ़ावा देता है, जिसमें स्थानांतरीय अनुसंधान केंद्र (सीटीआर) भी शामिल है, जिसने तीन तकनीकों को लाइसेंस दिया है और आठ को इनक्यूबेट किया है। आईआईटी इंदौर ने **'हैंडबुक ऑफ आइडियाज, इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजीज'** जारी की है और ट्रांसलेशनल रिसर्च अप–स्केलिंग स्कीम (टीआरयूएसएस) के तहत 5 लाख रुपये की पेशकश की है। छह **'ड्रीम लैब'** परियोजनाओं और पांच **'प्रियस'** परियोजनाओं को वित्त पोषित किया गया है।

मध्य प्रदेश सरकार के सहयोग से उज्जैन में डीप टेक रिसर्च सेंटर खोलने की दिशा में एक प्रारंभिक कदम के रूप में, शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, उज्जैन में मेकर्स स्पेस, लेजर टेक्नोलॉजी और एस्ट्रोनॉमी सहित तीन प्रयोगशालाओं के लिए समर्पित केंद्र खोला गया है। उज्जैन में बनने वाला **'डीप–टेक रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर'** (डीआरडीसी) अनुसंधान व नवाचार को और आगे बढ़ाएगा। 5जी यूज़ केस लैब के लिए दूरसंचार विभाग द्वारा चयनित, आईआईटी इंदौर ने सीएसआर एंड सीआईसी मीट 2024 की भी मेजबानी की और डिजिटल हेल्थकेयर के लिए चरक सेंटर का उद्घाटन किया।

आईआईटी इंदौर में उद्यमशीलता गतिविधियों को सुविधाजनक बनाने के लिए, सेक्शन 8 कंपनी, **'एसीई (ACE) फाउंडेशन'** की स्थापना की गई है। यह उदीयमान् उद्यमियों को इनक्यूबेशन और फंडिंग के अवसर प्रदान करता है। हमने **'उद्यमिता शिक्षा एवं विकास केंद्र (सीईईडी)'** की भी स्थापना की है। यह संस्थान के सभी छात्रों के लिए उद्यमिता पाठ्यक्रम प्रदान करता है। 87 इनक्यूबेटेड स्टार्ट–अप में से 29 उपाधि प्राप्त कर चुके हैं, इस प्रकार लगभग 500 रोजगार सृजित हुए हैं। वर्तमान में, इनक्यूबेटेड 58 स्टार्ट–अप में से लगभग 10 मार्केट सत्यापन चरण में हैं। अब तक, हमें विभिन्न सरकारी योजनाओं से ₹7 करोड़ से अधिक प्राप्त हुए हैं, जिसमें स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम (एसआईएसएफ़एस) के माध्यम से ₹5 करोड़ शामिल हैं। फाउंडेशन ने उद्यमशीलता कौशल पर प्रशिक्षण के लिए अब तक लगभग 8 बूट–कैंप आयोजित किए हैं, जिन्हें पूरे मध्य प्रदेश राज्य से छात्रों और शिक्षकों से बहुत प्रतिक्रिया मिली है।

आईआईटी इंदौर शिक्षा जगत, उद्योग, संस्थानों और समाज के साथ सहयोग के माध्यम से अपने क्षितिज को व्यापक बनाने के लिए समर्पित है। हमने सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स, फ्रेंच नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट, नेशनल काउंसिल ऑफ साइंस म्यूजियम, रॉयल एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग, आईसीएआर–इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सोयाबीन रिसर्च, आईईईई, वेस्टर्न रेलवे, लार्सन एंड टूब्रो लिमिटेड, सिंपल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड और संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क के साथ साझेदारी की है।

हमने उन्नत शोध व विश्लेषणात्मक परीक्षण के लिए राजरतन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (आरसीओई) की स्थापना की, जो दुनिया की सबसे बड़ी टायर बीड वायर निर्माता कंपनी राजरतन ग्लोबल वायर के साथ हमारी पहली सीएसआर पहल है। इसके अतिरिक्त, हमने सीएनएच इंटरनेशनल लिमिटेड के सहयोग से सीएएसई–सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की। एआईसीटीई की मार्गदर्शन योजना 2023 के तहत, आईआईटी इंदौर को सुशीला देवी बंसल कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी सहित स्थानीय इंजीनियरिंग कॉलेजों का मार्गदर्शन करने के लिए एक संरक्षक संस्थान के रूप में नामित किया गया है। पीएम स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम श्री) योजना के रूप में, हमारा लक्ष्य स्कूली शिक्षा में समानता, पहुँच और समावेश को बढ़ाना है। भारतीय स्टेट बैंक अपनी सीएसआर गतिविधियों के तहत हमारे वृक्षारोपण अभियान में सहयोग करता है। अपने सहयोग को और सुदृढ़ बनाने के लिए, हमने 76 राष्ट्रीय (54 एक्टिव) और 103 अंतर्राष्ट्रीय (65 एक्टिव) समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं।

टिकाऊ बुनियादी ढांचा

संस्थान के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए संस्थान महत्वाकांक्षी बुनियादी ढांचे के विकास पर काम कर रहा है। चरण I और II का निर्माण पूरा हो चुका है और माननीय प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्र को समर्पित किया गया है और चरण 3 की आधारशिला 2 अक्टूबर 2023 को रखी गई है।

इस चरण III में हैवी व परिष्कृत प्रयोगशाला परिसर, अकादमिक पॉड, छात्रावास और संकाय सदस्य और विवाहित छात्रों के लिए आवास शामिल हैं। फुटबॉल ग्राउंड, 400 मीटर सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक, हॉकी ग्राउंड, लॉन टेनिस कोर्ट, वॉलीबॉल कोर्ट और बैठने की गैलरी सहित ओलंपिक–मानक आउटडोर खेल सुविधाएं पूरी होने वाली हैं। चल रही परियोजनाओं में एक प्रयोगशाला परिसर, ट्रांजिट लैब कॉम्प्लेक्स, पीएमएवाई योजना के तहत छात्रावास, पशु गृह, बहुउद्देश्यीय हॉल और बहुस्तरीय कार पार्किंग शामिल हैं। यह बुनियादी ढांचा छात्रों और कर्मचारियों के लिए विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करेगा।

स्थिरता लक्ष्यों के अनुरूप, आईआईटी इंदौर ने अपने 500 एकड़ के परिसर में 200 एकड़ वन क्षेत्र बनाए रखा है, छह प्राकृतिक जल निकायों का पुनरुद्धार किया है और एक बड़ा जल निकाय 'अमृत सरोवर' विकसित किया है। संस्थान मिट्टी और जल संरक्षण के लिए आठ चेक–डैम भी विकसित कर रहा है और पीपल और नीम आदि सहित 5000 से अधिक पेड़ लगाने की योजना बना रहा है। कैम्पा योजना के अंतर्गत, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय परिसर में एक इको–कॉरिडोर विकसित कर रहा है, जो सभी आईआईटी में इस तरह का पहला परिसर होगा।

संस्थान अक्टूबर, 2024 में इंटर आईआईटी एक्वेटिक्स मीट की मेजबानी करेगा और दिसंबर, 2024 में इंटर–आईआईटी स्पोर्ट्स मीट की सह–मेजबानी करेगा, जो खेल भावना को बढ़ावा देने वाला अपनी तरह का एक राष्ट्रीय आयोजन है।

मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि इस वर्ष आईआईटी इंदौर में प्लेसमेंट सीजन काफी सफल रहा, लगभग 125 कम्पनियां हमारे परिसर में आईं और 311 ऑफर दिए, जिनमें 7 अंतर्राष्ट्रीय ऑफर भी शामिल थे।

हमारा पूर्व छात्र और कॉर्पोरेट संबंध (एसीआर) कार्यालय पिछले वर्ष से पूर्व छात्रों और उद्योगों दोनों के साथ दीर्घकालिक संबंधों को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहा है। हमने हैदराबाद और बैंगलोर में पूर्व छात्र सम्मेलन सफलतापूर्वक आयोजित किए हैं और जल्द ही दिल्ली में तीसरे अध्याय की मेजबानी करने की योजना बना रहे हैं। इसके अतिरिक्त, हम हर वर्ष एक प्रतिष्ठित पूर्व छात्र को सम्मानित करने की प्रक्रिया में हैं। संस्थान अपने पूर्व छात्रों के साथ आजीवन जुड़ाव के लिए संस्थान की ओर से ईमेल की सुविधा प्रदान करता है।

मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि उपाधि प्राप्त करने वाले 682 विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतिष्ठित पदक प्राप्त हुए हैं, जिनमें राष्ट्रपति स्वर्ण पदक, संस्थान रजत पदक, सर्वश्रेष्ठ बीटेक परियोजना पुरस्कार तथा स्नातकोत्तर के सभी उपाधि प्राप्तकर्ताओं में सर्वोच्च सीपीआई वाली सर्वश्रेष्ठ महिला छात्रा के लिए बूटी फाउंडेशन स्वर्ण पदक शामिल हैं।

प्रोफेसर सुहास एस जोशी
निदेशक, आईआईटी इंदौर

शासी मंडल

अध्यक्ष

डॉ. के. सिवन
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर
(22 अगस्त, 2023 से अब तक)

प्रोफेसर दीपक बी. फाटक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर
(18 फ़रवरी 2019 से 17 अगस्त 2023 तक)

सदस्य

प्रोफेसर सुहास एस. जोशी
निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर

श्री एस.के. बरनवाल
अपर सचिव (टीई), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली

श्री मनु श्रीवास्तव
प्रमुख सचिव
तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग, मध्य प्रदेश सरकार

प्रोफेसर योगेश एम. जोशी
रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी कानपुर

प्रोफेसर धनंजय वी. भट्ट
प्रोफ़ेसर (सेवानिवृत्त), यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग
एस.वी. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इच्छानाथ, सूरत
(11 जुलाई, 2028 से 22 नवंबर, 2023)

श्री मनोज कोहली
कार्यकारी अध्यक्ष, एसबी एनर्जी (सॉफ्ट बैंक ग्रुप) नई दिल्ली
(11 जुलाई, 2028 से 22 नवंबर, 2023 तक)

प्रोफेसर प्रीति ए. भोबे (अभिषद् मनोनीत व्यक्ति)
भौतिकी विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर

प्रोफेसर प्रभात कुमार उपाध्याय (अभिषद् मनोनीत व्यक्ति)
विद्युत अभियांत्रिकी विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर

श्री एस. पी. होता
कुलसचिव व सचिव, शासी मंडल
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर

संस्थान के अधिकारीगण

निदेशक, आईआईटी इंदौर
प्रोफेसर सुहास एस. जोशी

अधिष्ठाता, शैक्षणिक कार्य
प्रोफेसर विपुल सिंह

अधिष्ठाता, शैक्षणिक बाह्य संपर्क
प्रोफेसर देवेंद्र एल. देशमुख

अधिष्ठाता, प्रशासन
प्रोफेसर संदीप चौधरी

अधिष्ठाता, छात्र कार्य
प्रोफेसर श्रीवत्सन वासुदेवन

अधिष्ठाता, आधारभूत संरचना विकास
प्रोफेसर मनीष कुमार गोयल

अधिष्ठाता, अनुसंधान एवं विकास
प्रोफेसर आई. ए. पलानी

अधिष्ठाता, अंतर्राष्ट्रीय संबंध
प्रोफेसर अविनाश सोनावणे

अधिष्ठाता, पूर्व छात्र एवं कॉर्पोरेट संबंध (एसीआर)
प्रोफेसर सुमन मुखोपाध्याय

अधिष्ठाता, संकाय कार्य
प्रोफेसर अभिषेक श्रीवास्तव

कुलसचिव, आईआईटी इंदौर
श्री एस. पी. होता

सह अधिष्ठाता

शैक्षणिक (यूजी / पीजी / पीएचडी कार्यक्रम)	:	प्रोफेसर अंखी रॉय (20 जुलाई 2023 से प्रभावी)
शैक्षणिक (आधारभूत संरचना)	:	प्रोफेसर राजेश कुमार
शैक्षणिक (स्नातरकोत्तर व पीएचडी कार्यक्रम)	:	डॉ. ईश्वर प्रसाद कोरिमिल्ली (30 सितंबर, 2023 तक)
संकाय कार्य	:	प्रोफेसर आमोद सी. उमरीकर
अनुसंधान एवं विकास – I	:	प्रोफेसर तृप्ति जैन
अनुसंधान एवं विकास – II	:	डॉ. बोधिसत्व मजूमदार
प्रशासन (मानव संसाधन एवं नीति)	:	प्रोफेसर निर्मला मेनन
प्रशासन (वित्त एवं एमएमएस)	:	प्रोफेसर संतोष होसमानी
आधारभूत संरचना विकास – I	:	डॉ. गुरु प्रकाश (30 सितंबर, 2023 तक)
छात्र कार्य	:	डॉ. संजीव सिंह
अंतर्राष्ट्रीय संबंध – I	:	प्रोफेसर रघुनाथ साहू (26 नवंबर, 2023 तक)
अंतर्राष्ट्रीय संबंध – II	:	प्रोफेसर संजय कुमार सिंह (21 फरवरी, 2024 तक)

विभागाध्यक्ष

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान	:	प्रोफेसर रुचि शर्मा
संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी		डॉ. रणवीर सिंह (7 अक्टूबर, 2023 से)
	:	डॉ. सोमनाथ डे (6 अक्टूबर, 2023 तक)
विद्युत अभियांत्रिकी	:	प्रोफेसर विवेक कान्हांगड
यांत्रिक अभियांत्रिकी	:	प्रोफेसर शणमुगम दिनाकरन
रसायन विज्ञान	:	प्रोफेसर तुषार कांति मुखर्जी
गणित	:	प्रोफेसर नीरज कुमार शुक्ला
भौतिकी	:	प्रोफेसर प्रीति ए. भोबे (23 नवंबर, 2023 से प्रभावी)
		प्रोफेसर पंकज आर सागदेव (22 नवंबर, 2023 तक)
खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी एवं अंतरिक्ष अभियांत्रिकी	:	प्रोफेसर अभिरूप दत्ता
जीव विज्ञान एवं जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी	:	प्रोफेसर अमित कुमार
धातुकर्म अभियांत्रिकी एवं पदार्थ विज्ञान	:	डॉ. अजय कुमार कुशवाहा
जानपद अभियांत्रिकी	:	डॉ. अभिषेक राजपूत

केंद्रों के प्रभारी प्राध्यापक

उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स केंद्र	:	प्रोफेसर विवेक कान्हांगड
कंप्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र	:	प्रोफेसर नेमिनाथ हुबली
अत्याधुनिक रक्षा एवं अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी केंद्र	:	डॉ. इंद्रसेन सिंह
उद्यमिता शिक्षा एवं विकास केंद्र	:	डॉ. स्वामीनाथन आर.
ग्रामीण विकास एवं प्रौद्योगिकी केंद्र	:	डॉ. देबायन सरकार
डीएसटी–एफआईएसटी गियर अभियांत्रिकी उत्कृष्टता केंद्र	:	प्रोफेसर नीलेश कुमार जैन
परिष्कृत उपकरण केंद्र (एसआईसी)	:	प्रोफेसर अपूर्वा के. दास
भारतीय वैज्ञानिक ज्ञान परंपरा केंद्र	:	प्रोफेसर जी.एस. मूर्ति
विद्युतीय वाहन एवं कुशल परिवहन प्रणाली केंद्र	:	प्रोफेसर आमोद सी. उमरीकर
परामर्श सेवाएँ	:	प्रोफेसर अरुणा तिवारी (मार्च, 2024 तक)
प्रशिक्षण एवं नियोजन	:	प्रोफेसर पवन कुमार कांकर
केंद्रीय कार्यशाला	:	डॉ. डैन सत्यराज

आईआईटी इंदौर के अभिषद् के सदस्यगण

अध्यक्ष

प्रोफेसर सुहास एस. जोशी
निदेशक, आईआईटी इंदौर

बाह्य विशेषज्ञगण

प्रोफेसर हिमांशु राय	निदेशक, आईआईएम इंदौर
श्री शंकर वी. नाखे	निदेशक, आरआरकैट (RRCAT)
प्रोफेसर अभिराम जी. रानाडे	प्रोफेसर, आईआईटी बॉम्बे

अधिष्ठातागण

प्रोफेसर विपुल सिंह	अधिष्ठाता, शैक्षणिक कार्य
प्रोफेसर संदीप चौधरी	अधिष्ठाता, प्रशासन
प्रोफेसर अविनाश सोनावणे	अधिष्ठाता, अंतर्राष्ट्रीय संबंध
प्रोफेसर मनीष कुमार गोयल	अधिष्ठाता, आधारभूत संरचना विकास
प्रोफेसर आई.ए. पलानी	अधिष्ठाता, अनुसंधान एवं विकास
प्रोफेसर श्रीवत्सन वासुदेवन	अधिष्ठाता, छात्र कार्य
प्रोफेसर सुमन मुखोपाध्याय	अधिष्ठाता, पूर्व छात्र एवं कॉर्पोरेट संबंध
प्रोफेसर अभिषेक श्रीवास्तव	अधिष्ठाता, संकाय कार्य
प्रोफेसर देवेन्द्र एल देशमुख	अधिष्ठाता, शैक्षणिक बाह्य संपर्क

विभागाध्यक्षगण

डॉ. अभिषेक राजपूत	विभागाध्यक्ष, जानपद अभियांत्रिकी
डॉ. रणवीर सिंह	विभागाध्यक्ष, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
प्रोफेसर विवेक कान्हांगड	विभागाध्यक्ष, विद्युत अभियांत्रिकी
प्रोफेसर शनमुगम दिनाकरण	विभागाध्यक्ष, यांत्रिक अभियांत्रिकी
डॉ. अजय कुमार कुशवाहा	विभागाध्यक्ष, धातुकर्म अभियांत्रिकी एवं पदार्थ विज्ञान
प्रोफेसर अमित कुमार	विभागाध्यक्ष, जीव विज्ञान एवं जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी
प्रोफेसर अभिरूप दत्ता	विभागाध्यक्ष, खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी एवं अंतरिक्ष अभियांत्रिकी
प्रोफेसर तुषार कांति मुखर्जी	विभागाध्यक्ष, रसायन विज्ञान
प्रोफेसर नीरज कुमार शुक्ला	विभागाध्यक्ष, गणित
प्रोफेसर प्रीति ए भोबे	विभागाध्यक्ष, भौतिकी
प्रोफेसर रुचि शर्मा	विभागाध्यक्ष, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान

प्राध्यापक

प्रोफेसर नरेंद्र एस चौधरी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
प्रोफेसर नीलेश कुमार जैन	यांत्रिक अभियांत्रिकी
प्रोफेसर आनंद पारे	यांत्रिक अभियांत्रिकी
प्रोफेसर राम बिलास पचौरी	विद्युत अभियांत्रिकी
प्रोफेसर अभिनव क्रांति	विद्युत अभियांत्रिकी
प्रोफेसर विमल भाटिया	विद्युत अभियांत्रिकी
प्रोफेसर रजनीश मिश्रा	रसायन विज्ञान
प्रोफेसर सुमन मुखोपाध्याय	रसायन विज्ञान
प्रोफेसर सुभेंदु रक्षित	भौतिकी
प्रोफेसर कृष्णा आर.मवानी	भौतिकी
प्रोफेसर सारिका जालान	भौतिकी
प्रोफेसर संदीप चौधरी	जानपद अभियांत्रिकी
प्रोफेसर अविनाश सोनावणे	जीव विज्ञान एवं जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी
प्रोफेसर जी.एस.मूर्ति	जीव विज्ञान एवं जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी
प्रोफेसर संतोष कुमार विश्वकर्मा	विद्युत अभियांत्रिकी
प्रोफेसर शैबाल मुखर्जी	विद्युत अभियांत्रिकी
प्रोफेसर विपुल सिंह	विद्युत अभियांत्रिकी
प्रोफेसर प्रभात कुमार उपाध्याय	विद्युत अभियांत्रिकी
प्रोफेसर तृप्ति जैन	विद्युत अभियांत्रिकी
प्रोफेसर मुकेश कुमार	विद्युत अभियांत्रिकी
प्रोफेसर मनीष कुमार गोयल	जानपद अभियांत्रिकी
प्रोफेसर नीलिमा देवरकोंडा सत्यम	जानपद अभियांत्रिकी
प्रोफेसर पलानी अयमपेरुमल आनंद	यांत्रिक अभियांत्रिकी
प्रोफेसर भुपेश कुमार लाड	यांत्रिक अभियांत्रिकी
प्रोफेसर संतोष कुमार साहू	यांत्रिक अभियांत्रिकी
प्रोफेसर रितुनेश कुमार	यांत्रिक अभियांत्रिकी
प्रोफेसर दिनाकरन शनमुगम	यांत्रिक अभियांत्रिकी
प्रोफेसर अरुणा तिवारी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
प्रोफेसर अभिषेक श्रीवास्तव	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
प्रोफेसर कपिल आहूजा	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
प्रोफेसर अभिरूप दत्ता	खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी एवं अंतरिक्ष अभियांत्रिकी
प्रोफेसर अमित कुमार	जीव विज्ञान एवं जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी
प्रोफेसर प्रशांत कोडगिरे	जीव विज्ञान एवं जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी
प्रोफेसर एस.के. सफीक अहमद	गणित
प्रोफेसर अपूर्व कुमार दास	रसायन विज्ञान
प्रोफेसर संपक सामंता	रसायन विज्ञान
प्रोफेसर संजय कुमार सिंह	रसायन विज्ञान
प्रोफेसर विश्वरूप पाठक	रसायन विज्ञान
प्रोफेसर निर्मला मेनन	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान
प्रोफेसर प्रीति शर्मा	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान
प्रोफेसर रुचि शर्मा	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान
प्रोफेसर प्रीति आनंद भोबे	भौतिकी
प्रोफेसर राजेश कुमार	भौतिकी
प्रोफेसर सुदेशना चट्टोपाध्याय	भौतिकी
प्रोफेसर परशराम एम. शिरागे	धातुकर्म अभियांत्रिकी एवं पदार्थ विज्ञान
प्रोफेसर स्वदेश के. साहू	गणित
प्रोफेसर रघुनाथ साहू	भौतिकी
प्रोफेसर आमोद सी. उमरीकर	विद्युत अभियांत्रिकी

प्रोफेसर विवेक कान्हांगड	विद्युत अभियांत्रिकी
प्रोफेसर श्रीवत्सन वासुदेवन	विद्युत अभियांत्रिकी
प्रोफेसर देवेन्द्र एल देशमुख	यांत्रिक अभियांत्रिकी
प्रोफेसर पंकज रमेश सागदेव	भौतिकी
प्रोफेसर अंखी रॉय	भौतिकी
प्रोफेसर सोमादित्य सेन	भौतिकी
प्रोफेसर मोबीन शेख	रसायन विज्ञान
प्रोफेसर तुषार कांति मुखर्जी	रसायन विज्ञान
प्रोफेसर अंजन चक्रवर्ती	रसायन विज्ञान
प्रोफेसर सत्या सिलेंद्र बुलुसु	रसायन विज्ञान
प्रोफेसर चेल्वम वेंकटेश	रसायन विज्ञान
प्रोफेसर किरण बाला	जीव विज्ञान एवं जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी
प्रोफेसर मिर्ज़ा साकिब बेग	जीव विज्ञान एवं जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी
प्रोफेसर अनिर्बान सेनगुप्ता	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
प्रोफेसर नेमिनाथ हुब्बल्ली	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
प्रोफेसर रूपेश शिवाजी देवन	धातुकर्म अभियांत्रिकी एवं पदार्थ विज्ञान
प्रोफेसर संतोष सत्तप्पा होस्मानी	धातुकर्म अभियांत्रिकी एवं पदार्थ विज्ञान
प्रोफेसर एंटनी विजेश विलावरायण	गणित
प्रोफेसर नीरज कुमार शुक्ला	गणित
प्रोफेसर सत्यजीत चटर्जी	यांत्रिक अभियांत्रिकी
प्रोफेसर काज़ी साबिरुद्दीन	यांत्रिक अभियांत्रिकी
प्रोफेसर पवन कुमार कांकर	यांत्रिक अभियांत्रिकी

अन्य प्राधिकारीगण

डॉ.जयप्रकाश मुरुगेसन	मुख्य वार्डन
डॉ. शरद गुप्ता	संयोजक, स्वास्थ्य केंद्र सलाहकार समिति
डॉ. आनंद पिटारे	कार्यशाला अधीक्षक, केंद्रीय कार्यशाला

छात्र प्रतिनिधि (केवल गैर–मूल्यांकन मद के लिए)

महासचिव, छात्र जिमखाना	पदेन
शैक्षणिक सचिव, छात्र जिमखाना	पदेन

सचिव

श्री एस.पी.होता	कुलसचिव, आईआईटी इंदौर

शैक्षणिक कार्य

संस्थान का शैक्षणिक कार्य कार्यालय संस्थान के विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों में नामांकित छात्रों के लिए सभी शैक्षणिक गतिविधियों की रणनीतिक योजना और निष्पादन की देखरेख के लिए उत्तरदायी है। यह कार्यालय एक नियोजित शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार काम करता है, जिसे हर सेमेस्टर के अनुसार तैयार किया जाता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रत्येक कार्यक्रम का शैक्षणिक पाठ्यक्रम संस्थान की सीनेट द्वारा स्थापित दिशा–निर्देशों, नियमों और नीतियों का पालन करता है।

वर्ष 2023–24 के लिए शैक्षणिक कार्यालय की गतिविधियों के मुख्य बिंदु।

- शैक्षणिक वर्ष 2023–24 के लिए यूजी, पीजी और पीएचडी छात्रों के लिए ऑरिएंटेशन और पंजीकरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। विभिन्न कार्यक्रमों में कुल 1,047 छात्रों ने प्रवेश लिया।
- हमने 2023 में संस्थान का एकादश दीक्षांत समारोह सफलतापूर्वक आयोजित किया, जिसमें 553 छात्रों को यूजी/पी.जी./पीएचडी कार्यक्रमों की डिग्री प्रदान की गई और इस द्वादश दीक्षांत समारोह में 673 छात्रों को 2024 में यूजी/पी.जी./पीएचडी कार्यक्रमों की डिग्री प्रदान की गई।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अधिदेश के अनुरूप शैक्षणिक कार्यक्रमों की ओवरहॉलिंग और पुनर्गठन को लागू किया गया है। सभी यूजी कार्यक्रमों में छात्रों के पास अब विभागीय/संस्थागत ऐच्छिक के रूप में वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के विकल्प बढ़ेंगे। 2023 यूजी बैच के साथ लागू किए गए एनईपी पाठ्यक्रम में छात्रों के पास दूसरे सेमेस्टर से ही विभाग के वैकल्पिक विषयों का विकल्प है।
- आईआईटी इंदौर शैक्षणिक मार्गों की विविधता में विश्वास करता है और हमेशा छात्रों को उद्योग की मांग को पूरा करने के लिए कौशल और ज्ञान से सुदृढ़ बनाने को प्राथमिकता देता है। विभिन्न उद्योगों की लगातार विकसित होती ज़रूरतों को पूरा करने के लिए, आईआईटी इंदौर ने 13 नए पाठ्यक्रम शुरू किए हैं, जिनमें 4 नए बी.टेक. कार्यक्रम, 6 मास्टर कार्यक्रम और 3 पीएचडी कार्यक्रम शामिल हैं। कार्यक्रमों का विवरण इस प्रकार हैः
  - बी.टेक. कार्यक्रमः
    - i. रासायनिक अभियांत्रिकी
    - ii. गणितीय और कंप्यूटिंग
    - iii. इंजीनियरिंग भौतिकी
    - iv. अंतरिक्ष विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
  - एम.टेक. कार्यक्रमः
    - i. संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
    - ii. जल, जलवायु और स्थिरता
    - iii. जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी
    - iv. संरचना अभियांत्रिकी
    - v. एप्लाइड ऑप्टिक्स एवं लेजर प्रौद्योगिकी
    - vi. रक्षा प्रौद्योगिकी
  - पीएचडी कार्यक्रमः
    - I. ग्रामीण विकास एवं प्रौद्योगिकी केंद्र (सीआरडीटी)
    - ii. विद्युतीय वाहन एवं कुशल परिवहन प्रणाली केंद्र (सीईवीआईटीएस)
    - iii. अत्याधुनिक रक्षा एवं अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी केंद्र
- आईआईटी इंदौर ने ग्रेड/नोटिस/पाठ्यक्रम पंजीकरण और विभिन्न अन्य शैक्षणिक संबंधित गतिविधियों को देखने के लिए एक इन–हाउस न्यू एकेडमिक रिकॉर्ड ऑन–लाइन (एआरओएल) पोर्टल विकसित किया है। जैसे सीईआरपी अधिसूचना, ग्रेड सबमिशन, फीडबैक, कार्यकारी कार्यक्रम के लिए त्रैमासिक प्रणाली।
- बड़ी संख्या वाले बैचों के लिए हमने तकनीकी अनुप्रयोगों को अपनाकर छात्रों की उपस्थिति निगरानी तंत्र को लागू किया है।
- आईआईटी इंदौर ने शैक्षणिक वर्ष 2023–2024 में एम.टेक कार्यक्रम के लिए पहली बार स्पॉट राउंड प्रवेश की शुरुआत की। सीओएपी राउंड के अंत में शेष खाली सीटों को भरने के लिए बत्तीस छात्रों को प्रवेश दिया गया।
- शोध कार्य की गुणवत्ता और मात्रा को बनाए रखने के लिए पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया को नया रूप दिया गया है।
- 54 में से दो पीएमआरएफ छात्रों ने इस वर्ष स्नातक किया। वर्ष 2023 में, 14 छात्रों ने पीएमआरएफ छात्रवृत्ति हासिल की।
- दो बैचों के बयासी छात्रों ने आईआईटी इंदौर और आईआईएम इंदौर द्वारा संयुक्त रूप से पेश किए गए डेटा साइंस एंड मैनेजमेंट प्रोग्राम में अपने मास्टर ऑफ साइंस को सफलतापूर्वक पूरा किया है।
- हमने रासायनिक अभियांत्रिकी को छोड़कर सभी शाखाओं के लिए नई शिक्षा नीति, 2020 के अनुसार बी.टेक. द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक संशोधित और सिंक्रनाइज़ किया है।
- एमपी तकनीकी शिक्षा के साथ समझौता ज्ञापन के तहत, कुल 23 छात्रों को आईआईटी इंदौर के संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में अपनी डिग्री के हिस्से के रूप में एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत अपना सेमेस्टर पूरा करने का अवसर मिला।
- वोल्वो आयशर कमर्शियल व्हीकल लिमिटेड (वीईसीवी) के 10 अधिकारियों के एक समूह ने वीईसीवी के साथ समझौता ज्ञापन सहयोग के एक हिस्से के रूप में इलेक्ट्रिक वाहन एवं कुशल परिवहन प्रणाली केंद्र (सीईवीआईटीएस) द्वारा पेश किए गए एम.टेक कार्यक्रम में प्रवेश लिया है।
- एनईपी–2020 के आदेश के अनुसार अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट को अपनाया गया।

पदक प्राप्तकर्ता

द्वादश दीक्षांत समारोह 2024
पदक और पुरस्कार प्राप्तकर्ता

राष्ट्रपति स्वर्ण पदक

यूजी में उपाधि लेने वाले सभी छात्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन हेतु

श्री मुकुल जैन
बी.टेक. (सीएसई)
रोल नं. 200001050

संस्थान रजत पदक

प्रत्येक विभाग के उपाधि लेने वाले सभी यूजी छात्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन हेतु

सुश्री नित्या चौरसिया
बी.टेक. (सीई)
रोल नंबर 200004033

श्री वंकयालापति साई वेंकट सात्विक
बी.टेक. (सीएसई)
रोल नंबर 200001077

श्री दफ्तरी देव शिमुलभाई
बी.टेक. (ईई)
रोल नंबर 200002025

श्री अमित विक्रांत धवले
बी.टेक. (एमई)
रोल नंबर 200003011

श्री जितिन सतीश कुमार
बी.टेक. (एमईएमएस)
रोल नंबर 200005018

संस्थान रजत पदक

उपाधि लेने वाले सभी पीजी छात्रों (एम.टेक. और एम.एससी. कार्यक्रम) के बीच सर्वश्रेष्ठ समग्र प्रदर्शन हेतु

श्री ऋषभ शर्मा
एम.टेक. (एमईएमएस)
रोल नंबर 2202105001

सुश्री कृशांगी कश्यप
एम.एससी. (डीएएसई)
रोल नं.2203121006

बूटी फाउंडेशन स्वर्ण पदक

उपाधि लेने वाली सभी महिला पीजी छात्राओं में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन हेतु

सुश्री कृशांगी कश्यप

एम.एससी. (डीएएएसई)

रोल नं. 2203121006

वीपीपी मेनन स्वर्ण पदक

महिला छात्रा द्वारा सर्वश्रेष्ठ पीएचडी शोध प्रबंध कार्य हेतु

सुश्री कंचन समाधिया

पीएचडी (जीव विज्ञान एवं जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी)

रोल नंबर 1701171015

थीसिस शीर्षक: "टिकाऊ बायोपॉलिमर संश्लेषण के लिए स्वदेशी रोगाणुरू एक व्यापक अनुकूलन और लक्षण वर्णन अध्ययन"

संस्थान स्वर्ण पदक

उपाधि लेने वाले सभी छात्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ सर्वांगीण प्रदर्शन हेतु

श्री अभिनव यादव

बी.टेक (ईई)

रोल नंबर 200004001

सर्वश्रेष्ठ बी.टेक. परियोजना (बीटीपी) पुरस्कार

सभी यूजी उत्तीर्ण छात्रों में

श्री सौरभ किचौलिया

बीटेक (ईई)

रोल नंबर 200002069

परियोजना का शीर्षक:

"शील्डिंग अनुप्रयोगों के लिए अनुरूप माइक्रोवेव रेडोम"

एमएसडीएसएम रजत पदक

उपाधि लेने वाले सभी छात्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ समग्र प्रदर्शन हेतु (एमएसडीएसएम कार्यक्रम)

श्री सेबेस्टियन पी एस

एमएसडीएसएम (2021 बैच)

रोल नंबर 2104107031

श्री दिव्यांश दुबे

एमएसडीएसएम (2022 बैच)

रोल नंबर 2204107020

रैंकिंग

इंदौर के लिए एक और गर्व की बात यह है कि आईआईटी इंदौर को क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2024 में 454वां स्थान प्राप्त हुआ है। यह संस्थान भारतीय विश्वविद्यालयों की श्रेणी में 11वें स्थान पर है और दूसरी पीढ़ी के आईआईटी की तुलना में सर्वोच्च स्थान पर है। सबसे व्यापक और संतुलित उपलब्ध तुलना प्रदान करने के लिए, विश्वविद्यालयों को शिक्षाविदों, अनुसंधान, उद्धरण, अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण, स्थिरता और रोजगार परिणामों सहित 08 प्रमुख रैंकिंग संकेतकों के आधार पर आंका जाता है। इस वर्ष की क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में यूरोप, एशिया और उत्तरी अमेरिका के विभिन्न स्थानों के विश्वविद्यालयों सहित दुनिया भर के लगभग 1,500 संस्थान शामिल थे।

हाल ही में जारी एनआईआरएफ, शिक्षा मंत्रालय द्वारा भारत रैंकिंग 2023 में, आईआईटी इंदौर ने कई श्रेणियों में एनआईआरएफ रैंकिंग के अनुसार महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। आईआईटी इंदौर देश के इंजीनियरिंग संस्थानों में 14वें स्थान पर है। इस श्रेणी में, संस्थानों को 05 प्रमुख रैंकिंग मापदंडों के आधार पर आंका जाता है, जिसमें शैक्षणिक, अनुसंधान, डिग्रीधारकों के नियोजन एवं उच्च शिक्षा, आउटरीच एवं समावेशिता तथा धारणा शामिल हैं। इसके अलावा, आईआईटी इंदौर समग्र रूप से 28वें और अनुसंधान श्रेणी में 21वें स्थान पर है।

श्रेणी	रैंकिंग	
	एनआईआरएफ–2022	एनआईआरएफ–2023
इंजीनियरिंग	16	14
समग्र	31	28
रिसर्च	26	21

संस्थान के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी ने आईआईटी इंदौर परिवार को बधाई दी और उनसे अपने अनुसंधान तथा शैक्षणिक गतिविधियों को परिश्रम के साथ आगे बढ़ाने का आग्रह किया, जो अनिवार्य रूप से संस्थान के विकास में योगदान देगा तथा भविष्य में और अधिक वैश्विक मान्यता का मार्ग प्रशस्त करेगा।

संकाय कार्य

संकाय कार्य कार्यालय संकाय सदस्यों से संबंधित सभी प्रशासनिक कार्यों का प्रबंधन करता है। यह कार्यालय संकाय सदस्यों की भर्ती से लेकर उनकी सेवानिवृत्ति तक के प्रशासनिक रिकॉर्ड रखता है। इस कार्यालय का नेतृत्व संकाय कार्य के अधिष्ठाता प्रोफेसर अभिषेक श्रीवास्तव करते हैं, जिनकी सहायता प्रोफेसर आमोद सी. उमरीकर – सह अधिष्ठाता; श्री राजन थॉमस – सहायक कुलसचिव; श्री सुनील सावले – अनुभाग अधिकारी; श्री शिशिर कुमार – कनिष्ठ हिंदी अनुवादक, श्री सनी नामदेव – वरिष्ठ सहायक और सुश्री पिनाज़ डैनियल – अधिष्ठाता की निजी सहायक के रूप में करती हैं।

यह कार्यालय निम्नलिखित कार्य करता है:

क) विभिन्न विभागों में स्थायी/संविदा/अतिथि/प्रतिष्ठित/एमेरिटस संकाय सदस्यों की भर्ती अभियान पर कार्य करना तथा उनकी नियुक्ति करना।

ख) नव नियुक्त संकाय सदस्यों की पदभार ग्रहण संबंधी औपचारिकताएँ पूरी करना।

ग) संकाय सदस्यों के सेवा रिकॉर्ड तथा व्यक्तिगत फ़ाइलों का रखरखाव करना।

घ) वेतन संशोधन, अपग्रेडेशन तथा कन्वर्जन, अवकाश, एलटीसी, आश्रित सूची, प्रतिनियुक्ति, वार्षिक वेतन वृद्धि, संविदा नियुक्तियों के लिए कार्यकाल विस्तार, स्थायीकरण, एनपीएस आदि सहित सभी सेवा कार्यों का प्रसंस्करण करना।

च) सेवा विवरणों को नियमित रूप से अपडेट करना।

च) मानव संसाधन विकास मंत्रालय/आरटीआई प्रश्नों तथा लोकसभा/राज्यसभा प्रश्नावली के उत्तर प्रदान करना।

वर्ष 2023–24 के दौरान किए जाने वाले कुछ प्रमुख कार्य इस प्रकार हैं:

क) आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए विशेष भर्ती अभियान चलाना।

ख) नई भर्ती के लिए संकाय सदस्य आवेदन पोर्टल को विकसित करना।

ग) नियमों और प्रक्रियाओं के मानकीकरण के लिए विभिन्न नीतियों का निर्माण करना।

घ) नए संकाय सदस्यों की न्यूनतम गतिविधि सुनिश्चित करने और नए परिवेश में तेजी से अनुकूलन सुनिश्चित करने के लिए पदभार ग्रहण संबंधी औपचारिकताओं को सुव्यवस्थित करना।

च) कागजों के कम उपयोग के साथ ईमेल के माध्यम से अनुमोदन को प्राप्त करना।

छ) संकाय सदस्यों को एलटीसी का समय पर प्रावधान।

मार्च 2024 तक भरे जाने वाले संकाय सदस्य पद:

पद	संख्या
प्राध्यापक	70
सह प्राध्यापक	42
सहायक प्राध्यापक ग्रेड I	74
सहायक प्राध्यापक ग्रेड II	18
कुल	**204**

वर्ष 2023–24 के दौरान आईआईटी इंदौर में सेवा में कार्यरत होने वाले संकाय सदस्यों की संख्या 62 है और विवरण इस प्रकार है:

पद	संख्या
प्राध्यापक	19
सह प्राध्यापक	10
सहायक प्राध्यापक ग्रेड I	18
सहायक प्राध्यापक ग्रेड II	15
कुल	**62**

1. डॉ. सैकत सरकार, सहायक प्राध्यापक ग्रेड I, जानपद अभियांत्रिकी विभाग, 11 मई, 2023 (अपराह्न) को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली में सहायक प्राध्यापक ग्रेड I के रूप में कार्यरत होने के लिए कार्य मुक्त हुए।
2. डॉ. नीरज मिश्रा, सह प्राध्यापक, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल, 15 जुलाई, 2023 (अपराह्न) को कार्य मुक्त हुए।
3. डॉ. सौमेन घोष, सहायक प्राध्यापक ग्रेड I, रसायन विज्ञान विभाग, 27 अक्टूबर, 2023 (अपराह्न) को कार्य मुक्त हुए।
4. डॉ. शुभ्रांसु मंडल, सहायक प्राध्यापक ग्रेड II, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग, 29 दिसंबर, 2023 (अपराह्न) को कार्य मुक्त हुए।

विभाग व स्कूल की प्रोफ़ाइल

खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी एवं अंतरिक्ष अभियांत्रिकी विभाग

परिचय

2015 में स्थापित खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी एवं अंतरिक्ष अभियांत्रिकी विभाग (डीएएएसई) आईआईटी प्रणाली में अपनी तरह का पहला अंतःविषय विभाग है। यह खगोल विज्ञान में पीएचडी, एमएससी, एम.टेक, एमएस (रिसर्च) एवं अंतरिक्ष अभियांत्रिकी में बी.टेक प्रदान करता है। विभाग में दस स्थायी संकाय सदस्य, एक ईएनएई प्रतिष्ठित प्रोफेसर और दो विजिटिंग प्रोफेसर हैं जो डीएसटी, डीआरडीओ, इसरो और अन्य एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित स्क्वायर किलोमीटर एरे और आदित्य–एल1 जैसे उन्नत शोध परियोजनाओं में लगे हुए हैं। डीएएएसई वैश्विक विश्वविद्यालयों और उद्योग के साथ सहयोग करता है, जिसमें अधिकांश पूर्व छात्र प्रासंगिक क्षेत्रों में अनुसंधान या करियर बना रहे हैं।

विभाग मध्य प्रदेश में अनुसंधान और नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए खगोल विज्ञान तथा अंतरिक्ष अभियांत्रिकी में विरासत तथा नवाचार केंद्र (एचआईसीएएसई) में भी योगदान दे रहा है हमारे छात्र आकाशगंगाओं के समूहों के रेडियो और एक्स–रे अवलोकन, मशीन लर्निंग और बिग डेटा जैसे क्षेत्रों में अत्याधुनिक अनुसंधान और तकनीकी विकास में कार्यरत हैं; स्थिरता अनुसंधान, अंतरिक्ष मौसम और आयनमंडलः जीएनएसएस, एनएवूआईसी और कम आवृत्ति रेडियो खगोल विज्ञान, पेलोड, छोटे उपग्रहों, डिटेक्टर डिजाइन, डेटा एनालिटिक्स, इमेजिंग और उच्च अंत संख्यात्मक सिमुलेशन का उपयोग करते हुए, जलवायु परिवर्तन, सतत विकास, कृषि, रक्षा, संचार, नेविगेशन और खगोल विज्ञान में अनुप्रयोगों को लक्षित करते हैं।

शैक्षणिक कार्यक्रम

शैक्षणिक कार्यक्रमों में एमएससी (खगोल विज्ञान), एमएस (रिसर्च), एमटेक (अंतरिक्ष अभियांत्रिकी) और पीएचडी शामिल हैं। एमएससी (खगोल विज्ञान) कार्यक्रम में, छात्रों को जैम के माध्यम से प्रवेश दिया जाता है। यह विभाग अंतरिक्ष अभियांत्रिकी में बीटेक छात्रों के लिए एक माइनर डिग्री भी प्रदान करता है।

हमारे संकाय सदस्यों का मेधावी समूह खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी एवं अंतरिक्ष अभियांत्रिकी के अध्ययन में अनुसंधान और प्रशिक्षण में विद्वानों की गतिविधियों को सुचारू रूप से आगे बढ़ाने के लिए एक परिवेश बनाने की आकांक्षा रखता है। एक सहयोगी और नए परिवेश को बढ़ावा देकर, हमारा उद्देश्य ब्रह्मांड के रहस्यों की खोज में अपने छात्रों और शोधकर्ताओं को प्रेरित करना और उनका समर्थन करना है। हमारे संकाय सदस्य उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और मार्गदर्शन प्रदान करने, अत्याधुनिक सुविधाओं तक पहुँच को सुविधाजनक बनाने और अग्रणी शोध परियोजनाओं में संलग्न होने के लिए समर्पित हैं। यह प्रतिबद्धता सुनिश्चित करती है कि हमारे छात्र दुनिया भर में शिक्षा, उद्योग और अनुसंधान संस्थानों में सफल करियर के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं, जो अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में महत्वपूर्ण प्रगति में योगदान करते हैं।

संकाय सदस्यों की संख्याः	10
प्राध्यापक	01
सह प्राध्यापक	05
सहायक प्राध्यापक ग्रेड I	04
सहायक प्राध्यापक ग्रेड II	शून्य
विजिटिंग प्राध्यापक / आईएनएई फेलो	3
पोस्ट डॉक्टरल फेलो की संख्या	01

कार्यक्रम	छात्र प्रवेश	डिग्री प्रदान की गई
बी.टेक	20	शून्य
एम.एससी.	26	10
एम.टेक	13	4
एमएस (रिसर्च)	6	2
पीएचडी	37	7

उल्लेखनीय अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँः

डीएएएसई संकाय सदस्य निम्नलिखित क्षेत्रों में कई परियोजनाओं पर काम करते हैं:

1) **खगोल विज्ञान एवं अंतरिक्ष अभियांत्रिकी में विरासत तथा नवाचार केंद्र (एचआईसीएएसई)**: एचआईसीएएसई के विकास में योगदान, जिसका उद्देश्य खगोल विज्ञान तथा अंतरिक्ष अभियांत्रिकी में अनुसंधान एवं नवाचार को आगे बढ़ाना है।

2) **अनुसंधान सहकार्य**: आरआरकैट इंदौर के साथ अनुसंधान सहकार्य बैठक।

3) **खगोल विज्ञान तथा खगोल भौतिकी** – भारत की तीन मेगा विज्ञान परियोजनाओं से जुड़ा हुआ है – स्क्वायर किलोमीटर एरे (एसकेए), थर्टी मीटर टेलीस्कोप (टीएमटी) और एलआईजीओ इंडिया (गुरुत्वाकर्षण तरंग वेधशाला) – वित्त पोषण डीएसटी, डीएई, सीएसआईआर, एमओई (शिक्षा मंत्रालय) से आता है।

4) **अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी** – इसरो के साथ कुछ मेगा विज्ञान परियोजनाओं और अंतरिक्ष मिशनों से जुड़ा हुआ है – वित्त पोषण इसरो, एमओई, डीएसटी से आता है

5) **पृथ्वी तथा वायुमंडलीय विज्ञान** – रिमोट सेंसिंग अनुप्रयोगों और जलवायु/मौसम अध्ययनों से जुड़ा हुआ है – वित्त पोषण डीएसटी, इसरो, एमओईएस, आदि से आता है

विभाग में उल्लेखनीय गतिविधियाँ

1) हमारे संकाय सदस्य और छात्र विभिन्न गतिविधियों इन पर काम कर रहे हैं:

i. सूर्य का निरीक्षण करने के लिए भारत के पहले मिशन आदित्य एल1 से इन–सीटू मापों को पूरक करने के लिए अंतरिक्ष मौसम अनुकूली मॉडलिंग ढांचा (टीआरएल 5) विकसित किया।

ii. डीएएएसई से एक्स्ट्राटेरेस्ट्रियल इंटेलिजेंस (एसईटीआइ) की खोज पर पहला लेख 2024 में रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी के मासिक नोटिस में प्रकाशित हुआ था, जिसमें डीएएएसई के सदस्य प्रियतम कुमार (एमएससी खगोल विज्ञान के छात्र) और डॉ. सुमन मजूमदार (संकाय सदस्य) का महत्वपूर्ण योगदान था।

iii. रडार डेटा प्रोसेसिंग ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर, 'पीवाईईडब्ल्यूआर' विकसित किया गया।

iv. भारतीय मिशन एस्ट्रोसैट और नासा मिशन एनईसीईआर का उपयोग करके न्यूट्रॉन स्टार एक्स–रे बाइनरी जेड–सोर्स से ब्रॉडबैंड परिवर्तनशीलता और स्पेक्ट्रल उत्सर्जन की जांच की गई, जिससे तारकीय गुणों और अभिवृद्धि उतार–चढ़ाव पर प्रतिबंध लगाया गया।

v. आईआईटी इंदौर इंटरफेरोमीटर के लिए डिजिटल बैकएंड विकास।

vi. इंदौर के लिए शहरी वृक्ष मानचित्रण और बायोमास हानि लक्षण वर्णन।

2) आईआईटी इंदौर में न्यूमेरिकल रेडिएटिव ट्रांसफर (15–24 जनवरी 2024) पर स्पार्क प्रायोजित इन–पर्सन कोर्स का आयोजन किया। पाठ्यक्रम के प्रशिक्षक के रूप में प्रोफेसर इलियान टी. इलिव, यूनिवर्सिटी ऑफ ससेक्स, यूके से उपस्थित थे।

3) हमारे विभाग में दो छात्रों को पीएमआरएफ फेलोशिप (श्री केशव अग्रवाल और श्री सिरशा नंदी) से सम्मानित किया गया।

4) अंतर्राष्ट्रीय संबंध: 3 स्पार्क परियोजनाएँ, 2 डीएसटी–एसआईआरई परियोजनाएँ, 1 मैक्स प्लैंक पार्टनर अनुदान।

5) कई हाई इम्पैक्ट वाले प्रकाशन।

6) अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए: आईआरएडी सम्मेलन जनवरी 2024।

परियोजनाएँ:

परियोजना	प्रायोजित	परामर्श
नई परियोजनाएँ	8	–
जारी परियोजनाएँ	16	–
पूर्ण परियोजनाएँ	9	1

प्रकाशन:

विवरण	प्रकाशित पुस्तकें	पुस्तकों में अध्याय	सम्मेलन में शोधपत्र	पत्रिकाओं में शोधपत्र
कुल	1	–	29	39

जीव विज्ञान एवं जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी विभाग

परिचय

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर में जीवविज्ञान एवं जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी (बीएसबीई) विभाग की स्थापना जुलाई 2012 में एक उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की दृष्टि से की गई थी जो जीवविज्ञान, जैव अभियांत्रिकी और जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी में मानव संसाधन विकास और अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करेगा। बीएसबीई विभाग का उद्देश्य बायो–संबंधित क्षेत्रों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त करना और व्यक्तिगत, समूह और संगठनात्मक प्रभावशीलता में सुधार के लिए प्रशिक्षण और कैरियर विकास प्रयासों के एकीकृत उपयोग के साथ क्षेत्र में कल के नेताओं का उत्पादन करना है।

शैक्षणिक कार्यक्रम

शैक्षणिक कार्यक्रमों में एमएससी (बायोटेक्नोलॉजी), एम.टेक (जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी) और पीएचडी शामिल हैं। एमएससी (बायोटेक्नोलॉजी) कार्यक्रम में, छात्रों को जैम और गेट–बी के माध्यम से प्रवेश दिया जाता है।

एम.टेक (2–वर्षीय), एम.टेक + पीएचडी जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी में डुअल डिग्री वर्ष 2023–2024 से शुरू हुई। यह विभाग जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी में बी.टेक छात्रों के लिए एक माइनर डिग्री भी प्रदान करता है। यह विभाग बी.टेक कार्यक्रम शुरू करने का उद्देश्य रखता है।

हमारे संकाय सदस्यों का कुशल समूह अनुसंधान में विद्वत्तापूर्ण गतिविधियों के सुचारू संचालन के लिए परिवेश बनाने की आकांक्षा रखता है, साथ ही जीवन और जीवित जीवों के अध्ययन पर प्रशिक्षण भी देता है, जिसमें सरल जीवाणुभोजी से लेकर जटिल बहुकोशिकीय जीव जैसे मनुष्य शामिल हैं; संरचना, कार्य, वृद्धि, उत्पत्ति, विकास, वितरण और वर्गीकरण पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। बुनियादी जीव विज्ञान अनुसंधान के अलावा, बीएसबीई विभाग देश में व्यावहारिक समस्याओं पर अनुप्रयुक्त अनुसंधान में योगदान देना चाहता है।

संकाय सदस्यों की संख्या:	15
प्राध्यापक	06
सह प्राध्यापक	04
सहायक प्राध्यापक ग्रेड I	04
सहायक प्राध्यापक ग्रेड II	01
पोस्ट डॉक्टरल फेलो की संख्या	03

कार्यक्रम	छात्र प्रवेश	डिग्री प्रदान की गई
एमएससी	20	16
एम.टेक	07	शून्य
पीएचडी	16	06

उल्लेखनीय अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ

- प्रोफेसर अमित कुमार के शोध समूह ने कई गुणकारी दवाओं की पहचान की है, जिनके लिए सात अलग–अलग पेटेंट फाइल किए गए हैं और उन्हें 2023 का सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार भी मिला है।
- प्रोफेसर प्रशांत कोडगिरे के समूह का हालिया अध्ययन जीनोम म्यूटेटर एंजाइम एआईडी की यूबीएन1 के साथ परस्पर क्रिया पर पहली रिपोर्ट है, फिर भी, एसएचएम या सीएसआर के संदर्भ में यूबीएन1 और एआईडी के बीच परस्पर क्रिया की भवितव्यता अभी भी पता लगाया जाना बाकी है।
- डॉ. परिमल कर के शोध समूह ने वर्चुअल स्क्रीनिंग और आणविक गतिशीलता सिमुलेशन के माध्यम से दोहरे ल्यूसीन जिपर किनेज को लक्षित करके न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों के लिए नए अवरोधकों की पहचान की है।
- डॉ. बेग के शोध ने संक्रमण के प्रति मेजबान की प्रतिक्रिया को समझने में एक नया तंत्र पेश किया है और पुरानी सूजन संबंधी बीमारियों और कैंसर में अभिनव चिकित्सीय लक्ष्यों की खोज में योगदान दिया है। इस शोध में अभिनव छोटे अणु, पेप्टाइड्स और संयोजन उपचार शामिल हैं।
- डॉ. हेम चन्द्र झा ने वायरस से प्रेरित तंत्रिका संबंधी विकारों की जांच और उनके उपचार के लिए पेटेंट फाइल किए हैं।
- डॉ. किरण बाला का शोध समूह मधुमेह के उपचार के लिए मैग्नेटो–प्राइम्ड सोयाबीन के बीजों और शैवाल प्रजातियों से डीपीपी–IV अवरोधकों के रूप में नए पेप्टाइड्स और बायोएक्टिव यौगिकों की खोज कर रहा है और कृषि–अपशिष्टों का उपयोग करके गामा–अमीनोब्यूटिरिक एसिड (जीएबीए) के लागत प्रभावी उत्पादन और अनुकूलन पर काम कर रहा है।

परियोजनाएँः

परियोजना	प्रायोजित	परामर्श
नई परियोजनाएँ	14	शून्य
जारी परियोजनाएँ	15	शून्य
परियोजना	28	01

प्रकाशनः

विवरण	प्रकाशित पुस्तकें	पुस्तकों में अध्याय	सम्मेलन में शोधपत्र	पत्रिकाओं में शोधपत्र
कुल	01	09	09	124

रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग

परिचय

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर में रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग जुलाई 2023 में स्थापित संस्थान के सबसे नए विभागों में से एक है। विभाग का मिशन ऐसे इंजीनियरों और वैज्ञानिकों को प्रशिक्षित करना है जो रासायनिक अभियांत्रिकी में अत्याधुनिक समस्याओं पर काम करेंगे और ऐसे समाधान प्रदान करेंगे जो समाज को लाभ पहुँचाएँ और हमारे देश और दुनिया की प्रगति और कल्याण में मदद करें।

शैक्षणिक कार्यक्रम

शैक्षणिक कार्यक्रमों में रासायनिक अभियांत्रिकी में बी.टेक. और पीएचडी शामिल हैं। बी.टेक. कार्यक्रम में, छात्रों को जेईई–एडवांस्ड के माध्यम से प्रवेश दिया जाता है और पीएचडी छात्रों को गेट और कठिन चयन प्रक्रिया के माध्यम से प्रवेश दिया जाता है। आने वाले वर्षों में, रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग में एम.टेक और माइनर बी.टेक. कार्यक्रम शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है।

हमारे संकाय सदस्यों का विविध समूह रासायनिक अभियांत्रिकी विषय की व्यापकता को सिद्ध करने वाली समस्याओं पर काम करता है: पारंपरिक रासायनिक अभियांत्रिकी समस्याओं जैसे कि उत्प्रेरक और पॉलिमर से लेकर रासायनिक अभियांत्रिकी में एआई और बायोसिस्टम इंजीनियरिंग जैसी नई रासायनिक अभियांत्रिकी समस्याओं पर काम करना।

शिक्षण एवं गैर–शिक्षण कार्मिक का विवरण	
प्राध्यापक	–
सह प्राध्यापक	–
सहायक प्राध्यापक ग्रेड I	01
सहायक प्राध्यापक ग्रेड II	02
विजिटिंग प्रतिष्ठित प्राध्यापक	03
शैक्षणिक कार्य समिति	18
तकनीकी और कार्यालय कर्मचारी	02

कार्यक्रम	छात्र प्रवेश	डिग्री प्रदान की गई
पीएचडी	7 (2023–2024)	0
बी.टेक.	40	0

जानपद अभियांत्रिकी विभाग

परिचय

जानपद अभियांत्रिकी विभाग 2016 से वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए बुनियादी और अनुप्रयुक्त अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करते हुए काम कर रहा है। जानपद अभियांत्रिकी विभाग में स्नातक की डिग्री और जानपद अभियांत्रिकी में पीएचडी के लिए चार वर्ष का कोर्स प्रदान करता है। जानपद अभियांत्रिकी के संकाय सदस्य और छात्र भारत सरकार के विभिन्न संगठनों द्वारा वित्त पोषित प्रायोजित शोध परियोजनाओं के साथ–साथ देश भर में और विदेशों में उद्योगों/परामर्श परियोजनाओं में सक्रिय रूप से शामिल हैं। विभाग में सक्रिय और गतिशील संकाय सदस्यों की टीम है, जिन्हें जानपद अभियांत्रिकी के विविध क्षेत्रों जैसे स्ट्रक्चरल, जियोटेक्निकल, ट्रांसपोर्टेशन, वाटर रिसोर्स और एनवायरनमेंटल इंजीनियरिंग में विशेषज्ञता प्राप्त है। जानपद अभियांत्रिकी के संकाय सदस्यों को दुनिया भर के विभिन्न प्लेटफार्मों पर समिति के अध्यक्ष/सदस्य, उत्कृष्ट समीक्षक और संपादकीय बोर्ड के सदस्यों के रूप में मान्यता प्राप्त है। जानपद अभियांत्रिकी विभाग राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर स्वयं को एक प्रमुख शैक्षणिक केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए तत्पर है, जिसमें सक्रिय उद्योग संपर्क और राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सहयोग शामिल हैं।

शैक्षणिक कार्यक्रम

जानपद अभियांत्रिकी विभाग में बीटेक, एमटेक और पीएचडी कार्यक्रम ऑफर करता है। यह विभाग संस्थान, प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं और अन्य एजेंसियों द्वारा प्रायोजित विभिन्न विशेषज्ञताओं में पोस्टडॉक्टरल फैलो की भी मेजबानी करता है।

संकाय सदस्यों की संख्या:	17
प्राध्यापक	03
सह प्राध्यापक	02
सहायक प्राध्यापक ग्रेड II	04
सहायक प्राध्यापक ग्रेड I	08
पोस्ट डॉक्टरल फेलो की संख्या	07

कार्यक्रम	छात्र प्रवेश	डिग्री प्रदान की गई
बीटेक	53	50
एमटेक	–	–
एमएससी	–	–
पीएचडी	–	08

विभाग में उल्लेखनीय गतिविधियाँ

विभाग को कई शोध और औद्योगिक परामर्श परियोजनाएँ (लगभग 90 परियोजनाएँ) और लगभग 7.69 करोड़ रुपये मूल्य की परियोजनाएँ प्रदान की गई हैं। हमारे सक्रिय संकाय सदस्यों और छात्रों को विभिन्न प्लेटफार्मों पर मान्यता प्राप्त है; हमारी कुछ प्रमुख उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं:

- डॉ. अभिषेक राजपूत को 17 फरवरी 2024 को आईआईटी इंदौर में आयोजित 15वें स्थापना दिवस पर सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र का पुरस्कार मिला है।

- प्रोफेसर संदीप चौधरी ने अपनी तरह का पहला गाय के गोबर पर आधारित फोमिंग एजेंट (GOBAiR) विकसित किया, इसके लिए अनंतिम पेटेंट फाइल किया गया है। इसके लिए सर्वश्रेष्ठ प्रौद्योगिकी पुरस्कार प्राप्त किया। स्पार्क और यूकीरी द्वारा प्रायोजित, यूके के साथ संयुक्त रूप से पुनर्नवीनीकरण समुच्चय के क्षेत्र में एक शोध क्षमता निर्माण अंतर्राष्ट्रीय छात्र विनिमय कार्यक्रम का आयोजन। यह 20 स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों (प्रत्येक विश्वविद्यालय से 10) के बीच अपनी तरह का पहला अंतर्राष्ट्रीय छात्र एक्सचेंज कार्यक्रम है, जिसमें प्रत्येक देश में एक महीने का प्रवास शामिल है।
- प्रोफेसर मनीष कुमार गोयल ने वैश्विक स्तर पर वायुमंडलीय नदियों (एआर) और एरोसोल वायुमंडलीय नदियों (एएआर) के स्थानिक वितरण, पता लगाने और भविष्यवाणी की विशेषता बताई और भारत में केबीए और स्मार्ट शहरों पर हाइड्रो–जलवायु चरम सीमाओं (बाढ़, सूखा, हीटवेव) के प्रभाव का अध्ययन किया।
- प्रोफेसर नीलिमा सत्यम को 2023 में भारतीय भू–तकनीकी सोसायटी (आईजीएस) द्वारा भू–तकनीकी इंजीनियरिंग में सर्वश्रेष्ठ महिला शोधकर्ता और भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए) द्वारा प्रस्तुत 2024 में आईएनएसए एसोसिएट फेलोशिप की प्राप्तकर्ता से सम्मानित किया गया।
- डॉ. कौस्तव बख्शी ने सीएसआर गतिविधियों के तहत मेसर्स मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स से एक प्रायोजित परियोजना हासिल की और एडवांस इन स्ट्रक्चरल मैकेनिक्स एंड एप्लीकेशन (एएसएमए 2021) द्वारा सत्र के सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार जीता।
- डॉ. प्रियांश सिंह ने इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर सॉइल मैकेनिक्स एंड जियोटेक्निकल इंजीनियरिंग (आईएसएसएमजीई) के हेरिटेज टाइम कैप्सूल (एचटीसी) प्रोजेक्ट के लिए भारत में संपर्क अधिकारी के रूप में कार्य किया और ट्रांसपोर्टेशन रिसर्च ग्रुप, भारत के सम्मेलन के दौरान कम वॉल्यूम वाली सड़कों पर एक कार्यकारी पाठ्यक्रम की पेशकश की।
- डॉ. गौरव सिल ने 23 दिसंबर 2023 को एसईआरबी द्वारा प्रायोजित परिवहन सुरक्षा के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर द्वारा मोबिलिटी ग्रांट 2023–24 प्राप्त किया।
- डॉ. प्रियांक जे शर्मा ने मैकग्रा हिल एजुकेशन (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रकाशित "इंजीनियरिंग हाइड्रोलॉजी" (6वां संस्करण) नामक एक स्नातक पाठ्यपुस्तक का सह–लेखन किया और स्प्रिंगर द्वारा सिविल इंजीनियरिंग में व्याख्यान नोट्स के एक भाग के रूप में 'जलवायु परिवर्तन का जल संसाधनों पर प्रभाव' और 'जल विज्ञान और हाइड्रोलॉजिकल मॉडलिंग' पर दो पुस्तक खंडों के 'संपादक' के रूप में योगदान दिया।
- डॉ. रामू बाडिगा ने आईआईटी इंदौर के लिए भारतीय युवा भू–तकनीकी इंजीनियर्स सम्मेलन के 10वें संस्करण में भाग लिया और जीत हासिल की, जो 13 और 14 मार्च 2025 को आयोजित किया जाएगा और जानपद अभियांत्रिकी अनुप्रयोगों के लिए नए बहुअक्षीय जियोग्रिड के विकास पर उन्नत कार्य किया गया है।
- डॉ. श्रीधरन बालकृष्णन हाइड्रो–2024 सम्मेलन के समीक्षक और परियोजनाओं में से एक के पीआई हैं।

अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ

इस विभाग के पास जानपद अभियांत्रिकी की विभिन्न उप–धाराओं जैसे संरचनात्मक, भू–तकनीकी, परिवहन, जल संसाधन और पर्यावरण अभियांत्रिकी में विशेषज्ञता है।

परियोजनाएँ:

परियोजना	प्रायोजित	परामर्श
नई परियोजनाएँ	10	37
जारी परियोजनाएँ	14	20
पूर्ण परियोजनाएँ	03	36

प्रकाशन:

विवरण	प्रकाशित पुस्तकें	पुस्तकों में अध्याय	सम्मेलन में शोधपत्र	पत्रिकाओं में शोधपत्र
कुल	06	22	34	59

संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग

परिचय

संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग (सीएसई) की स्थापना जुलाई 2009 में की गई थी। यह विभाग बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी (बी.टेक), मास्टर ऑफ साइंस (एमएस) रिसर्च और डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) कार्यक्रम ऑफर करता है। 2023 से, यह विभाग मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी (एम. टेक) कार्यक्रम ऑफर कर रहा है। यह विभाग शिक्षण के लिए एक आधुनिक दृष्टिकोण अपनाता है, जिसमें छात्रों को प्रक्रिया में नवाचार करने और सीखने के लिए पर्याप्त शैक्षणिक स्वतंत्रता प्रदान की जाती है। नवीनतम सॉफ्टवेयर और उन्नत हार्डवेयर सहित अत्याधुनिक सुविधाएँ शिक्षण और अनुसंधान दोनों में उपयोग के लिए विभिन्न प्रयोगशालाओं में उपलब्ध हैं। यह प्रमुख बी.टेक., एमएस (रिसर्च) और पीएचडी परियोजनाओं के पर्याप्त कार्यान्वयन और शोध परिणामों के सत्यापन और मान्यता की सुविधा प्रदान करता है।

विभाग को संस्थान के स्थान से लाभ होता है। इंदौर तेजी से मध्य भारत में एक प्रमुख आईटी हब के रूप में विकसित हो रहा है। सीएससी और इम्पेटस जैसे संगठनों की शहर में मजबूत उपस्थिति है और टीसीएस, इंफोसिस और अन्य प्रमुख आईटी संगठनों जैसे प्रमुख खिलाड़ियों ने यहाँ अपने कार्यालय स्थापित किए हैं। सीएसई विभाग के लिए, यह उद्योग–अकादमिक भागीदारी को बढ़ावा देने का एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान करता है।

शैक्षणिक कार्यक्रम

सीएसई विभाग बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी (बीटेक), मास्टर ऑफ साइंस बाय रिसर्च (एमएस बाय रिसर्च) और डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) कार्यक्रम प्रदान करता है। 2023 से, विभाग मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी (एम.टेक.) कार्यक्रम प्रदान करता है। जुलाई 2024 तक सीएसई विभाग से कुल 46 पीएचडी, 26 एमएस बाय रिसर्च और 614 बीटेक छात्र उपाधि प्राप्त कर चुके हैं। वर्तमान में, विभाग में 53 पीएचडी, 24 एमएस बाय रिसर्च, 16 एम. टेक. और 261 बीटेक छात्र हैं।

संकाय सदस्यों की संख्याः	20
प्राध्यापक	06
सह प्राध्यापक	05
सहायक प्राध्यापक ग्रेड I	07
सहायक प्राध्यापक ग्रेड II	02
पोस्ट डॉक्टरल फेलो की संख्या	शून्य

कार्यक्रम	छात्र प्रवेश	डिग्री प्रदान की गई
बी.टेक.	80	614
एम.एस. रिसर्च	12	26
एम.टेक.	16	शून्य
पीएच.डी.	लागू नहीं	46

अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ

- सीएसई विभाग ने 27 मई–1 जून, 2024 को ''मशीन लर्निंग का गणितीय आधार और एआई के उभरते क्षेत्रों में इसका अनुप्रयोग'' पर एसईआरबी–वित्तपोषित उच्च–स्तरीय कार्यशाला आयोजित की।
- ''एज क्लाउड कॉन्टिनम में इंटरनेट ऑफ थिंग्सः सिद्धांत और अनुप्रयोग'' पर एसईआरबी–वित्तपोषित उच्च–स्तरीय कार्यशाला आयोजित की।
- 26 जून से 14 जुलाई, 2023 तक राष्ट्रीय उच्च गणित बोर्ड, आईआईटी बॉम्बे और टीआईएफआर द्वारा समर्थित ''एल्गोरिदमिक ग्राफ थ्योरी'' का आयोजन किया।
- सीएसई विभाग ने 15–16 मार्च, 2023 को ओपन–हाउस और इनहाउस उच्च–स्तरीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया।

परियोजनाएँः

परियोजना	प्रायोजित	परामर्श
नई परियोजनाएँ	13	1
जारी परियोजनाएँ	26	1
पूर्ण परियोजनाएँ	17	

प्रकाशनः

विवरण	पेटेंट	प्रकाशित पुस्तकें	पुस्तकों में अध्याय	सम्मेलन में शोधपत्र	पत्रिकाओं में शोधपत्र
कुल	6	3	13	34	52

विद्युत अभियांत्रिकी विभाग

परिचय

2009 में स्थापित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर में विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, युवाओं को प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ, लीडर और उच्च गुणवत्ता वाले पेशेवर बनाने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन और अनुकूल शिक्षण परिवेश प्रदान करने की कल्पना करता है। विभाग उच्चतम पेशेवर क्षमता वाले प्रतिभाशाली व्यक्तियों को आगे भेजने का प्रयास करता है जो तकनीकी प्रगति में योगदान दे सकते हैं। विभाग के संकाय सदस्य शिक्षण और शोध गतिविधियों के बीच तालमेल बनाने और छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाले शोध द्वारा सहायता प्राप्त सबसे हालिया और प्रासंगिक डोमेन ज्ञान प्रदान करने का प्रयास करते हैं। संकाय सदस्यों का उद्देश्य छात्रों को बौद्धिक रूप से बढ़ावा देना और जिज्ञासा तथा नवाचार का परिवेश बनाना है। हम अत्याधुनिक तकनीकों में शोध कार्यक्रम प्रदान करने और कुशल शोधकर्ताओं को तैयार करने का प्रयास करते हैं जो तेजी से विकसित हो रहे तकनीकी परिदृश्य में काम करने के लिए भावुक और सुसज्जित हैं। वर्तमान में विभाग के संकाय सदस्य और छात्र संचार, सिग्नल प्रोसेसिंग, इमेज प्रोसेसिंग, वीएलएसआई, नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर डिवाइस, आरएफ और माइक्रोवेव, फोटोनिक्स, पावर इंजीनियरिंग और बायोफोटोनिक्स इंस्ट्रूमेंटेशन में सक्रिय रूप से शोध में लगे हुए हैं।

शैक्षणिक कार्यक्रम

इस विभाग का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना और चुनौतियों का समाधान करने तथा औद्योगिक और सामाजिक आवश्यकताओं के लिए प्रासंगिक भविष्य की प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के लिए अंतःविषय, उद्योग–उन्मुख उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा देना है। विभाग स्नातक (बी.टेक.), स्नातकोत्तर (संचार और सिग्नल प्रोसेसिंग में एम.टेक., वीएलएसआई डिजाइन और नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स में एम.टेक., और एम.एस. रिसर्च) और डॉक्टरेट (पीएचडी) कार्यक्रम ऑफर करता है।

संकाय सदस्यों की संख्याः	23
प्राध्यापक	12
सह प्राध्यापक	1
सहायक प्राध्यापक ग्रेड II	5
सहायक प्राध्यापक ग्रेड I	5

कार्यक्रम	छात्र प्रवेश	डिग्री प्रदान की गई
बी.टेक.	84	75
एम.टेक. (सीएसपी)	13	5
एम.टेक. (वीडीएन)	14	7
एम.एस. (रिसर्च)	7	6
पीएच.डी.	18	9

अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ

- प्रोफेसर मुकेश कुमार के नेतृत्व में ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक नैनोडिवाइस अनुसंधान प्रयोगशाला ने ऑप्टिकल संचार, डेटा केंद्रों और स्वास्थ्य देखभाल अनुप्रयोगों के लिए चिप–स्केल फोटोनिक उपकरणों के लिए सेमीकंडक्टर हेटेरोजंक्शन पर एक तकनीक विकसित की है।
- ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक नैनोडिवाइस अनुसंधान प्रयोगशाला ने ऑप्टिकली पठनीय प्रतिरोधक रैम (एसीएस फोटोनिक्स, डीओआईः 10.1021/acsphotonics.3c01289) के लिए एक नैनोफोटोनिक प्रतिरोधक स्विच का प्रदर्शन किया है।

परियोजनाएँः

परियोजना	प्रायोजित	परामर्श
नई परियोजनाएँ	8	1
जारी परियोजनाएँ	13	1
पूर्ण परियोजनाएँ	10	1

प्रकाशनः

विवरण	प्रकाशित पुस्तकें	पुस्तकों में अध्याय	सम्मेलन में शोधपत्र	पत्रिकाओं में शोधपत्र
कुल	2	13	40	115

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग

परिचय

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग, हमारे संस्थान में सबसे पुराने और सबसे बड़े विभागों में से एक है, जिसमें 28 पूर्णकालिक संकाय सदस्य और 10 से अधिक प्रशासनिक और तकनीकी कर्मचारी हैं। हमारा पाठ्यक्रम विज्ञान, अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी पर जोर देता है, तकनीकी कौशल, समस्या–समाधान और नवाचार को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करता है। हम अकादमिक और शोध कार्यक्रमों का समर्थन करने के लिए अत्याधुनिक शोध सुविधाएँ प्रदान करते हैं। हमारा प्राथमिक लक्ष्य उच्च–गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करना है, छात्रों को वर्तमान और भविष्य की माँगों को पूरा करने के लिए एक मजबूत आधार और विशेष प्रशिक्षण प्रदान करना है। हम ऐसे सक्षम इंजीनियरों को आकार देने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो यांत्रिक अभियांत्रिकी के क्षेत्र को आगे बढ़ाएँगे।

शैक्षणिक कार्यक्रम

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग डुअल डिग्री सहित बीटेक, एमटेक, एमएस (रिसर्च) और पीएचडी कार्यक्रम ऑफर करता है। 244 से अधिक यूजी, 32 पीजी और 56 पीएचडी छात्रों के साथ, यह एक सक्रिय शैक्षणिक परिवेश प्रदान करता है। यह डीआरडीओ, सशस्त्र बलों और विभिन्न क्षेत्रों के पोस्टडॉक्टरल फेलो और कर्मियों की भी मेजबानी करता है। एमटेक कार्यक्रम उन्नत विनिर्माण, मैकेनिकल सिस्टम डिज़ाइन और थर्मल तथा ऊर्जा प्रणालियों को कवर करते हैं। नेपाल और नाइजीरिया जैसे देशों से आए अंतर्राष्ट्रीय छात्र वैश्विक शिक्षण परिवेश में योगदान देते हैं। यह विभाग अकादमिक उत्कृष्टता, शोध नवाचार और ऐसे इंजीनियरों को विकसित करने के लिए समर्पित है जो इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रभाव डालेंगे।

संकाय सदस्यों की संख्या:	26
प्राध्यापक	09
सह प्राध्यापक	05
सहायक प्राध्यापक ग्रेड II	02
सहायक प्राध्यापक ग्रेड I	10
पोस्ट डॉक्टरल फेलो की संख्या	06

कार्यक्रम	छात्र प्रवेश	डिग्री प्रदान की गई
बीटेक	81	81
एमटेक	40	30
एमएस रिसर्च	4	6
पीएचडी	12	8

अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ

मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग ने डीआरडीओ, इसरो, जॉन डीरे (इंडिया) और सिंपल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड जैसे संगठनों के लिए कई शोध परियोजनाएँ शुरू की हैं। अत्याधुनिक शोध सुविधाओं से सुसज्जित, विभाग ने पेशेवरों और शिक्षाविदों के लिए अल्पकालिक कार्यक्रम (एसटीपी) और संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) की मेजबानी की है। प्रमुख शोध में एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग के लिए माइक्रो–प्लाज्मा ट्रांसफर्ड आर्क (PTA) प्रक्रियाएँ विकसित करना, बायोकम्पैटिबल घुटने के प्रत्यारोपण, पवन टरबाइन गियरबॉक्स के लिए दोष पहचान एल्गोरिदम और ऊर्जा संचयन के लिए सीसा रहित ट्राइबोइलेक्ट्रिक नैनोजेनरेटर शामिल हैं। अन्य योगदानों में सॉफ्ट रोबोटिक्स, चरण परिवर्तन सामग्री का उपयोग करके थर्मल प्रबंधन, सिरेमिक कोटिंग्स, शेप मेमोरी एलॉय स्प्रिंग्स की विश्वसनीयता परीक्षण, नैनोग्लास अनुसंधान और रूट कैनाल तैयारी का बायोमैकेनिकल विश्लेषण शामिल हैं।

परियोजनाएँ:

परियोजना	प्रायोजित	परामर्श
नई परियोजनाएँ	10	2
जारी परियोजनाएँ	25	4
पूर्ण परियोजनाएँ	16	16

प्रकाशन:

विवरण	प्रकाशित पुस्तकें	पुस्तकों में अध्याय	सम्मेलन में शोधपत्र	पत्रिकाओं में शोधपत्र
कुल	0	41	43	90

धातुकर्म अभियांत्रिकी एवं पदार्थ विज्ञान विभाग

परिचय

विभाग की शुरुआत 2013 में पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी केंद्र के रूप में की गई थी और फिर 2016 में धातुकर्म अभियांत्रिकी एवं पदार्थ विज्ञान विभाग (एमईएमएस) के रूप में स्थापित किया गया। यह विभाग पदार्थ विज्ञान और धातु विज्ञान में अंतःविषय अनुसंधान करने पर ध्यान केंद्रित करता है ताकि समाज को लाभ पहुंचाने वाली जटिल वास्तविक दुनिया की समस्याओं का समाधान खोजा जा सके। वर्तमान में, विभाग में 6 सहायक कर्मचारियों के साथ 18 मुख्य संकाय सदस्य हैं। हमारा सामूहिक लक्ष्य कई प्रकार की सामग्रियों के संश्लेषण, प्रसंस्करण और लक्षण वर्णन को समझना और फिर उनके प्रदर्शन को बढ़ाने की दिशा में गुणों को सहसंबंधित करना है। एमईएमएस के संकाय सदस्य पारंपरिक धातु विज्ञान से लेकर आधुनिक सामग्री विज्ञान तक के अनुसंधान क्षेत्रों में काम कर रहे हैं।

शैक्षणिक कार्यक्रम

यह विभाग यूजी और पीजी स्तरों पर विभिन्न कार्यक्रम ऑफर करता है। यह धातुकर्म अभियांत्रिकी एवं पदार्थ विज्ञान में बी.टेक, (i) पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी दोनों में एम.टेक, (ii) धातुकर्म अभियांत्रिकी और पीएचडी कार्यक्रम ऑफर करता है। विभाग विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रमों को कवर करता है, जिसमें मूल विज्ञान और अभियांत्रिकी के साथ–साथ उन्नत स्तर के वैकल्पिक पाठ्यक्रम शामिल हैं।

हमारे संकाय सदस्यों का सक्रिय समूह धातुकर्म एवं पदार्थ विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान और प्रशिक्षण में विद्वानों की गतिविधियों को सुचारू रूप से आगे बढ़ाने के लिए अनुकूल परिवेश बनाने की आकांक्षा रखता है। हमारा ध्यान सरल मिश्रधातुओं से लेकर जटिल मिश्रित सामग्रियों तक के अध्ययन पर है, जिसमें उनकी संरचना, गुण, प्रसंस्करण और प्रदर्शन पर जोर दिया जाता है। हमारा उद्देश्य सामग्रियों के व्यवहार को नियंत्रित करने वाले मूलभूत सिद्धांतों को समझना और व्यावहारिक समस्याओं के लिए अभिनव समाधान विकसित करने के लिए इस ज्ञान को लागू करना है। मौलिक शोध के अलावा, धातुकर्म एवं पदार्थ विज्ञान विभाग ऐसे अनुप्रयुक्त अनुसंधान में योगदान देने के लिए समर्पित है जो विभिन्न उद्योगों के सामने आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों का समाधान करता है।

संकाय सदस्यों की संख्याः	21
प्राध्यापक	03
सह प्राध्यापक	08
सहायक प्राध्यापक ग्रेड I	06
सहायक प्राध्यापक ग्रेड II	04
पोस्ट डॉक्टरल फेलो की संख्या	शून्य

कार्यक्रम	छात्र प्रवेश (2023)	डिग्री प्रदान की गई (2023)
बी.टेक	48	36
एम.टेक	12	14
पीएच.डी.	13	07

अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ

1. धातुकर्म एवं सामग्री में प्रगति पर दो इन–हाउस संगोष्ठी (आईएसपीएमएम), 15 सितंबर 2023 व 28 फरवरी 2024 को आयोजित।
2. अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला "ऊर्जा रूपांतरण एवं सतत भविष्य" 23–24 जनवरी 2024 को आयोजित।
3. 3–8 जुलाई 2023 को 'ऊर्जा सामग्री संश्लेषण, लक्षण वर्णन व उपकरण निर्माण' पर 1–सप्ताह की सक्रिय शिक्षा और व्यावहारिक कार्यशाला आयोजित।
4. 11 जनवरी, 2024 को 'इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री पर कार्यशाला' पर 1–दिवसीय अल्पकालिक पाठ्यक्रम आयोजित।

परियोजनाएँ:

परियोजना	प्रायोजित	परामर्श
नई परियोजनाएँ	15	05
जारी परियोजनाएँ	24	05
पूर्ण परियोजनाएँ	शून्य	शून्य

प्रकाशन:

विवरण	प्रकाशित पुस्तकें	पुस्तकों में अध्याय	सम्मेलन में शोधपत्र	पत्रिकाओं में शोधपत्र
कुल	शून्य	04	शून्य	112

भौतिकी विभाग

परिचय

भौतिकी विभाग 2009 में संस्थान की स्थापना के बाद से एक सक्रिय और समृद्ध विभाग रहा है। वर्तमान में विभाग में 21 संकाय सदस्य हैं, जो संघनित पदार्थ भौतिकी, उच्च ऊर्जा भौतिकी, ब्लैक–होल भौतिकी, गेज/गुरुत्वाकर्षण द्वैत और जटिल नेटवर्क जैसे विविध क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखते हैं। हमारी शोध प्रयोगशालाओं में अत्याधुनिक सुविधाएँ हैं, जो युवा शोध छात्रों के बीच अत्याधुनिक शोध और नवाचार और प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देने के लिए वर्षों से विकसित और विकसित हुई हैं।

शैक्षणिक कार्यक्रम

हम एमएससी और पीएचडी जैसे शैक्षणिक कार्यक्रम ऑफर कर रहे हैं और क्रमशः 150 और 60 से अधिक छात्रों ने उपाधि प्राप्त की है। हमारे पीएचडी छात्रों को दुनिया भर के प्रतिष्ठित संस्थानों में रखा गया है और वे सक्रिय रूप से शोध कर रहे हैं।

2023 से, भौतिकी विभाग ने 20 छात्रों की प्रारंभिक क्षमता के साथ एक स्नातक कार्यक्रम, बी.टेक (इंजीनियरिंग भौतिकी) शुरू किया है। यह विभाग यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग के साथ मिलकर एप्लाइड ऑप्टिक्स और लेजर टेक्नोलॉजी में विशेषज्ञता के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में एम.टेक कार्यक्रम भी ऑफर करता है। छात्रों को व्यावहारिक शोध अनुभव प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता स्नातक से लेकर स्नातकोत्तर कार्यक्रमों तक शिक्षा के सभी स्तरों तक फैली हुई है। इस उद्देश्य से, विभाग ने 15 से अधिक उन्नत शोध प्रयोगशालाएँ स्थापित की हैं, जिनमें से प्रत्येक भौतिकी की विभिन्न शाखाओं पर ध्यान केंद्रित करती है, ताकि हमारे छात्रों को अद्वितीय शोध अवसर और एक असाधारण सीखने का अनुभव प्रदान किया जा सके।

संकाय सदस्यों की संख्याः	21
प्राध्यापक	10
सह प्राध्यापक	02
सहायक प्राध्यापक ग्रेड I	09
सहायक प्राध्यापक ग्रेड II	00
पोस्ट डॉक्टरल फेलो की संख्या	04

कार्यक्रम	छात्र प्रवेश (2023)	डिग्री प्रदान की गई (2023)
बी.टेक (इंजीनियरिंग फिजिक्स)	20	–
एम.एससी	26	25
पीएच.डी.	12	05

विभाग की उल्लेखनीय गतिविधियाँ

विभाग एक अत्यधिक सहयोगी शोध वातावरण को बढ़ावा देने पर गर्व करता है, जो आईआईटी इंदौर के विभिन्न विभागों और प्रसिद्ध राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के बीच घनिष्ठ संपर्क की सुविधा प्रदान करता है। वर्तमान में हमारा IISc बैंगलोर, आईआईटी (बॉम्बे, दिल्ली, मद्रास, कानपुर, रोपड़, हैदराबाद), आरआरकैट, इंदौर, बीएआरसी, मुंबई, आईआईएसईआर (कोलकाता, पुणे, बेहरामपुर), एचआरआई इलाहाबाद, केंद्रीय विश्वविद्यालय (पुणे, मुंबई, इलाहाबाद, कलकत्ता), एसएनबी–एनसीबीएस, कोलकाता और एसएनआईपी – कोलकाता के साथ सक्रिय सहयोग है।

हमारे अंतर्राष्ट्रीय सहयोगों में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय, मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी–यूएसए, पेन स्टेट यूनिवर्सिटी–यूएसए, सीयूएनवाई–यूएसए, एलयूएच हनोवर–जर्मनी, रदरफोर्ड एपलटन प्रयोगशाला और आईएसआईएस सुविधाएँ – यूके, टीयू बर्लिन – जर्मनी, टीयू डॉर्टमुंड – जर्मनी, क्वींस मैरी यूनिवर्सिटी लंदन–यूके, एलएमयू–म्यूनिख, जर्मनी, बर्न यूनिवर्सिटी–स्विट्जरलैंड, ओसाका यूनिवर्सिटी– जापान, एनटीयू – सिंगापुर, कॉम्प्लेक्सिटी साइंस इंस्टीट्यूट – सीएनआरएस इटली, इंस्टीट्यूटो सुपीरियर टेक्निको, लिस्बन, पुर्तगाल शामिल हैं।

विभाग ने हाल ही में डीएसटी इंडिया द्वारा घोषित नेशन क्वांटम मिशन के लिए एक बहु–संस्थागत अनुसंधान प्रस्ताव प्रस्तुत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके अलावा, विभाग ने थाईलैंड और वियतनाम के कई विश्वविद्यालयों से संपर्क करके एशियाई उपमहाद्वीप में शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों के लिए सहकार्य की खोज करने की पहल की है।

परियोजनाएँ:

परियोजना	प्रायोजित	परामर्श
नई परियोजनाएँ	09	शून्य
जारी परियोजनाएँ	23	शून्य
पूर्ण परियोजनाएँ	33	शून्य

प्रकाशन:

विवरण	प्रकाशित पुस्तकें	पुस्तकों में अध्याय	सम्मेलन में शोधपत्र	पत्रिकाओं में शोधपत्र
कुल	01	01	13	63

रसायन विज्ञान विभाग

परिचय

अगस्त 2009 में स्थापित आईआईटी इंदौर में रसायन विज्ञान विभाग, अनुसंधान विविधता, बाहरी वित्तपोषण और कई प्रकाशनों के साथ तेजी से बढ़ रहा है। हमारे पास 20 संकाय सदस्य हैं, जिनकी शोध रुचि पारंपरिक क्षेत्रों (कार्बनिक, अकार्बनिक, भौतिक और सैद्धांतिक / कम्प्यूटेशनल) से लेकर नैनोटेक्नोलॉजी, कटैलिसीस, ऊर्जा, मशीन लर्निंग, जैव रासायनिक, विश्लेषणात्मक और सामग्री जैसे अत्यधिक अंतःविषय अनुसंधान क्षेत्रों तक फैली हुई है। इस विभाग के संकाय सदस्य असाधारण रूप से अच्छी तरह से योग्य और प्रेरित हैं, जो शिक्षण और अनुसंधान के लिए एक सुदृढ़ प्रतिबद्धता रखते हैं। हमारे विभाग में कई रसायन विज्ञान और अंतःविषय अनुसंधान क्षेत्रों में अनुसंधान की सुविधा के लिए अत्याधुनिक परिष्कृत उपकरण सुविधाएँ हैं।

शैक्षणिक कार्यक्रम

रसायन विज्ञान विभाग में शैक्षणिक कार्यक्रमों में पीएचडी, एमएससी और बी.टेक स्नातक छात्रों के लिए पाठ्यक्रम शामिल हैं। समन्वय रसायन विज्ञान, सैद्धांतिक रसायन विज्ञान, सिंथेटिक कार्बनिक रसायन विज्ञान, सुपरमॉलेक्यूलर रसायन विज्ञान, ठोस–अवस्था रसायन विज्ञान और अन्य अंतःविषय क्षेत्रों से लेकर कई क्षेत्रों में शोध कार्य इस विभाग को अत्याधुनिक अनुसंधान के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बनाते हैं। आईआईटी इंदौर का रसायन विज्ञान विभाग भारत में निर्मित एकमात्र दूसरी पीढ़ी का आईआईटी है, जो रसायन विज्ञान में दो वर्षीय मास्टर कार्यक्रम (एमएससी रसायन विज्ञान) शुरू करता है, जिसमें एक पूरा वर्ष, विशेष रूप से कार्यक्रम का दूसरा वर्ष, छात्र की पसंद के क्षेत्र में प्रयोगशाला अनुसंधान के लिए समर्पित होता है। 2013 से, इस अनूठे कार्यक्रम ने प्रयोगशाला में मौलिक शोध समस्याओं को हल करने और छात्रों को यह तय करने के लिए एक पूरा साल समर्पित किया है कि वे अपने उच्च अध्ययन में डॉक्टरेट कार्यक्रम के साथ आगे बढ़ना चाहते हैं या नहीं। यह सुनिश्चित करता है कि केवल योग्य और प्रेरित छात्र ही डॉक्टरेट कार्यक्रम का अनुसरण करें और समाज के कल्याण में योगदान दें। इसके अतिरिक्त, छात्र आईआईटी इंदौर में मास्टर कार्यक्रम पूरा करने के बाद डॉक्टरेट कार्यक्रम की अपनी यात्रा तय करते हैं या आकर्षक नौकरी की तलाश करते हैं।

संकाय सदस्यों की संख्याः	19
प्राध्यापक	11
सह प्राध्यापक	04
सहायक प्राध्यापक ग्रेड I	04
पोस्ट डॉक्टरल फेलो की संख्या	05

कार्यक्रम	छात्र प्रवेश	डिग्री प्रदान की गई
एमएससी	26	25
पीएचडी	22	12

उल्लेखनीय अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ

- सतत रसायन विज्ञान – 2024 इंडो–जर्मन उच्च शिक्षा भागीदारी के तहत 20 –22 फरवरी 2024 यूजीसी और डीएएडी द्वारा वित्त पोषित।
- रसायन विज्ञान दिवस और इन–हाउस रसायन विज्ञान संगोष्ठी (केम 2024), 21 मार्च, 2024।
- प्रोफेसर संजय के सिंह ने सीसीयूएस के लिए हवा से कुशल CO2 कैप्चर के लिए नई सामग्री विकसित की।
- प्रोफेसर संजय के सिंह ने शुद्ध हाइड्रोजन गैस के उत्पादन के लिए अल्कोहल के पूर्ण रूपांतरण के लिए एक कुशल उत्प्रेरक प्रक्रिया विकसित की।
- प्रोफेसर सुमन मुखोपाध्याय ने एक SERB CRG परियोजना हासिल की।
- प्रोफेसर सुमन मुखोपाध्याय ने एम्स्टर्डम में एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- डॉ. देबयान सरकार को MOE&Stars परियोजना मिली और एक पेटेंट दायर किया गया।
- डॉ. देबयान सरकार, रेगेन्सबर्ग विश्वविद्यालय में 3 महीने तक आईजीपी मोबिलिटी के तहत।
- प्रोफेसर तुषार के मुखर्जी ने एक एसईआरबी सीआरजी परियोजना हासिल की।
- प्रोफेसर अपूर्वा के दास ने एक सीएसआईआर परियोजना और एक उद्योग प्रायोजित परियोजना हासिल की।
- प्रोफेसर अपूर्वा के दास ने तीन भारतीय पेटेंट प्रदान किए।
- प्रोफेसर अपूर्वा के दास ने एक भारतीय पेटेंट दायर किया।
- प्रोफेसर चेल्वम वेंकटेश ने 2023 में इंस्टीट्यूट फर ऑर्गेनिस्चे केमी, यूनिवर्सिटेट रेगेन्सबर्ग, जर्मनी में आमंत्रित व्याख्यान और हनोवर विश्वविद्यालय, जर्मनी में शोध प्रस्तुति दी।
- इंटरनेशनल रिसर्च ट्रेनिंग ग्रुप्स (आईआरटीजी) – डॉयचे फ़ोर्सचुंग्सगेमेइनशाफ़्ट (DFG) कार्यशाला में श्वसन संबंधी जीवाणु निचेस और आणविक तंत्र को समझने पर व्याख्यान दियाः संक्रमण के दौरान ऑर्गेनेल डायनेमिक्स को उजागर करना
- 2023–2024 में फुलब्राइट स्कॉलरशिप अवार्ड प्राप्त किया, प्रोफेसर राम मोहन, इलिनोइस वेस्लेयन यूनिवर्सिटी, ब्लूमिंगटन, यूएसए, रसायन विज्ञान विभाग, आईआईटी इंदौर का दौरा किया, प्रोफेसर चेल्वम वेंकटेश के शोध समूह के साथ व्याख्यान और शोध सहयोग दिया।

परियोजनाएँः

परियोजना	प्रायोजित	परामर्श
नई परियोजनाएँ	13	शून्य
जारी परियोजनाएँ	23	शून्य
पूर्ण परियोजनाएँ	06	शून्य

प्रकाशनः

विवरण	प्रकाशित पुस्तकें	पुस्तकों में अध्याय	सम्मेलन में शोधपत्र	पत्रिकाओं में शोधपत्र
कुल	शून्य	02	शून्य	93

गणित विभाग

परिचय

आईआईटी इंदौर का गणित विभाग गणित की विभिन्न शाखाओं में शैक्षणिक और शोध कार्यक्रमों के लिए एक प्रमुख केंद्र रहा है। विभाग लगातार अग्रणी शोध क्षेत्रों में संलग्न रहा है और अन्य विज्ञान और इंजीनियरिंग विभागों के साथ सहयोगात्मक शोध को प्रोत्साहित करता रहा है।

शैक्षणिक कार्यक्रम

विभाग वर्तमान में गणित में पीएचडी, एमएससी कार्यक्रम और गणित एवं कंप्यूटिंग में बी.टेक कार्यक्रम प्रदान करता है। विभाग सांख्यिकी और अनुप्रयुक्त कंप्यूटिंग जैसे संबद्ध क्षेत्रों में अन्य मास्टर कार्यक्रमों की परिकल्पना करता है।

संकाय सदस्य की संख्याः	20
प्राध्यापक	04
सह प्राध्यापक	02
सहायक प्राध्यापक ग्रेड I	12
सहायक प्राध्यापक ग्रेड II	02
पोस्ट डॉक्टरल फेलो की संख्या	05

कार्यक्रम	छात्र प्रवेश	डिग्री प्रदान की गई
एमएससी (गणित)	20	19
पीएचडी	6	4
बी.टेक.	39	लागू नहीं

उल्लेखनीय अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ

- आईएनएसए प्रतिष्ठित व्याख्यान फेलो 2024 (इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी अनुभागीय समिति में एकमात्र प्राप्तकर्ता (डॉ. एम. तनवीर)।
- 18–24 जनवरी, 2024 से कार्यशाला योजना के तहत एसईआरबी द्वारा वित्त पोषित "रैंकिंग और चयन में सांख्यिकीय मॉडलिंग" पर एक उच्च–स्तरीय कार्यशाला आयोजित की (डॉ. मोहम्मद अरशद)।
- 18–20 अक्टूबर, 2023 को आईआईटी इंदौर में अनुप्रयुक्त गणित और यांत्रिकी (आईसीएएमएम 2023) पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया (डॉ. शांतनु मन्ना)।

परियोजनाएँ:

परियोजना	प्रायोजित
नई परियोजनाएँ	01
जारी परियोजनाएँ	20
पूर्ण परियोजनाएँ	22

प्रकाशन:

विवरण	प्रकाशित पुस्तकें	पुस्तकों में अध्याय	सम्मेलन में शोधपत्र	पत्रिकाओं में शोधपत्र
कुल	08	09	25	42

डीएसटी–फिस्ट सहायता:

भास्कराचार्य गणित प्रयोगशाला
ब्रह्मगुप्त गणित पुस्तकालय

इसके अलावा, विभाग विभिन्न आउटरीच गतिविधियों, जैसे अल्पकालिक पाठ्यक्रम, वेबिनार, छात्र सेमिनार श्रृंखला आदि के माध्यम से भारत में कॉलेज के शिक्षकों, स्नातकोत्तर और स्नातक छात्रों के बीच गणित को बढ़ावा देने में भी लगा हुआ है। विभाग नियमित रूप से दुनिया भर के प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रख्यात गणितज्ञों द्वारा व्याख्यान आयोजित करता है।

अधिक जानकारी के लिए, कृपया इस पर जाएँ http://math.iiti.ac.in.

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल

परिचय

आईआईटी इंदौर में मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल अनुसंधान और शिक्षाशास्त्र के लिए एक शानदार और सक्रिय स्थान है। स्कूल के संकाय सदस्य अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, इतिहास, दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान और समाजशास्त्र के विभिन्न विषयों के शोधकर्ताओं का एक अद्भुत मिश्रण हैं। हमारे पास 16 संकाय सदस्य हैं जिनमें से तीन सदस्य मानद प्रोफेसर, प्रतिष्ठित विजिटिंग प्रोफेसर और विजिटिंग प्रोफेसर हैं। कुल 65 पीएचडी छात्र वर्तमान में विशिष्ट परियोजनाओं और शोध समस्याओं पर काम कर रहे हैं और 3 छात्रों को वर्ष 2024 में प्रवेश के लिए पहले ही अनुशंसित किया जा चुका है। संकाय सदस्यों के शोध सहयोग, चाहे स्कूल के तहत हों या संस्थान में विज्ञान और अभियांत्रिकी विषयों में हों या राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहकर्मियों के साथ हों, स्कूल में किए गए शोध की वास्तव में अंतःविषय स्वरूप को प्रदर्शित करते हैं।

शैक्षणिक कार्यक्रम

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल में दो मुख्य शैक्षणिक कार्यक्रम हैं, अर्थात् पीएचडी और एमएस (रिसर्च)। पीएचडी कार्यक्रम में पाठ्यक्रम कार्य और कठिन शोध प्रबंध कार्य शामिल हैं। हमारे छात्रों ने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय छात्रवृत्ति, फैलोशिप और पुरस्कार जीते हैं। उपाधि लेने वाले छात्र अपने चुने हुए करियर में उत्कृष्टता हासिल कर रहे हैं।

संकाय सदस्य की संख्याः	
प्राध्यापक	3
सह प्राध्यापक	4
सहायक प्राध्यापक ग्रेड I	8
सहायक प्राध्यापक ग्रेड II	1

उल्लेखनीय अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ

1. प्रोफेसर निर्मला मेनन को दो वर्ष की अवधि के लिए ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में संबद्ध अनुसंधान प्रोफेसर के रूप में चुना गया है।
2. डॉ. अशोक कुमार मोचेरला ने मार्च 2024 में कॉन्वेंट्री विश्वविद्यालय, यू.के. में विजिटिंग फेलो पद संभाला।
3. प्रोफेसर रुचि शर्मा को भारत सरकार के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT) द्वारा तैयार समग्र शिक्षा एवं शिक्षा के लिए IPR में शिक्षण एवं अनुसंधान योजना (SPRIHA) के अंतर्गत IPR चेयर प्रोफेसर के रूप में चुना गया है।
4. डॉ. अशोक कुमार मोचेरला ने "भारतीय ईसाई धर्म के लोकतंत्रीकरण, आधिपत्य, सुगमता एवं प्रतिरोध" पुस्तक प्रकाशित की। 2024. लंदनः रूटलेज। (संपादित खंड)।
5. प्रोफेसर प्रीति शर्मा ने 14–16 फरवरी, 2024 के दौरान 'स्थायित्व के लिए पर्यावरण मानविकीः अंतःविषय आयाम' पर अपनी तरह की पहली राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला आयोजित की।

6. डॉ. तपस्या और डॉ. संसुमा ने 19–21 फरवरी, 2024 को 'भाषा का दस्तावेज़ीकरणः तकनीक और प्रौद्योगिकी' पर कार्यशाला आयोजित की।

7. प्रोफेसर रुचि शर्मा ने 4–8 दिसंबर 2018 को प्रोफेसर क्रिश्चियन हेल्मर्स के साथ फर्मों द्वारा बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) के रणनीतिक उपयोग पर दो जीआईएएन पाठ्यक्रम आयोजित किए; दूसरा 6–10 नवंबर 2023 को प्रोफेसर वाल्टर जी. पार्क, अमेरिकी विश्वविद्यालय, वाशिंगटन डीसी के साथ बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर), नवाचार और आर्थिक विकास पर।

8. SPARC समिति ने दो शोध परियोजनाओं को वित्तपोषित करने की स्वीकृति दी हैः प्रोफेसर निर्मला मेनन की बहुभाषी साहित्य अनुसंधान (एमएलआर) डेटाबेस विकास, अंतर्राष्ट्रीय सह–पीआई के साथः प्रो पीटर फ्रेंकोइस, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय और एलन ट्यूरिंग इंस्टीट्यूट, यूके, राष्ट्रीय सह–पीआईः प्रो अभिषेक श्रीवास्तव, सीएसई विभाग, आईआईटी इंदौर; और प्रोफेसर रुचि शर्मा की पेटेंट नीति और नवाचारः भारतीय दवा उद्योग का एक मामला, अंतर्राष्ट्रीय सह–पीआईः प्रोफेसर वाल्टर जी पार्क, अमेरिकी विश्वविद्यालय, वाशिंगटन डीसी, राष्ट्रीय सह–पीआईः प्रोफेसर मदन धनोरा।

9. हमारे पीएचडी छात्रों में, जीतमित्र बेहरा को डीएएडी जर्मन अकादमिक एक्सचेंज सेवा द्वारा द्वि–राष्ट्रीय पर्यवेक्षित डॉक्टरेट डिग्री/कोट्यूटेल 2024/25 अनुसंधान अनुदान से सम्मानित किया गया सुश्री मोनिका को 'पर्यवेक्षक सेवा फेलोशिप' मिली और उन्हें 1 अक्टूबर 2023 से 30 सितंबर 2024 तक एक वर्ष के लिए बोस्टन विश्वविद्यालय यूएसए के समाजशास्त्र विभाग में विजिटिंग पीएचडी छात्र के रूप में नियुक्त किया गया; सुश्री मोनिका को आंशिक रूप से वित्त पोषित छात्रवृत्ति के साथ 9–11 फरवरी 2024 तक हार्वर्ड विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एशियाई और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के लिए हार्वर्ड प्रोजेक्ट के लिए चुना गया; सुश्री ज्योति जस्टिन को 9 सप्ताह के लिए यूएनईडी, मैड्रिड, स्पेन में यूरोपीय संघ द्वारा वित्त पोषित कम्प्यूटेशनल लिटरेरी स्टडीज (सीएलएस) इंफ्रा ट्रांसनेशनल एक्सेस फेलोशिप (टीएनए) फेलोशिप मिली; सुश्री सदाफ खान को व्यावसायिक प्रक्षेपवक्र पर शिक्षण माध्यम के प्रभाव पर हमारे पेपर को प्रस्तुत करने के लिए रिसर्च स्कॉलर्स श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति पुरस्कार मिला। 10. डॉ. कलंदी चरण प्रधान और डॉ. मोहनसुंदरी थंगावेल को आईआईटी इंदौर से युवा संकाय अनुसंधान उत्प्रेरक अनुदान योजना (वाईएफआरसीजी) 2023–24 मिली, जिसका उद्देश्य आदिवासी लोगों की आजीविका पर सामाजिक–आर्थिक, सांस्कृतिक, संस्थागत और जलवायु परिवर्तनशीलता के प्रभाव का आकलन करनाः मध्य प्रदेश, भारत के चयनित जिलों और घरों का एक अध्ययन नामक परियोजना का संचालन करना है।

11. डॉ. संसुमा ब्रह्मा को असम के बीटीआर की बोडो भाषाः भाषाई भिन्नता नामक परियोजना पर काम करने के लिए युवा संकाय अनुसंधान बीज अनुदान योजना, 2023–24 मिली।

12. डॉ. दिशारी चट्टराज को भारतीय स्कूली पाठ्यक्रम में खाद्य साक्षरताः सीबीएसई स्कूलों का एक मामला नामक परियोजना का संचालन करने के लिए आईआईटी इंदौर से युवा संकाय अनुसंधान बीज अनुदान योजना (वाईएफआरएसजी) 2023–24 मिली।

परियोजनाएँः

परियोजना	प्रायोजित
नई परियोजनाएँ	11
जारी परियोजनाएँ	17
पूर्ण परियोजनाएँ	14

प्रकाशनः

विवरण	प्रकाशित पुस्तकें	पुस्तकों में अध्याय	सम्मेलन में शोधपत्र	पत्रिकाओं में शोधपत्र
कुल	1	24	33	61

केंद्रों की प्रोफ़ाइल

उद्यमिता शिक्षा एवं विकास केंद्र (CEED)

परिचय

उद्यमिता शिक्षा और विकास केंद्र (सीईईडी) आईआईटी इंदौर के छात्रों को नवाचार और उद्यमिता से संबंधित पाठ्यक्रम पढ़ाने के साथ–साथ बाहरी समुदाय के सदस्यों के लिए अल्पकालिक पाठ्यक्रम और संकाय विकास कार्यक्रम पेश करने के लिए आईआईटी इंदौर के हाल ही में स्थापित केंद्रों में से एक है।

शैक्षणिक कार्यक्रम

सीईईडी ऑटम सीज़न 2022 से सभी यूजी/पीजी/पीएचडी छात्रों के लिए उद्यमिता हेतु फाउंडेशन पर एक ओपन वैकल्पिक पाठ्यक्रम प्रदान करता है। इस पाठ्यक्रम का प्रमुख लक्ष्य अनुभवात्मक शिक्षा के माध्यम से छात्रों के बीच नवाचार और उद्यमिता कौशल विकसित करना है। नियमित कक्षा व्याख्यानों के अलावा, डोमेन विशेषज्ञों, स्टार्टअप संस्थापकों, आईआईटी/आईआईएम के प्रोफेसरों, एन्जल निवेशकों आदि द्वारा विभिन्न विषयों पर आमंत्रित व्याख्यान दिए जाएंगे। छात्रों को सीड फंड उपलब्ध कराकर एक टीम के रूप में अपने स्टार्टअप विचार के लिए एक व्यवसाय योजना तैयार करने के लिए भी कहा जाएगा, जिसका आगे एक विशेषज्ञ समिति द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा।

समूह

- डॉ. स्वामीनाथन आर (प्रभारी प्राध्यापक)
- डॉ. शोमिक दासगुप्ता
- डॉ. मोहनसुंदरी थंगावेल
- सुश्री सोनल राय (कनिष्ठ सहायक)
- डॉ. अनन्या घोषाल
- डॉ. आशुतोष मंडपे
- प्रोफेसर रुचि शर्मा

प्रमुख उपलब्धियाँः

सीईईडी, आईआईटी इंदौर ने आईआईटीआई एसीई फाउंडेशन और एमएसएमई डीएफओ इंदौर के सहयोग से एमएसएमई मंत्रालय की डिजाइन योजना पर दो जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए, जिसके लिए आईआईटी इंदौर एक कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में काम कर रहा है। इसमें मध्य प्रदेश के 75 एमएसएमई ने भाग लिया। डिजाइन योजना का उद्देश्य नए उत्पाद विकास के लिए वास्तविक समय की डिजाइन समस्याओं पर विशेषज्ञ सलाह और लागत प्रभावी समाधान प्रदान करना है।

सीईईडी, आईआईटी इंदौर ने आईआईटीआई एडवांस्ड सेंटर फॉर एंटरप्रेन्योरशिप (एसीई) फाउंडेशन के सहयोग से 2 स्टार्टअप बूटकैंप आयोजित किए, जहां हमारे विशेषज्ञ स्टार्टअप और उद्यमिता के विभिन्न पहलुओं से संबंधित 2 दिनों (लगभग 6 घंटे प्रतिदिन) के 6 तकनीकी सत्र देने में लगे रहे, जैसे स्टार्टअप आइडिया चुनना, आइडिया को एमवीपी में विकसित करना, सफल स्टार्टअप बनाना।

आयोजनों की झलकियाँः

एमएसएमई डिजाइन योजना पर पहला जागरूकता कार्यक्रम

एमएसएमई डिजाइन योजना पर दूसरा जागरूकता कार्यक्रम

एसआईसीए कॉलेज के छात्रों के लिए स्टार्टअप बूटकैंप

उज्जैन इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रों के लिए स्टार्टअप बूटकैंप

उज्जैन इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रों के लिए स्टार्टअप बूटकैंप

परिष्कृत उपकरण केंद्र (SIC)

परिचय

आईआईटी इंदौर के अनुसंधान कार्यक्रम में तेज़ी लाने के लिए संस्थान के वित्त पोषण से सितंबर 2011 में परिष्कृत उपकरण केंद्र (एसआईसी) की स्थापना की गई थी। एसआईसी का मिशन अत्याधुनिक उपकरण सुविधा और अत्याधुनिक अनुसंधान में इसके उपयोग और अनुप्रयोग प्रदान करके आईआईटी इंदौर में अनुसंधान पहल का समर्थन और बढ़ावा देना है। अपने हितधारकों को डेटा विश्लेषण की उच्चतम गुणवत्ता प्रदान करने के लिए उच्च–मूल्य वाले उपकरणों को एक स्थान पर समायोजित किया गया है। एसआईसी संस्थान के विभागों और बाहरी शैक्षणिक/उद्योग उपयोगकर्ताओं को विश्लेषणात्मक सेवाएँ प्रदान करता है। एसआईसी आईआईटी इंदौर में विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के सभी विभागों में अनुसंधान को समर्थन और बढ़ावा देने के अपने मिशन पर लगातार काम कर रहा है।

एसआईसी अब बाहरी उपयोगकर्ताओं को प्रदान की जाने वाली सेवाओं से धनराशि उत्पन्न करके एक आत्मनिर्भर केंद्र बनने की दिशा में काम कर रहा है। एसआईसी सुविधा का एक महत्वपूर्ण लाभ छात्रों तक इसकी आसान पहुँच है और छात्रों की संख्या की तुलना में उपकरण की उपलब्धता बहुत अधिक है। संस्थान में निम्नलिखित विभाग अपने अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को सुदृढ़ बनाने के लिए एसआईसी उपकरणों का सक्रिय रूप से उपयोग कर रहे हैं: जीव विज्ञान एवं जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी, रसायन शास्त्र, जानपद अभियांत्रिकी, विद्युतीय अभियांत्रिकी, यांत्रिक अभियांत्रिकी, धातुकर्म अभियांत्रिकी एवं पदार्थ विज्ञान और भौतिकी।

विज़न/मिशन और उद्देश्य

1. अनुसंधान एवं विकास कार्यों का नमूना विश्लेषण करने के लिए आईआईटी इंदौर के प्रोफेसर, वैज्ञानिकों और छात्रों के साथ–साथ विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों एवं उद्योगों को एसआईसी की सुविधाएँ प्रदान करना।
2. छात्रों, विश्वविद्यालयों और उद्योगों के शिक्षकों के लिए विभिन्न एसआईसी उपकरणों के उपयोग और अनुप्रयोग पर कार्यशालाएँ आयोजित करना।
3. उपकरणों का पूरी तरह से उपयोग करने के लिए नई विश्लेषणात्मक तकनीकों/विधियों को विकसित करना और उन्हें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में नए अनुसंधान क्षितिज का पता लगाने के लिए प्रदान करना।
4. उन्नत अनुसंधान के लिए आसान डेटा संग्रह सुनिश्चित करना।
5. अन्य शैक्षणिक संस्थानों और उद्योगों को नाममात्र शुल्क पर सेवएं प्रदान करना।

प्रोफेसर अपूर्बा के. दास
प्रभारी प्राध्यापक एसआईसी
ईमेल: head-sic@iiti.ac.in

प्रोफेसर कृष्णा आर मवानी
सह–संयोजक एसआईसी
ईमेल: krushna@iiti.ac.in

श्री घनश्याम भावसार
तकनीकी अधीक्षक

श्री किन्नी पांडे
तकनीकी अधीक्षक

डॉ. रविंदर
कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक

श्री अतुल सिंह
कनिष्ठ तकनीकी सहायक

सुश्री काजल चौधरी
कनिष्ठ तकनीकी सहायक

श्री रंजीत रघुवंशी
प्रशासनिक कर्मचारी

एसआईसी के पास उपलब्ध सुविधाएं

एसआईसी सुविधाओं में निम्नलिखित क्षेत्रों के उपकरण शामिल हैं:

1. स्पेक्ट्रोस्कोपी
2. क्रोमैटोग्राफी
3. माइक्रोस्कोपी और इमेजिंग
4. थर्मल विश्लेषण
5. एक्स–रे डिफ्रैक्टोमीटर
6. अन्य उपकरण

स्पेक्ट्रोस्कोपी		
400 मेगाहर्ट्ज एनएमआर और 500 मेगाहर्ट्ज एनएमआर (डीएसटी–फिस्ट–रसायन विज्ञान)	यूवी विज़िबल स्पेक्ट्रोमीटर	यूवी–विज़–एनआईआर स्पेक्ट्रोमीटर
समय–सहसंबद्ध एकल फोटॉन गणना (टीसीएसपीसी)	सर्कुलर डाइक्रोइज़्म (सीडी)	स्पेक्ट्रोफ्लोरोमीटर
फूरियर ट्रांसफॉर्म इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोमीटर (एफटी–आईआर)	फोटोलुमिनसेंस (पीएल)	पोलरिमीटर

क्रोमैटोग्राफ		
उच्च रिज़ॉल्यूशन – मास स्पेक्ट्रोमेट्री (एचआर–एमएस)	गैस क्रोमैटोग्राफी – मास स्पेक्ट्रोमीटर (जीसी–एमएस)	रिवर्स फेज़ – उच्च प्रदर्शन तरल क्रोमैटोग्राफी (आरपी–एचपीएलसी)
प्रारंभिक – उच्च प्रदर्शन तरल क्रोमैटोग्राफी (प्रेप–एचपीएलसी)	सामान्य चरण – उच्च प्रदर्शन तरल क्रोमैटोग्राफी	

माइक्रोस्कोपी और इमेजिंग		
फील्ड–एमिशन स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी (एफई–एसईएम)	एटॉमिक फॉर्स माइक्रोस्कोपी (एएफएम)	कॉन्फोकल लेजर स्कैनिंग माइक्रोस्कोपी (सीएलएसएम)
टोटल इंटरनल रिफ्लेक्शन फ्लोरोसेंस माइक्रोस्कोपी (टीआईआरएफएम)		

थर्मल विश्लेषण	
थर्मोग्राविमेट्रिक विश्लेषक (टीजीए)	डिफरेंशियल स्कैनिंग कैलोरिमेट्री (डीएससी)

एक्स–रे डिफ्रैक्टोमीटर		
सिंगल क्रिस्टल एक्सआरडी (एससीएक्सआरडी)	पाउडर एक्सआरडी (पीएक्सआरडी)	एनर्जी डिस्पर्सिव एक्स–रे स्पेक्ट्रोस्कोपी (ईडीएस / ईडीएक्स)
वेवलेंथ डिस्पर्सिव स्पेक्ट्रोस्कोपी (डब्ल्यूडीएस / डब्ल्यूडीएक्स)	एक्स–रे अवशोषण फाइन स्ट्रक्चर (एक्सएएफएस)	

अन्य उपकरण		
लियोफिलाइज़र	सरफेस एरिया एनालाइजर (बीईटी)	रियोमीटर
सीएचएनएसओ विश्लेषक	स्पेक्ट्रो इलेक्ट्रो–केमिकल सेल (एसईसी)	डुअल आयन बीम स्पटरिंग डिपोजिशन सिस्टम (डीआईबीएसडी)
चक्रीय वोल्टामेट्री	माइक्रोवेव सिंथेसाइजर	

एसआईसी की विशेष झलकियां

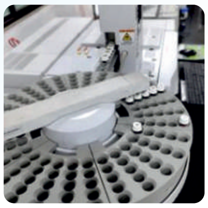

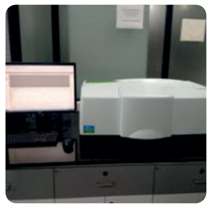

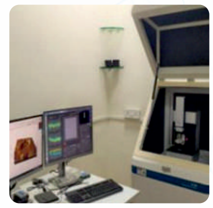
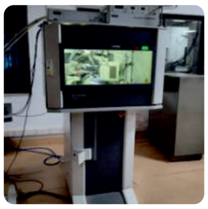

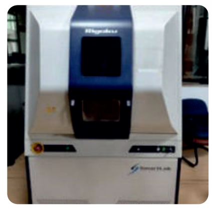

एसआईसी में उल्लेखनीय प्रतिनिधियों का दौरा

1	डॉ. के. सिवन	अध्यक्ष, शासी मंडल, आईआईटी इंदौर व पूर्व अध्यक्ष, इसरो
2	प्रोफेसर वोल्कर इपिंग	अध्यक्ष, लीबनिज विश्वविद्यालय हनोवर, जर्मनी
3	लेफ्टिनेंट जनरल के.एच. गवास वीएसएम	कमांडेंट, एमसीटीई, महू
4	डॉ. जे. कोल	वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनुसंधान एवं विकास, जेएसडब्ल्यू सीमेंट लिमिटेड

एसआईसी द्वारा तकनीकी वार्ता का आयोजन

1	डॉ. ए.डी. गिडिंग्स (डेविन)	एप्लीकेशन साइंटिस्ट, कैमेका इंस्ट्रूमेंट्स, जर्मनी
2	श्री प्रशांत चौधरी	एप्लीकेशन स्पेशलिस्ट थर्मो फिशर
3	आनंद गुंजोटिकर	एप्लीकेशन स्पेशलिस्ट जेईओएल
4	डॉ. अतानु शिंगारोय	एप्लीकेशन स्पेशलिस्ट कार्ल ज़ीस

चुनिंदा बाहरी उपयोगकर्ता

उद्योग	शैक्षणिक
1. नवीन फ्लोरीन, देवास	1. देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर
2. सरना केमिकल, गुजरात	2. वीएनआईटी नागपुर
3. प्रिज्म जॉनसन, देवास	3. विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन
4. हेटेरो ड्रग्स, हैदराबाद	4. एसजीएसआईटीएस, इंदौर
5. मेडिलक्स लैबोरेटरीज, पीथमपुर	5. आईआईटी कानपुर
6. सिंबियोटेक फार्मालैब, इंदौर	6. आईआईटी गांधीनगर
7. ट्रायो टेक केमिकल, इंदौर	7. एनआईटी पटना
8. एंजेल ओक, इंदौर	8. मणिपुर विश्वविद्यालय, इंफाल
9. श्रीनिवास फार्माकेम, उज्जैन	9. आईजीएनटीयू, अमरकंटक
10. मैकसेन ड्रग, उदयपुर	10. एनआईटी सिलचर
11. एसएससी इंडस्ट्रीज, इंदौर	11. सेज विश्वविद्यालय, इंदौर
12. कृति न्यूट्रिएंट्स, इंदौर	12. पीएमबी गुजराती विज्ञान महाविद्यालय, इंदौर
13. नोविया फार्मास्युटिकल, इंदौर	13. सरदार पटेल विश्वविद्यालय, गुजरात

14. राजरतन वायर्स, इंदौर	14. डॉ. हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
15. महले इंजन कंपोनेंट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, पीथमपुर	15. शासकीय पीजी कॉलेज, टीकमगढ़
16. लाइफ फर्स्ट फार्मा प्राइवेट लिमिटेड, पीथमपुर	16. केंद्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान, भोपाल
17. राजवीर केमिकल, इंदौर	17. निर्मला कॉलेज उज्जैन
18. गुफिक बायोसाइंस लिमिटेड, इंदौर	18. के.एन. मोदी विश्वविद्यालय, नेवई, राजस्थान
19. एसआरएफ पैकेजिंग फिल्म्स बिजनेस, पीथमपुर	19. श्री अरबिंदो आयुर्विज्ञान संस्थान, (एसएआईएमएस), इंदौर
20. देवास हाइड्रोक्विप प्राइवेट लिमिटेड लिमिटेड, देवास	20. एसकेयूएएसटी कश्मीर
21. ओमनीब्रक्स बायोटेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद	21. रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई
22. लिब्रा बायोटेक, पीथमपुर	22. एनआईएसईआर, भुवनेश्वर
23. टच एंड ग्लो, पालघर	23. कोचीन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कोच्चि–केरल

संस्थान की स्थापना से लेकर अब तक अनुसंधान गतिविधियों में एसआईसी की भूमिका

	प्रकाशन: 5943 से अधिक प्रकाशनों को सहायता प्रदान करने के साथ, एसआईसी संस्थागत संकाय सदस्यों और शोध विद्वानों की शोध आवश्यकताओं को पूरा कर रहा है।
	पेटेंट: एसआईसी डेटा का उपयोग करके 66 पेटेंट प्रदान किए गए और 165 पेटेंट फाइल किए गए।
	प्रौद्योगिकी स्थानांतरण: 3 प्रौद्योगिकियों को उद्योगों को स्थानांतरित किया गया तथा 8 प्रौद्योगिकियों को एसआईसी की सहायता से विकसित किया गया।
	सआईसी ने 450 करोड़ रुपये मूल्य की लगभग 614 परियोजनाओं को समर्थन दिया।

मुख्य बिंदु: 2023–24 में प्रमुख उपकरणों पर विश्लेषण किए गए नमूने

उपकरण	नमूनों की संख्या	उपकरण	नमूनों की संख्या
एनएमआर (400 और 500 मेगाहर्ट्ज)	19530	एचआर–एमएस	8150
एफई–एसईएम	2722	सीएलएसएम	3478
जीसी–एमएस	2669	बीईटी	454
टीजीए	772	सीडी	882
एएफएम	404	यूवी–विज़	1313
यूवी–विज़–एनआईआर	904	फ्लोरोसेंस	2093
लियोफिलाइज़र	352	प्रीप–एचपीएलसी	207
एलएन2	18844 लीटर	मिलिक वॉटर	817 लीटर

स्थापना के बाद से, बाह्य शिक्षा, उद्योग व अंतर्राष्ट्रीय उपयोगकर्ताओं से उत्पन्न राजस्व 1.13 करोड़ रुपये था, जबकि चालू वित्त वर्ष 2023–24 के लिए यह 11.66 लाख रुपये रहा।

समूह फोटो

उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स केंद्र (CAE)

परिचय

उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स केंद्र (सीएई) की स्थापना जून 2020 में आईआईटी इंदौर में एक अंतःविषय अनुसंधान केंद्र के रूप में की गई है, जिसका उद्देश्य कंप्यूटिंग, संचार, चिकित्सा और ऊर्जा सहित बहुविषयक अनुप्रयोगों के लिए सामग्री, उपकरण और प्रौद्योगिकी विकसित करना है।

उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स केंद्र को इलेक्ट्रॉनिक्स और इसके संबद्ध क्षेत्रों में काम करने वाले कुछ प्रसिद्ध शिक्षाविदों को एक तकनीकी छत के नीचे लाने का सम्मान मिला है, ताकि मानव जाति के लाभ के लिए उच्च गुणवत्ता वाले अनुप्रयुक्त अनुसंधान को सक्षम किया जा सके। हम इलेक्ट्रॉनिक्स के राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण क्षेत्र में अनुप्रयुक्त अनुसंधान, उपकरण विकास और कौशल और जनशक्ति विकास के लिए एक मंच बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

शैक्षणिक कार्यक्रम

उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स केंद्र (सीएई) ने पीएचडी शुरू की है। उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स में विशेष रूप से कार्यक्रम, जिसमें नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स/माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स, एकीकृत सिलिकॉन फोटोनिक्स/ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स, उन्नत सामग्री और उपकरण, उन्नत मेमोरी प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट उपयोग, कम्प्यूटेशनल इलेक्ट्रॉनिक्स और सामग्री, और 2 डी इलेक्ट्रॉनिक सामग्री, जैव रासायनिक सेंसर, सिग्नल प्रोसेसिंग, वीएलएसआई सर्किट और सिस्टम डिजाइन, फोटोवोल्टिक्स, वायरलेस और ऑप्टिकल संचार और एआई और मशीन लर्निंग जैसे अनुसंधान क्षेत्र शामिल हैं। केंद्र राष्ट्रीय अर्धचालक जरूरतों को पूरा करने, विशेष रूप से जनशक्ति उत्पन्न करने और भारत सेमीकंडक्टर मिशन की दिशा में तकनीकी रूप से योगदान करने के दृष्टिकोण के साथ उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स में एमएस रिसर्च, एक पीजी कार्यक्रम का प्रस्ताव करने की प्रक्रिया में है।

संकाय सदस्यों की संख्या:	12
प्राध्यापक	09
सह प्राध्यापक	02
रामानुजन फैलोशिप	01

कार्यक्रम	छात्र प्रवेश	डिग्री प्रदान की गई
पीएचडी	01	–

उल्लेखनीय अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ

- केंद्र बहुविषयक क्षेत्रों में अनुप्रयुक्त अनुसंधान पर केंद्रित है। उन्नत अर्धचालक प्रौद्योगिकी और पदार्थ विज्ञान में अनुसंधान और विकास के लिए कुछ अत्याधुनिक सुविधाएँ हैं।
- सीएई में हमने रडार प्रौद्योगिकी और फोटोनिक्स के क्षेत्र में संयुक्त अनुसंधान कार्य के लिए भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के साथ एक गैर–प्रकटीकरण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। हम आंतरिक और बाहरी छात्रों और संकाय सदस्यों को लाभान्वित करने के लिए एफडीपी और अन्य पाठ्यक्रम आयोजित करके अपनी आउटरीच गतिविधियों को बहुत मजबूती से आगे बढ़ा रहे हैं। आईआईटी इंदौर में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में प्रोफेसर शैबाल मुखर्जी के नेतृत्व में हाइब्रिड नैनोडिवाइस रिसर्च ग्रुप (एचएनआरजी) सूक्ष्म और नैनो–संरचित सामग्रियों की नई भौतिकी की खोज करता है, और इस ज्ञान को रासायनिक, जैविक, ऑप्टिकल, इलेक्ट्रॉनिक और ऊर्जा अनुप्रयोगों के लिए उन्नत उपकरणों और उपकरणों को साकार करने में लागू करता है।
- टीआईएफआर मुंबई के प्रोफेसर एस.एस. प्रभु के सहयोग से जीई आधारित टीएचजेड उत्सर्जकों के निर्माण और लक्षण वर्णन पर काम शुरू किया गया है। स्पटर किए गए जीई पर टीएचजेड उत्सर्जकों का निर्माण और परीक्षण किया जाता है। वर्तमान में हम डेटा का विश्लेषण कर रहे हैं और डिवाइस मापदंडों को अनुकूलित कर रहे हैं।
- सीवीडी का उपयोग करके जीई फिल्मों के विकास के लिए सीईएनएसई, आईआईएससी बैंगलोर के साथ सहयोग स्थापित किया गया है।
- हमारे शोध कार्य से आने वाले THz उत्सर्जकों और संबंधित उत्पादों और प्रौद्योगिकी का व्यावसायीकरण करने के लिए एक स्टार्टअप कंपनी, THz इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड को शामिल किया गया है। यह एसीई फाउंडेशन, IIT इंदौर में इनक्यूबेट किया गया DPIIT मान्यता प्राप्त स्टार्टअप है। कंपनी को स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम से सीड फंड मिला है।
- कार्बनिक–अकार्बनिक नैनोहाइब्रिड का उपयोग करके इथेनॉल का पता लगाने के लिए रासायनिक प्रतिरोधक सेंसर का निर्माण किया।
- यौगिक अर्धचालकों में बिंदु दोषों, सतहों और इंटरफेस की इलेक्ट्रॉनिक संरचना और प्रथम–सिद्धांत गणनाओं का उपयोग करके विद्युत और चुंबकीय गुणों पर उनका प्रभाव।
- नैनोमटेरियल विज्ञान और इंजीनियरिंग, सामग्रियों में दोष, सिंगल वॉल और मल्टी वॉल कार्बन नैनोट्यूब (सीएनटी), मल्टी–लेयर ग्राफीन और 2डी और 3डी सामग्री इंजीनियरिंग।
- संक्रमण धातु डाइचेलकोजेनाइड्स (टीएमडी), नोवेल पेरोवस्काइट, टोपोलॉजिकल इंसुलेटर, हाइड्रोजन और ईंधन सेल के लिए छिद्रपूर्ण सामग्री, क्षार–आयन बैटरी और ऊर्जा भंडारण, सौर सेल, नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकी, सीओ 2 और सीओ कैप्चर और एच 2 भंडारण।

- प्रोफेसर मुकेश कुमार के नेतृत्व में ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक नैनोडिवाइस रिसर्च लेबोरेटरी ने ऑप्टिकल संचार, डेटा सेंटर और स्वास्थ्य देखभाल अनुप्रयोगों के लिए चिप–स्केल फोटोनिक उपकरणों के लिए सेमीकंडक्टर हेटेरोजंक्शन पर एक तकनीक विकसित की है।
- ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक नैनोडिवाइस रिसर्च लेबोरेटरी ने ऑप्टिकली पठनीय प्रतिरोधक रैम के लिए एकनैनोफोटोनिक प्रतिरोधक स्विच का प्रदर्शन किया है; ACS Photonics, DOI: 10.1021/acsphotonics.3c01289)A

परियोजनाएँ:

परियोजनाएँ	बाह्य प्रायोजित परियोजना
नई परियोजनाएँ	2
जारी परियोजनाएँ	6
पूर्ण परियोजनाएँ	–

प्रकाशन:

विवरण	पुस्तकें प्रकाशित	अध्याय पुस्तकों में	सम्मेलन में शोधपत्र	पत्रिकाओं में शोधपत्र	पेटेंट
कुल	–	–	3	16	3 (1 फ़ील्ड और 2 प्रकाशित)

आउटरीच गतिविधिया

क्र.सं.	दिनांक	गतिविधियाँ
1.	16 मई, 2024	आईईईई फोटोनिक्स सोसाइटी, ऑप्टिका और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय प्रकाश दिवस मनाया गया।

सीएई की संकाय प्रोफ़ाइल

प्रोफेसर विवेक कान्हांगड

(प्रभारी प्राध्यापक, सीएई)

शोध रुचियाँ:

- बायोमेट्रिक्स
- डिजिटल सिग्नल और इमेज प्रोसेसिंग

प्रोफेसर मुकेश कुमार

शोध रुचियाँ:

- एकीकृत ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स
- सिलिकॉन फोटोनिक्स
- नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स
- एकीकृत सीएमओएस फोटोनिक्स
- डिवाइस निर्माण और वीएलएसआई प्रौद्योगिकी
- जैव–रासायनिक सेंसर
- नैनो–स्केल डिवाइस

प्रोफेसर शैबाल मुखर्जी

शोध रुचियाँ:

- डीसी–टू–डीसी कन्वर्टर्स के लिए कम लागत वाले एचईएमटी/एचएफईटी
- इमेज प्रोसेसिंग और न्यूरोमॉर्फिक कंप्यूटेशन के लिए विषम एकीकृत आरआरएएम
- अगली पीढ़ी के अल्ट्राथिन और कम लागत वाले फोटोवोल्टिक
- कृषि, पानी और हवा के लिए लचीले और कम लागत वाले जैव–रासायनिक सेंसर
- उच्च प्रदर्शन वाले यूवी डिटेक्टर

प्रोफेसर विमल भाटिया

शोध रुचियाँ:

- संचार और प्रकाशिकी के लिए एआई/एमएल
- 6जी और 7जी संचार प्रणाली
- प्रदर्शन विश्लेषण और अनुकूलन
- सिग्नल और इमेज प्रोसेसिंग एल्गोरिदम
- गणितीय विश्लेषण और कंप्यूटिंग
- सॉफ्टवेयर कार्यान्वयन

प्रोफेसर संतोष कुमार विश्वकर्मा

शोध रुचियाँ:

- एसरैम डिजाइन और संरचना
- विश्वसनीय, सुरक्षित और ऊर्जा–कुशल सर्किट डिजाइन
- डिजिटल एएसआईसी/एसओसी डिज़ाइन
- इन–मेमोरी कंप्यूटिंग
- एसओसी/एफपीजीए आधारित सीएनएन हार्डवेयर एक्सेलेरेटर
- एनएएनडी फ्लैश मेमोरी डिवाइस
- उन्नत एमओएस उपकरण
- डिवाइस सर्किट सह–डिज़ाइन

डॉ. अजय कुमार कुशवाहा

शोध रुचियाँ:

- जंगरोधी कोटिंग्स
- नैनोमटेरियल्स
- ऊर्जा संचयन और भंडारण

प्रोफेसर राजेश कुमार

शोध रुचियाँ:

- नैनोमटेरियल और नैनोडिवाइस
- इलेक्ट्रॉनिक और इलेक्ट्रोक्रोमिक डिवाइस
- डिवाइस भौतिकी, रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी और माइक्रोस्कोपी
- प्राकृतिक बायोमटेरियल

प्रोफेसर विनोद कुमार

शोध रुचियाँ:

- नैनोमटेरियल
- उच्च एन्ट्रॉपी मिश्र धातु
- चुंबकीय पदार्थ
- संक्षारण और कोटिंग
- संरचना–गुण सहसंबंध,
- सूक्ष्म संरचनात्मक लक्षण वर्णन,
- हल्की धातु मिश्र धातुओं और स्टील्स का थर्मो–मैकेनिकल प्रसंस्करण
- विफलता विश्लेषण
- निर्माण पदार्थ
- ऊर्जा पदार्थ

प्रोफेसर अपूर्वा के. दास

शोध रुचियाँ:

- बायोमटेरियल्स
- पेप्टाइड और न्यूक्लियोबेस–आधारित नैनोस्ट्रक्चर्ड पदार्थ
- सिस्टम केमिस्ट्री
- सुपरमॉलेक्यूलर इलेक्ट्रॉनिक्स
- कार्बनिक–अकार्बनिक हाइब्रिड पदार्थ

डॉ. श्रीमंत पाखीरा

शोध रुचियाँ:

- सैद्धांतिक संघनित पदार्थ भौतिकी
- कम्प्यूटेशनल पदार्थ विज्ञान
- क्वांटम सामग्री
- अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकी
- यौगिक अर्धचालकों में सतहें और इंटरफेस तथा प्रथम–सिद्धांत गणनाओं का उपयोग करके विद्युत और चुंबकीय गुणों पर उनका प्रभाव

प्रोफेसर राम बिलास पचोरी

शोध रुचियाँ:

- सिग्नल और इमेज प्रोसेसिंग
- बायोमेडिकल सिग्नल प्रोसेसिंग
- नॉन–स्टेशनरी सिग्नल प्रोसेसिंग
- स्पीच सिग्नल प्रोसेसिंग
- ब्रेन–कंप्यूटर इंटरफेसिंग
- मशीन लर्निंग
- हेल्थकेयर में एआई
- वेदों के लिए सिग्नल प्रोसेसिंग

डॉ. अभिषेक सिंह (रामानुजन फेलो)

शोध रुचियाँ:

- फोटोनिक टेराहट्र्ज़ तकनीक: THz उत्पादन, पहचान और अनुप्रयोग
- ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स
- अल्ट्राब्रॉडबैंड THz तकनीक के लिए GaÂ, Ge, और Ge/Si आधारित अर्धचालक उपकरण
- टेराहट्र्ज़ स्पेक्ट्रोस्कोपी
- अल्ट्राफास्ट ऑप्टिक्स
- Ge आधारित हाई–स्पीड फोटोडिटेक्टर
- लथोग्राफी का उपयोग करके नैनो–स्केल और माइक्रो–स्केल डिवाइस निर्माण

संगणक एवं सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र (CITC)

सीआईटीसी बिल्डिंग

डेटा सेंटर

यह केंद्र आईआईटीआई समुदाय के सदस्यों को विभिन्न सेवाएँ प्रदान करता है। सेवाओं में ये शामिल हैं:

नेटवर्क कनेक्टिविटी: सीआईटीसी पूरे परिसर में 10 Gbps नेटवर्क कनेक्टिविटी प्रदान करता है। पूरा परिसर 1200 से अधिक नवीनतम वायरलेस एक्सेस पॉइंट द्वारा कवर किया गया है। सभी भवन, विभाग, छात्रावास, विद्यार्जन संसाधन केंद्र, प्रशासनिक विभाग, व्याख्यान कक्ष परिसर, स्वास्थ्य केंद्र और संकाय निवास 10 Gbps 144 कोर फाइबर बैकबोन से जुड़े हुए हैं। आईआईटी इंदौर वैश्विक EDUROAM नेटवर्क का भी हिस्सा है।

डेटा सेंटर: सीआईटीसी बिल्डिंग में विकसित डेटा सेंटर रिडंडेंट यूपीएस और 320 केवी डीजी सुविधा से पूर्ण है। सीआईटीसी डेटा सेंटर में सर्वर, स्टोरेज, नेटवर्क उपकरण और एक उच्च–प्रदर्शन कंप्यूटिंग (एचपीसी) सुविधा होस्ट कर रहा है। सीआईटीसी में 7 InfiniBand स्पदन• क्लस्टर होस्ट किए गए हैं, कुल 3500 से अधिक सीपीयू कोर और 500 TB स्टोरेज है। डीजीएक्स एनवीडिया क्लस्टर को संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के लिए डेटा सेंटर में भी होस्ट किया गया है।

आवश्यक आईटी सेवाएँ: सीआईटीसी सभी आवश्यक सेवाओं को इन–हाउस चला रहा है जैसे संस्थान की वेबसाइट का रखरखाव और विकास, आंतरिक/बाहरी डीएनएस सर्वर, वेब–आधारित स्वचालन यानी ईआरपी (एचआरएमएस और एमएमएस मॉड्यूल), फ़ाइल ट्रैकिंग सिस्टम (एफटीएस), वेब–आधारित टेलीफोन निर्देशिका, एलडीएपी/रेडियस का उपयोग करके केंद्रीकृत प्रमाणीकरण, प्रत्येक भवन के लिए डीएचसीपी–आधारित डायनेमिक आईपी आवंटन सेवाएँ, कैंपस वाई–फाई, स्टोरेज, कैंपस टेलीफोन सेवाएँ, ऑनलाइन स्वचालन सेवाएँ, वर्चुअल संसाधन आवंटन, व्यक्तिगत होमपेज होस्टिंग सेवाएँ और उपयोगकर्ताओं के लिए ओपन–वीपीएन। सीआईटीसी में टिकट–आधारित ऑनलाइन सेवा अनुरोध प्रणाली है; उपयोगकर्ता ऑनलाइन सेवा अनुरोध और शिकायतें दर्ज कर सकते हैं और बाद में उनकी स्थिति को ट्रैक कर सकते हैं।

तकनीकी सहायता: सीआईटीसी सभी विभागों, एलएचसी, छात्रावासों, आवासीय क्षेत्रों और प्रशासनिक अनुभागों में आईटी उपकरण और एप्लिकेशन सॉफ़्टवेयर की स्थापना और रखरखाव के लिए सहायता प्रदान करता है। हम स्मार्ट कक्षाओं, सम्मेलन कक्षों और बोर्ड रूम की स्थापना और रखरखाव के लिए तकनीकी सहायता भी प्रदान करते हैं।

हमारी टीम के सदस्य:

1. प्रोफेसर नेमिनाथ हुबली, प्रभारी प्राध्यापक एवं प्रमुख, सीआईटीसी
2. श्री जीनियस संजोग, सिस्टम मैनेजर
3. श्री योगेन्द्र सिंह, उप सिस्टम मैनेजर
4. श्री जीतेन्द्र गुप्ता, तकनीकी अधीक्षक
5. श्रीमान धीरज विजयवर्गीय, कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
6. श्री सुभाष सोनी, कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
7. श्री छत्तर सिंह, कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
8. सुश्री प्रिंसी अवधिया, एप्लिकेशन डेवलपर
9. सुश्री मंजू घोरसे, एप्लिकेशन डेवलपर
10. प्रहलाद जी सिंह पंवार, सिस्टम एनालिस्ट
11. श्री शैलेश कौशल, टेक. अधीक्षक
12. श्री सुभा जना, टेक. अधीक्षक

आईआईटीआई दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन

परिचय

आईआईटीआई दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन, एक प्रौद्योगिकी नवाचार केंद्र (टीआईएच) है जिसे राष्ट्रीय अंत:विषय साइबर भौतिक प्रणाली मिशन (एनएम–आईसीपीएस) के तत्वावधान में आईआईटी इंदौर में स्थापित किया गया है, जो सिस्टम सिमुलेशन, मॉडलिंग और विज़ुअलाइज़ेशन के प्रौद्योगिकी कार्यक्षेत्र के साथ काम कर रहा है। दृष्टि सीपीएस साइबर–भौतिक प्रणालियों के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी विकास और व्यावसायीकरण, कौशल विकास, स्टार्टअप समर्थन और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। यह प्रयोगशाला से बाजार तक प्रासंगिक तकनीकों को लाने के लिए देश भर के संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं और छात्रों के साथ मिलकर काम कर रहा है। हम अपने पारिस्थितिकी तंत्र में प्रासंगिक उद्योगों, राज्य सरकार के विभागों, लाइन मंत्रालयों, सार्वजनिक उपक्रमों और स्टार्टअप को शामिल करते हैं।

प्रोग्राम अपडेट:

संबद्ध कार्यक्रम	कुल संबद्ध सदस्य: 203
प्रौद्योगिकी विकास व फैलोशिप कार्यक्रम	छात्र फेलोशिप–63 संकाय फेलोशिप–33 कुल स्वीकृत राशि–11.6 करोड़ रुपये
प्रौद्योगिकी व्यवसाय ऊष्मायन कार्यक्रम	सीपीएस–सीड सपोर्ट– • इनक्यूबेटेड स्टार्टअप्स की संख्या–29 सीपीएस–प्रयास– • इनक्यूबेटेड स्टार्टअप्स की संख्या–10 सीपीएस–ईआईआर– • इनक्यूबेटेड स्टार्टअप्स की संख्या–5 कुल स्वीकृत निधि– 8.56 करोड़ रुपये **शक्ति** इस प्री–इन्क्यूबेशन कार्यक्रम के तहत, शॉर्टलिस्ट की गई 18 उभरती हुई महिला उद्यमियों को उद्योग के विशेषज्ञों के नेतृत्व में इमर्सिव सेशन, व्यक्तिगत सलाह, मासिक फेलोशिप स्टाइपेंड और व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से उद्यमिता की मूल बातों का ज्ञान दिया जाएगा। **बिल्ड** आईटीआईसी, आईआईटी हैदराबाद के सहयोग से, दृष्टि सीपीएस स्नातक छात्रों और हाल ही में उपाधि प्राप्त किए हुए छात्रों को सलाह, मार्गदर्शन और संसाधनों के माध्यम से सहायता प्रदान कर रहा है ताकि वे अपने विचारों को कार्यात्मक प्रोटोटाइप में आकार दे सकें और भारत में युवा दिमागों के बीच उद्यमशीलता और नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा दे सकें। **एचडीएफसी परिवर्तन–** हब को कृषि और सतत ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर ध्यान केंद्रित करने वाले तकनीक आधारित उच्च प्रभाव वाले स्टार्टअप को समर्थन देने के लिए 35 लाख रुपये का एचडीएफसी परिवर्तन अनुदान मिला। इस कार्यक्रम के तहत, हब ने इनक्यूबेशन के लिए दो स्टार्टअप केवाई इनोवेशन और भूसत्यम टेक्नोलॉजीज को शॉर्टलिस्ट किया। **स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम (एसआईएसएफएस)–** हब को अगले 3 वर्षों के लिए स्टार्टअप निवेश और संचालन के लिए स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम (एसआईएसएफएस) के तहत 5 करोड़ रुपये दिए गए हैं।
कौशल विकास कार्यक्रम	कौशल कार्यक्रमों की कुल संख्या– 17 डोमेन क्षेत्र– क्लाउड, औद्योगिक सिमुलेशन और स्वचालन, आईओटी सिमुलेशन और हार्डवेयर प्रशिक्षित व्यक्तियों की कुल संख्या– 2242 रोजगार सृजन की कुल संख्या– 1181

अंतर्राष्ट्रीय सहकार्य	बेल्जियम के यूसीएलौवेन के साथ एक अंतर्राष्ट्रीय सहकार्य, एनजीओ लौवेन कोऑपरेशन के साथ उनके इंजीनियक्स सुद प्रोजेक्ट के लिए। दृष्टि सीपीएस अपशिष्ट प्रबंधन पर यूसीएलौवेन और आईआईटी इंदौर के साथ छात्र विनिमय कार्यक्रम का संचालन कर रहा है। बिजनेस आइडियाज फॉर डेवलपमेंट प्रोग्राम, जर्मनी (बीआईडी–जीआईजेड) के तहत कृषि और स्मार्ट शहरों (ईवी) जैसे क्षेत्रों में काम करने वाले पहले समूह में 4 उद्यमियों को सहायता प्रदान की गई।

टीम की संख्या

- टीम की कुल संख्या – 46
- तकनीकी टीम –22
- स्टार्टअप टीम –6
- परिचालन टीम –16
- सलाहकार –2

उल्लेखनीय अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ

दृष्टि सीपीएस ने आईआईटी इंदौर में डिजिटल हेल्थकेयर के लिए चरक सेंटर नामक अत्याधुनिक अनुसंधान एवं कौशल विकास केंद्र की स्थापना की है। इस केंद्र का उद्देश्य भारत के स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य में क्रांति लाना है, जिसके लिए डिजिटल ट्विन को आधार बनाया गया है। यह केंद्र उद्यमियों, शिक्षाविदों, स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों और अंतिम उपयोगकर्ताओं को एक साथ लाकर प्रौद्योगिकी डेवलपर्स और उपयोगकर्ताओं के बीच की खाई को पाटेगा, ताकि सामूहिक रूप से डिजिटल स्वास्थ्य सेवा में अत्याधुनिक समाधानों के विकास, अपनाने और व्यावसायीकरण में तेजी लाई जा सके।

बाहरी संस्थाओं से प्राप्त अनुसंधान अनुदान–

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद से

परियोजनाः डिजिटल ट्विन्स और संभाव्य मॉडलिंग की अवधारणा का उपयोग करके वेंटिलेटेड न्यूरोट्रॉमा रोगियों पर जोखिम प्रबंधन और स्वास्थ्य निगरानी प्रणाली का विकास

सहयोगीः आईआईटी इंदौर और एम्स, नई दिल्ली

वित्त पोषणः रु. 1.5 करोड़

रॉयल एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग से

प्रोजेक्टः किफायती स्वास्थ्य सेवा के लिए क्रिटिकल केयर डिजिटल ट्विन

सहयोगीः आईआईटी इंदौर, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, यूके और एम्स, नई दिल्ली

वित्तपोषणः GBP 66000

कार्यक्रम एवं समारोह

विवरण	झलकियाँ
हब ने 16 जुलाई, 2023 को इंदौर, भारत में एक प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी षैम्ज्न्ष (स्टेकहोल्डर इंगेजमेंट इन टेक्नोलॉजी अपग्रेडेशन) का आयोजन किया। इस प्रदर्शनी में साइबर–भौतिक प्रणाली (सीपीएस) डोमेन में अत्याधुनिक नवाचारों को प्रदर्शित किया गया, जिसका उद्देश्य विभिन्न उद्योगों में प्रौद्योगिकी डेवलपर्स और अंतिम उपयोगकर्ताओं के बीच आवश्यक जानकारी का आदान–प्रदान करना था।	
हब ने सितंबर 2023 में आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी खड़गपुर और आईआईटी रोपड़ के प्रौद्योगिकी नवाचार केंद्रों के सहयोग से एटीएमएएन (एग्री स्टार्टअप डेमो एंड फंडिंग) नामक एक मेगा इवेंट का आयोजन किया। विशेषज्ञों ने 55 में से 24 एग्रीटेक स्टार्टअप की अनुशंसा की। इन स्टार्टअप को आशाजनक विचारों और प्रौद्योगिकियों में तेजी लाने के लिए वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान की गई।	 एटीएमएएन 2023
हब ने एम्स नई दिल्ली के सहयोग से ैम्ज्न 2024 का आयोजन किया, जिसका विषय था हेल्थकेयर में डिजिटल ट्विन। इस कार्यक्रम में 8 एम्स संस्थानों, विभिन्न आईआईटी, एनआईटी/आईआईआईटी और मेडिकल तथा इंजीनियरिंग संस्थानों के विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया।	 सेतू (SETU) 2024
हब ने फरवरी 2024 में डिजिटल हेल्थकेयर और स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में स्टार्टअप्स को सहायता प्रदान करने के लिए एक एक्सेलेरेटर प्रोग्राम का आयोजन किया, जिससे भारत के डीप–टेक स्टार्टअप इकोसिस्टम के विकास को बढ़ावा मिला। डिजिटल हेल्थकेयर और स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग में 24 तकनीक–आधारित स्टार्टअप ने भाग लिया और यूनिट इकोनॉमिक्स, वैल्यू प्रपोज़िशन डेवलपमेंट, स्टार्टअप ब्रांडिंग और कई अन्य विषयों पर मार्गदर्शन सलाहकारों, व्यवसाय विशेषज्ञों और निवेशकों से मार्गदर्शन प्राप्त किया।	 व्यवसाय के लिए स्टार्टअप बूटकैंप और फंडिंग एक्सेलेरेटर प्रोग्राम, फरवरी 2024
हब ने 17 फरवरी 2024 को डीएसटी के सचिव प्रोफेसर अभय करंदीकर की गरिमामयी उपस्थिति में डिजिटल हेल्थकेयर के लिए अपने चरक सेंटर का उद्घाटन किया। यह समर्पित हब डिजिटल हेल्थकेयर में ट्रांसलेशनल रिसर्च को बढ़ावा देने के लिए तैयार किया गया है।	 चरक सेंटर फॉर डिजिटल हेल्थकेयर का उद्घाटन, फरवरी 2024
हब ने अपने चरक सेंटर फॉर डिजिटल हेल्थकेयर के माध्यम से अप्रैल 2024 में आईआईटी इंदौर में चरक कनेक्ट नामक एक कार्यक्रम का आयोजन किया। सरकारी और निजी चिकित्सा और अनुसंधान अस्पतालों, आईआईटी इंदौर के संकायों, उद्यमियों और स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के एक विविध समूह ने चरक सेंटर फॉर डिजिटल हेल्थकेयर का दौरा किया। कार्यक्रम को व्यावहारिक प्रौद्योगिकी प्रदर्शनों से समृद्ध बनाया गया, जिससे संभावित सहयोगी परियोजनाओं पर आकर्षक चर्चाओं को बढ़ावा मिला।	 चरक सेंटर, अप्रैल 2024

अनुसंधान क्षेत्र एवं मुख्य विशेषताएँः

परियोजना/स्टार्टअप विवरण	प्रौद्योगिकी की झलकियाँ
प्रौद्योगिकी का नामः बासमती चावल में मिलावट और विलयन का पता लगाने के लिए एआई–निर्देशित पोर्टेबल प्रणाली– ग्रेन प्रो **टीआरएल स्टेजः** टीआरएल 6 **विवरणः** बासमती राइस की विभिन्न किस्मों की उपस्थिति में समानता (और इसलिए उन्हें अलग करने में कठिनाई), और महत्वपूर्ण मूल्य अंतर धोखेबाज डीलरों द्वारा इंट्राबासमती राइस और इंटर–राइस मिलावट दोनों को जन्म देता है। यह परियोजना एक मशीन विज़न सिस्टम–आधारित उपकरण विकसित कर रही है जो भारतीय संदर्भ में बासमती चावल की 8–10 श्रेणियों का वर्गीकरण करने में सक्षम होगी। भारतीय संदर्भ में बासमती चावल की 10 किस्मों में फैले 20,000 से अधिक उच्च–रिज़ॉल्यूशन, उच्च–आवर्धन छवियों का एक मजबूत डेटासेट तैयार किया जा रहा है जिसका उपयोग एक अनुकूलित डीप लर्निंग–आधारित मॉडल को आगे बढ़ाने के लिए किया जाएगा जो बासमती चावल श्रेणियों के लिए कम छवि रिज़ॉल्यूशन (ढ 1 एमपी) पर 98 प्रतिशत से अधिक की उच्च वर्गीकरण सटीकता सुनिश्चित करेगा। **स्टार्टअप का नामः** ब्रम्हअंश टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड **उत्पाद का नामः** मिग्रेलिफ़ **डोमेनः** हेल्थटेक	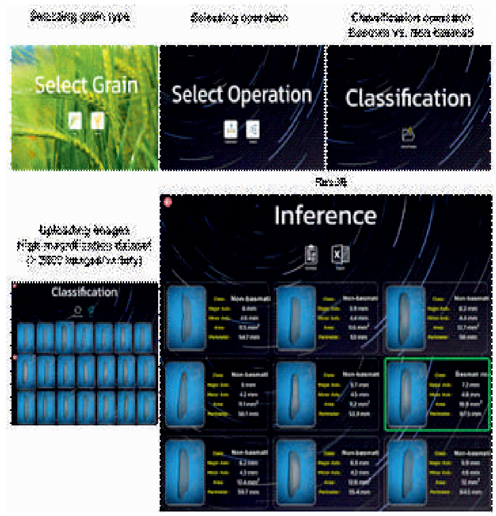
टीआरएल स्टेजः टीआरएल 7 **विवरणः** स्टार्टअप ने एक दवा–मुक्त पहनने योग्य न्यूरोस्टिम्यूलेशन डिवाइस, माइग्रेनलीफ विकसित किया है, जो माइग्रेन के लिए तत्काल राहत और रोकथाम प्रदान करता है, सिरदर्द से राहत और गहरी नींद सुनिश्चित करता है। माइग्रेनेलिफ एक दवा–मुक्त उपचार है जो लोगों को माइग्रेन के हमलों से राहत दिलाने में मदद कर सकता है। उपयोग में आसान यह चिकित्सा उपकरण तीव्र माइग्रेन हमलों को ठीक करने और भविष्य में होने वाली घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी ढंग से काम करता है। खोपड़ी, ऊतकों और मस्तिष्क की कोशिकाओं के माध्यम से ध्वनि संकेत की कंपन तरंग के रूप में ध्वनि के प्रभाव से माइग्रेन समस्या की जड़ तक पहुंच जाता है।	

भारतीय वैज्ञानिक ज्ञान परंपरा केन्द्र (CISKS)

परिचय

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर में भारतीय वैज्ञानिक ज्ञान परंपरा केन्द्र (सीआईएसकेएस) की स्थापना जून 2021 में भारत की विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विरासत को समझने, संरक्षित करने, पढ़ाने और अपनाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए की गई थी। केंद्र विशेष रूप से भारत की वैज्ञानिक और तकनीकी विरासत और आधुनिक दुनिया के लिए इसकी प्रासंगिकता पर ध्यान केंद्रित करेगा। इसका ध्यान गणित, खगोल विज्ञान, धातु विज्ञान, जीव विज्ञान, कृषि, इंजीनियरिंग और चिकित्सा जैसे कठिन विज्ञानों पर है। यह केंद्र केवल भारतीय ज्ञान प्रणालियों के भाषा अध्ययन, मानविकी या सामाजिक विज्ञान पहलुओं पर ध्यान केंद्रित नहीं करता है।

शैक्षणिक कार्यक्रम

शैक्षणिक कार्यक्रमों में संस्कृत भाषा में सर्टिफिकेट कोर्स (सीसीएसएल) और संस्कृत भाषा में डिप्लोमा कोर्स (डीसीएसएल) शामिल हैं। ये पाठ्यक्रम परिसर में या परिसर के बाहर सभी के लिए खुले हैं।

हमारे संकाय सदस्यों का सक्रिय समूह संस्कृत अनुसंधान में विद्वानों की गतिविधियों के साथ–साथ भारत की विज्ञान और प्रौद्योगिकी विरासत पर प्रशिक्षण के लिए एक परिवेश बनाने की इच्छा रखता है।

संकाय सदस्यों की संख्याः	11
प्राध्यापक	04
सह प्राध्यापक	06
सहायक प्राध्यापक ग्रेड I	01
सहायक प्राध्यापक ग्रेड II	शून्य

कार्यक्रम	छात्र प्रवेश	डिग्री प्रदान की गई
संस्कृत भाषा में सर्टिफिकेट कोर्स (सीसीएसएल)	100	53
संस्कृत भाषा में डिप्लोमा कोर्स डीसीएसएल (जारी)	100	0

परियोजनाएँः

परियोजना	प्रायोजित	परामर्श
नई परियोजनाएँ		शून्य
जारी परियोजनाएँ	4	शून्य
पूर्ण परियोजनाएँ		शून्य

उल्लेखनीय गतिविधियाँः

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय कक्षाओं का अनौपचारिक संस्कृत शिक्षा (एनएफएसई) केंद्र

08 मार्च, 2024 को डॉ. भारत दाश के नेतृत्व में पंचतंत्र कार्यशाला का आयोजन।

फ्लक्सस 2024 में पहेली खेल और भारतीय
इतिहास से संबंधित
अन्य गतिविधियों पर प्रदर्शनी का आयोजन।

11–14 जून, 2024 तक "अर्थशास्त्र और
नीतिशास्त्र" पर चार दिवसीय संकाय
विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

25 अप्रैल, 2024 को एचएस सुदर्शन द्वारा भारतीय शोध पद्धतियों पर
एक ऑनलाइन वार्ता आयोजित की गई, जिसका शीर्षक था, "हमारे पूर्वज कैसे सोचते थे?",
जिसका संचालन एनएफएसई द्वारा किया गया।

1–3 जुलाई, 2024 को "कृषि, जल प्रबंधन और वनस्पति विज्ञान"
शीर्षक से तीन दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया, तथा
4–5 जुलाई, 2024 को "मंदिर वास्तुकला" पर दो दिवसीय
संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया।

अत्याधुनिक रक्षा एवं अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी केंद्र (CFDST)

परिचय

यह केंद्र छात्रों और शोधकर्ताओं को 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्रों के लिए विभिन्न अग्रणी और भविष्य की तकनीकों के विकास के माध्यम से 'राष्ट्र–निर्माण' में उनके योगदान के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्र देश के रक्षा संस्थानों जैसे कि रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) की प्रमुख प्रयोगशालाओं की कुछ शोध समस्याओं के लिए तकनीकी समाधान प्रदान करने में योगदान दे रहा है। केंद्र निकट भविष्य में रक्षा और अंतरिक्ष के व्यापक क्षेत्र में विशेष और समर्पित एम.टेक/एमएस अनुसंधान और पीएचडी कार्यक्रम पेश करने की भी योजना बना रहा है।

डॉ. इंद्रसेन सिंह (प्रमुख सीएफडीएसटी) और श्री बालकृष्ण विश्वकर्मा केंद्र का संचालन कर रहे हैं।

सीएफडीएसटी में सदस्यः

• प्रोफेसर नीलेश कुमार जैन	• डॉ. राम सजीवन मौर्य
• प्रोफेसर रजनीश मिश्रा	• प्रोफेसर संजय कुमार सिंह
• प्रोफेसर राम बिलास पचौरी	• डॉ. सौरभ दास
• प्रोफेसर विमल भाटिया	• प्रोफेसर शैबाल मुखर्जी
• डॉ. अभिनय कुमार सिंह	• डॉ. विनोद कुमार
• प्रोफेसर अभिरूप दत्ता	• डॉ. विवेक कान्हांगड
• डॉ. अभिषेक राजपूत	• डॉ. हेम चन्द्र झा
• प्रोफेसर अविनाश सोनावणे	• डॉ. जयप्रकाश मुरुगेसन
• डॉ. अजय कुमार कुशवाह	• डॉ. मुकेश कुमार
• प्रोफेसर आई. ए. पलानी	• प्रोफेसर निर्मला मेनन
• डॉ. ललित बोराणा	• प्रोफेसर रुचि शर्मा
• डॉ. मृगेन्द्र दुबे	• डॉ. सोमादित्य सेन
• प्रोफेसर नीलिमा सत्यम	• डॉ. सुमंत सामल
• डॉ. पंकज सागदेव	• डॉ. सूर्य प्रकाश
• डॉ. पुनीत गुप्ता	• डॉ. स्वामीनाथन रामबद्रन

उल्लेखनीय उपलब्धियाँः कोविड–19 महामारी के दौरान आयोजित वेबिनारः

- डॉ. अजय कुमार आईएएस रक्षा सचिव रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विशेषज्ञ वार्ता 'भारतीय रक्षा उद्योग, उदय क्षेत्र' पर वेबिनार।
- मेजर जनरल ए के चन्नन, पीवीएसएम, एसएम अतिरिक्त महानिदेशक सेना डिजाइन ब्यूरो द्वारा विशेषज्ञ वार्ता 'सैन्य युद्ध पर विघटनकारी प्रभाव के रूप में प्रौद्योगिकी' पर वेबिनार।
- लेफ्टिनेंट जनरल वीजी खंडारे पीवीएसएम, एवीएसएम, एसएम (सेवानिवृत्त) सैन्य सलाहकार, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय द्वारा विशेषज्ञ वार्ता 'राष्ट्रीय सुरक्षा और व्यापक राष्ट्रीय शक्ति में प्रौद्योगिकी की भूमिका' पर वेबिनार।
- आयुध प्रतिष्ठानों में अनुसंधान और विकास के अवसरों पर एक दिवसीय कार्यशाला (एआरएमआरईबी–2020) 26 अगस्त, 2020 को आयोजित की गई।

संकाय प्रोफ़ाइल

बोधिसत्व मजूमदार

एसोसिएट प्रोफेसर
शोध क्षेत्रः क्रिप्टोग्राफी, हार्डवेयर सुरक्षा
ईमेल आईडीः bodhisatwa@iiti.ac.in

शोध क्षेत्र और मुख्य बिंदुः

मेरा वर्तमान शोध क्रिप्टोग्राफ़िक प्राइमेटिव्स, विशेष रूप से ब्लॉक सिफर, स्ट्रीम सिफर और लाइटवेट सिफर सूट में दोष–आधारित कमजोरियों की पहचान करने पर केंद्रित है। सटीक रूप से कहें तो, हम वर्तमान में ऐसे क्रिप्टोग्राफ़िक प्राइमेटिव्स के एल्गोरिदम में हॉटस्पॉट को इंगित करने पर काम कर रहे हैं, जिनमें ऐसे हमलों के खिलाफ़ कमजोरियाँ बढ़ गई हैं। यह कार्य ऐसे सिस्टम के लिए न्यूनतम सिस्टम ओवरहेड के लिए लाइटवेट काउंटरमेशर्स के डिज़ाइन और कार्यान्वयन पर जोर देता है। हम प्रमाणित सुरक्षा के साथ आईपी डिज़ाइन को मास्क करने के लिए लॉजिक संश्लेषण दृष्टिकोण पर भी काम कर रहे हैं।

डॉ. सोमादित्य सेन

प्रोफेसर
sens@iiti-ac-in
पीएचडी, जादवपुर विश्वविद्यालय

अनुसंधान क्षेत्र और मुख्य बिंदुः

कुछ संशोधित सरल और जटिल ऑक्साइड सामग्रियों पर संरचना सहसंबद्ध भौतिक गुण विश्लेषण में विशेषज्ञता।
उनकी शोध रुचियों में फेरोइलेक्ट्रिसिटी, मल्टीफेरोइसिटी, चुंबकत्व, अर्धचालक, उपकरण, नैनोमटेरियल और जैव–अनुप्रयोग शामिल हैं। उनके समूह का शोध लक्ष्य संरचना सहसंबद्ध ऑप्टो–इलेक्ट्रॉनिक, चुंबकीय, एसी/डीसी परिवहन, ऊर्जा अनुसंधान, ढांकता हुआ, फेरोइलेक्ट्रिक, प्रतिध्वनि एंटीना और सामग्रियों के जैव–लागू गुणों का अध्ययन करने के लिए एकल चरण रासायनिक रूप से संशोधित ऑक्साइड सामग्री को संश्लेषित करना है। प्रयोगशाला में संश्लेषित सामग्री को विभिन्न भौतिक पैरामीटर अध्ययनों के अधीन किया जाता है, जैसे इलेक्ट्रॉनिक बैंडगैप और दोष अध्ययन, वाहक सांद्रता और प्रकार निर्धारण, गतिशीलता कारक, प्रकाश और गैस संवेदन गुण, ढांकता हुआ अनुनाद गुण, दबाव प्रेरित गुण, विद्युत रासायनिक, जीवाणुरोधी, घाव भरने, शैवाल विकास, बीज अंकुरण गुण, आदि।

2023–24 की अवधि के लिए महत्वपूर्ण योगदानः

- प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में 10 प्रकाशन
- सीईएसपी समिति का नियमितीकरण

संजराम प्रेमजीत खंगनबा

पदनामः एसोसिएट प्रोफेसर
शोध क्षेत्रः संज्ञानात्मक मानव कारक और एर्गोनॉमिक्स, सुरक्षा और सिस्टम डिज़ाइन, सिस्टम लचीलापन
ईमेल आईडीः sanjrampk@iiti-ac-in

शोध क्षेत्र और मुख्य विशेषताएंः

उनका वैज्ञानिक शोध सिस्टम विकास, डिज़ाइन और मूल्यांकन में लागू संज्ञान के पहलुओं की जांच करता है।
वह तकनीकी नवाचार, सुधार और मानव क्षमताओं के इष्टतम उपयोग की खोज में मानव–सिस्टम इंटरैक्शन से संबंधित मुद्दों को संबोधित करने के लिए दृढ़ता से समर्पित हैं। वह प्रयोगशाला में प्रयोगात्मक जांच के साथ–साथ टकटकी और इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल डेटा के विश्लेषण से जुड़े क्षेत्र परीक्षण का उपयोग करते हैं।

ग्रामीण विकास एवं प्रौद्योगिकी केंद्र (CRDT)

परिचय

संस्थान ने अप्रैल 2020 में ग्रामीण विकास एवं प्रौद्योगिकी केंद्र (सीआरडीटी) की स्थापना शोधकर्ताओं, स्वयंसेवकों, चिकित्सकों, शिक्षकों और अन्य लोगों के लिए एक नोडल केंद्र के रूप में की थी, ताकि ग्रामीण सशक्तिकरण और प्रगति समाधानों में सहयोग और सुविधा प्रदान की जा सके। सीआरडीटी भागीदारीपूर्ण, टिकाऊ, लोकतांत्रिक, पारदर्शी और लिंग–संवेदनशील प्रक्रियाओं को अपनाते हुए उपयुक्त और लोगों के अनुकूल प्रौद्योगिकियों के विकास और अनुप्रयोग द्वारा ग्रामीण आबादी को उनके जीवन की स्थिति में सुधार करने के लिए सशक्त और सक्षम बनाने का प्रयास करेगा।

शैक्षणिक कार्यक्रम

ग्रामीण विकास एवं प्रौद्योगिकी केंद्र (सीआरडीटी) ने विशेष रूप से ग्रामीण विकास एवं प्रौद्योगिकी में पीएचडी कार्यक्रम शुरू किया है, जिसमें कृषि और पर्यावरण अर्थशास्त्र, स्थिरता अध्ययन, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव, खाद्य सुरक्षा, जल ऊर्जा और खाद्य नेक्सस, कृषि समस्याओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीकों का अनुप्रयोग, ग्रामीण क्षेत्रों के लिए उत्पादों का निर्माण, ग्रामीण बुनियादी ढांचे में मिट्टी के स्थिरीकरण के लिए टिकाऊ सामग्रियों का विकास और मूल्यांकन, ग्रामीण क्षेत्रों में आपदा जोखिम में कमी, टिकाऊ पारिस्थितिकी तंत्र के लिए फसलों में प्रारंभिक रोग का पता लगाना, स्थानीय समुदायों पर ग्रामीण बुनियादी ढांचे के विकास के सामाजिक–आर्थिक प्रभाव का मूल्यांकन, खाद्य और जैव प्रसंस्करण उपकरण डिजाइन और स्केलअप, टिकाऊ ग्रामीण विकास के लिए आधुनिक तकनीकों के साथ पारंपरिक ज्ञान और प्रथाओं का एकीकरण, प्राकृतिक संसाधन और पर्यावरण अर्थशास्त्र, कृषि पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव, जनजातीय अध्ययन, नीति विश्लेषण, ग्रामीण विकास, कृषि मशीनरी और ऑटोमोबाइल में शोर, कंपन और कठोरता, पोषक तत्व ऊर्जा जल नेक्सस, लागत प्रभावी और टिकाऊ ग्रामीण आवास के लिए निर्माण तकनीकों और सामग्रियों का अनुकूलन, कृषि पारिस्थितिक प्रणालियों का लचीलापन, कृषि के लिए सेंसर, टिकाऊ निर्माण, टिकाऊ ग्रामीण स्वास्थ्य देखभाल, खाद्य भंडारण के लिए टिकाऊ तकनीक और वीएलएसआई सर्किट व सिस्टम डिजाइन जैसे अनुसंधान क्षेत्र शामिल हैं।

संकाय सदस्यों की संख्याः	13
प्राध्यापक	10
सह प्राध्यापक	02
सहायक प्राध्यापक	01

क्र.सं.	पीएचडी में नामांकित छात्रों की संख्या	पर्यवेक्षक का नाम
1	श्री हब्तामु मेलेसे दीचा (शिक्षा मंत्रालय, इथियोपिया और नवाचार और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत अरबा मिंच विश्वविद्यालय, इथियोपिया से संयुक्त एकीकृत पीएचडी कार्यक्रम)	प्रोफसर संदीप चौधरी
2	श्री सतीश दबे	प्रोफसर संदीप चौधरी
	वैकल्पिक पाठ्यक्रमः 02	
	ग्रामीण अनुप्रयोग के लिए डिजाइन थिंकिंग (आरडीटी 301 / 401 / 601)	
	ग्रामीण प्रौद्योगिकी विकास के लिए इमर्सन (आरडीटी 201)	

उल्लेखनीय अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँः

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	तिथि	प्रतिभागियों की संख्या	सहयोगी संगठन
1.	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के माध्यम से कृषि में महत्वपूर्ण परिवर्तन	25 अगस्त, 2023	45	आईसीएआर–भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर–आईआईएसआर), इंदौर
2.	ग्रामीण विकास की दिशा में नवाचार सर्वश्रेष्ठ विचार प्रस्तुति प्रतियोगिता	29 सितंबर, 2023	14	–
3.	कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम	3–5 अक्टूबर, 2023	06	निमाड़ अभ्युदय ग्रामीण प्रबंधन एवं विकास संघ (एन.ए.आर.एम.ए.डी.ए.)
4. 5.	कृषि स्टार्टअप में स्थिरता को बढ़ावा देना	27 अक्टूबर, 2023	40	आईसीएआर–भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर–आईआईएसआर), इंदौर
	ग्रामीण नवोन्मेषकों का सम्मेलन	5–6 जनवरी, 2024	100	विज्ञान एवं इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड
6.	प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) 4.0 के तहत "कौशल भारत कार्यक्रम– कौशल हब पहल (एसएचआई)" के तहत स्कूल और कॉलेज के छात्रों के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम	7–13 फरवरी, 2024	216	पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय, आईआईटी इंदौर

सम्मेलन/सेमिनार/संगोष्ठी (एसएसवाई) के लिए बाह्य वित्तपोषण (एसएसवाई)

सम्मेलन/सेमिनार/संगोष्ठी का नाम	तिथि	फंडिंग एजेंसियों का नाम	अनुदान	प्रतिभागियों की संख्या	आमंत्रित वार्ता की संख्या	स्टार्टअप प्रस्तुतियों की संख्या	उत्पाद प्रदर्शन की संख्या	प्रस्तुत नई प्रौद्योगिकियों की संख्या
ग्रामीण नवप्रवर्तक सम्मेलन	5 व 6 जनवरी, 2024	विज्ञान और इंजीनियरी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी)	2 लाख	100	05	04	10	06

परियोजनाएँः

परियोजनाएँ	आंतरिक परियोजना	बाह्य प्रायोजित परियोजना
नई परियोजनाएँ	20	01
जारी परियोजनाएँ	13	02
पूर्ण परियोजनाएँ	–	–

आंतरिक परियोजना

सीआईएई भोपाल के सहयोग से सीआरडीटी के तत्वावधान में तेरह केन्द्र–वित्तपोषित परियोजनाएं चल रही हैं, तथा बीस परियोजनाएं अनुमोदन के लिए तैयार हैं।

जारी परियोजनाएँ (13)				
क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	पीआई (आईआईटी इंदौर)	सह–पीआई (आईआईटी इंदौर)	सह–पीआई (सीआईएई भोपाल)
1	मकई के डंठल से निकाले गए सेल्यूलोज का उपयोग करके बायोप्लास्टिक का विकास	डॉ. अपूर्वा के. दास	–	ई. हर्षा वाकुडकर, डॉ. संदीप मंडल
2	संसाधन पुनर्प्राप्ति दृष्टिकोण को अपनाते हुए मल, नगरपालिका और कृषि अपशिष्टों से युक्त जैविक अपशिष्ट धारा का सतत प्रबंधन	डॉ. आशुतोष मंडपे	–	डॉ. संदीप गांगिल
3	कृषि मशीनीकरण और किसानों की अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभावों का आकलन	डॉ. कालंदी चरण प्रधान	डॉ. मोहनसुंदरी थंगावेल	डॉ कौशिक प्रसून साहा
4	मेमरिस्टिव क्रॉसबार सरणी–आधारित छवि के माध्यम से धान/सोयाबीन में रोगों का वास्तविक समय में पता लगाना	प्रोफेसर शैबाल मुखर्जी	प्रोफेसर रामबिलास पचौरी	डॉ. मनोज कुमार, डॉ. दीपक सिंह, योगेश राजवाड़े
5	रोगाणुरोधी प्रतिरोध हेलिकोबैक्टर पाइलोरी वृद्धि और रोग रोगजनन का मुकाबला करने के लिए सोयाबीन आधारित प्रोबायोटिक्स का मूल्यांकन	डॉ. हेम चंद्र झा	–	डॉ समलेश कुमारी
6	मिट्टी, पानी और पोषक तत्वों को बनाए रखने के गुणों के अध्ययन के लिए किफायती सुपर शोषक एग्री–जेल का विकास	डॉ. मृगेंद्र दुबे	–	डॉ. के वी रमण राव

7	चर आवर्धन यूएवी छवियों का उपयोग करके मकई की फसल के ऊपर–जमीन बायोमास का गहन सीएनएन–आधारित आकलन। लागत प्रभावी मैन्युअल रूप से संचालित चावल ट्रांसप्लांटर का डिजाइन और विकास	डॉ. अंकुर मिगलानी	डॉ. पवन कुमार कंकर	डॉ.योगेश राजवाड़े
8	दूषित भूजल से कीटनाशकों के कुशल निष्कासन और विघटन के लिए लागत प्रभावी फोटो एक्टिव सॉफ्ट सामग्रियों का विकास	डॉ.जयप्रकाश मुरुगेसन	–	डॉ. राहुल राजाराम पोतदार
9	कृषि गतिविधियों में उनकी सहायता के लिए किसानों के लिए मोबाइल ऐप का विकासः कृषि सेवा	डॉ तुषार कांति मुखर्जी	–	डॉ. अभिषेक एम. वाघाये
10	पीएएल आधारित बायोप्लास्टिक फॉर्मूलेशन के लिए कृषि–औद्योगिक अपशिष्ट का उपयोग करके पॉलीलैक्टिक एसिड (पीएलए) का सतत उत्पादन।	प्रोफेसर अरुणा तिवारी	–	डॉ. शशि रावत
11	डोप्ड–नासिकोन सामग्रियों के साथ कृषि अपशिष्ट व्युत्पन्न कार्बन को संयोजित करके हाइब्रिड सोडियम–आयन कैपेसिटर का विकास	प्रोफेसर संपक सामंता	–	डॉ.मनोज कुमार त्रिपाठी
12	कृषि विषाक्त रसायनों को हटाकर जल उपचार में छिद्रपूर्ण कार्बनिक पॉलिमर (पीओपी)	डॉ . धीरेंद्र कुमार राय	–	डॉ. विनोद कुमार भार्गव
13	मकई के डंठल से निकाले गए सेल्यूलोज का उपयोग करके बायोप्लास्टिक का विकास	प्रोफेसर सुमन मुखोपाध्याय	–	डॉ. के. वी. रमण राव

आगामी परियोजनाएँ (20)					
क्र. सं.	**परियोजना का शीर्षक**	**प्रोजेक्ट पीआई**	**सह–पीआई (आईआईटी)**	**सह–पीआई (बाह्य)**	**क्षेत्र / सहयोग संस्थान**
1	जल प्रबंधन के लिए समग्र दृष्टिकोणः स्वदेशी जल उपयोग प्रथाएँ, मौखिक कथाएँ और महाराष्ट्र के नंदुरबार में नेसु नदी महोत्सव	डॉ. अरात्रिका दास	–	–	योगक, नादुरबार, महाराष्ट्र
2	स्थायी–लागत प्रभावी उर्वरीकरण सेटअप का विकासः सिंचाई के दौरान प्रत्यक्ष जड़ निषेचन के लिए ठोस कार्बनिक उर्वरक को तरल में परिवर्तित करना	डॉ आशीष रजक	–	–	1. शिवगंगा, झाबुआ, मध्य प्रदेश 2. ॐ सनातन गौ उत्पाद
3	एकीकृत मौसम पूर्वानुमान के साथ एक स्मार्ट कम लागत वाले मौसम स्टेशन का विकास	डॉ.सौरभ दास	–	–	योगक, नादुरबार, महाराष्ट्र
4	भंडारण कंटेनरों में फलों के खराब होने को कम करने के लिए कमरे के तापमान पर एथिलीन गैस सेंसिंग का विकास।	डॉ. प्रवर्तन धनपाल	–	–	.
5	ग्रामीण विकास के लिए कम लागत वाले बिजली जनरेटर (कम लागत वाले जनरेटर)	डॉ. सुमित गौतम	डॉ. देवेश मिश्रा श्री संदीप प्रजापति प्रोजेक्ट लीड (प्रोजेक्ट सौयान)		.
6	विकेंद्रीकृत ऊर्जा और कृषि के लिए हाइड्रोजन भंडारण और ब्2 कैप्चर को आगे बढ़ानाः ग्रामीण स्थिरता को सशक्त बनाना	डॉ. श्रीमंत पाखिरा	–	–	वसुमित्र लाइफ एनर्जी प्रा. लिमिटेड
7	पौधे के शरीर विज्ञान और मिट्टी के कार्बन गतिकी पर अजैविक तनाव और कार्बन पृथक्करण के प्रभाव की जांच करना	प्रो किरण बाला	–	–	वसुमित्र लाइफ एनर्जी प्रा. लिमिटेड
8	झाब वाली का दस्तावेज़ीकरण और संरक्षणः झाबुआ, मध्य प्रदेश के लिए एक बोली शब्दकोश	डॉ. तपस्या जे	–	–	झाबुआ, मध्य प्रदेश
9	रिमोट सेंसिंग का उपयोग करके पौधे के अजैविक तनाव की निगरानी करना	डॉ उन्मेष खाती	–	डॉ. मनोज सेमवाल कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी विभाग, केंद्रीय औषधीय एवं सगंध पौधा संस्थान	वसुमित्र लाइफ एनर्जी प्रा. लिमिटेड

10	झाबुआ की प्रतिध्वनियाँः मध्य प्रदेश की लोक संगीत विरासत का दस्तावेज़ीकरण	डॉ. अनन्या घोषाल	डॉ. शोमिक दासगुप्ता	–	शिवगंगा, झाबुआ, मध्य प्रदेश
11	इंदौर के आसपास के ग्रामीण क्षेत्र के लिए रोगी रिकॉर्ड प्रबंधन प्रणाली के लिए एक ऐप	प्रो अरुणा तिवारी	प्रो अविनाश सोनवणे	–	नागरथ चौरिटेबल ट्रस्ट
12	कृषि उत्पादों के लिए सिंथेटिक जेट इंपिंगमेंट का उपयोग करके कुशल सौर एयर ड्रायर	डॉ हरेकृष्ण यादव	–	–	इकोसेंस सस्टेनेबल समाधान प्रा. लिमिटेड
13	रोटरी ड्रम कम्पोस्टिंग के माध्यम से खरपतवार प्रबंधन में अग्रणी, उसके बाद वर्मीकम्पोस्टिंग	डॉ. मयूर शिरीष जैन	–	–	योगक, नादुरबार, महाराष्ट्र
14	कम पानी की स्वच्छता के लिए कम लागत वाली पर्यावरण अनुकूल ट्राइबो पीजो हाइब्रिड लचीली स्मार्ट फ्लशिंग प्रणाली का डिजाइन और विकास	प्रोफेसर आई ए पलानी	डॉ हितेंद्र कुमार	–	योगक, नादुरबार, महाराष्ट्र
15	आदिवासी कला विरासत की खोजः झाबुआ जिले, मध्य प्रदेश में स्वदेशी कला रूपों का एक अध्ययन प्रदेश	डॉ. शोमिक दासगुप्ता	डॉ. अनन्या घोषाल	–	शिवगंगा, झाबुआ
16	गोबर के उपलों को बायोगैस में परिवर्तित करके तथा गोबर के लड्डे बनाकर ईंधन के रूप में उपयोग में सुधार लाना	डॉ.जयप्रकाश मुरुगेसन	–	–	योगक, नादुरबार, महाराष्ट्र
17	हल्मा विरासत के माध्यम से कृषि को पुनर्जीवित करनाः मध्य प्रदेश के झाबुआ और अलीराजपुर	डॉ दिशारी चट्टराज	डॉ. मोहनसुन्दरी टी	–	शिवगंगा, झाबुआ, मध्य प्रदेश
	जिलों में सांस्कृतिक और सामाजिक–आर्थिक प्रभाव अध्ययन				
18	कम लागत वाले जैव–स्वच्छता समाधान विकसित करके ग्रामीण स्वच्छता में सुधार लाना	डॉ. आशुतोष मंडपे	–	–	नर्मदाले
19	मौसम पूर्वानुमान और डेटा डिजिटलीकरण के साथ कम लागत वाला मौसम केंद्र	प्रो बिश्वरूप पाठक	–	–	योगक, नादुरबार, महाराष्ट्र
20	पारंपरिक कृषि को पुनर्जीवित करनाः टिकाऊ खेती के लिए बहुउद्देशीय सौर विद्युत ऊर्जा चालित ट्रैक्टरों की शुरुआत करना	डॉ. डैन सथियाराज	डॉ विवेक सिंह डॉ आनंद पिटारे	–	

बाहरी प्रायोजित परियोजना

- जल और गैस सेंसर के लिए आईओटी–सक्षम प्रतिरोध रीडआउट सर्किट, श्आयांशश–टीआईएच–आईओटी स्टार्ट–अप और स्पिन–ऑफ प्रोग्रामश 2022, आईआईटी बॉम्बे, INR 10,00,000, 2023-2025; (नोटः यह हमारे स्टार्टअप क्वांटेकल2एम इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से एक उद्योग परियोजना है)।
- फसलों में रोगों की शीघ्र पहचान के लिए प्वज सक्षम डध् आधारित इमेज प्रोसेसिंग का कार्यान्वयन, टीआईएच आईओटी चाणक्य ग्रुप (पीएचडी, पीजी, यूजी) फेलोशिप प्रोग्राम 2022-23, INR 11,64,600, मार्च 2023 – अक्टूबर 2024।
- टिकाऊ ग्रामीण बुनियादी ढांचे का समर्थन करने के लिए उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए संपीड़ित रंगीन कंपोजिट का प्रौद्योगिकी प्रसार, INR 5940000,2023-2025, डीएसटी, जीओआई, सहयोगी–टीआईईटी पटियाला, भारत

प्रकाशनः

विवरण	प्रकाशित पुस्तकें	पस्तकों में अध्याय	सम्मेलन में शोधपत्र	पत्रिकाओं में शोधपत्र	पेटेंट
कुल				1 (1 सूक्ष्म संशोधन चरण में)	3 फाइल किए गए

पत्रिकाओं में शोधपत्र

- सुपरकैपेसिटर के लिए इलेक्ट्रोलाइट और इलेक्ट्रोड सामग्री के रूप में स्प+–समृद्ध मेटालोहाइड्रोजेल का इलेक्ट्रोकेमिकल प्रदर्शन, येशु कुमार, मौपिया मुखर्जी, मनीष कुमार दीक्षित, अबुल कलांब और मृगेंद्र दुबे, सस्टेनेबल एनर्जी एंड फ्यूल्स, 2024 https://doi.org/10.1039/d4se00096j

पेटेंट

- सूक्ष्मजीवों के दृश्य प्रकाश फोटोडायनामिक निष्क्रियता के लिए एक पोर्टेबल किट – कोल्ड स्टोरेज का एक विकल्प 2024 में दायरः 202421010243 नीलाद्री शेखर रॉय और देबयान सरकार
- गाय के गोबर से बनी हल्की निर्माण सामग्री और उसकी विधि, 2024 में दायरः 202421010279 संचित गुप्ता और संदीप चौधरी
- खाद्यान्न, दालें, बाजरा और मेवों का एक पोर्टेबल डिस्पेंसर और उसकी विधि 2024 में दायरः 202421019969 अंकुर मिगलानी और पवन कुमार कांकर

समझौता ज्ञापन

- सीआरडीटी, आईआईटी इंदौर और सीएसआईआर–राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान के बीच समझौता ज्ञापन।
- सीआरडीटी, आईआईटी इंदौर और आईसीएआर–भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर–आईआईएसआर), इंदौर के बीच समझौता ज्ञापन

गतिविधि का नाम – विशेषज्ञ वार्ता

क्र. सं.	तिथि	वक्ता का नाम	पदनाम
1	23 जून, 2023	डॉ. विक्रम पटरकीने, पेंसिल्वेनिया, यूएसए	प्रक्रिया इंजीनियरिंग सिद्धांतों पर आधारित जीवनशैली विकल्पों के माध्यम से पर्यावरणीय स्थिरता
2	25 अगस्त, 2023	डॉ. शशि रावत, आईसीएआर–सीआईएई भोपाल	कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से कृषि में महत्वपूर्ण परिवर्तन
3	25 अगस्त, 2023	डॉ. मिलिंद रत्नाप्रखे, आईसीएआर–आईआईएसआर	प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिकों, उद्योग जगत के नेताओं और गैर–सरकारी संगठनों (एनजीओ) के प्रतिनिधियों के साथ मशीन लर्निंग और गोलमेज सम्मेलन
4	5 सितंबर, 2023	प्रोफेसर समीर खांडेकर, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी कानपुर	संस्थागत और व्यक्तिगत प्रयासों के माध्यम से सामाजिक पूंजी का निर्माण
5	8 सितंबर, 2023	डॉ. गजानन डांगे, अध्यक्ष, योजक सतत विकास अनुसंधान एवं रणनीतिक योजना केंद्र	संवादः हमारी विकास यात्रा और आगे के रास्ते पर पुनर्विचार पर संवाद
6	6 फ़रवरी, 2024	प्रोफेसर सदानंद सप्रे, इलेक्ट्रॉनिक्स के पूर्व प्रोफेसर, एमएएनआईटी, भोपाल	भारतीय ज्ञान परम्परा (Indian Knowledge Systems)

गतिविधि का नाम – शैक्षणिक पाठ्यक्रम डिजाइन थिंकिंग फॉर रूरल एप्लीकेशन (आरडीटी 301/401/601) के भाग के रूप में क्षेत्र भ्रमण

क्र. सं.	तिथि	स्थान
1	3–5 मार्च, 2024	महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले के करंजली, सोनपाड़ा, बोरचक, निम्बोनी और वर्सात्रा गांव
2	16 मार्च, 2024	राखड़िया, तहसील–मेघनगर, शिवगंगा गुरुकुल धरमपुरी, एवं हाथीपावा जिला झाबुआ

सीआरडीटी की संगठनात्मक संरचना
प्रभारी प्राध्यापक

डॉ. देबयान सरकार

शोध रुचियाँ:

- सूक्ष्मजीवों का दृश्य प्रकाश निष्क्रियण
- सूक्ष्मजीवों के दृश्य प्रकाश फोटोडायनामिक निष्क्रियण का उपयोग करके सब्जी भंडारण
- बायोएक्टिव प्राकृतिक उत्पादों का अलगाव और अनुप्रयोग

कृषि, वानिकी एवं पर्यावरण

प्रोफेसर प्रीति शर्मा

शोध रुचियाँ:

- कृषि अर्थशास्त्र (भूमि, जल और वन का अर्थशास्त्र)
- विकास अर्थशास्त्र (ग्रामीण गरीबी और विकासशील देशों की व्यापार चिंताएँ)

प्रोफेसर गण्टि एस. मूर्ति

शोध रुचियाँ:

- मूल्य वर्धित जैव उत्पादों और जैव ईंधन के उत्पादन के लिए जैव प्रक्रिया विकास और स्केलअप
- जैविक और जैव प्रक्रिया मॉडलिंग, नियंत्रण और बहु मानदंड अनुकूलन
- तकनीकी आर्थिक विश्लेषण, जीवन चक्र मूल्यांकन और संसाधन मूल्यांकन का उपयोग करके सिस्टम विश्लेषण
- पोषक तत्व–ऊर्जा–जल–भूमि के गठजोड़ पर लचीलापन और स्थिरता

डॉ. मोहनसुंदरी थंगावेल

शोध रुचियाँ:

- कृषि अर्थशास्त्र
- संसाधन अर्थशास्त्र: ऊर्जा, जल और कृषि वानिकी
- पर्यावरण अर्थशास्त्र: जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और प्रभाव अध्ययन
- शहरी और ग्रामीण उपभोग पैटर्न
- किसान उत्पादक संगठन

ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा

प्रोफेसर अविनाश सोनावणे

शोध रुचियाँ:

- मेजबान प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं के मॉड्यूलेशन में माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस ग्लाइकोप्रोटीन और ग्लाइकोलिपोप्रोटीन की भूमिका
- एम. ट्यूबरकुलोसिस संक्रमण के दौरान स्टेम कोशिकाओं की एपिजेनोमिक्स
- एंटी–माइकोबैक्टीरियल प्रतिरक्षा में मेजबान रोगाणुरोधी पेप्टाइड्स
- दवा वितरण
- प्राथमिक और रिलैप्स तीव्र लसीका ल्यूकेमिया के उपचार के लिए एल–एस्पेरेगिनेस आधारित चिकित्सा का विकास

डॉ. हेम चंद्र झा

शोध रुचियाँ:

- कोविड–19 जीवविज्ञान
- जैविक और जैवप्रक्रिया मॉडलिंग, नियंत्रण और बहु–मानदंड अनुकूलन
- मेजबान–रोगज़नक़ संपर्क– कैंसर की प्रगति में एपस्टीन–बार वायरस और हेलिकोबैक्टर पाइलोरी से जुड़े सह–संक्रमण
- एपिजेनेटिक विनियमन– कैंसर में रोगजनकों से उत्पन्न रोगजनन
- गैस्ट्रिक कैंसर, सिर और गर्दन के कैंसर और मल्टीपल स्केलेरोसिस के वायरल संक्रमण के दौरान रोगजनकों का बोझ
- कैंसर और संक्रामक एजेंटों से उत्पन्न रोगों में दवा की खोज
- जेनेटिक इंजीनियरिंग

प्रौद्योगिकी विकास एवं कौशल विकास

प्रोफेसर संदीप चौधरी

शोध रुचियाँ:

- संरचनात्मक इंजीनियरिंग
- संधारणीय निर्माण अभ्यास
- मिश्रित पुल
- नवीन ईंटें और ब्लॉक
- कंक्रीट की सूक्ष्म संरचना और स्थायित्व
- उन्नत अभिलक्षण तकनीकें
- भवन निर्माण सामग्री में अपशिष्ट प्रबंधन

प्रोफेसर राजेश कुमार

शोध रुचियाँः

- नैनोमटेरियल और नैनोडिवाइस
- इलेक्ट्रॉनिक और इलेक्ट्रोक्रोमिक डिवाइस
- डिवाइस भौतिकी, रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी और माइक्रोस्कोपी
- प्राकृतिक बायोमटेरियल

प्रोफेसर शैबाल मुखर्जी

शोध रुचियाँः

- डीसी–टू–डीसी कन्वर्टर्स के लिए कम लागत वाले एचईएमटी / एचएफईटी
- इमेज प्रोसेसिंग और न्यूरोमॉर्फिक कंप्यूटेशन के लिए विषम एकीकृत आरआरएएम
- अगली पीढ़ी के अल्ट्राथिन और कम लागत वाले फोटोवोल्टिक
- कृषि, पानी और हवा के लिए लचीले और कम लागत वाले जैव–रासायनिक सेंसर
- उच्च प्रदर्शन वाले यूवी डिटेक्टर

प्रोफेसर संतोष कुमार विश्वकर्मा

शोध रुचियाँः

- ऊर्जा–कुशल और विश्वसनीय एसरैम मेमोरी डिज़ाइन
- डीएनएन त्वरक के लिए हार्डवेयर–कुशल आर्किटेक्चर
- एज एआई के लिए एसरैम–आधारित इन–मेमोरी कंप्यूटिंग आर्किटेक्चर
- आईओटी एप्लिकेशन के लिए विश्वसनीय, सुरक्षित डिज़ाइन
- विश्वसनीयता के लिए डिज़ाइन

प्रोफेसर पवन कुमार कांकर

शोध रुचियाँः

- यांत्रिक घटकों का दोष निदान
- स्थिति आधारित रखरखाव
- मशीन लर्निंग
- सिग्नल प्रोसेसिंग

आउटरीच और लैंगिक समानता

प्रोफेसर निर्मला मेनन

शोध रुचियाँः

- डिजिटल मानविकी
- उत्तर औपनिवेशिक साहित्य और सिद्धांत
- वैश्वीकरण अध्ययन
- अनुवाद में अन्य भाषाओं में विश्व साहित्य
- उत्तर औपनिवेशिक साहित्य का संस्थागतकरणम

प्रोफेसर नीलिमा सत्यम डी.

शोध रुचियाँः

- भू–तकनीकी भूकंप इंजीनियरिंग
- गतिशील मृदा संरचना अंतःक्रिया विश्लेषण
- द्रवीकरण खतरा और शमन
- एपिजेनेटिक विनियमन– कैंसर में रोगजनकों से व्युत्पन्न रोगजनन
- पर्यावरण भू–तकनीकी
- भूस्खलन अनुसंधान
- रॉक मैकेनिक्स और भूमिगत संरचनाएँ

जय प्रकाश नारायण राष्ट्रीय मानविकी उत्कृष्टता केंद्र (JPNNCEH)

परिचय

शिक्षा मंत्रालय द्वारा अक्टूबर 2022 में आईआईटी इंदौर में जय प्रकाश नारायण (जेपीएन) राष्ट्रीय मानविकी उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की गई थी, जिसका उद्देश्य दो क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए अनुसंधान, शिक्षा और आउटरीच गतिविधियाँ शुरू करना था, अर्थात– डिजिटल मानविकी और पर्यावरण मानविकी। केंद्र एक नोडल स्थान के रूप में कार्य करेगा जो भाषा, साहित्य और प्रौद्योगिकी के चौराहे पर सहयोगी पहल को बढ़ावा देगा और डिजिटल छात्रवृत्ति के उच्चतम मानकों का मॉडल तैयार करेगा। ऐसा करने में, केंद्र विद्वानों को डिजिटल तकनीकों का उपयोग करके पारंपरिक शोध की सीमाओं का विस्तार करने के लिए एक अनूठा वातावरण प्रदान करेगा।

संयोजक जेपीएन सेंटर	प्रोफेसर निर्मला मेनन
सह–संयोजक जेपीएन सेंटर	प्रोफेसर प्रीति शर्मा
जेपीएन केंद्र संचालन समिति के सदस्य	
प्रोफेसर निर्मला मेनन	संयोजक एवं सदस्य, संचालन समिति, मानविकी एंड सामाजिक विज्ञान स्कूल, आईआईटी इंदौर
प्रोफेसर प्रीति शर्मा	सह–संयोजक एवं सदस्य, संचालन समिति, मानविकी एंड सामाजिक विज्ञान स्कूल, आईआईटी इंदौर
प्रोफेसर बिश्वरूप पाठक	सदस्य, संचालन समिति, रसायन विज्ञान विभाग, आईआईटी इंदौर
प्रोफेसर अभिषेक श्रीवास्तव	सदस्य, संचालन समिति, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, आईआईटी इंदौर
संकाय सदस्यों की संख्या	02
पोस्ट–डॉक्टरल फेलो की संख्या	02
शोध सहयोगी	02
कार्यक्रम	छात्र प्रवेशवर्ष
पीएचडी	02 जुलाई 2024 में प्रवेश
एमए (डीएच और ईएच)	10 वर्ष 2025 में शुरू होगा

शैक्षणिक कार्यक्रम

डिजिटल ह्यूमैनिटीज सेंटर को अकादमिक गतिविधियों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए एक मजबूत माहौल बनाने के लिए रणनीतिक रूप से तैयार किया गया है, जो विद्वानों और कर्मचारियों दोनों के लिए है। अभिनव पहलों के संयोजन के माध्यम से, केंद्र का उद्देश्य विद्वानों की भागीदारी को बढ़ाना और निरंतर शैक्षणिक विकास के लिए मूल्यवान प्रशिक्षण अवसर प्रदान करना है। केंद्र ने नवंबर 2023 में एक 'पाठ्यचर्या विकास कार्यशाला' आयोजित की, जिसमें डिजिटल ह्यूमैनिटीज और पर्यावरण मानविकी में एमए और पीएचडी कार्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम पर विचार–विमर्श करने और उसे अंतिम रूप देने के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार समितियों को एक साथ लाया गया। केंद्र ने शरद ऋतु 2024–25 के लिए अपना पीएचडी कार्यक्रम शुरू किया है और 2025–26 शैक्षणिक वर्ष में अपना एमए कार्यक्रम शुरू करेगा। वर्ष 2023 में निम्नलिखित शैक्षणिक गतिविधियाँ आयोजित की गईं:

1. व्यावहारिक डिजिटलीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम– 14–15 दिसंबर, 2023
2. पाठ्यक्रम विकास कार्यशाला– 3–4 नवंबर, 2023
3. भाषा प्रलेखन तकनीक और प्रौद्योगिकी कार्यशाला – 19–21 फरवरी, 2024
4. स्थिरता अंतःविषय आयाम के लिए पर्यावरण मानविकी पर क्षमता निर्माण कार्यशाला – 14–16 फरवरी, 2024

उल्लेखनीय अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ

जेपीएन नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन द ह्यूमैनिटीज प्रौद्योगिकी और मानविकी के चौराहे पर अत्याधुनिक अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। हमारी पहलों में डिजिटल युग में सांस्कृतिक विरासत का विश्लेषण, संरक्षण और प्रसार करने के लिए अभिनव तरीकों की खोज करने के उद्देश्य से अंतःविषय परियोजनाओं की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। केंद्र शोधकर्ताओं और शिक्षकों के विकास का समर्थन करने के लिए सालाना अनुसंधान परियोजनाओं को बढ़ावा देता है और आमंत्रित करता है ताकि उनकी शोध पहलों को पूरा किया जा सके।

जेपीएन केंद्र वित्त पोषित परियोजनाएँ:

वर्ष	परियोजना प्राप्त	स्वीकृत
2023–24	47	10
2024–25	40	19

केंद्र के संकाय सदस्य द्वारा संचालित परियोजनाएँ:

वर्ष	परियोजना प्राप्त	
2023.24	03	

केंद्र की आउटरीच गतिविधियाँ:

केंद्र की आउटरीच गतिविधियों का उद्देश्य विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जागरूकता बढ़ाना और सार्वजनिक सहभागिता को प्रोत्साहित करना है। ऐसी ही एक पहल है JPN द्वारा वित्तपोषित लेखन केंद्र परियोजना, जिसके कारण सामुदायिक सहभागिता, भागीदारी और सहयोग को बढ़ावा देने वाली विभिन्न गतिविधियाँ हुईं। केंद्र की गतिविधियाँ नियमित रूप से इसकी वेबसाइट (https:@@jpnnationalcentre-com/) और सोशल मीडिया हैंडल पर अपडेट की जाती हैं। निम्नलिखित गतिविधियों की सूची दी गई है:

1. 9 सितंबर, 2023 को डॉ. इशिता डे द्वारा भोजन–कार्यशाला लेखन
2. 20 सितंबर, 2023 को डॉ. दृप्ता पिपलाई (मंडल) और सुश्री लक्ष्मी आर. द्वारा कक्षा अवलोकन के बारे में लेखन
3. 20 सितंबर, 2023 को डॉ. बोर्निनी लाहिड़ी और सुश्री वाणी सिरकेक द्वारा फील्ड रिपोर्ट के आयाम।
4. 4 अक्टूबर, 2023 को देबराज मुखर्जी और डॉ. तपस्या नारंग द्वारा प्रकाशन के लिए लेखन – एक अंदरूनी नज़र
5. 28 अक्टूबर, 2023 और 4 नवंबर, 2023 को सुश्री सोमा वाधवा द्वारा शैक्षणिक और गैर–शैक्षणिक लेखन

शोध क्षेत्र और मुख्य विशेषताएं

प्रोफेसर निर्मला मेनन

शोध रुचियाँ:

- डिजिटल मानविकी
- टेक्स्ट माइनिंग और प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण (एनएलपी)
- डिजिटल संस्करण और डिजिटल प्रकाशन
- डिजिटल संग्रह और संरक्षण
- आभासी और संवर्धित वास्तविकता
- स्थानिक मानविकी और जीआईएस
- विभाजन अध्ययन
- ग्रंथसूची अध्ययन
- अनुवाद अध्ययन

प्रोफेसर प्रीति शर्मा

शोध रुचियाँ:

- कृषि अर्थशास्त्र (भूमि, जल और वन का अर्थशास्त्र)
- विकास अर्थशास्त्र (ग्रामीण गरीबी और विकासशील देशों की व्यापार चिंताएँ)
- पर्यावरण मानविकी

डीएसटी – नीति अनुसंधान केंद्र (DST-CPR)

परिचय

2023 में स्थापित, केंद्र के दोहरे लक्ष्य हैं: एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन और शासन के लिए तकनीकी और नीतिगत आयामों पर ध्यान केंद्रित करना और विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार नीति के विभिन्न पहलुओं को समझना। हम पारंपरिक क्षेत्र सर्वेक्षणों के साथ–साथ बड़े डेटा अनुप्रयोगों का उपयोग करने और बौद्धिक संपदा अधिकार दस्तावेजों से डेटा का उपयोग करने की योजना बनाते हैं। केंद्र का लक्ष्य राज्य के लिए उद्योग–प्रासंगिक मॉडल आउटपुट और नीति नोट प्रदान करना है। केंद्र की गतिविधियाँ विज्ञान और प्रौद्योगिकी नवाचारों के साथ एक प्रभावी नीति–योजना–अभ्यास इंटरफ़ेस को सक्षम करके स्थानीय जल और जलवायु लचीलापन, आपदा जोखिम न्यूनीकरण और लचीलापन एजेंडा को मजबूत करेंगी।

संकाय सदस्यों की संख्या:	15
प्राध्यापक	09
सह प्राध्यापक	04
सहायक प्राध्यापक	02
अनुसंधान सहयोगी	03
परियोजना सहयोगी	02
तकनीकी सहायक	01
क्षेत्र सहायक	01

उल्लेखनीय अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ:

1. जल नीति एक दिवसीय कार्यशाला

आईआईटी इंदौर में 7 अक्टूबर, 2023 को 'जल नीतिः मुद्दे, चुनौतियाँ और आगे के रास्ते' एक दिवसीय कार्यशाला में जल संसाधन प्रबंधन के महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार–विमर्श के लिए विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं और हितधारकों को बुलाया गया। इस कार्यक्रम में पैनल चर्चाएँ और इंटरैक्टिव कार्यशालाएँ शामिल थीं, जिसमें प्रभावी जल नीतियों को तैयार करने में सहयोग, अनुकूलनशीलता, डेटा–संचालित निर्णय लेने, टिकाऊ प्रथाओं और सामुदायिक सहभागिता के महत्व पर ज़ोर दिया गया। कार्यक्रम में निम्नलिखित विशेषज्ञ शामिल थे:

- श्री अविनाश मिश्रा, नीति आयोग
- प्रोफेसर मनीष कुमार गोयल, आईआईटी इंदौर
- प्रोफेसर प्रीति शर्मा, आईआईटी इंदौर
- प्रोफेसर अनिल के. गुप्ता, एनआईडीएम
- प्रोफेसर रुचि शर्मा, आईआईटी इंदौर

2. कृषि उद्यमिताः नीति और आईपीआर, भाग 1

18–20 जनवरी 2024 के दौरान 31 प्रतिभागियों के साथ तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा हुआ। यह कार्यक्रम क्षेत्रीय युवाओं, कृषि आधारित उद्यमों और संबंधित हितधारकों को नवीन तकनीकों का उपयोग करके और कृषि आधारित समुदाय के बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) के संरक्षण के माध्यम से क्षेत्रीय कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में लाभान्वित करने के लिए आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्तियों की सूची इस प्रकार है:

- श्री जपप्रीत सेठी, सीईओ, हेक्सजीएन
- प्रोफेसर रुचि शर्मा, आईआईटी इंदौर
- प्रोफेसर प्रीति शर्मा, आईआईटी इंदौर
- प्रोफेसर किरण बाला, आईआईटी इंदौर
- डॉ. सुप्रिया रत्नपारखे, इंदौर, बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड
- प्रोफेसर मनीष कुमार गोयल, आईआईटी इंदौर
- श्री विकास असावत, वकील
- प्रोफेसर अंकुर मिगलानी, आईआईटी इंदौर
- डॉ. मोहनसुंदरी थंगावेल, आईआईटी इंदौर
- प्रोफेसर शुभब्रत बसु, आईआईएम इंदौर

3. कृषि उद्यमिताः नीति और आईपीआर, भाग 2

33 प्रतिभागियों के साथ 22–24 जनवरी 2024 तक तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा हुआ। यह कार्यक्रम क्षेत्रीय युवाओं, कृषि आधारित उद्यमों और संबंधित हितधारकों को नवीन तकनीकों का उपयोग करके और कृषि आधारित समुदाय के बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) के संरक्षण के माध्यम से क्षेत्रीय कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में लाभ पहुंचाने के लिए आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्तियों की सूची इस प्रकार है:

- प्रोफेसर अनिल ए. कुलकर्णी, कुलपति, सेज विश्वविद्यालय
- प्रोफेसर रुचि शर्मा, आईआईटी इंदौर
- प्रोफेसर अभिरूप दत्ता, आईआईटी इंदौर
- प्रोफेसर प्रीति शर्मा, आईआईटी इंदौर
- डॉ. जूही सिंह, प्रेस्टीज यूनिवर्सिटी इंदौर
- प्रोफेसर मनीष कुमार गोयल, आईआईटी इंदौर
- प्रोफेसर देवेंद्र देशमुख, आईआईटी इंदौर
- डॉ. उन्मेष गोविंद खाती, आईआईटी इंदौर
- डॉ. मोहनसुंदरी थंगावेल, आईआईटी इंदौर

4. विश्व जल दिवस समारोह

डीएसटी–सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) इंदौर ने 22 मार्च, 2024 को "भविष्य के लिए जल" शीर्षक से एक व्यापक कार्यशाला आयोजित की, जिसका उद्देश्य विश्व जल दिवस के अवसर पर महत्वपूर्ण जल–संबंधी मुद्दों को संबोधित करना और स्थायी समाधान तलाशना था। लर्निंग रिसोर्स सेंटर के मिनी कॉन्फ्रेंस रूम में आयोजित इस कार्यक्रम में जल–सुरक्षित भविष्य को सुरक्षित करने के लिए विशेषज्ञों, विद्वानों और उत्साही लोगों का जमावड़ा लगा। कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्तियों की सूची इस प्रकार है:

- डॉ. दिनेश कुमार, संसाधन विश्लेषण और नीति संस्थान
- प्रोफेसर प्रणब महापात्रा, आईआईटी गांधीनगर
- प्रोफेसर मनीष कुमार गोयल, आईआईटी इंदौर
- प्रोफेसर रुचि शर्मा, आईआईटी इंदौर

5. विश्व आईपी दिवस समारोह

विश्व बौद्धिक संपदा दिवस हर साल 26 अप्रैल को मनाया जाता है। इस वर्ष का विषय था 'आईपी और एसडीजी: नवाचार और रचनात्मकता के साथ हमारे साझा भविष्य का निर्माण।' आईआईटी इंदौर आकर्षक सत्रों, चर्चाओं और क्षमता निर्माण अभ्यासों की एक श्रृंखला के माध्यम से विश्व आईपी दिवस मनाता है। इस आयोजन के लिए संसाधन व्यक्तियों की सूची इस प्रकार है:

- डॉ. अखिलेश गुप्ता, डीएसटी
- प्रोफेसर सुजीत भट्टाचार्य, सीएसआईआर–एनआईएससीपीआर
- श्री प्रतीक कनोजिया, एक्सएलस्काउट
- श्रीमती सुवर्णा पांडे, आरएनए, आईपी अटॉर्नी

प्रकाशन:

विवरण	प्रकाशित पुस्तकें	पुस्तकों में अध्याय	सम्मेलन में शोधपत्र	पत्रिकाओं में शोधपत्र
कुल	0	0	0	1+4 (नीति नोट)

शोध क्षेत्र और मुख्य विशेषताएं

प्रोफेसर मनीष कुमार गोयल

प्रोफेसर आईआईटी इंदौर

शोध क्षेत्र और मुख्य बिंदु:

कृषि, जलवायु, जल, एआई और जीआईएस–रिमोट सेंसिंग, जलवायु पराकोटि, पर्यावरण, आर्द्रभूमि

प्रोफेसर मनीष कुमार गोयल, आईआईटी इंदौर में चेयर प्रोफेसर–बीआईएस मानकीकरण, जेएसपीएस फेलो, कॉमनवेल्थ फेलो, इरास्मस फेलो, पी.ई. (इंट), इंडो–यूएस डब्ल्यूएआरआई फेलो और इंस्पायर फेलो हैं। वे इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के डीन हैं और पिछले 04 वर्षों में लगातार स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा वैश्विक स्तर पर शीर्ष 2: वैज्ञानिकों में शामिल किए गए हैं। प्रोफेसर गोयल को कई प्रतिष्ठित पुरस्कार मिले हैं, जिनमें प्रोफेसर एस एन गुप्ता मेमोरियल लेक्चर अवार्ड, बेस्ट रिसर्चर ऑफ द ईयर अवार्ड और एएससीई का बेस्ट थियोरिकल–ओरिएंटेड पेपर अवार्ड शामिल हैं।

प्रोफेसर रुचि शर्मा

प्रोफेसर आईआईटी इंदौर

पीएचडी, आईआईटी कानपुर

शोध क्षेत्र और मुख्य बिंदु:

नवाचार का अर्थशास्त्र, अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र।

रुचि शर्मा, आईपीआर चेयर प्रोफेसर, नवाचार अध्ययन समूह का नेतृत्व करती हैं जो अनुसंधान एवं विकास, पेटेंट और नवाचार पर ध्यान केंद्रित करता है। वह मानविकी और सामाजिक विज्ञान विद्यालय की प्रमुख हैं। उन्होंने रिसर्च पॉलिसी जैसी प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। उन्हें अनुसंधान परियोजनाओं, जीआईएएन पाठ्यक्रमों और कार्यशालाओं के आयोजन के लिए आईसीएसएसआर, डीएसटी, वित्त मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय जैसी एजेंसियों से अनुदान प्राप्त हुआ है। वह विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार से संबंधित राष्ट्रीय स्तर की समितियों की सदस्य रही हैं।

प्रशासन अनुभाग एवं भर्ती प्रकोष्ठ

प्रशासन अनुभाग सामान्य प्रशासन, भर्ती और कर्मचारी सदस्यों से संबंधित सभी मानव संसाधन मामलों से संबंधित है। यह कर्मचारी सदस्यों की भर्ती से लेकर सेवानिवृत्ति तक के प्रशासनिक रिकॉर्ड रखता है। प्रशासन कार्यालय प्रशासन के अधिष्ठाता, प्रशासन के सह अधिष्ठाता (मानव संसाधन एवं नीति) तथा कुलसचिव के समग्र मार्गदर्शन में कार्य करता है। प्रशासनिक/मानव संसाधन और भर्ती कार्यों को क्रमशः उप कुलसचिव (प्रशासन) और सहायक कुलसचिव, भर्ती प्रकोष्ठ और पाँच कर्मचारी सदस्यों की एक टीम द्वारा निष्पादित किया जाता है।

कार्यालय नीचे उल्लिखित जिम्मेदारियों का प्रबंधन करता है।

क) स्थायी/संविदा/आउटसोर्स स्टाफ सदस्यों की भर्ती प्रक्रिया और नियुक्ति का संचालन करना।

ख) स्टाफ सदस्यों के लिए कार्यभार ग्रहण करने की औपचारिकताएँ।

ग) सेवा अभिलेखों और स्टाफ सदस्यों की व्यक्तिगत फाइलों का रखरखाव।

घ) वेतन निर्धारण, पदोन्नति, छुट्टी, एलटीसी, आश्रित सूची, प्रतिनियुक्ति, वार्षिक वेतन वृद्धि, संविदा नियुक्तियों के लिए कार्यकाल का विस्तार, स्थायीकरण आदि सहित सभी सेवा मामलों का प्रसंस्करण।

च) एमओई/आरटीआई प्रश्नों और लोकसभा/राज्यसभा प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत करना।

च) सीपीजीआरएएमएस और संस्थान शिकायत प्रकोष्ठ पर प्राप्त शिकायतों की निगरानी और निवारण।

छ) केवी आईआईटी इंदौर और संस्थान क्रेच सुविधा के कामकाज के लिए समन्वय।

31 मार्च 2024 तक गैर–शैक्षणिक कर्मचारी पदः

समूह 'ए'	31
समूह 'बी'	55
समूह 'सी'	89

आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों/जागरूकता सत्रों का विवरणः

क्र.सं.	जागरूकता सत्र का शीर्षक	प्रशिक्षक/अनुदेशक	प्रशिक्षण की तिथि/अवधि	प्रतिभागी	सत्र के उद्देश्य
1.	साइबर सुरक्षा	श्री जितेन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक, साइबर सुरक्षा प्रकोष्ठ, इंदौर	06–11–2023	सभी गैर–शैक्षणिक कर्मचारी सदस्य	साइबर सुरक्षा और सतर्कता जागरूकता
2.	सीएमआई (यूएसए), मुंबई शाखा द्वारा फ्लाई प्रशिक्षण कार्यक्रम	सुश्री उमा ओझा, डॉ. विराज वोरा और श्री सौरभ बनर्जी	02–12–2023 से 05–12–2023	गैर–शैक्षणिक कर्मचारी सदस्य (68 सदस्य)	नेतृत्व और सॉफ्ट स्किल्स के विकास के लिए गैर–शिक्षण कर्मचारी सदस्यों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम
3.	लैंगिक समूह संवेदनशीलता	एडवोकेट कीर्ति पटवर्धन	31–01–2024	सभी गैर–शैक्षणिक कर्मचारी सदस्य	कार्यस्थलों पर लैंगिक संवेदनशीलता और वांछनीय व्यवहार लक्षणों के बारे में जागरूकता

प्रशासन अनुभाग और भर्ती प्रकोष्ठ के मुख्य बिंदु/ उपलब्धियां

1. भर्ती एवं पदोन्नति नीति (2018) पांच वर्षों से लागू है, इसलिए, विभिन्न शैक्षणिक और अनुसंधान प्रतिमानों में संस्थान के विकास के अनुरूप मौजूदा आरपीएन के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा करने की आवश्यकता महसूस की गई। मौजूदा आरपीएन की समीक्षा करने और एक अद्यतन और व्यापक भर्ती एवं पदोन्नति नीति 2024 तैयार करने के लिए एक समिति गठित की गई, जो गैर–शिक्षण कर्मचारियों के हितों की सेवा कर सके और आईआईटी इंदौर की समग्र उत्कृष्टता में योगदान दे सके। तदनुसार, बीओजी में रखने के लिए आरपीपी–2024 का मसौदा तैयार किया गया।
2. वर्ष के दौरान, मिशन मोड भर्ती के तहत, संस्थान ने सीधी भर्ती के माध्यम से 62 कर्मचारियों की भर्ती की, और 05 कर्मचारियों को विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) के माध्यम से पदोन्नत किया गया।
3. संस्थान में तेजी से भर्ती प्रक्रिया की सुविधा के लिए भर्ती पोर्टल को उन्नत सुविधाओं के साथ स्वचालित किया गया।
4. उज्जैन में प्रस्तावित डीप–टेक रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर (डीआरडीसी) के लिए भूमि अधिग्रहण के लिए दस्तावेजों की प्रोसेसिंग और जमा करने का काम पूरा हो गया।
5. शैक्षणिक आउटरीच कार्यक्रम के तहत सामाजिक परिवर्तन के लिए शैक्षणिक और बुनियादी ढांचे का समर्थन बढ़ाने के लिए शासकीय मिडिल स्कूल गजिंदा को गोद लेने के लिए जिला प्रशासन, इंदौर के साथ समन्वय स्थापित किया गया।
6. आईआईटी इंदौर समुदाय को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए सीजीएचएस दरों पर दो साल के लिए इंदौर के 9 प्रतिष्ठित अस्पतालों और डायग्नोस्टिक केंद्रों का पैनल तैयार किया गया। जल्द ही और प्रतिष्ठित अस्पतालों को पैनल में शामिल किया जाएगा।
7. एचआरएमएस पोर्टल के माध्यम से छुट्टी और छुट्टी यात्रा रियायत (एलटीसी) का स्वचालन अब लागू हो गया है। नियमित गैर–शिक्षण कर्मचारी छुट्टी, ज्वाइनिंग और एलटीसी के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

गैर–शैक्षणिक कर्मचारी सदस्यों के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार – 2024

क्र.सं.	पुरस्कार श्रेणी	पुरस्कार विजेता का नाम
1.	वरिष्ठ गैर–शैक्षणिक कर्मचारी सदस्य (ग्रुप ए) द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन	श्री नीरज कुमार, सहायक कुलसचिव
2.	कनिष्ठ गैर–शैक्षणिक कर्मचारी सदस्य (ग्रुप बी और सी) द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन	1. श्री नितिन पाराशर, वरिष्ठ सहायक 2. श्री हर्षराज सिंह चौहान, कनिष्ठ सहायक 3. श्री अमित कुमार, कनिष्ठ सहायक
3.	तकनीकी कर्मचारी सदस्य द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन	1. श्री प्रांजल श्रीमाली, कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक 2. श्री आरिफ पटेल, कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
4.	सहायक कर्मचारी सदस्य द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन	1. श्री लवकुश यादव, परिचारक 2. श्री भूपेंद्र खेर, एचवीएसी तकनीशियन

वित्त एवं लेखा

2.1 वर्ष 2023–24 को निम्नलिखित आय और व्यय के साथ दर्शाया गया है: (₹ करोड़ में)

क्र. सं.	विवरण	2023–2024 वर्तमान वर्ष
1	**आय**	
1.1.	अनुदान	162.30
1.2.	शैक्षणिक प्राप्तियां	44.17
1.3.	निवेश से आय	0.00
1.4.	अर्जित ब्याज	17.47
1.5.	अन्य आय	2.48
1.6.	**1 का कुल योग**	**226.42**
2	**व्यय**	
2.1.	कर्मचारी भुगतान और लाभ	90.71
2.2.	शैक्षणिक व्यय	30.28
2.3.	प्रशासनिक और सामान्य व्यय	30.41
2.4.	परिवहन व्यय	0.79
2.5.	मरम्मत और रखरखाव	10.12
2.6.	मूल्यह्रास	45.47
2.7.	अन्य व्यय	8.45
2.8.	**2 का कुल योग**	**216.23**
3	**शेष राशि व्यय पर आय की अधिकता है**	**10.19**

2.2 पूंजीगत परिसंपत्तियों के सृजन से संबंधित स्थिति निम्नानुसार है: (₹ करोड़ में)

क्र. सं.	विवरण	2023.2024		
		हेफ़ा	अन्य उद्देश्य	कुल
2.1	अनुदान सहायता योजना का प्रारंभिक शेष	25.73	3.33	29.06
2.2	वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान	40.57	182.77	223.34
2.3	ओएच–35/ओएच–31/ओएच–36 के अंतर्गत घाटा आईआरजी से जोड़ा जा रहा है	0.00	9.27	9.27
2.4	संस्थान के निपटान में कुल उपलब्ध निधियाँ	66.30	195.37	261.67
2.5	राजस्व व्यय के लिए उपयोग किया गया अनुदान	0.00	154.69	154.69
2.5.1	हेफ़ा के लिए सावधि ऋण पर ब्याज	7.61	0.00	7.61
2.5.2	हेफ़ा ऋण की चुकौती (75 प्रतिशत)	47.12	0.00	47.12
2.6	आय और व्यय के लिए उपयोग को समायोजित करने के बाद योजना अनुदान	11.57	40.68	52.25
2.7	आधारभूत संरचना, भवनों व कार्यों और उपकरणों तथा अन्य परिसंपत्तियों के विकास के लिए उपयोग किया गया	0.00	40.62	40.62
2.8	31.03.2023 तक अप्रयुक्त शेष राशि	11.57	0.06	11.63

2.3 निधियों की उपलब्धता और उसके उपयोग की स्थिति:

वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान, ₹1,911.12 करोड़ की संशोधित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) की स्वीकृति के लिए, शिक्षा मंत्रालय द्वारा ₹223.34 करोड़ की राशि (आवर्ती और गैर–आवर्ती उद्देश्य के लिए ₹182.77 करोड़ + हेफ़ा उद्देश्य के लिए ₹40.57 करोड़) जारी की गई और ओएच–35/ओएच–31 के तहत घाटे को आईआरजी से जोड़ा जा रहा है, जिसे ₹9.27 करोड़ ग्रांट–इन–एयर में जमा किया गया है। आईआरजी (संस्थान का हिस्सा) से 25% हेफ़ा मूल ऋण के भुगतान को समायोजित करने के बाद ₹15.71 करोड़ और 01.04.24 तक ₹11.63 करोड़ के अप्रयुक्त शेष पर विचार करने के बाद, वर्ष के दौरान संस्थान की आंतरिक आय ₹39.14 करोड़ थी।

पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए 40.62 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग किया गया है और संस्थान के पास उपलब्ध अनुदान में से 209.42 करोड़ रुपये (आवर्ती उद्देश्य के लिए 154.69 करोड़ रुपये + हेफ़ा उद्देश्य के लिए 54.73 करोड़ रुपये) (जिसमें 45.47 करोड़ रुपये का मूल्यह्रास शामिल नहीं है) की राशि आवर्ती व्यय पर खर्च की गई। वर्ष के लिए आंतरिक राजस्व सृजन के रूप में 39.14 करोड़ रुपये की राशि को हेफ़ा ऋण मूल राशि (25% संस्थान का हिस्सा) के पुनर्भुगतान और ओएच–35/ओएच–31 के अंतर्गत घाटे को समायोजित करने के बाद कॉर्पस फंड में स्थानांतरित कर दिया गया।

2.4 वर्ष के दौरान किए गए सुधार, उपाय और पहल में शामिल हैं:

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान वित्त और लेखा से निम्नलिखित सुधार, उपाय पहल की गई:

2.4.1 सार्वजनिक वित्त प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) सभी डीबीटी भुगतानों के लिए एक प्लेटफ़ॉर्म है।

2.4.2 संस्थान ने सुविधा के लिए चौनल पार्टनर बैंक के रूप में भारतीय स्टेट बैंक, केनरा बैंक और एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ आईआईटी इंदौर वेबसाइट पर भुगतान गेटवे विकसित किया है।

2.5. बच्चों के लिए शिक्षा सहायता:

वित्तीय वर्ष 2023–2024 के दौरान, संस्थान ने भारत सरकार के मानदंडों के अनुसार शिक्षा सहायता के लिए 213 संकाय सदस्य और कर्मचारियों को 80,09,684 / – रुपये की राशि का भुगतान किया।

2.6. कर्मचारियों के लिए परिवहन सुविधाएँ:

आईआईटीआई परिसर इंदौर शहर से बहुत दूर स्थित है, इसलिए छात्रों / संकाय सदस्यों / कर्मचारियों को संस्थान परिसर से इंदौर शहर में कर्मचारियों के आवागमन के लाभ के लिए रियायती दरों पर परिवहन सुविधाएँ प्रदान की गई हैं।

2.7. अग्रिम:

रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान, निम्नलिखित के लिए व्यक्तिगत अग्रिम के रूप में कुल ₹61.86 लाख की राशि स्वीकृत की गई।

क्र. सं	अग्रिम की स्वरूप	लाभार्थियों की संख्या	स्वीकृत राशि (₹ में)	31.03.2024 तक बकाया राशि (₹ में)
1	गृह निर्माण अग्रिम	03	61,86,000	1,44,13,781
2	कार अग्रिम	–	–	54,000
3	पर्सनल कंप्यूटर अग्रिम	–	–	2,04,086
		कुल	**61,86,000**	**1,46,71,867**

2.8 बीमा:

संस्थान के सभी छात्रों को इन–पेशेंट उपचार के लिए ₹2.50 लाख का समूह चिकित्सा बीमा कवर और ₹5.00 लाख का समूह व्यक्तिगत दुर्घटना कवर प्रदान किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2023–24 के दौरान बीमा के लिए व्यय ₹30,61,824 / – है। आउट–पेशेंट उपचार की देखभाल मुख्य रूप से स्वास्थ्य केंद्र द्वारा आंतरिक रूप से की जाती है।

2.09 फेलोशिप / छात्रवृत्ति:

2.09.1. शोध छात्रों के लिए:

वित्तीय वर्ष 2023–24 के दौरान, संस्थान ने निम्नलिखित श्रेणी के छात्रों के लिए फेलोशिप वितरित की है:

क्र.सं.	छात्रों की श्रेणी	छात्र की संख्या	फेलोशिप (प्रति माह)
01.	एमओई अनुदान के माध्यम से वित्त पोषित संस्थान–पीएचडी	216	जेआरएफ– ₹35,000 / – एसआरएफ– ₹42,000 / –
02.	डीएसटी वित्त पोषित (पीएचडी)	49	
03.	सीएसआईआर वित्त पोषित (पीएचडी)	72	
04.	यूजीसी वित्त पोषित (पीएचडी)	163	
05.	एमओई अनुदान के माध्यम से वित्त पोषित संस्थान – एम.टेक.	183	₹12,400 / –
06.	एमओई अनुदान के माध्यम से वित्त पोषित संस्थान – एम.एस. रिसर्च	47	₹12,400 / –
07.	डीबीटी – एनसीसीएस पुणे	5	₹35,000 / –

मेरिट कम मीन्स छात्रवृत्ति:

संस्थान ने विभिन्न श्रेणियों के तहत संस्थान द्वारा निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूरा करने वाले बी.टेक और एम.एससी. छात्रों को मेरिट कम मीन्स छात्रवृत्ति के रूप में ₹5,92,498 / – वितरित किए हैं।

वंचित वर्ग के छात्रों को ट्यूशन फीस में छूट:

संस्थान ने शिक्षा मंत्रालय के पत्र एफ. संख्या 24–2 / 2016 टीएस 1 दिनांक 04 अप्रैल, 2016 के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2023–24 में प्रवेश लेने वाले वंचित वर्ग के स्नातक छात्रों की ट्यूशन फीस में छूट के रूप में ₹7,22,24,292 / – का भुगतान / वितरण किया है।

बैलेंस शीट और आय एवं व्यय का सारांश निम्नानुसार है:

31 मार्च 2024 तक गैर–शिक्षण कर्मचारी पद:

(राशि ₹ में)

निधियों के स्रोत	अनुसूची	31–03–2024 तक	31–03–2023 तक
कॉर्पस / पूंजी निधि	1	11,08,08,82,493	10,19,57,70,858
नामित / निर्धारित / एकमुश्त निधि	2	19,73,99,306	18,32,01,188
वर्तमान देयताएँ और प्रावधान	3	4,27,89,97,858	3,52,88,47,052
कुल		**15,55,72,79,657**	**13,90,78,19,099**
निधियों का उपयोग			
अचल संपत्तियाँ	4		
क. मूर्त संपत्तियाँ		9,90,00,70,903	9,98,97,54,150
ख. अमूर्त संपत्तियाँ		5,68,23,315	4,93,61,789
ग. पूंजीगत कार्य–प्रगति		46,94,19,393	15,69,10,733
निर्धारित / एकमुश्त निधियों से निवेश	5		
दीर्घकालिक			
अल्पकालिक		5,00,000	5,00,000
निवेश – अन्य	6	1,00,000	1,00,000
वर्तमान संपत्तियाँ	7	3,17,44,57,862	3,12,97,50,989
ऋण, अग्रिम और जमा	8	1,95,54,58,184	58,14,41,438
कुल		**15,55,72,79,657**	**13,90,78,19,099**

ख. 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाता

(राशि ₹ में)

विवरण		अनुसूची	2023–2024	2022–2023
(क) आय				
शैक्षणिक प्राप्तियाँ		9	44,16,74,522	33,33,16,444
अनुदान और सब्सिडीः		10	1,62,30,28,529	1,36,23,48,647
I- हेफ़ा से टर्म लोन पर ब्याज के भुगतान के लिए उपयोग किया गया अनुदान	7,61,04,241			
ii- राजस्व व्यय के लिए उपयोग किया गया अनुदान	1,45,42,32,791			
iii- राजस्व व्यय के लिए उपयोग किया गया आईआरजी	9,26,91,497			
निवेश से आय		11	–	–
अर्जित ब्याजः		12		
– कॉर्पस / आईआरजी			17,47,36,151	10,90,36,106
अन्य आय		13	2,00,60,,371	1,89,66,371
पूर्व अवधि की आय		14	47,43,114	41,61,577
कुल (क)			**2,26,42,42,990**	**1,82,78,29,146**
(ख) व्यय				
कर्मचारी भुगतान और लाभ (स्थापना व्यय)		15	90,71,19,849	72,33,32,819
शैक्षणिक व्यय		16	30,27,68,454	22,77,13,257
प्रशासनिक और सामान्य व्यय		17	30,40,56,625	24,10,85,925
परिवहन व्यय		18	78,61,236	58,36,035
मरम्मत और रखरखाव		19	10,12,21,284	8,40,64,478
वित्त लागत		20	7,61,69,632	12,53,37,645
मूल्यह्रास		4	44,47,32,517	43,63,05,208
अन्य व्यय		21	11,02,025	7,50,641
पूर्व अवधि व्यय		22	72,69,340	97,10,591
कुल (ख)			**2,16,23,00,961**	**1,85,41,36,598**
शेष राशि व्यय (क–ख) से आय की अधिकता है			10,19,41,629	–2,63,07,453
घटाएँः (i) ओएच–36 के अंतर्गत घाटा आईआरजी से उपयोग किया जा रहा है			–	–1,29,49,699
(ii) ओएच–31 के अंतर्गत घाटा आईआरजी से उपयोग किया जा रहा है			–8,58,44,355	–1,88,58,067
(iii) ओएच–35 के अंतर्गत घाटा आईआरजी से उपयोग किया जा रहा है			–68,47,142	–
(iv) आईआरजी से 25ः हेफ़ा मूल ऋण का भुगतान (संस्था शेयर)			–15,70,64,442	–16,44,95,000
(v) 2022–2023 (2021–22) के आंतरिक राजस्व सृजन के लिए कॉर्पस फंड में स्थानांतरण (महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ देखें – बिंदु संख्या 8.1)			–39,14,58,122	–26,91,77,732
कुल			**–53,92,72,433**	**–49,17,87,951**
जोड़ेंः पूंजी निधि से राशि हस्तांतरण				
– मूल्यह्रास	45,47,32,517		–	–
– अवकाश नकदीकरण देयता	3,59,77,683		–	–
– ग्रेच्युटी देयता	8,85,62,233		–	–
शेष अधिशेष (घाटा) को पूंजी कोष में ले जाया गया			**–53,92,72,433**	**–49,17,87,951**

सामग्री प्रबंधन अनुभाग (एमएमएस)

वित्तीय वर्ष 2023–2024 के लिए 31 मार्च, 2024 तक सामग्री प्रबंधन अनुभाग की गतिविधियों का विवरण

क्र.सं.	विवरण	2023–24	मूल्य (₹)
1.	कुल जनरेट किए गए इंडेंट	कुल इंडेंट– 1813 गैर–परियोजना–1275 परियोजना– 538	कुल मूल्यः ₹80,08,07,813/–
2.	कुल जारी खरीद आदेश	कुल संख्या 2556 विस्तृत विभाजनः • कुल गैर–जीईएम ऑर्डर – 1101 • कुल जीईएम ऑर्डर – 574 • जीईएम प्रत्यक्ष ऑर्डर – 881 • गैर–जीईएम प्रत्यक्ष खरीद ऑर्डर – 3488 57% ऑर्डर जीईएम के माध्यम से दिए गए	कुल पीओ मूल्य ₹49,68,53,360/– विस्तृत विभाजनः • क्रय आदेश (एलपीसी/सीपीपीपी) ₹26,66,78,368/–(गैर जीईएम) • जीईएम पर ई–खरीद ₹21,93,80,491/– • जीईएम के माध्यम से प्रत्यक्ष खरीद ₹1,07,94,501/– • जीईएम पर कुल खरीद ₹23,01,74,992/– • गैर–जीईएम के माध्यम से प्रत्यक्ष खरीद ₹4,25,47,667/– जीईएम पर दिए गए कुल ऑर्डर मूल्य का 46.32%
3.	कुल स्वदेशी आदेश		₹48,78,11,192.00
4.	कुल आयात आदेश	2542 (संख्या)	₹90,42,168.00
5.	पूर्व–बोली बैठक	14 (संख्या) 92 (संख्या)	आपूर्ति के दायरे, तकनीकी विनिर्देशों, मूल्यांकन मानदंडों और संभावित बोलीदाताओं के प्रश्नों पर विचार करने के लिए कई निविदा प्रक्रियाओं के अंतर्गत बोली–पूर्व बैठकें आयोजित की गई हैं।
6.	पीबीजी लौटाया गया (समाप्त)		₹10,31,06,977/–
	केंद्रीय भंडार	54 (संख्या)	
7.	कुल स्टॉक प्रविष्टि (उपभोग्य)		₹13,21,12,123/–
8.	कुल स्टॉक प्रविष्टि (गैर–उपभोग्य/संपत्ति)	4366 (संख्या)	₹41,97,91,263/–
9.	कुल बाय बैक सामग्री/ स्क्रैप बिक्री/ लोडिंग/ अनलोडिंग शुल्क वसूल किया गया	2874 (संख्या) 44 (संख्या)	₹3,77,278/–

सर्वोत्तम कार्यप्रणालियाँः

क्र.सं.	विवरण	टिप्पणी
1.	पूर्व–बोली बैठक	पूर्व–बोली बैठक बोली प्रक्रिया में पारदर्शिता, निष्पक्षता और प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देती है। वे संभावित बोलीदाताओं को परियोजना आवश्यकताओं पर स्पष्टीकरण प्राप्त करने के लिए एक मंच प्रदान करते हैं, जिससे सभी प्रतिभागियों के लिए समान अवसर सुनिश्चित होते हैं। तदनुसार, आईआईटी इंदौर ने वित्त वर्ष 23–24 में अपनी निविदाओं में 92 पूर्व–बोली बैठकें आयोजित की हैं, जिसके परिणामस्वरूप बोलीदाताओं के लिए पारदर्शिता और खुला संचार हुआ है।
2.	अयोग्य बोलीदाताओं को प्रतिनिधित्व का अवसर	आईआईटी इंदौर अयोग्य बोलीदाताओं को अपनी बातें रखने, किसी भी गलतफहमी को स्पष्ट करने और संभावित त्रुटियों को सुधारने का अवसर देता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि योग्य बोलीदाताओं को निविदाओं में अनुचित तरीके से बाहर नहीं रखा गया है। यह दृष्टिकोण हमारी खरीद प्रणाली में पारदर्शिता और निष्पक्षता के सिद्धांतों को कायम रखता है।

3.	परियोजना खरीद की समय–सीमा के भीतर खरीद	किसी परियोजना के लिए खरीद की समय–सीमा को पूरा करना अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे परियोजना निष्पादन के लिए आवश्यक सामग्रियों, सेवाओं और उपकरणों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित होती है। तदनुसार, आईआईटी इंदौर ने परियोजना खरीद की आवश्यकता को पूरा करने के लिए अनुकूलित खरीद चक्र तैयार करने हेतु परियोजना आवश्यकताओं के लिए समयबद्ध खरीद प्रक्रिया शुरू की है।
4.	क्षमता निर्माण	1. ईआरपी 2.0 – ईआरपी 2.0 की शुरुआत की गई है जिसमें इंडेंट जनरेट करने (सभी) से लेकर ऑर्डर देने (5 लाख तक) तक की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन है। 2. प्रशिक्षण / हैंडहोल्डिंग – जीईएम सुविधाकर्ताओं, आंतरिक ईआरपी टीम, कुलसचिव महोदया, एमएमएस और कुलसचिव महोदय द्वारा कुल 08 प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए। 3. सरकारी ई–मार्केटप्लेस (जीईएम) पर हैंडहोल्डिंग सत्र – सभी हितधारकों– इंडेंट, डीलिंग सहायक और कार्यालय कर्मचारियों के लिए हैंडहोल्डिंग सत्र आयोजित किए जाते हैं। इन सत्रों का उद्देश्य खरीद और संबंधित गतिविधियों के लिए जीईएम प्लेटफ़ॉर्म के प्रभावी नेविगेशन और उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करना है। साथ ही उपरोक्त सत्रों के लिए एमएमएस में जीईएम हेल्प डेस्क और प्रशिक्षण डेस्क भी बनाया गया है।
5.	रिकॉर्ड की स्कैनिंग और डिजिटलीकरण	अब तक कुल 27.15 लाख से अधिक पृष्ठों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है और उन्हें डेटा प्रबंधन सॉफ्टवेयर द्वारा पुनः प्राप्त किया जा सकता है। रिकॉर्ड प्रतिधारण अनुसूची के अनुसार रिकॉर्ड को श्रेड करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

खरीद की वार्षिक सांख्यिकीय रिपोर्ट (पिछले 6 वर्ष)

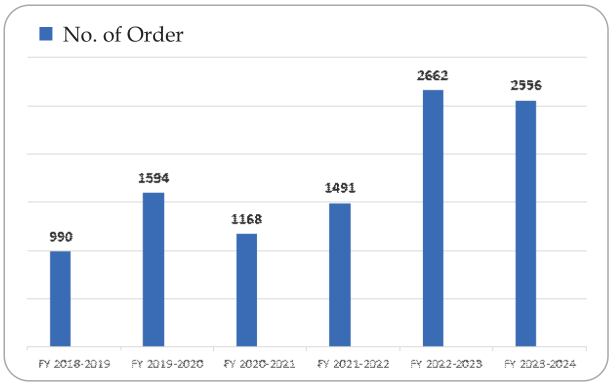

जीईएम की वार्षिक सांख्यिकीय रिपोर्ट (पिछले 6 वर्ष)

स्वदेशी ऑर्डर और आयात ऑर्डर का कुल ऑर्डर मूल्य

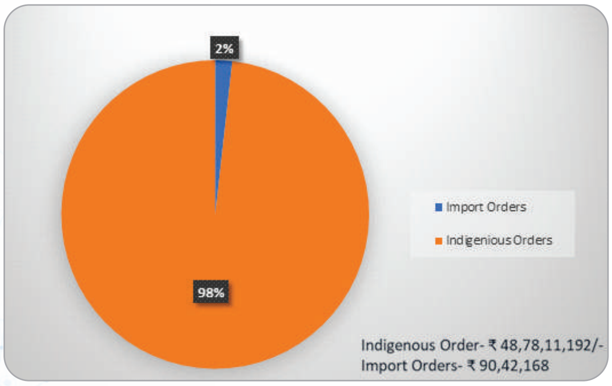

कुल ऑर्डर स्वदेशी और आयातित ऑर्डर पर दिए गए

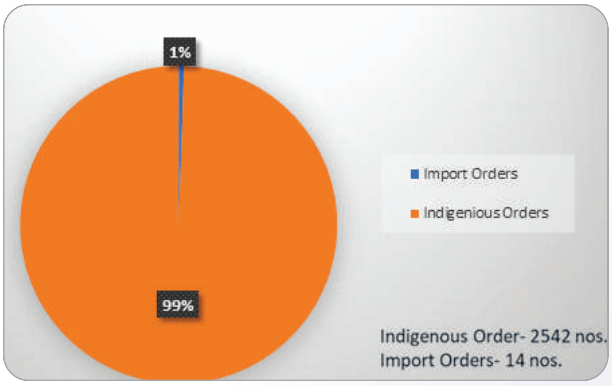

अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी)

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर का लक्ष्य बुनियादी और अनुप्रयुक्त अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास और नवाचार पर ध्यान केंद्रित करते हुए अंतःविषय अनुसंधान को बढ़ावा देना है। इस दृष्टिकोण ने संस्थान को विज्ञान, अभियांत्रिकी, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल करने में मदद की है। आईआईटी इंदौर की एक प्रमुख क्षमता अनुसंधान–संचालित शैक्षणिक कार्यक्रम है, क्योंकि यह स्नातक और स्नातकोत्तर शिक्षण का एक मुख्य घटक है। आईआईटी इंदौर ने स्नातक छात्रों को अग्रणी शोध परियोजनाओं में शामिल करने के विचार को विशेष रूप से साझा किया है। इसके परिणामस्वरूप स्नातक छात्र अनुसंधान एवं नवाचार प्रोत्साहन (PRIUS) नामक औपचारिक स्नातक अनुसंधान योजना की शुरुआत हुई। आईआईटी इंदौर में अनुसंधान को अंतर्राष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर मान्यता मिली है। संकाय सदस्य और वैज्ञानिक जापान, दक्षिण कोरिया, रूसी संघ, पुर्तगाल, फ्रांस, जर्मनी, यूके, यूएसए और कई अन्य देशों में अनुसंधान संगठनों के साथ प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं और संयुक्त सहयोग में सक्रिय रूप से शामिल हैं।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर में अनुसंधान एवं विकास की प्रमुख उपलब्धियाँ

- विभिन्न फंडिंग एजेंसियों से 617 अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएँ।
- वर्तमान में, 423 परामर्श परियोजनाएँ।
- 7488 से अधिक प्रतिष्ठित प्रकाशन।
- जल शक्ति मंत्रालय द्वारा नर्मदा नदी क्षेत्र प्रबंधन के लिए संस्थान को 6 करोड़ रुपये की उच्च–प्रभावी परियोजना स्वीकृत की गई।
- संस्थान द्वारा 26 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और कार्यशालाएँ आयोजित की गईं।
- बाह्य फंडिंग एजेंसियों द्वारा पहले नियमित अनुदान से पूर्व संस्थान द्वारा ब्रिज फंडिंग के रूप में आईआईटी इंदौर के युवा संकायों को 5 करोड़ रुपये के 51 वाईएफआरएसजी (यंग फैकल्टी रिसर्च सीड ग्रांट) प्रदान किए गए।
- संस्थान द्वारा आईआईटी इंदौर के युवा संकायों को 50 लाख रुपये की लागत की 6 ड्रीम लैब परियोजनाएँ और 5 प्राइअस (PRIUS) परियोजनाएँ प्रदान की गईं, जिनका उद्देश्य अत्याधुनिक शोध में उच्च–स्तरीय शोध प्रशिक्षण प्रदान करना और आईआईटी इंदौर में नामांकित स्नातक छात्रों के साथ मिलकर काम करना है।
- भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) और राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए) द्वारा क्रियान्वित विभिन्न योजनाओं के तहत संस्थान द्वारा 5 अंतर्राष्ट्रीय फेलो की सुविधा प्रदान की गई।
- संस्थान द्वारा छात्रों और संकाय सदस्यों को 7 सर्वश्रेष्ठ प्रौद्योगिकी और 10 सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार प्रदान किए गए, जिनमें प्रत्येक पुरस्कार के लिए 2 लाख रुपये की आकस्मिक राशि शामिल है।
- संस्थान द्वारा 3.6 करोड़ रुपये की 6 स्पार्क परियोजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है।
- आईआईटी इंदौर को दूरसंचार विभाग (डीओटी) द्वारा विभिन्न सामाजिक–आर्थिक क्षेत्रों में 5जी अनुप्रयोगों के विकास और प्रयोग की सुविधा के लिए एक सौ 5जी उपयोग केस प्रयोगशालाएँ स्थापित करने के लिए चुना गया है।
- भारत के लिए डिजिटल स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में स्थानांतरीय अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए आईआईटी इंदौर में चरक सेंटर फॉर डिजिटल हेल्थकेयर की स्थापना की गई है।
- मानव रहित विमान प्रणाली (यूएएस) स्वयान (ड्रोन और संबंधित प्रौद्योगिकी) और संबंधित क्षेत्रों में उद्योग–कुशल तकनीकी पहलुओं के लिए

उम्मीदवारों को तैयार करने के लिए गहन व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्रों की सुविधा के लिए आईआईटी इंदौर द्वारा विभिन्न संस्थानों के सहयोग से क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

- संस्थान द्वारा अनुसंधान संरक्षण और प्रसार पर आईपीआर जागरूकता कार्यशालाः शिक्षा में आईपीआर मूल सिद्धान्तों तथा प्रबंधन का आयोजन किया गया।
- संस्थान ने एल एंड टी के स्मार्ट ग्रिड समाधान उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना के लिए लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य आईआईटी इंदौर के लिए एक ऊर्जा मास्टर प्लान तैयार करना और स्मार्ट ग्रिड के लिए स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम डिजाइन करना है।
- संस्थान ने रॉयल एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग, ब्राइट आइस इनिशिएटिव्स (बीआईआई) और हेल्दी क्लाइमेट इनिशिएटिव्स (एचसीआई), इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर न्यूरोकेमिस्ट्री (आईएसएन) तथा इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर पीडियाट्रिक एंड एडोलसेंट डायबिटीज (आईएसपीएडी) से अंतर्राष्ट्रीय वित्त पोषण प्राप्त किया।
- आईआईटी इंदौर की त्रैमासिक शोध पत्रिका, रिसर्च स्पेक्ट्रम का खंड 1 (जिसमें चार अंक हैं) पिछले साल जारी किया गया था। रिसर्च स्पेक्ट्रम आईआईटी इंदौर के संकाय सदस्यों व छात्रों द्वारा चयनित शोध कार्यों के आलेखी सार का संकलन है।

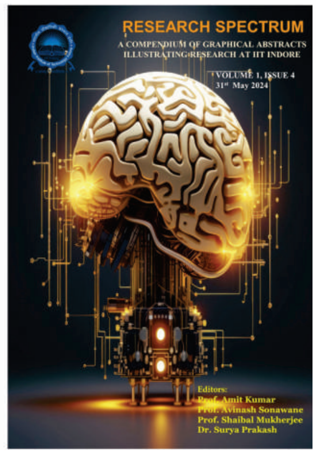

- वर्तमान में, 155 फ़ाइल किए गए पेटेंट में से 66 पेटेंट स्वीकृत हो चुके हैं, जिनमें से 32 पेटेंट वित्तीय वर्ष 2023–2024 में स्वीकृत किए गए।
- संस्थान द्वारा एसआईपीपीटी (बौद्धिक संपदा संरक्षण एवं प्रौद्योगिकी योजना) के तहत 52 आईडीएफ आवेदनों को स्वीकृति दी गई है, ताकि भारतीय पेटेंट फ़ाइल करने हेतु प्रत्येक पेटेंट के लिए 25,000 रुपये तक की आंशिक वित्तीय सहायता प्रदान करके संकाय सदस्यों की सहायता की जा सके।
- बीआईएस चेयर प्रोफेसरः प्रोफेसर मनीष कुमार गोयल, प्राध्यापक, जानपद अभियांत्रिकी विभाग, को समानता और पारस्परिकता के आधार पर मानकीकरण व अनुरूपता मूल्यांकन के क्षेत्र में सहयोगी गतिविधियों को विकसित करने के लिए भारतीय मानक ब्यूरो के लिए बीआईएस चेयर प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया है।
- आईपीआर चेयर प्रोफेसरः प्रोफेसर रुचि शर्मा, प्राध्यापक, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल, को भारत सरकार के उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा तैयार समग्र शिक्षा एवं शैक्षणिक समुदाय के लिए बौद्धिक संपदा अधिकारों में शिक्षण व अनुसंधान योजना (एसपीआरआईएचए) के तहत आईपीआर चेयर प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया है।

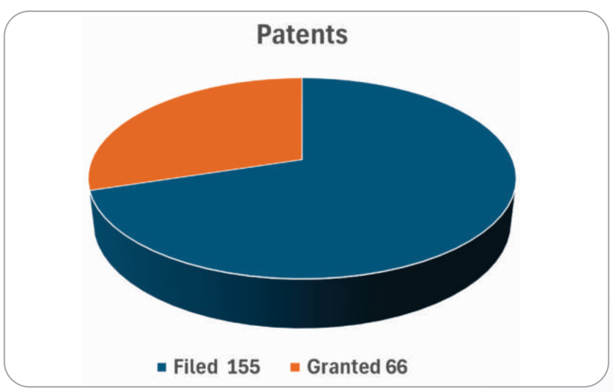

- स्थानांतरण अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र को निश्चित रूप देने तथा अनुसंधान से लेकर उत्पाद स्तर तक प्रौद्योगिकी के व्यावसायीकरण का विस्तार करने के लिए स्थानांतरीय अनुसंधान केंद्र (सीटीआर) की स्थापना की गई। सीटीआर (आर एंड डी) की उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं:
  - 3 प्रौद्योगिकियों का लाइसेंस उद्योगों को दिया गया तथा 8 प्रौद्योगिकियों को आईआईटीआई–एसीई फाउंडेशन में इनक्यूबेट किया जा रहा है।
  - प्रौद्योगिकियों के टीआरएल (TRL) का लाभ उठाने के लिए 10–15 पदों को संस्थान द्वारा 01 करोड़ रुपये की वार्षिक सीमा के साथ स्थानांतरण अनुसंधान फेलोशिप के लिए स्वीकृति दी गई है।
  - लैब टू लैंड इकोसिस्टम को प्रोत्साहित करने के लिए 8 स्थानांतरीय अनुसंधान फेलोशिप प्रदान की गई हैं।

क्र.सं.	आविष्कारकों / मार्गदर्शकों का नाम	प्रौद्योगिकी का नाम	डोमेन	करंट टीआरएल
1	श्री राहुल चौरसिया / प्रोफेसर अनिर्बान सेनगुप्ता	एकीकृत परिपथों (ICs) के उच्च–स्तरीय संश्लेषण के दौरान एम्बेडेड एन्क्रिप्टेड प्रोटीन आणविक बायोमेट्रिक के साथ सुरक्षित इष्टतम के–चक्र दोष–सहनशील डेटा पाथ प्रोसेसर का डिज़ाइन स्पेस अन्वेषण	हार्डवेयर सुरक्षा	05
2	श्री ज्ञानेश पटनायक / डॉ. अभिषेक राजपूत	मल्टीलेयर हाइब्रिड कम्पोजिट आर्मर सिस्टम	रक्षा के लिए सामग्री	03
3	श्री चंद्रभान पटेल / प्रोफेसर शैबाल मुखर्जी	आईओटी (IoT) सक्षम अल्ट्रासेंसिटिव व सेलेक्टिव गैस सेंसर	स्मार्ट सेंसर और पर्यावरण स्थिरता	06
4	श्री अनिकेत सेठी / प्रोफेसर अरुणा तिवारी	हाईवे के लिए नई डीप–लर्निंग विधि का उपयोग करके कुशल निगरानी प्रणाली	स्मार्ट सिटी इंफ्रास्ट्रक्चर	04
5	श्री संचित गुप्ता / प्रोफेसर संदीप चौधरी	GOBAiR – स्थायी हल्के निर्माण सामग्री विकसित करने के लिए गाय के गोबर पर आधारित एक नया फोमिंग एजेंट	स्मार्ट सिटी इंफ्रास्ट्रक्चर और पर्यावरण स्थिरता	04
6	श्री मयंक कुमार सिंह / डॉ. धीरेन्द्र के. राय	इलेक्ट्रोकेमिकल ऊर्जा भंडारण अनुप्रयोगों के लिए हाइब्रिड सोडियम–आयन कैपेसिटर का डिज़ाइन और विकास	बैटरी, ऊर्जा भंडारण	03
7	श्री राहुल देव मिश्र / प्रोफेसर मुकेश कुमार	स्विचिंग व सेंसिंग अनुप्रयोगों के लिए नैनोफोटोनिक डिवाइस	स्मार्ट सेंसर	03
8	श्री मिलन जेना / प्रोफेसर विश्वरूप पाठक	तेजी से डीएनए अनुक्रमण के लिए कृत्रिम रूप से कुशल (AI) नैनोपोर का विकास	कृत्रिम बुद्धिमत्ता–आधारित अनुक्रमण	03

- 'आईआईटी इंदौर के विचारों, नवाचारों और प्रौद्योगिकियों की पुस्तिका'' जारी की गई, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में आईआईटी इंदौर की लगभग 140 प्रौद्योगिकियों का संकलन किया गया है।
- संकाय सदस्यों को उनके उद्योग–कुशल विचारों / प्रौद्योगिकी के लिए अप–स्केलिंग सहायता प्रदान करने के लिए, ट्रांसलेशनल रिसर्च अप स्केलिंग स्कीम (TRUSS) शुरू की गई है। इस योजना के तहत, उपकरण और उपभोग्य सामग्रियों के लिए 05 लाख रुपये तक की राशि प्रदान की जा सकती है।

- **शोध कार्यः**
- इलेक्ट्रॉन–समृद्ध एरेन्स के साइट–चयनात्मक हाइड्राज़ो युग्मन के लिए संधारणीय कार्बनिक फोटोकैटेलिसिस।
- सक्रिय एल्केन्स के ऑर्गेनोफोटोरेडॉक्स हाइड्रोसिलिलेशन और हाइड्रोजर्माइलेशन के लिए फोटोइंड्यूस्ड हाइड्रोजन परमाणु स्थानांतरण उत्प्रेरक के रूप में सल्फोनामाइड।
- भूमिगत स्टील पाइपलाइनों का उपसतह विस्फोट लोडिंग के विरुद्ध सीएफआरपी संरक्षण के साथ सुरक्षा मूल्यांकन।
- UNFOLD: 3-D U-Net, 3-D CNN और 3-D ट्रांसफ़ॉर्मर–आधारित हाइपरस्पेक्ट्रल इमेज डेनोइज़िंग।
- जैव चिकित्सा अनुप्रयोगों के लिए एक कॉम्पैक्ट, लागत–प्रभावी फोटोएकॉस्टिक स्पेक्ट्रल रिस्पॉन्स माप प्रणाली का विकास।
- FIBRI-NET: एक हल्का कन्वोल्यूशन न्यूरल नेटवर्क आधारित एट्रियल फ़िब्रिलेशन डिटेक्टर।
- डिजिटल कार्टोग्राफी तथा नारीवादी भू–आलोचनाः मरीचझापी नरसंहार का केस स्टडी।
- नियमित कूलम्ब वेव फ़ंक्शन का ऑन स्टारलाइकनेस।
- माइक्रोएक्ट्यूएटर्स के विकास की दिशा में NiTi SMA-आधारित बिमॉर्फ की विशेषताओं में सुधार पर पॉलीमाइड के लेजर एनीलिंग पर पैरामीट्रिक जाँच।
- प्लैटिनम–अधिशोषित दोषपूर्ण 2D मोनोलेयर बोरॉन नाइट्राइडः O2 कटौती प्रतिक्रिया के लिए एक प्रॉमिसिंग इलेक्ट्रोकैटेलिस्ट।
- थर्मलाइजेशन की जांच के रूप में अल्ट्रा–हाई एनर्जी कॉस्मिक किरण इंटरैक्शन में ऊर्जा प्रवाहः म्यूऑन पज़ल का संभावित समाधान।

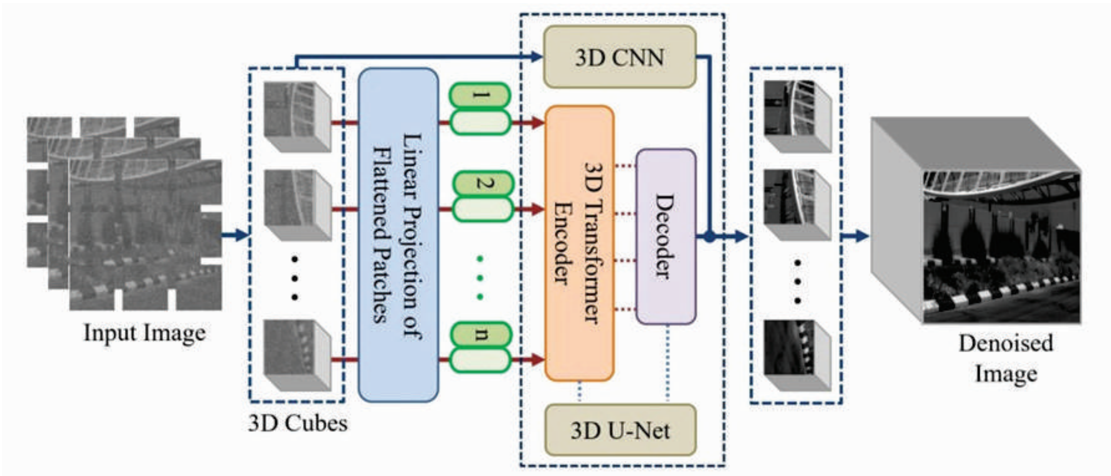

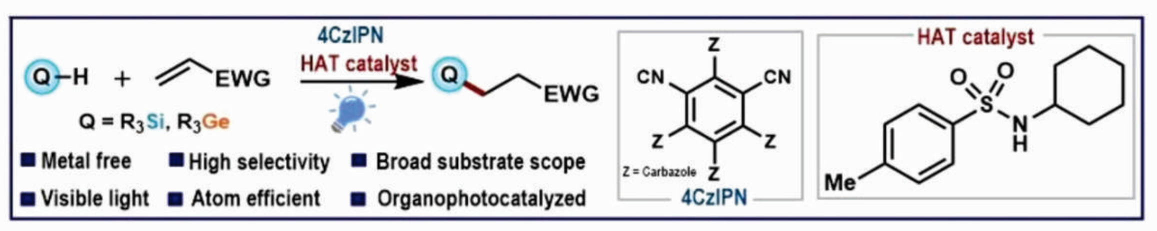

विकसित प्रौद्योगिकियाँः

- एकीकृत परिपथों (IC) के उच्च स्तरीय संश्लेषण के दौरान एम्बेडेड एन्क्रिप्टेड प्रोटीन आणविक बायोमेट्रिक के साथ सुरक्षित इष्टतम K–चक्र दोष–सहनशील डेटा पाथ प्रोसेसर का डिज़ाइन स्थान अन्वेषण

  *'SOFTDEEP' विकसित किया गया है, जिसे IEEE CEDA, यूनिवर्सिटी ऑफ़ फ़्लोरिडा (UF) और IEEE HSTTC द्वारा प्रायोजित "CAD for Assurance" द्वारा परीक्षण और अनुमोदित किया गया है।
- आईओटी (IoT) सक्षम अल्ट्रासेंसिटिव और सेलेक्टिव गैस सेंसर

  *विकसित तकनीक को आईआईटीआई–एसीई फाउंडेशन में स्टार्टअप 'QuanTech' में इनक्यूबेट किया जा रहा है
- नई डीप–लर्निंग पद्धति का उपयोग करके राजमार्ग के लिए कुशल निगरानी प्रणाली

  *डेवलपमेंट सॉफ़्टवेयर (वीडियो इंसिडेंट डिटेक्शन सिस्टम, वीआईडीएस) का परीक्षण देवदित्य टेक्नोक्रेट्स (एनएचएआई के लिए काम करने वाली एक कंपनी) द्वारा विसंगति की वास्तविक समय की निगरानी के लिए किया जा रहा है।
- GOBAiR - स्थायी हल्के वजन वाली निर्माण सामग्री विकसित करने के लिए गाय के गोबर आधारित नया फोमिंग एजेंट

  *इस तकनीक के प्रचार के साथ, उद्योग (जैसे अडानी सीमेंट्स, काउलॉजी, आईबीआईटीएफ आदि) ने प्रौद्योगिकी के लाइसेंस में रुचि व्यक्त की है।

IoT सक्षम अल्ट्रासेंसिटिव और सेलेक्टिव गैस सेंसर

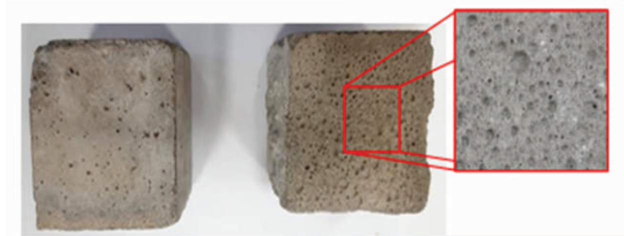

GOBAiR आधारित हल्के वजन वाला कंक्रीट

GOBAiR

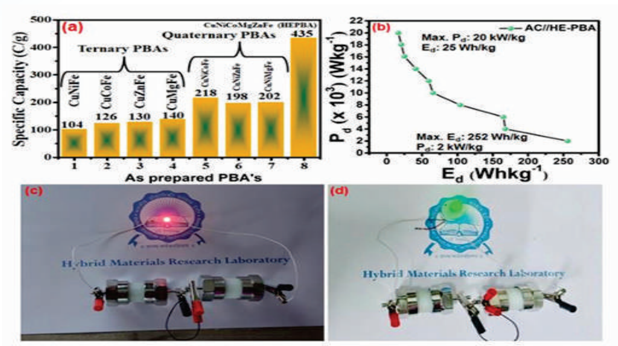

विद्युत–रासायनिक ऊर्जा भंडारण अनुप्रयोगों के लिए
हाइब्रिड सोडियम–आयन संधारित्र

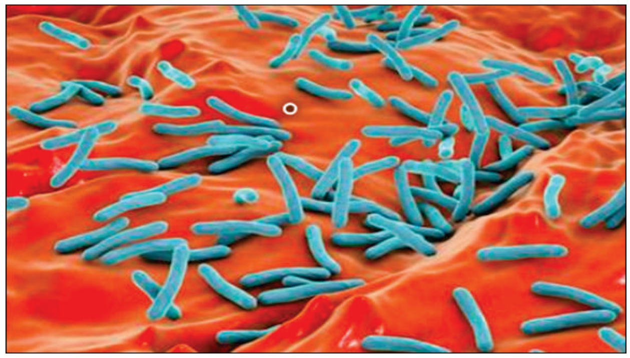

तपेदिक और दवा प्रतिरोधी तपेदिक के उपचार
के लिए नए चिकित्सीय उपकरण

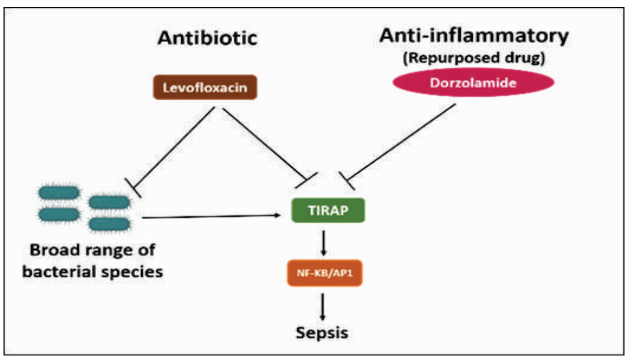

बीज–गुणवत्ता के आकलन के लिए एआई
आधारित सोयाबीन–बीज व्यवहार्यता सेंसर

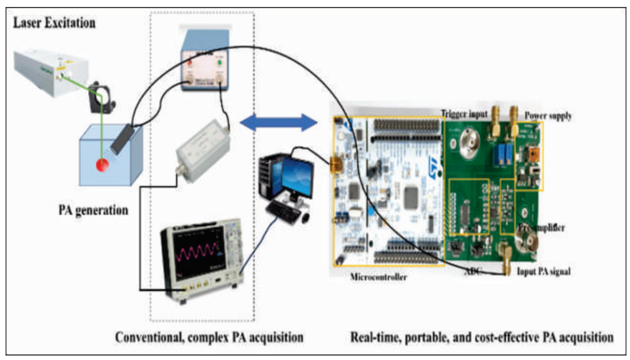

मात्रात्मक फोटोकॉस्टिक स्पेक्ट्रल प्रतिक्रिया तकनीक का
उपयोग करके प्रारंभिक चरण के कैंसर निदान
के लिए तेज़ कैंसर स्क्रीनिंग उपकरण

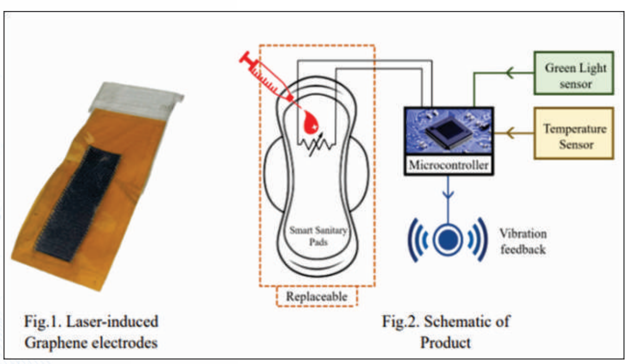

IoT–सक्षम स्मार्ट अवशोषक सामग्री (लेजर प्रेरित ग्राफीन)
और स्वच्छता उपकरण

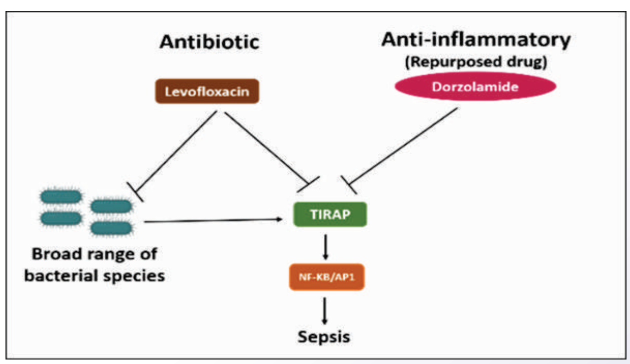

सेप्सिस के लिए एक संरचना और उसकी विधि

सर्वश्रेष्ठ प्रौद्योगिकी पुरस्कार – 2024

प्रौद्योगिकी का शीर्षक	आविष्कारकों / मार्गदर्शकों का नाम
थेरानोस्टिक्स के लिए सिल्क नैनो–कणों का अल्ट्रासोनिक एटमाइज़र–आधारित निर्माण	डॉ. शरद गुप्ता, अभिजीत जोशी, सौम्या जायसवाल
सेप्सिस की रचना एवं उसकी विधि	डॉ. मिर्ज़ा बेग, रजत अत्रे, राहुल शर्मा
तपेदिक और दवा प्रतिरोधी तपेदिक के उपचार के लिए नए चिकित्सीय उपकरणों की डिलीवरी	डॉ. चेल्वम वेंकटेश, प्रो. अविनाश सोनवाने, प्रेमांश दुधे, और मेना आशा कृष्णा
आईओटी–सक्षम स्मार्ट अवशोषक सामग्री (लेजर प्रेरित ग्राफीन) और सैनिटरी डिवाइस	डॉ. पलानी इयम्पेरूमल आनंद, कैलाश पांडियन, अदिति टी, प्रज्ञा सिंह, कनिष्का गोयल, आयुषी अग्रवाल, डी जे मिस्त्री
बीज–गुणवत्ता के आकलन के लिए एआई आधारित सोयाबीन–बीज व्यवहार्यता सेंसर	प्रो. विमल भाटिया
टिकाऊ हल्के वजन वाली निर्माण सामग्री विकसित करने के लिए गाय के गोबर पर आधारित नया फोमिंग एजेंट	प्रो. संदीप चौधरी, संचित गुप्ता
मात्रात्मक फोटोकॉस्टिक स्पेक्ट्रल प्रतिक्रिया तकनीक का उपयोग करके प्रारंभिक चरण के कैंसर निदान के लिए तेज़ कैंसर स्क्रीनिंग उपकरण	डॉ. श्रीवत्सन वासुदेवन, सुहेल खान

अंतर्राष्ट्रीय संबंध

आईआईटी इंदौर ने उच्च शिक्षा में भागीदारी के साथ दुनिया भर में अपने शिक्षण और अनुसंधान को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लाने में अपनी प्रभावशीलता साबित की है। आईआईटी इंदौर शीर्ष–स्तरीय अनुसंधान और शैक्षणिक सुविधाएँ प्रदान करने, तकनीकी नवाचार के लिए एक केंद्र के रूप में कार्य करने और भारतीय संस्कृति, विरासत और भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए, संस्थान अनुसंधान के अवसरों और संस्थानों के विकास पर सहयोग करने के लिए दुनिया भर के भागीदारों के साथ काम कर रहा है। संस्थान का लक्ष्य अत्याधुनिक अनुसंधान क्षेत्रों में उत्कृष्टता केंद्र बनाना है। यह एक ऐसे केंद्र के रूप में काम करेगा जो आज के समाज की महत्वपूर्ण समस्याओं को हल करने के लिए अनुसंधान, शिक्षा और अभ्यास को एकीकृत करता है।

वर्तमान में, संस्थान ने दुनिया भर में 100 से अधिक समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं, 400 से अधिक विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ एक विकसित नेटवर्क, विदेशी संस्थानों के साथ 35 से अधिक द्विपक्षीय अनुसंधान अनुदान, 200 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन, 80 से अधिक ज्ञान (GIAN) परियोजनाएँ, 28 से अधिक परियोजनाए SPARC, VAJRA और ASEM&DUO हैं।

आईआईटी इंदौर ने हाल ही में रूस, कैमरून, इथियोपिया, नेपाल और अन्य सार्क एवं आसियान, अफ्रीकी और मध्य पूर्व क्षेत्रों से डिग्री और एक्सचेंज कार्यक्रमों में कई अंतरराष्ट्रीय छात्रों की मेजबानी की है।

विश्व भर में हाल के सहयोगः

संस्थान	देश
इंस्टीच्यूय ऑफ़ मेटलर्जी एंड मटेरियल्स साइंस ऑफ़ पोलिश एकेडमी ऑफ साइंसेज (आईएमएमएस पीएएस)	पोलैंड
ताइपे इकोनॉमिक एंड कल्चरल सेंटर (टीईसीसी) भारत	ताइवान
यूनिवर्सिटी ऑफ़ विंडसर	कनाडा
नागाओका यूनिवर्सिटी ऑफ़ टेक्नोलॉजी	जापान
जूलियस–मैक्समिलियन यूनिवर्सिटी वुर्जबर्ग	जर्मनी
पर्ड्यू यूनिवर्सिटी वेस्ट लाफायेट इंडियाना यूएसए	अमेरिका
द यूनिवर्सिटी ऑफ़ ससेक्स ब्राइटन यूके	ब्रिटेन
नेशनल रिसर्च लोबाचेव्स्की स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ निज़नी नोवगोरोड	रूस
जर्मन अकादमिक एक्सचेंज सर्विस, डीएएडी (ड्यूशर एकेडेमिशर ऑस्टौशडिएनस्ट)	जर्मनी
यूनिवर्सिडेड लुसोफोना (यूलुसोफोना)	पुर्तगाल
ओबुडा विश्वविद्यालय, हंगरी	हंगरी
यूनिवर्सिटी ऑफ़ ह्राडेक क्रालोव, चेक गणराज्य	चेकिया
और कई अन्य विश्व प्रसिद्ध संगठन।	

आईआईटी इंदौर–अंतर्राष्ट्रीय भागीदारः

जर्मन अकादमिक एक्सचेंज सर्विस, डीएएडी
स्टडी इन इंडिया
डॉक्टरेट फेलोशिप इन इंडिया फॉर आसियान
भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद्

नेपाल स्कॉलरशिप
हेरिटेज नेटवर्क
शास्त्री इंडो–कैनेडियन इंस्टीच्यूट

द एसोसिएशन ऑफ कॉमनवेल्थ यूनिवर्सिटिज़
इरास्मस+
एशिया–अफ्रीकाः 33 देश
इंडो–इथियोपिया नेटवर्कः 45 इथियोपियन यूनिवर्सिटिज़
श्रमण फाउंडेशन, यू.एस.

शैक्षणिक गतिविधियाँ

आईआईटी इंदौर ने पीएचडी सह–पर्यवेक्षण, मास्टर्स एक्सचेंज, सीवी रमन फेलोशिप, इंडिया साइंस एंड रिसर्च फेलोशिप (आईएसआरएफ), आसियान–इंडिया रिसर्च ट्रेनिंग फेलोशिप (एआई–आरटीएफ) आदि जैसे विभिन्न शैक्षणिक/शोध कार्यक्रमों के तहत अंतर्राष्ट्रीय छात्रों/संकाय सदस्यों/शोधकर्ताओं की मेजबानी की है। हर वर्ष, आईआईटी इंदौर विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे स्टडी इन इंडिया (एसआईआई), भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् (आईसीसीआर), दक्षिण पूर्व एशियाई देशों का संगठन (आसियान), सार्क फाइनेंस–आरबीआई व नेपाल स्कॉलरशिप के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को प्रवेश देता है।

शैक्षणिक/शोध गतिविधियों की खोज के संबंध में, आईआईटी इंदौर ने नीचे दिए अनुसार विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम शुरू किए हैं:

1. **पीएचडी छात्रों के लिए अल्पकालिक सहयोगी अनुसंधान कार्यक्रमः** इन कार्यक्रमों का उद्देश्य या इरादा अनुसंधान एवं शिक्षण को बढ़ावा देना और विदेशी संस्थानों के पीएचडी छात्रों के आईआईटी इंदौर व विदेश के बीच आने–जाने की अल्पकालिक यात्राओं के माध्यम से एक नेटवर्क बनाना है।
2. **सेमेस्टर एक्सचेंज प्रोग्राम यूजी/पीजी छात्रः** आईआर कार्यालय ने हाल ही में एक कार्यक्रम शुरू किया है जो आईआईटी इंदौर के यूजी/पीजी छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय मंच प्रदान करेगा व विदेशी संस्थानों के छात्रों को आईआईटी इंदौर में एक सेमेस्टर करने की अनुमति देगा।
3. **अंतर्राष्ट्रीय एमओयू समन्वयक के लिए मोबिलिटी अनुदानः** यह अनुदान भागीदार विश्वविद्यालयों के साथ इंटरैक्टिव सत्र, ऑनलाइन/ऑफलाइन वार्ता, संयुक्त सम्मेलन, कार्यशालाएँ और संयुक्त पीएचडी छात्र पर्यवेक्षण आयोजित करके द्विपक्षीय अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने में आईआईटी इंदौर संकाय सदस्य की सहायता करता है। इन प्रयासों का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और संस्थान की वैश्विक पहुँच को बढ़ाना है।
4. **अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदानः** इस पहल का उद्देश्य आईआईटी इंदौर के संकाय सदस्यों को विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग और साझेदारी को बढ़ावा देने का अवसर प्रदान करना है, जिससे वैश्विक शैक्षणिक संबंध और अनुसंधान के अवसर बढ़ेंगे।

वर्ष 2023–24 के अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों के पुरस्कार विजेताः

इनबाउंड प्रोग्राम	पुरस्कार विजेता	गृह देश
सेमेस्टर एक्सचेंज प्रोग्राम यूजी/पीजी छात्र	सुश्री ज़िनु जेम्बेरू	इथियोपिया
	श्री वर्कु अवेके टेसो	इथियोपिया
	श्री अब्राहम तेशले तेगेगन	इथियोपिया
	बेज़बीह कस्सी मेंगिस्ट	इथियोपिया
	श्री टिवोड्रोस नेगा याहुआला	इथियोपिया
पीएचडी छात्रों के लिए अल्पकालिक सहयोगी अनुसंधान कार्यक्रम	श्री बेरुना बाईसा	इथियोपिया
	श्री गिरमा डीजेन	इथियोपिया
	श्री टेस्फेय गनेती केनाटे	इथियोपिया
	श्री अब्देता लेता अदुल्ला	इथियोपिया
	श्री इवान माल्कोव	रूस
	श्री जोमर एडोर्ना जूनियर	फिलीपींस
	श्री राम प्रसाद न्यूपाने	नेपाल
	सुश्री कौशिका सीलनाथ	श्रीलंका
	श्री शिनजे ली	अमेरिका

आउटबाउंड प्रोग्राम	पुरस्कार विजेता	मेज़बान देश
सेमेस्टर एक्सचेंज प्रोग्राम यूजी/पीजी छात्र	सुश्री स्वागतलक्ष्मी ढाली	जर्मनी
	श्री सायन डोलोई	फ्रांस
	सुश्री आकृति ताओरी	स्वीडन
	सुश्री रिया सहरावत	जर्मनी
	सुश्री कुमारी सुनीता	फ्रांस
	सुश्री मोनिका यादव	अमेरिका
	सुश्री पूनम सुरेश देशमुख	सिंगापुर
	सुश्री सीधी जी रामर	जापान
	श्री ज़हीर अब्बास	दक्षिण कोरिया
पीएचडी छात्रों के लिए अल्पकालिक सहयोगी अनुसंधान कार्यक्रम	श्री अनुप कुमार गुप्ता	अमेरिका
	सुश्री आस्था शर्मा	थाईलैंड
	श्री अखिल गौड़ा	फ्रांस
	श्री उम्मेद सिंह	दक्षिण कोरिया
	श्री दिव्य प्रभु के	रोमानिया
	श्री सुगातो पांडा	ऑस्ट्रेलिया

अन्य शैक्षणिक प्रोग्राम (इनबाउंड):

इनबाउंड प्रोग्राम	पुरस्कार विजेता	गृह देश
सी.वी. रमन रिसर्चर प्रोग्राम	डॉ. बेने कौआडियो	आइवरी कोस्ट
	डॉ. कौआकौ अहौटौ पॉल	आइवरी कोस्ट
	डॉ. सोलोमन अबेबे, यूनिवर्सिटी ऑफ़ गोंदर	इथियोपिया
आईएसआरएफ रिसर्चर प्रोग्राम	डॉ. इसुरु दासनायके, यूनिवर्सिटी ऑफ़ पेराडेनिया	श्रीलंका
	डॉ. थानोंगसाक इम्जाई, वालाइलाक यूनिवर्सिटी	थाईलैंड
आईएन–आरटीएफ	श्री अर्जुन हसीबुआन	इंडोनेशिया
	श्री मायो मिन हट्वे	म्यांमार
जॉइंट–को–सुपरविज़न प्रोग्राम	श्री योनास एताफ़ा तासीसा	इथियोपिया
	श्री टाडेसे बेयेन हुल्ले	इथियोपिया
	श्री हब्तामु मेलेसे	इथियोपिया

आईआर द्वारा अनुदान का नाम	पुरस्कार विजेता का नाम	विभाग
मोबिलिटी अनुदान 2023–24 मेजबान विश्वविद्यालय – ओबुडा यूनिवर्सिटी, हंगरी	डॉ. संजीव सिंह	गणित
मोबिलिटी अनुदान 2023–24 मेजबान विश्वविद्यालय – कार्लटन यूनिवर्सिटी, कनाडा	डॉ. गौरब सिल	जानपद अभियांत्रिकी
अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान 2023–24 मेजबान विश्वविद्यालय – यूनिवर्सिटी ऑफ़ बोलोग्ना, इटली	डॉ. सौरभ दास	खगोल विज्ञान खगोल भौतिकी एवं अंतरिक्ष अभियांत्रिकी
अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान 2023–24 मेजबान विश्वविद्यालय – टेक्नीकल यूनिवर्सिटी ऑफ़ म्यूनिक, जर्मनी	प्रोफेसर किरण बाला	जीव विज्ञान एवं जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी
अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान 2023–24 मेजबान विश्वविद्यालय – यूनिवर्सिटी ऑफ़ स्प्लिट, क्रोएशिया	प्रोफेसर एसके. सफीक अहमद	गणित
अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान 2023–24 मेजबान विश्वविद्यालय – खोन केन यूनिवर्सिटी, खोन केन, थाईलैंड	प्रोफेसर बिश्वरूप पाठक	रसायन विज्ञान
अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान 2023–24 मेजबान विश्वविद्यालय – कोवेंट्री यूनिवर्सिटी, यूनाइटेड किंगडम	डॉ. अशोक कुमार मोचेरला	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान
अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान 2023–24 मेजबान विश्वविद्यालय–यूनिवर्सिटी ऑफ़ ज़िलिना, ज़िलिना, स्लोवाकिया	प्रोफेसर विमल भाटिया	विद्युत अभियांत्रिकी
अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान 2023–24 मेजबान विश्वविद्यालय – ईएलडीपी, बर्लिन ब्रैंडेनबर्ग एकेडमी एंड ऑफ साइंसेज ह्यूमैनिटीज, जर्मनी	डॉ. तपस्या जे	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान
अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान 2023–24 मेजबान विश्वविद्यालय – कर्टिन यूनिवर्सिटी, पर्थ, ऑस्ट्रेलिया	प्रोफेसर नेमिनाथ हुब्बल्ली	कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान 2023–24 मेजबान विश्वविद्यालय – यूनिवर्सिटी ऑफ़ ओक्लाहोमा, यूएसए	डॉ. परिमल कर	जीव विज्ञान एवं जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी
अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान 2023–24 मेजबान विश्वविद्यालय – लॉफ़बोरो यूनिवर्सिटी, यूके	प्रोफेसर शनमुगम दिनाकरन	यांत्रिक अभियांत्रिकी

अंतर्राष्ट्रीय आउटरीचः

अंतर्राष्ट्रीय आउटरीच भारत और अन्य देशों के बीच ज्ञान और कौशल के आदान–प्रदान को सुविधाजनक बनाने का एक तंत्र है, जो कि मुख्य रूप से भारतीय विश्वविद्यालयों और विदेशों में सार्वजनिक संस्थानों/संगठनों के बीच सहयोग के माध्यम से किया जाता है। हमने इस वर्ष ऑनलाइन/ऑफ़लाइन मोड में विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख वक्ताओं द्वारा कई वेबिनार और वार्ता आयोजित की हैं। कुछ प्रमुख गतिविधियाँ इस प्रकार हैं:

(I) **आईआरटीजी–डीएफजी कार्यशाला:** 'श्वसन जीवाणु स्थान व आणविक तंत्रों की समझरू संक्रमण के दौरान जीवाणु रोगजनकों व होस्ट कोशिकांगों के बीच गतिशील अंतःक्रियाओं की स्पष्टता' शीर्षक पर इंटरनेशनल रिसर्च ट्रेनिंग ग्रुप (आईआरटीजी) कार्यशाला का आयोजन आईआईटी इंदौर में जूलियस–मैक्सिमिलियंस–यूनिवर्सिटी वुर्जबर्ग के सहयोग से 11–13 अप्रैल, 2024 के बीच किया गया।

(ii) **जर्मन अनुसंधान दिवस सम्मेलन:** आईआईटी इंदौर ने सोमवार, 15 अप्रैल 2024 को जर्मन अनुसंधान दिवस सम्मेलन की मेजबानी की। कई जर्मन फंडिंग संगठनों और जर्मन उच्च शिक्षा संस्थानों/विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों ने संकायों के साथ–साथ पीएचडी और पोस्टडॉक्टरल छात्रों के लिए फंडिंग के अवसरों, द्विपक्षीय सहयोग और गतिशीलता कार्यक्रमों पर प्रस्तुतियाँ दीं।

(iii) **डीएएडी–द्विपक्षीय संकाय सदस्य एक्सचेंज कार्यक्रम:** डीएएडी के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के आधार पर, आईआईटी इंदौर के संकाय सदस्यों को जर्मन विश्वविद्यालयों और आईआईटी इंदौर के बीच द्विपक्षीय अनुसंधान सहयोग की पेशकश की गई है।

(iv) **आईएचईडी (iHED) कार्यशाला:** इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय संबंध आईआईटी इंदौर ने जर्मन अकादमिक एक्सचेंज सर्विस (डीएएडी) के सहयोग से "भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों में अंतर्राष्ट्रीयकरण– संरचना और सेवाएँ" विषय पर आईएचईडी (iHED) कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भारत के 25 से अधिक उच्च शिक्षा संस्थानों के अंतर्राष्ट्रीय कार्यालयों के विभागाध्यक्ष व अधिष्ठाता ने भाग लिया और भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों और जर्मन विश्वविद्यालयों के बीच सहयोग के लिए सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों और अवसरों पर विचार–विमर्श किया गया।

(v) **डीबीटी बैठकः** आईआईटी इंदौर ने 11 अगस्त 2023 को प्रेसिजन बायोथेरेप्यूटिक्स– मोनोक्लोनल एंटीबॉडी के जैव–विनिर्माण पर क्षेत्रीय विशेषज्ञ समिति की पहली बैठक की मेजबानी की। जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) ने जैव–विनिर्माण पर एक बड़ी पहल की है जिसका शीर्षक है ष्उच्च प्रदर्शन जैव–विनिर्माण को बढ़ावा देना– हरित, स्वच्छ और समृद्ध भारत के लिए परिपत्र अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने की दिशा में एक एकीकृत दृष्टिकोण और प्रेसिजन बायोथेरेप्यूटिक्स– मोनोक्लोनल एंटीबॉडी इस कार्यक्रम के तहत एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है।

(vi) **ताइवान शिक्षा केंद्र की स्थापनाः** आईआईटी इंदौर और डीएवीवी इंदौर ने ताइवान शिक्षा केंद्र की स्थापना के लिए 3 अप्रैल, 2024 को ताइपे आर्थिक और सांस्कृतिक केंद्र (टीईसीसी), ताइवान के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। एमओयू हस्ताक्षर समारोह आईआईटी इंदौर में आयोजित किया गया।

महामहिम श्री बाउशुआन गेर, राजदूत, टीईसीसी, प्रोफेसर रेणु जैन, कुलपति, डीएवीवी और प्रोफेसर सुहास जोशी, निदेशक, आईआईटी इंदौर इस अवसर पर उपस्थित रहे। यह भारत के मध्य प्रदेश में स्थापित पहला ताइवान शिक्षा केंद्र है। इस शिक्षा केंद्र के माध्यम से, शिक्षा प्रभाग टीईसीसी ज्ञान के प्रसार और मंदारिन भाषा सिखाने की सुविधा प्रदान करेगा।

आईआईटी इंदौर में प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय अतिथियों का आगमन

हर वर्ष, आईआईटी इंदौर विभिन्न देशों से कई प्रतिष्ठित आगंतुकों की मेजबानी करता है। हाल ही में आए कुछ आगंतुकों की जानकारी नीचे दी गई है।

आगंतुक	आगमन का उद्देश्य
डॉ. फिलिप मौरिन, फ्रांस दूतावास/भारत में फ्रांसीसी संस्थान में पश्चिम भारत के लिए वैज्ञानिक और शैक्षणिक सहयोग के अताशे।	बुधवार, 31 जनवरी, 2024 को फ्रांस में उच्च शिक्षा के बारे में एक सत्र आयोजन हेतु तथा छात्र छात्रवृत्ति, इंटर्नशिप व पीएचडी कार्यक्रमों के बारे में विस्तृत जानकारी देने हेतु।
डॉ. केशव सिंह, नेशनल सन यात–सेन यूनिवर्सिटी, ताइवान	18 जनवरी, 2024 को ताइवान के नेशनल सन यात–सेन विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह आयोजन हेतु।
डॉ. सिमन फ्रेजर और डॉ. अनिता सिंह, रॉबर्ट गॉर्डन यूनिवर्सिटी एबरडीन, स्कॉटलैंड	विभिन्न शोध और शैक्षणिक गतिविधियों के लिए सहयोग के अवसरों का पता लगाने हेतु।
प्रोफेसर ईवा गेरहार्ज, प्रोफेसर, समाजशास्त्र व विभागाध्यक्ष, फुलडा ग्रेजुएट सेंटर ऑफ सोशल साइंसेज, जर्मनी	दोनों संस्थानों के बीच विभिन्न शोध और शैक्षणिक गतिविधियों में सहयोग के अवसरों का पता लगाने के लिए मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल में एक व्याख्यान देने हेतु।
सुश्री एलेन टैन, एसोसिएट डीन (अकादमिक प्रोग्राम बिजनेस), श्री अलसन टैन गुआन च्यू, वरिष्ठ प्रबंधक, अंतर्राष्ट्रीय विपणन (अकादमिक प्रोग्राम बिजनेस), श्री बेंजामिन टे, सहायक वरिष्ठ प्रबंधक, छात्र भर्ती और व्यवसाय विकास	यंग फेलोशिप प्रोग्राम 2024 के लिए आईआईटी इंदौर को भागीदार बनाने के लिए आमंत्रित करने व 3+1+4 सहयोग की संभावना और अन्य अवसर जानने हेतु।

प्रोफेसर झिगुओ डिंग	SPARC परियोजना के अंतर्गत विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में।
डॉ. मार्कस गोस्लर, यूनिवर्सिटी ऑफ केमनिट्ज	इंडो–जर्मन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र द्वारा समर्थित अनुप्रयुक्त अनुसंधान में युग्मित प्रारंभिक कैरियर फेलोशिप
डॉ. रीसर ओलिवर, यूनिवर्सिटी ऑफ रेगेन्सबर्ग, जर्मनी प्रोफेसर डोमिनिक होरिनेक, यूनिवर्सिटी ऑफ रेगेन्सबर्ग, जर्मनी प्रोफेसर एंड्रियास किर्शिंग, लीबनिज़ यूनिवर्सिटी ऑफ हनोवर डॉ. मसानोरी शिगेनो, तोहोकू यूनिवर्सिटी प्रोफेसर वर्नर कुंज, यूनिवर्सिटी ऑफ रेगेन्सबर्ग, जर्मनी	रसायन विज्ञान विभाग में "सस्टेनेबल केमिस्ट्री–2024" पर इंडो–जर्मन सम्मेलन
प्रोफेसर इलियान टी इलिव, भौतिकी एवं खगोल विज्ञान विभाग, यूनिवर्सिटी ऑफ ससेक्स, यूके	खगोल विज्ञान संगोष्ठी
डॉ. एन.डी. रमेश भट, इंटरनेशनल सेंटर फॉर रेडियो एस्ट्रोनॉमी रिसर्च, कर्टिन यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया	खगोल विज्ञान संगोष्ठी
डॉ. टी. कुबोटा, जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (JAXA)	खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी और अंतरिक्ष अभियांत्रिकी विभाग में IEEE GRSS विशेषज्ञ व्याख्यान
प्रोफेसर मिखाइल इवानचेंको, लोबाचेव्स्की विश्वविद्यालय, निज़नी नोवगोरोड	आमंत्रित वार्ता व सहकार्य
प्रोफेसर मिहारू यूई, क्वांसी गाकुइन विश्वविद्यालय, जापान प्रोफेसर अयाको नंबा, क्वांसी गाकुइन विश्वविद्यालय, जापान प्रोफेसर कोजी कोजिमा, क्वांसी गाकुइन विश्वविद्यालय, जापान	सहकार्य

अंतर्राष्ट्रीय छात्रों व आईआईटी समुदाय के बीच अच्छे संबंध बनाने की नई पहल

आईआईटी इंदौर में अंतर्राष्ट्रीय संबंध (आईआर) कार्यालय ने हमारे अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के अनुभव को समृद्ध करने के उद्देश्य से नई पहल शुरू की है जो पढ़ाई की सीमाओं से परे है। यह व्यावहारिक दृष्टिकोण उनकी शैक्षणिक यात्रा को बढ़ाता है और स्थानीय समुदाय के साथ सार्थक बातचीत को बढ़ावा देते हुए अंतर–सांस्कृतिक आदान–प्रदान की सुविधा प्रदान करता है।

दिवाली उत्सव इंदौर

मकर संक्रांति उत्सव

नववर्ष उत्सव

क्रिसमस समारोह

इंदौर चिड़ियाघर भ्रमण

राजवाड़ा दर्शन

उपलब्धियाँ

आईआईटी इंदौर के संकाय सदस्यों द्वारा प्राप्त अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार व अनुदान।

हर वर्ष, आईआईटी इंदौर के संकाय सदस्य विभिन्न विश्व प्रसिद्ध सम्मेलनों में भाग लेते हैं/अपने शोधपत्र प्रस्तुत करते हैं। इस वर्ष, उन्होंने जापान द्वारा आयोजित सकुरा विज्ञान विनिमय कार्यक्रम (जेएसटी), फोर्स–आईआईसीएस सम्मेलन काठमांडू, रखरखाव और बुद्धिमान संपत्ति प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ऑस्ट्रेलिया, यूआरएसआई जीएएसएस सम्मेलन 2023 जापान, अंतर्राष्ट्रीय भूगणित और भू–भौतिकी संघ सम्मेलन बर्लिन, टीएफएससी सम्मेलन सिंचु, ताइवान और कई अन्य शैक्षणिक कार्यक्रमों में प्रस्तुतियाँ दीं।

आईआईटी इंदौर के कई संकाय सदस्यों को प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय सहयोगी परियोजनाओं से सम्मानित किया गया है और वे ब्रुसेल्स परियोजना, जेएसपीएस ब्रिज फेलोशिप, जेएसपीएस आमंत्रण फेलोशिप, आईजीएसटीसी परियोजना, एसएसएचएन फेलोशिप फ्रांस, वाईएफआरएसजी ड्रीम लैब ग्रांट, कैम्ब्रिज–हामिद विजिटिंग लेक्चर स्कीम, जापान विज्ञान और प्रौद्योगिकी एजेंसी द्वारा सकुरा आमंत्रण पुरस्कार–2023 आदि जैसे विदेशी यात्राओं पर गए हैं।

आईआईटीआई छात्रों द्वारा प्राप्त प्रमुख अंतरराष्ट्रीय छात्रवृत्तियाँ

हर वर्ष, आईआईटी इंदौर के कई छात्रों को शैक्षणिक तथा शोध कार्यों के लिए प्रतिष्ठित वैश्विक संस्थानों का दौरा करने के लिए प्रतिष्ठित छात्रवृत्ति और फेलोशिप मिलती है। इस वर्ष के छात्रों की कुछ उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं।

- ताइवान के शिक्षा मंत्रालय द्वारा ताइवान एक्सपीरियंस एजुकेशन प्रोग्राम (टीईईपी)
- फ्रांस के दूतावास द्वारा चारपाक लैब छात्रवृत्ति 2024
- ताइवान सरकार द्वारा आईआईपीपी – अंतर्राष्ट्रीय इंटर्नशिप पायलट प्रोग्राम
- आईजेआरए – यूनिवर्सिटी ऑफ ससेक्स यूके द्वारा अंतर्राष्ट्रीय जूनियर रिसर्च एसोसिएट स्कीम
- नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर द्वारा एनयूएस यंग फेलोशिप प्रोग्राम –2024
- जेएएसएसओ छात्रवृत्ति – जापान में अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति
- कैथोलिक यूनिवर्सिटी ऑफ अमेरिका–एक्सचेंज विज़िटर प्रोग्राम
- चार्ल्स वालेस फेलोशिप
- इंटरनेशनल साइंस पार्टनरशिप्स फंड (आईएसपीएफ)
- अनुसंधान सहयोग कार्यक्रम
- पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस), भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं समुद्री अनुसंधान केन्द्र (एमसीपीओआर)
- मैक्स प्लैंक ग्रांट
- एमआईटीएसीएस
- श्रमण स्कॉलरशिप

सार्वजनिक व्याख्यान

क) केओएसपीईआई के बारे में डीएएडी द्वारा मेंटरशिप वार्ता: 10 जनवरी, 2024 को डीएएडी नई दिल्ली की कार्यक्रम समन्वयक सुश्री अनुरूपा दीक्षित द्वारा एक मेंटरशिप वार्ता (ऑनलाइन) आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य हमारे छात्रों को "विकासशील देशों के इंजीनियरों के लिए संयुक्त अध्ययन और अभ्यास प्रवास (केओएसपीईआई) – डीएएडी द्वारा आईआईटी के छात्रों को दी जाने वाली छात्रवृत्ति" के बारे में मार्गदर्शन देना था।

ख) फ्रेंच भाषा डेमो क्लासेस: अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं का ज्ञान उन छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए महत्वपूर्ण है जो विदेश में उच्च अध्ययन और शोध कार्य करना चाहते हैं। आईआईटी इंदौर छात्रों को नई अंतर्राष्ट्रीय भाषाएँ सीखने के लिए भी प्रोत्साहित करता है। इस संबंध में, संस्थान द्वारा एलायंस फ़्रैन्काइज़ के सहयोग से एक फ्रेंच भाषा डेमो क्लास का आयोजन किया गया।

ग) फुलब्राइट फेलोशिप के लिए मेंटरशिप सत्र: भारत में फुलब्राइट आयोग, यूएसआईईएफ के क्षेत्रीय अधिकारी डॉ. रयान परेरा ने आईआईटी इंदौर में पीएचडी छात्रों, पोस्ट–डॉक्टरल शोध छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए ध्अमेरिका में फुलब्राइट फेलोशिप के अवसर पर एक व्यक्तिगत सत्र आयोजित किया। अप्रैल 2024 में, आईआईटी इंदौर में फुलब्राइट फेलोशिप समन्वयक डॉ. अनन्या घोषाल के समन्वय में दो फुलब्राइट मेंटरिंग सत्र आयोजित किए गए। संकाय सदस्यों के लिए फुलब्राइट–नेहरू अकादमिक और व्यावसायिक उत्कृष्टता फेलोशिप (एफएनएईपी) पर केंद्रित सत्र 16 अप्रैल, 2024 को हुआ, जबकि छात्र आवेदकों के लिए फुलब्राइट–नेहरू डॉक्टरल रिसर्च फेलोशिप (एफएनडीआर) पर सत्र 17 अप्रैल, 2024 को आयोजित किया गया। प्रोफेसर वेंकट रमन गुंडुमेला (भारतीय पूर्व छात्र) और डॉ. अर्पिता जोर्डर (अमेरिकी पूर्व छात्र) ने एफएनएईपी सत्र में संकाय सदस्यों का मार्गदर्शन किया, जबकि डॉ. उन्मेश खटी, डॉ. अनन्या घोषाल और अविजित मैती, जो सभी आईआईटी इंदौर के एफएनडीआर पूर्व छात्र हैं, ने छात्र आवेदकों के लिए सत्र का मार्गदर्शन किया। ये सत्र आईआईटी इंदौर में आयोजित पहली बार फुलब्राइट मेंटरिंग कार्यक्रम थे।

घ) फ्रांस में उच्च शिक्षा पर सत्र: 31 जनवरी, 2024 को फ्रांस में उच्च शिक्षा और छात्र छात्रवृत्ति, इंटर्नशिप और पीएचडी कार्यक्रमों के विवरण के बारे में एक सत्र फ्रांस के दूतावास/भारत में फ्रांसीसी संस्थान में पश्चिम भारत के वैज्ञानिक और शैक्षणिक सहयोग के अताशे डॉ. फिलिप मौरिन और कैंपस फ्रांस इंदौर/भोपाल की प्रबंधक सुश्री दिव्या सक्सेना द्वारा आयोजित किया गया।

पूर्व छात्र एवं कॉर्पोरेट संबंध (एसीआर)

एसीआर कार्यालय परिचयः पूर्व छात्र एवं कॉर्पोरेट संबंध (एसीआर) कार्यालय की स्थापना पूर्व छात्र एवं कॉर्पोरेट संस्थाओं के साथ संबंधों को बढ़ावा देने तथा उसे बनाए रखने के उद्देश्य से की गई है। इसके लिए, कार्यालय में अधिकारियों और कर्मचारियों की एक समर्पित, सक्रिय व उत्साही टीम शामिल है, जिसका नेतृत्व प्रोफेसर सुमन मुखोपाध्याय, अधिष्ठाता (एसीआर) करते हैं, जो संस्थान के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं।

क. एसीआर टीम द्वारा "पूर्व छात्र संबंध" को बढ़ावा देने के लिए की गई गतिविधियाः

1. **पूर्व छात्र सम्मेलनः**
   - प्रथम सम्मेलनः 23 सितंबर, 2023 को द हिल्टन, बेंगलुरु एम्बेसी मान्यता बिजनेस पार्क बेंगलुरु में अपने पहले आउट–ऑफ–कैंपस पूर्व छात्र सम्मेलन–बैंगलोर यात्रा का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 200 पूर्व छात्र (अपने परिवार के सदस्यों के साथ) शामिल हुए।
   - द्वितीय सम्मेलनः हैदराबाद यात्रा का दूसरा आउट–ऑफ–कैंपस पूर्व छात्र सम्मेलन 2024, 10 फरवरी, 2024 को होटल शेरेटन, गाचीबोवली, हैदराबाद में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 175 पूर्व छात्र (अपने परिवार के सदस्यों के साथ) शामिल हुए।
2. **मैग्नम ओपस 2024 (आईआईटी इंदौर परिसर का पूर्व छात्र दौरा):**
   - मैग्नम ओपस 2024 – (पूर्व छात्रों और वर्तमान छात्रों के साथ सम्मेलन) 9 मार्च, 2024 को आईआईटी इंदौर परिसर में आयोजित किया गया।
3. **पूर्व छात्रों के साथ फायरसाइड वार्ताः**
   - पूर्व छात्रों (श्री गौरव परचानी, "डोजी" के सह–संस्थापक तथा डॉ. विभोर पांढरे, सहायक प्रोफेसर) तथा छात्रों के साथ फायरसाइड वार्ता 19 अप्रैल, 2024 को आईआईटी इंदौर परिसर में आयोजित की गई।
4. **वार्षिक पुस्तिका – 2022 व 2023:**
   - 2022 व 2023 के डिग्री प्राप्त करने वाले छात्रों के लिए वार्षिक पुस्तिका "एडीआईओएस 1.0 और 2.0" के दो संस्करण जारी किए गए।
5. **पूर्व छात्र पत्रिका–2023:**
   - पूर्व छात्र पत्रिका "आईआईटीआई–एलुमनस" संस्करण 2023 का विमोचन 10 फरवरी 2024 को पूर्व छात्र सम्मेलन – हैदराबाद यात्रा के दौरान किया गया।
6. **चौरिटीज़ एड फाउंडेशन (सीएएफ़), अमेरिकाः**
   - सीएएफ़ अमेरिका से दो वर्षों (2023–25) के लिए सत्यापन प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ।
7. **आईआईटी इंदौर अकादमी एसोसिएशन एवं इंटर्नशिप कार्यक्रमः**
   - इस कार्यक्रम के तहत संस्थान ने एक्रोपोलिस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, चमेली देवी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज, जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज तथा एसजीएसआईटीएस इंदौर के छात्रों के लिए विजिट और इंटर्नशिप आयोजित की। इस दौरान, 230 से अधिक छात्रों ने इंटर्नशिप और विजिट के माध्यम से आईआईटी इंदौर की सुविधाओं का लाभ उठाया।

पूर्व छात्र संबंध गतिविधियों की कुछ झलकियाँ

पूर्व छात्र सम्मेलन – बेंगलुरु यात्रा व हैदराबाद यात्रा

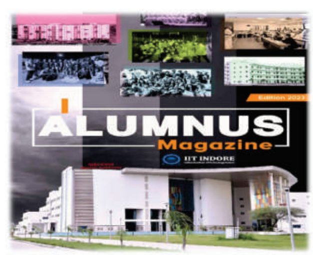

पूर्व छात्र पत्रिका–2023

मैग्नम ओपस 2024 (आईआईटी इंदौर परिसर का पूर्व छात्र दौरा)।

पूर्व छात्रों के साथ फायरसाइड वार्ता

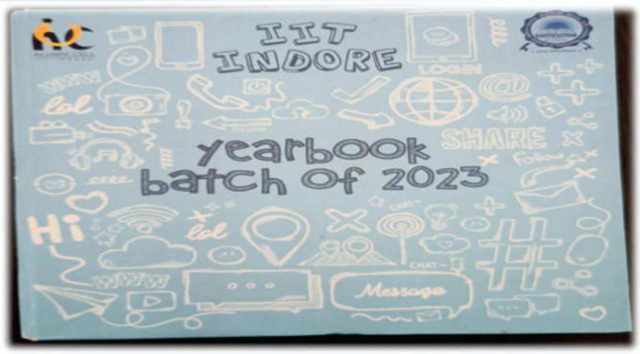

वार्षिक पुस्तिका – 2022 व 2023

सत्यापन प्रमाणपत्र सीएएफ, अमेरिका

ब. एसीआर टीम द्वारा "कॉर्पोरेट संबंध" को बढ़ावा देने के लिए की गई गतिविधियाँः

1. सीएसआर पहल के तहत परियोजना कार्यान्वयनः

क. राजरतन उत्कृष्टता केंद्र (आरसीओई): आईआईटी इंदौर में राजरतन उत्कृष्टता केंद्र (आरसीओई) की स्थापना का उद्देश्य उन्नत अनुसंधान एवं विश्लेषणात्मक परीक्षण को बढ़ावा देना है, जो कि आईआईटी इंदौर तथा दुनिया की सबसे बड़ी टायर बीड वायर निर्माता कंपनी श्राजरतन ग्लोबल वायरश के बीच सीएसआर सहयोग के तहत आईआईटी इंदौर में इस तरह की पहली पहल है।
प्राप्त धनराशिः 50 लाख रुपये (समर्पित धनराशिः 2 करोड़ रुपये)

ख. सीएएसई–उत्कृष्टता केंद्रः आईआईटी इंदौर और सीएनएच इंटरनेशनल लिमिटेड के बीच सीएसआर सहयोग को बढ़ावा देने के लिए आईआईटी इंदौर में सीएएसई–उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना।
प्राप्त धनराशिः 75 लाख रुपये (समर्पित धनराशिः 3 करोड़ रुपये)

ग. भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) वृक्षारोपण अभियानः आईआईटी इंदौर को एसबीआई के सीएसआर फंड के अधिकृत वृक्षारोपण के रूप में, 31 जुलाई, 2023 को आईआईटी इंदौर में एसबीआई द्वारा वृक्षारोपण अभियान आयोजित हुआ। यह दौरा एसबीआई से प्राप्त सीएसआर फंड (9 लाख रुपये) का उपयोग करके वृक्षारोपण अभियान के स्थल के दौरे से संबंधित है।
प्राप्त फंडः 9 लाख रुपये

घ. 'मझगांव डॉक शिपयार्ड' द्वारा अनुसंधान परियोजना फ़ंड की स्वीकृतिः भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के अधीन इकाई, मझगांव डॉक शिपयार्ड (एमडीएल) ने आईआईटी इंदौर के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं तथा 2 वर्ष की अवधि के लिए सीएसआर फंडिंग के तहत अपने कार्यों के लिए दो अनुसंधान परियोजनाओं को वित्तपोषित किया है।
प्राप्त फंडः 37 लाख रुपये (समर्पित फंडः 48 लाख रुपये)

ड. उच्च शिक्षा वित्त पोषण एजेंसी (हेफ़ा) द्वारा अनुसंधान परियोजना निधि की स्वीकृति सीएसआर के तहत हेफ़ा द्वारा तीन वर्ष की अवधि के लिए एक अनुसंधान परियोजना को स्वीकृति दी गई है।
प्राप्त फंडः 14 लाख रुपये (समर्पित फंडः 59.93 लाख रुपये)

2. सीएसआर पहल के तहत छात्रों की छात्रवृत्तिः 'मोयरा' स्टील ने वित्त वर्ष (2023–24) के लिए आईआईटी इंदौर में सीएसआर गतिविधियों के तहत ग्यारह बी.टेक छात्रों को धनराशि (11 लाख रुपये) प्रायोजित की।

3. उद्योग का दौराः

क) मेसर्स आईएमए पीजी इंदौरः आईआईटी इंदौर के निदेशक के साथ 12 संकाय सदस्यों की एक टीम ने 17 अगस्त, 2023 को आईएमए पीजी इंदौर का दौरा किया, जो फार्मा और एफएमसीजी क्षेत्रों के लिए परिष्कृत पैकेजिंग मशीनों के एक प्रमुख निर्माता हैं। इस दौरे के बाद आईआईटी इंदौर के साथ संयुक्त सहकार्य की संभावनाओं पर चर्चा हुई जो अभी प्रक्रिया में है।

ख) मेसर्स सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस (सीजीपीआईएस), मंडीदीप प्लांट, भोपालः आईआईटी इंदौर के निदेशक के साथ 12 संकाय सदस्यों की एक टीम ने 14 सितंबर, 2023 को मंडीदीप, भोपाल (सीजीपीआईएस) में मेसर्स सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस के 2 प्लांट का दौरा किया, जो भारत में रेलवे व्यवसाय के लिए ट्रैक्शन मोटर्स (एचटी/एलटी), स्विचगियर, सर्किट ब्रेकर, नेटवर्क प्रोटेक्शन तथा कंट्रोल गियर आदि का एक प्रमुख निर्माता है, जिसके कई विनिर्माण स्थान हैं। इस दौरे के बाद आईआईटी इंदौर के साथ संयुक्त सहकार्य की संभावनाओं पर चर्चा हुई।

ग) सीएनएच औद्योगिक दौरा (24 नवंबर, 2023): आईआईटी इंदौर के निदेशक के साथ 20 संकाय सदस्यों की एक टीम ने 24 नवंबर 2023 को सीएनएच कंस्ट्रक्शन (आई) प्राइवेट लिमिटेड का दौरा किया। सीएनएच कंस्ट्रक्शन (आई) प्राइवेट लिमिटेड एक सौ साल से भी अधिक पुरानी कंपनी है और निर्माण तथा कृषि उपकरणों की एक प्रमुख वैश्विक निर्माता है, जिसके विनिर्माण स्थान विभिन्न देशों में स्थित हैं, जिसमें तीन अत्याधुनिक विनिर्माण संयंत्र और भारत में एक वैश्विक अनुसंधान एवं विकास केंद्र शामिल हैं।

कॉर्पोरेट संबंध गतिविधियों की कुछ झलकियाँ

आईआईटी इंदौर में स्थित राजरतन उत्कृष्टता केंद्र (आरसीओई)।

आईआईटी इंदौर में स्थित सीएएसई उत्कृष्टता केंद्र (सीसीओई)

आईआईटी इंदौर में भारतीय स्टेट बैंक द्वारा वृक्षारोपण अभियान

आईआईटी इंदौर में छात्रवृत्ति वितरण के दौरान मोयरा सरिया के अधिकारीगण

सीएनएच कंस्ट्रक्शन्स (आई) प्राइवेट लिमिटेड का उद्योग दौरा

आईएमए पीजी, इंदौर का उद्योग दौरा

सीजी पॉवर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस, भोपाल का उद्योग दौरा

एसीआर टीम

शैक्षणिक बाह्य संपर्क

शैक्षणिक बाह्य संपर्क कार्यालय के बारे में: शैक्षणिक बाह्य संपर्क कार्यालय का दृष्टिकोण जीवन को आकार देने, समुदायों का निर्माण करने और एक समृद्ध दुनिया बनाने के लिए शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति में गहरी आस्था से प्रेरित है। हमारे मिशन के मूल में शिक्षा में उत्कृष्टता, समानता और सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्धता निहित है।

1. **वोल्वो आयशर कमर्शियल व्हीकल (वीईसीवी) के कर्मचारियों के लिए वीई कमर्शियल व्हीकल के साथ समझौता ज्ञापन के तहत कार्यकारी एम.टेक:**
   संस्थान ने शैक्षणिक वर्ष 2023–24 में वीईसीवी के कर्मचारियों के लिए ष्हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहन प्रौद्योगिकीष में दो वर्षीय कार्यकारी एम.टेक कार्यक्रम शुरू किया है, जो 31 जुलाई 2023 को हस्ताक्षरित अकादमिक उद्योग सहयोग के तहत है। पहले बैच में, वीईसीवी लिमिटेड के कुल 10 कर्मचारियों को वर्ष 2023–24 में नामांकित किया गया था। दूसरा बैच जुलाई/अगस्त 2024 में शुरू होगा।16

2. **मध्य प्रदेश सरकार के इंजीनियरिंग कॉलेजों के छात्रों के लिए इनबाउंड यूजी प्रोग्राम:**
   संस्थान ने एक आउटरीच प्रोग्राम भी शुरू किया है, जिसमें मध्य प्रदेश सरकार के इंजीनियरिंग कॉलेजों के चयनित छात्रों को 28 अगस्त 2023 को निष्पादित "तकनीकी शिक्षा कौशल विकास और रोजगार विभाग, मध्य प्रदेश सरकार (इनबाउंड यूजी प्रोग्राम) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू)" के तहत आईआईटी इंदौर में बी.टेक के अपने अंतिम वर्ष की पढ़ाई और पूरा करने का अवसर दिया जाता है। दिसंबर 2023 में, 23 (संख्या) ऐसे चयनित छात्र कार्यक्रम में शामिल हुए और आईआईटी इंदौर में अपना 8वां सेमेस्टर पूरा किया। अगला बैच संभवतः जुलाई/अगस्त 2024 में शुरू होगा।

3. **इंजीनियरिंग कॉलेज (सीटी श्रेणी) के संकाय सदस्यों के लिए पीएचडी कार्यक्रम:**
   शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा देने, शैक्षणिक अवसरों को बढ़ाने और अनुसंधान संस्कृति को बढ़ावा देने के पारस्परिक उद्देश्य को मान्यता देते हुए, आईआईटी इंदौर ने तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग, मध्य प्रदेश सरकार के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) के तहत यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी – राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल सहित सरकारी (स्वायत्त) इंजीनियरिंग कॉलेजों के स्थायी संकायों के लिए अंशकालिक डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) कार्यक्रम शुरू किया है, जिसे 28 अगस्त 2024 को निष्पादित किया गया।

4. **मास्टर ऑफ साइंस इन डेटा साइंस एंड मैनेजमेंट (एमएसडीएसएम):**
   आईआईएम इंदौर के सहयोग से, आईआईटी इंदौर ने डेटा साइंस एंड मैनेजमेंट में दो वर्षीय मास्टर ऑफ साइंस प्रोग्राम शुरू किया है। वर्ष 2021 से तीन बैच पहले ही शुरू हो चुके हैं। 13 जुलाई 2024 को आयोजित होने वाले आईआईटी इंदौर के 12वें दीक्षांत समारोह में बैच 1 और 2 से कुल 81 छात्र स्नातक हो रहे हैं।
   इस कार्यक्रम का चौथा बैच अगस्त 2024 में शुरू होगा।

अगले 6 माह के लिए भविष्य की योजनाएँः

1. **साइबर सुरक्षा व साइबर कानून में कार्यकारी कार्यक्रमः**
   आईआईटी इंदौर और नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी (एनएलआईयू) ने साइबर सुरक्षा और साइबर कानून के क्षेत्र में कार्यरत पेशेवरों के लिए एक संयुक्त कार्यकारी मास्टर कार्यक्रम शुरू करने के लिए 18 अप्रैल 2024 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य देश में डिजिटल क्रांति के कुशल बल को विकसित करना है, जिसमें न केवल प्रौद्योगिकी बल्कि कानून के पहलू में भी विशेषज्ञता हो।

2. **मिलिट्री इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईएलआईटी), पुणे के साथ शैक्षणिक सहयोगः**
   मिलिट्री इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईएलआईटी), पुणे के साथ शैक्षणिक सहयोग, जिसमें आईआईटी इंदौर अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में क्षमता निर्माण में एमआईएलआईटी, पुणे की सहायता करेगा।

3. **मध्य प्रदेश सरकार के तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के तहत संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क (जीएसपी):**
   आईआईटी इंदौर ने 04 अक्टूबर, 2023 को मध्य प्रदेश सरकार के तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार विभाग के तहत संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क (जीएसपी) के साथ एक समझौता किया, जिसके तहत आईआईटी इंदौर जीएसपी में व्यावसायिक कौशल अधिग्रहण केंद्र–II (सीओएसए–II) में प्रशिक्षण सुविधा चलाएगा और उद्योग से जुड़े कार्यक्रम पेश करेगा। इस योजना के संभावित लाभार्थी मध्य प्रदेश सरकार के तत्वावधान में चल रहे शैक्षणिक संस्थानों के आईटीआई, डिप्लोमा और बी.ई. / बी.टेक कार्यक्रमों के छात्र होंगे।

4. **मार्गदर्शन योजनाः**
   अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) की मार्गदर्शन योजना 2023 के तहत आईआईटी इंदौर को मेंटर इंस्टीट्यूशन (एमआई) के रूप में नामित किया गया है, जिसका उद्देश्य स्थानीय इंजीनियरिंग कॉलेजों (मेंटी बेनेफिशियरी इंस्टीट्यूट) को मेंटर करना है। आईआईटी इंदौर सुशीला देवी बंसल कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, इंदौर को मेंटर करेगा और बेहतर एनआईआरएफ रैंकिंग / एनबीए / एनएएसी मान्यता प्राप्त करने में इसका समर्थन करेगा।

5. **पीएम स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम श्री):**
   आईआईटी इंदौर भारत सरकार की पीएम स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम श्री) योजना का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य स्कूली शिक्षा में समानता, पहुंच और समावेशन में परिवर्तन को बढ़ावा देना है। पीएम श्री स्कूल का व्यापक उद्देश्य छात्रों को इस तरह से विकसित करना है कि वे सक्रिय, उत्पादक और योगदान देने वाले नागरिक बन सकें।

6. **राजा भोज संग्रहालय का विकास, मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड (एमपीटीबी):**
   आईआईटी इंदौर, राजा भोज संग्रहालय, भोपाल के लिए विस्तृत डिजाइन प्रस्ताव तैयार करने में मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड (एमपीटीबी) की सहायता कर रहा है। संग्रहालय में राजा भोज के समय में हुए वैज्ञानिक, तकनीकी और कला विकास को प्रदर्शित किया जाएगा।

आईआईटी इंदौर द्वारा गाजिंदा स्थित शासकीय मध्य विद्यालय का अंगीकरण

पृष्ठभूमिः

1. सामाजिक तथा शैक्षणिक आउटरीच कार्यक्रमों का विस्तार करने के अपने प्रयास में, संस्थान ने स्कूल के शैक्षणिक मानकों को बदलने के लिए शैक्षणिक और अवसंरचनात्मक सहायता प्रदान करने के लिए खंडवा रोड पर बाईग्राम के पास महू तहसील, जिला इंदौर के शासकीय मध्य विद्यालय गाजिंदा की पहचान की है। संस्थान के पंचदश स्थापना दिवस के अवसर पर आईआईटी इंदौर के निदेशक द्वारा गाँव के स्कूल को अंगीकृत करने की औपचारिक घोषणा की गई। सहयोग के क्षेत्रों की पहचान करने के लिए, वरिष्ठ संकाय सदस्य और अधिकारियों की एक टीम ने स्कूल का दौरा किया और प्रधानाध्यापक, शिक्षकों और छात्रों के साथ सार्थक बातचीत की।
2. स्कूल में कक्षा 1 से 8 तक की आठ कक्षाएँ हैं, जिनमें 194 विद्यार्थी हैं (छात्रः 98 व छात्राएँः 96)। कुल विद्यार्थियों में से 180 यानी 93% विद्यार्थी अनुसूचित जनजाति समुदाय से हैं, 11 विद्यार्थी यानी 6% अनुसूचित जाति समुदाय से हैं और 3 विद्यार्थी यानी 1% ओबीसी समुदाय से हैं। इसलिए सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के विद्यार्थियों के लिए शिक्षा पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है ताकि सफलता के समान अवसर सुनिश्चित किए जा सकें और विभिन्न सामाजिक–आर्थिक समूहों के बीच शैक्षणिक उपलब्धि में अंतर को मिटाया जा सके।
3. साइट विजिट और हितधारकों के साथ बातचीत के आधार पर, निम्नलिखित क्षेत्रों में सहायता की आवश्यकता की अनुशंसा की गई है।
   (क) मूल विज्ञान, गणित और भाषाओं (अंग्रेजी और हिंदी) में शिक्षण प्रदान करने के लिए पीएचडी छात्रों/शोध विद्वानों और स्वयंसेवी कर्मचारियों को नियुक्त करना।
   (ख) बेहतर शिक्षण अनुभव के लिए बुनियादी ढाँचा और तकनीकी सहायता।
   (ग) उच्च शिक्षा के बारे में जानकारी, प्रेरणा और जागरूकता के लिए स्कूली छात्रों का संस्थान प्रयोगशालाओं और परिसर केंद्रीय विद्यालय का दौरा।
   (घ) संस्थान स्वास्थ्य केंद्र द्वारा छात्रों के लिए स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे।
   (ङ) छात्रों की भागीदारी के साथ स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम और आवधिक स्वच्छता अभियान आयोजित किए जाएँगे।
4. उपरोक्त गाँव के विद्यालय को औपचारिक रूप से अंगीकृत करने की अनुमति इंदौर जिला प्रशासन द्वारा सीईओ, जिला पंचायत, पत्र क्रमांक पीएस/जेडपी/20204/694, दिनांक 8 फरवरी 2024 के माध्यम से विधिवत प्रदान की गई है।
5. जिला प्रशासन द्वारा अनुमति दिए जाने के परिणामस्वरूप, कक्षा आठ के विद्यार्थियों को संस्थान के पंचदश स्थापना दिवस को देखने तथा सामाजिक आउटरीच पहल के प्रथम चरण की दिशा में 17 फरवरी, 2024 को परिसर भ्रमण के लिए आमंत्रित किया गया।

शासकीय मध्य विद्यालय गाजिंदा

आईआईटी इंदौर का गजिंदा स्कूल दौरा

मेकरस्पेस

छात्रों के बीच अंतःविषय व्यावहारिक ज्ञान तथा अनुभवात्मक शिक्षा प्रदान करने के लिए एनईपी 2020 दिशानिर्देशों पर कार्यान्वयन करने हेतु, आईआईटी इंदौर ने मेकरस्पेस प्रयोगशाला की स्थापना की है। डॉ. के. सिवन, अध्यक्ष, शासी मंडल, आईआईटी इंदौर व पूर्व अध्यक्ष, इसरो, ने 20 नवंबर, 2024 को मेकरस्पेस प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। वर्तमान वास्तविक दुनिया की समस्याएं बहु–विषयक हैं और छात्रों को विश्व स्तर पर प्रासंगिक प्रशिक्षण तथा व्यावहारिक दृष्टिकोण के साथ तैयार करने की आवश्यकता है। मेकर स्पेस कोर्स इन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प हो सकता है। मेकरस्पेस संश्लेषण–आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक सहयोगी कार्य–स्थान है, जहाँ शिक्षार्थी प्रोटोटाइप तथा उत्पाद बनाने के लिए कक्षा में सीखी गई अवधारणाओं को लागू करते हैं। यह व्यावहारिक प्रयोग के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा देता है। मेकरस्पेस में लेजर कटर, डेस्कटॉप मिलिंग, सीएनसी लेथ, सीएनसी मिलिंग, सीएनसी राउटर, 3डी प्रिंटर, पीसीबी प्रिंटर, ईएसडी वर्कस्टेशन (सोल्डरिंग, पावर सप्लाई, मल्टीमीटर और फंक्शन जेनरेटर), मैकेनिकल वर्कबेंच, सिलाई मशीन, टेबल सॉ, बैंड सॉ, विभिन्न पॉवर और हैंड टूल्स जैसी मशीनें हैं। यह बी.टेक प्रथम वर्ष के मेकरस्पेस (आईसी–152) पाठ्यक्रम के प्रयोगशाला सत्र आयोजित करता है और बीटीपी, मास्टर थीसिस और डॉक्टरेट शोध की डिजाइन और निर्माण आवश्यकताओं का समर्थन करता है।

मेकरस्पेस के उद्घाटन के दौरान आईआईटी इंदौर के शासी मंडल के अध्यक्ष व इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ. के. सिवन एवं आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी

संयोजक, मेकरस्पेस
डॉ. ईश्वर प्रसाद कोरमिलि
सह प्राध्यापक (एमएसएमई)
ईमेल –convenver_makerspace@iiti.ac.in

शोध रुचियाँ:
- पदार्थों का यांत्रिक व्यवहार
- पदार्थों का उच्च तनाव दर विरूपण व्यवहार
- उच्च तनाव दर विरूपण
- नैनोइंडेंटेशन, छोटे पैमाने पर यांत्रिक परीक्षण
- पदार्थों की सतह इंजीनियरिंग एवं विफलता विश्लेषण

वर्ष 2023–2024 के दौरान गतिविधियाँ
- **यूजी टीए प्रशिक्षण:** मई–जून 2023 के दौरान जानपद अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी एवं यांत्रिक अभियांत्रिकी विषयों के बी.टेक छात्रों के लिए मेकरस्पेस उपकरणों पर एक व्यावहारिक परिचालन प्रशिक्षण आयोजित किया गया, ताकि उन्हें प्रथम वर्ष के बी.टेक छात्रों का मार्गदर्शन करने में मदद मिल सके। यूजी टीए छात्रों ने मेकरस्पेस प्रशिक्षण के तहत इलेक्ट्रॉनिक रूप से सक्रिय मॉर्फिंग विंग, जेस्चर नियंत्रित ड्रोन, जेस्चर नियंत्रित मेज़ सॉल्वर, हैंड जेस्चर नियंत्रित कार, एंड्रॉइड, टच, वॉयस एवं जेस्चर कंट्रोल का उपयोग करके मल्टी कंट्रोल आधारित व्हील चेयर सुरक्षा, रोबोटिक आर्म के साथ आरसी टैंक, सेल्फ बैलेंसिंग रोबोट, स्मार्ट लिफ्ट तथा ऊर्जा से चलने वाले बीज बोने वाले रोबोट पर परियोजनाएँ विकसित कीं।

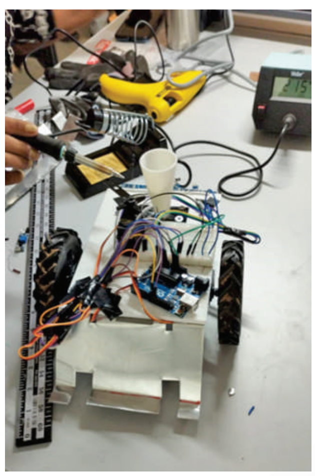

सौर ऊर्जा से चलने वाला बीज बोने वाला रोबोट

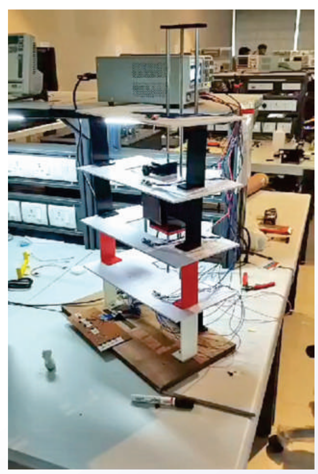

स्मार्ट लिफ्ट

- **मेकरस्पेस में प्राप्त कार्य अनुरोधः** मेकरस्पेस ने 2023–2024 के दौरान विभिन्न उद्देश्यों के लिए 17 कार्य अनुरोध पूरे किए हैं, जिनमें यूजी / पीजी अनुसंधान शिक्षण, पीजी अनुसंधान, बीटीपी एवं प्रायोजित परियोजनाएँ शामिल हैं।

- **प्रयोगशाला कक्षाएँः** मेकरस्पेस ने ऑटम एवं विंटर सेमेस्टर के दौरान मेकरस्पेस लैब (आईसी–152) की प्रायौगिक कक्षाएँ आयोजित की हैं। सिलाई मशीन का उपयोग करके एप्रन की सिलाई, 2डी और 3डी घटकों की मॉडलिंग, भागों की 3डी प्रिंटिंग, पदार्थों की सीएनसी मशीनिंग, धातुओं को जोड़ना, सर्किट का सिमुलेशन, असेंबली और ब्रेडबोर्ड पर परीक्षण, ऑसिलोस्कोप, फंक्शन जनरेटर, पॉवर स्रोत आदि की जानकारी पर प्रायौगिक कार्य। जोड़ों की सोल्डरिंग, सॉफ्टवेयर का उपयोग करके पीसीबी रूटिंग, पीसीबी निर्माण और परीक्षण, Arduino और Raspberry-PI के लिए सेंसर कोडिंग और इंटरफेसिंग, मूल सिग्नल जनरेशन और Arduino के साथ माप छात्रों द्वारा पूरा किया गया। छात्र समूहों ने अपने अंतिम सेमेस्टर के मेजर प्रोजेक्ट के लिए विभिन्न कार्यात्मकताओं वाले 80 लाइन फॉलोअर रोबोट तैयार किए हैं।

लाइन फॉलोअर रोबोट प्रस्तुति

- **सी–एलीट, डीटीआरसी उज्जैन परिसर में मेकरस्पेस का विकासः** मेकरस्पेस आईआईटी इंदौर ने सी–एलीट, डीटीआरसी, आईआईटी इंदौर उज्जैन परिसर में मेकरस्पेस सुविधा विकसित की है। मेकरस्पेस का उद्घाटन माननीय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने 08 मार्च 2024 को किया। मेकरस्पेस लैब ने यूईसी, उज्जैन के बी.टेक छात्रों के लिए 30 मार्च से 01 जून तक एक व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया है।

- **प्रशिक्षण कार्यक्रमः** मेकरस्पेस आईआईटी इंदौर लैब ने यूईसी, उज्जैन के बी.टेक छात्रों के लिए 26–27 फरवरी 2024 तक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा सी–एलीट, डीटीआरसी, आईआईटी इंदौर, उज्जैन परिसर में मेकरस्पेस का उद्घाटन

आधारभूत संरचना विकास कार्यालय

आईआईटी इंदौर को 501.42 एकड़ भूमि आवंटित की गई, जिसमें 200 एकड़ वन क्षेत्र शामिल है। आईआईटी इंदौर का आधारभूत संरचना विकास कार्यालय उन सेवा विभागों में से एक है जो परिसर में आवश्यक आधारभूत संरचना सुविधाएँ जैसे भवन, बिजली, पानी की आपूर्ति, सड़क तथा रास्ते, पार्क तथा उद्यान एवं अन्य सभी आवश्यक सुविधाएँ प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, साथ ही इसका रखरखाव भी करता है। संस्थान ने 2.21 लाख वर्ग मीटर क्षेत्र (36 संरचनाएँ) निर्माण का अधिदेश पूरा कर लिया है। इसके अलावा, चरण III (ए) का निर्माण कार्य शुरू हो गया है और चरण III (बी) तथा चरण III (सी) के लिए अनुमोदन एक अंतिम चरण में है।

पिछले एक वर्ष में परिसर में निम्नलिखित विकास कार्य किए गए हैं:

1. मेकरस्पेस लैब का विकास
2. अभिनंदन भवन (1–9 मंजिल) में कैनोपी का निर्माण
3. वर्षा जल संचयन तालाबों का निर्माण
4. एलआरसी के चतुर्थ तल पर संकाय सदस्यों की केबिन का निर्माण
5. पशु गृह का निर्माण
6. ट्रांजिट लैब कॉम्प्लेक्स का निर्माण
7. प्रयोगशाला का निर्माण
8. बहुस्तरीय कार पार्किंग का निर्माण
9. केंद्रीय आहार सुविधा के पास बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण
10. पीएम–अजय योजना के तहत छात्रावास का निर्माण
11. स्पोर्ट्स एरिना का विकास
12. चरण III (ए) कार्य

1. **मेकरस्पेस प्रयोगशाला विकास:** मेकरस्पेस प्रयोगशाला, प्रयोगशालाओं, इलेक्ट्रॉनिक्स, मैकेनिकल एवं एकीकरण का एक समूह है, जिसे एनईपी 2020 के अधिदेश के अनुसार संश्लेषण को बढ़ावा देने तथा सभी छात्रों को अंत:विषय व्यावहारिक ज्ञान तथा अनुभव प्रदान करने के लिए मौजूदा कार्यशाला में विभाजन बनाकर विकसित किया गया है। प्रयोगशाला 20.09.2023 को पूरी हुई और 20 नवंबर, 2023 को इसका उद्घाटन किया गया।

2. **अभिनंदन भवन में कैनोपी का निर्माणः** अभिनंदन भवन के उत्तर की ओर प्रथम तल से लेकर नवम् तल तक हर तल पर कैनोपी लगाई गई, ताकि बारिश का पानी गलियारों में न जाए। यह कार्य 3 अक्टूबर 2023 को पूरा हुआ।

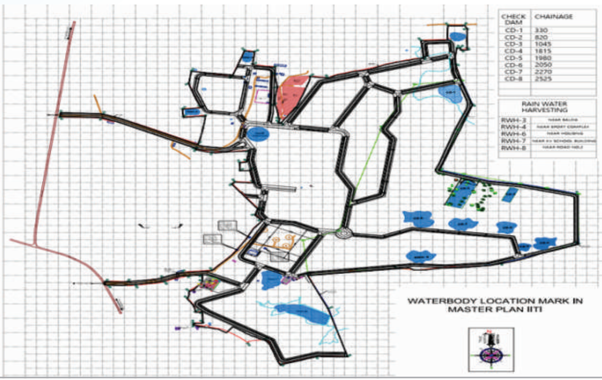

3. **वर्षा जल संचयन तालाबों का निर्माणः** आईआईटी इंदौर जल संरक्षण के लिए परिसर में 8 चेक डैम और 7 आरडब्ल्यूएच वर्षा जल संचयन तालाब विकसित कर रहा है, जिनकी कुल क्षमता लगभग 22.32 करोड़ लीटर है।

   7 आरडब्ल्यूएच तालाबों में से 5 पहले ही विकसित हो चुके हैं और 2 प्रस्तावित हैं। इसके अलावा 8 चेक डैम में से 2 पहले ही संस्थान द्वारा विकसित किए जा चुके हैं और शेष 6 की योजना बनाई जा रही है। पहले से विकसित कुल वर्तमान भंडारण क्षमता लगभग 15 करोड़ लीटर है।

4. **एलआरसी के चतुर्थ तल पर संकाय सदस्यों की केबिन का निर्माणः** पुस्तकालय भवन के चतुर्थ तल पर संकाय सदस्यों और छात्रों के बैठने का स्थान उपलब्ध कराने के लिए विभाजन बनाया गया है। संकाय सदस्यों के लिए लगभग 150 वर्ग फीट की12 केबिन हैं और लगभग 50 छात्रों के बैठने की जगह है।

5. **पशु गृहः** यह जीव विज्ञान एवं जैवचिकित्सा के संकाय सदस्यों व छात्रों के लिए एक ऐसी शोध सुविधा है जिसका कुल क्षेत्रफल 5509 वर्ग फीट है। इसे जी+3 के लिए योजनाबद्ध किया गया है और वर्तमान में यह केवल भू–तल पर है।

6. **ट्रांजिट लैब कॉम्प्लेक्स (दृष्टि भवन एक्सटेंशन):** आईआईटी इंदौर ने मौजूदा दृष्टि भवन (ओल्ड टेस्ट बड्स बिल्डिंग) के पास प्रयोगशाला स्थान विकसित किए हैं। इस सुविधा में 4 प्रयोगशालाएँ हैं जिनका कुल क्षेत्रफल 4660 वर्ग फीट है।

7. **प्रयोगशाला परिसर का निर्माणः** आईआईटी इंदौर में संकाय सदस्यों और छात्रों की बढ़ती संख्या को देखते हुए, संकाय सदस्यों और छात्रों की शोध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लगभग 22,000 वर्ग फीट क्षेत्र की एक प्रयोगशाला की योजना बनाई गई है। प्रयोगशाला में 12 फीट ऊँचाई वाली 8 प्रयोगशालाएँ, 16 फीट ऊँचाई वाली 2 प्रयोगशालाएँ, 24 संकाय सदस्यों की केबिन और 96 छात्रों के बैठने की जगह है।

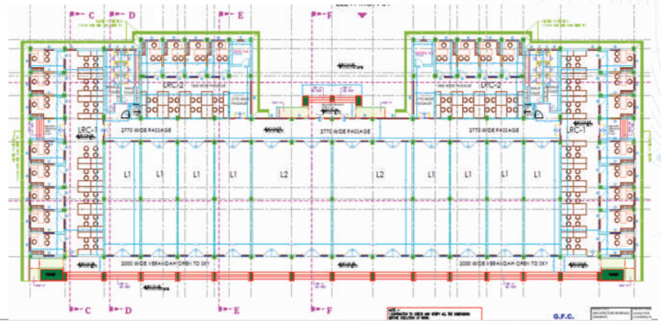

8. **बहुस्तरीय कार पार्किंग का निर्माणः** आईआईटी इंदौर में संकाय और कर्मचारी सदस्यों की बढ़ती संख्या को देखते हुए, संस्थान ने संस्थान समुदाय के सदस्यों के साथ–साथ आगंतुकों के लिए एक बहुस्तरीय पार्किंग सुविधा विकसित करने की आवश्यकता महसूस की है। पार्किंग सुविधा में 76 कारों (भू–तल पर 38 + छत पर 38) की क्षमता है और यह अभिनंदन भवन और एलआरसी के पास स्थित है।

9. **केंद्रीय आहार सुविधा के पास बहुउद्देश्यीय हॉल का निर्माणः** आयोजनों के दौरान दोपहर/रात्रि के भोजन के लिए मेहमानों की मेजबानी के लिए केंद्रीय आहार सुविधा के पास बड़ी डाइनिंग सुविधा विकसित की जा रही है। इसमें 2500 क्षमता का एक ओपन हॉल, 2 रसोई क्षेत्र, 2 बर्तन धोने का क्षेत्र, 2 स्टोररूम और 2 पैंट्री शामिल हैं।

10. **पीएम–अजय योजना के तहत छात्रावास का निर्माणः** इस योजना के तहत, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (पीएम–अजय) की आम तौर पर प्रायोजित योजना के तहत एससी लड़के और लड़कियों के लिए छात्रावास के निर्माण का प्रावधान किया है। छात्रावास की क्षमता 284 है। छात्रावास में जी+5 तल हैं और इसका क्षेत्रफल 6,550 वर्गमीटर है।

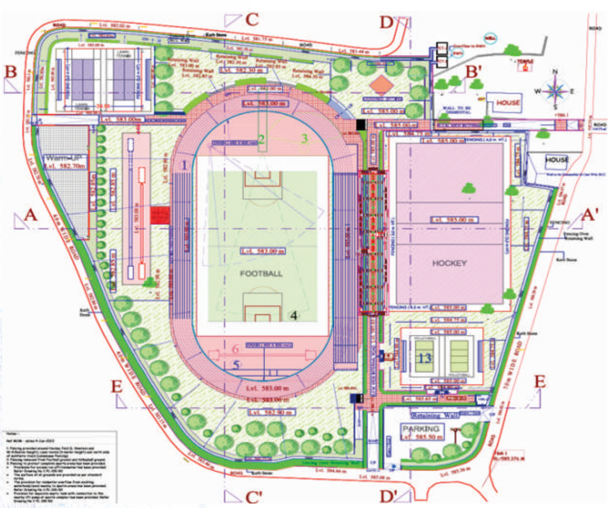

11. **खेल क्षेत्र का विकासः** खेल क्षेत्र के विकास का कार्य प्रगति पर है और पूरा होने की निर्धारित तिथि अक्टूबर 2024 है। खेल क्षेत्र की मुख्य विशेषताएँ इस प्रकार हैंः

1) फुटबॉल मैदान
2) सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक
3) हॉकी मैदान
4) लॉन टेनिस कोर्ट – कुल 2
5) वॉलीबॉल कोर्ट – कुल 2
6) बैठने की गैलरी
7) बेसमेंट में वीआईपी लाउंज, डॉरमेट्री, इनडोर खेल क्षेत्र, आदि
8) विभिन्न खेल सुविधाएँ जैसे डिस्कस और हैमर बेस, जेवलिन थ्रो, हाई जंप, शॉर्ट पुट, स्टीपलचेज़, पोल वॉल्ट, ट्रिपल जंप और लॉन्ग जंप, जिसमें वार्म–अप क्षेत्र भी शामिल है।

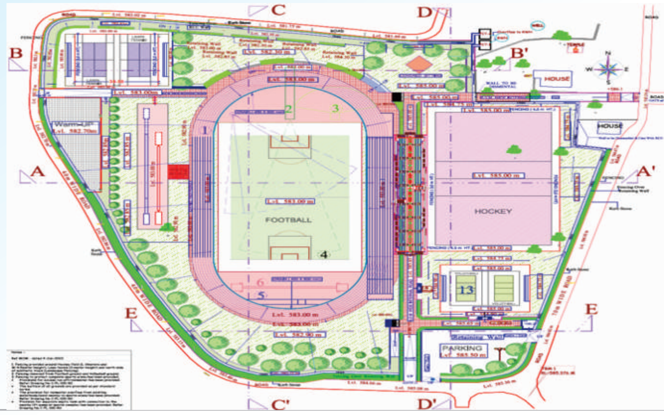

9. चरण III (ए) कार्यः संस्थान की शैक्षणिक और शोध गतिविधियों के विस्तार के कारण शैक्षणिक और सहायक आधारभूत संरचना का निर्माण करना आवश्यक है, जिसके लिए संस्थान ने चरण III (ए) के तहत कार्यों की योजना बनाई है। प्रस्ताव की राशि 496.28 करोड़ रुपये है और इसे हेफ़ा द्वारा स्वीकृत किया गया है। कार्य प्रगति पर हैं। संक्षिप्त विवरण इस प्रकार हैः

कार्य का प्रकार	क्षेत्र / तल	सुविधाएँ
बीएच 10 स्थान पर छात्रावास का निर्माण	15450 / जी+6	कुल 750 युक्ति
बीएच 07 स्थान पर छात्रावास का निर्माण	15450 / जी+6	कुल 750 युक्ति
जीएच 02 स्थान पर छात्रावास का निर्माण	15450 / जी+6	कुल 750 युक्ति
आवासीय परिसर एफएच07 का निर्माण	9795 / जी+7	कुल 64 यूनिट – 2बीएचके
स्टूडियो अपार्टमेंट एसए 01 का निर्माण	11000 / जी+7	कुल 104 (2बीएचके) तथा
भारी और परिष्कृत प्रयोगशाला परिसर (शैक्षणिक पॉड)	28820 / जी+5	कुल 16 (1बीएचके) कुल 16
शैक्षणिक पॉड		कुल क्षेत्रफल 28820 वर्गमीटर है।
उत्कृष्टता केंद्रों के लिए आधारभूत संरचना		डबल हाइट की 6 हैवी लैब 24 मॉड्यूल–2 लैब 53 मॉड्यूल–3 लैब 12 सीओई लैब 2 एसआईसी लैब 96 संकाय सदस्य कक्ष 384 स्टूडेंट सीटिंग

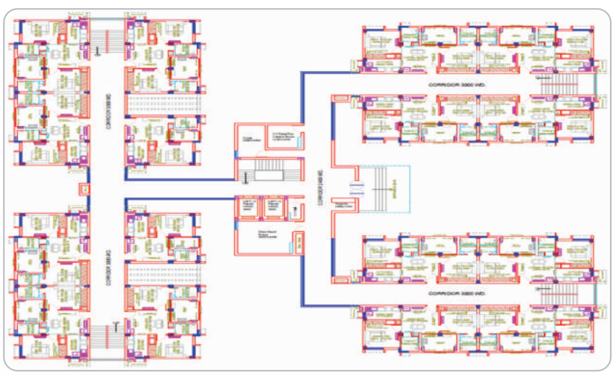

प्रस्तावित स्टूडियो अपार्टमेंट का लेआउट

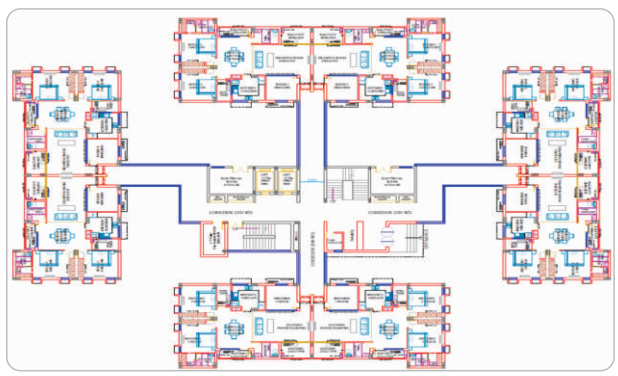

प्रस्तावित आवासीय भवन का लेआउट

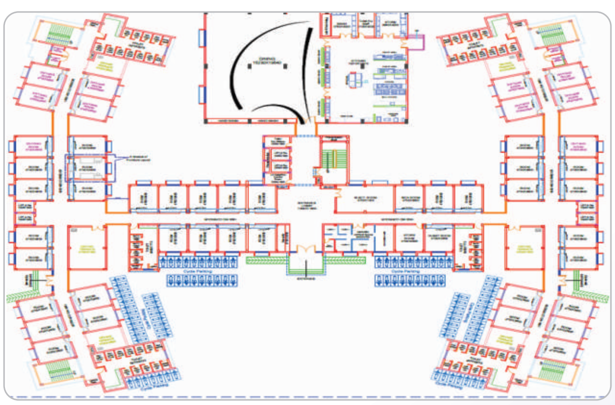

प्रस्तावित छात्रावास भवनों का लेआउट

छात्र कार्य

छात्र कार्य कार्यालय, आईआईटी इंदौर में छात्रों के प्रशासनिक अंग के रूप में कार्य करता है, जो छात्र जिमखाना के माध्यम से विभिन्न कार्यक्रमों के संचालन के लिए एक टीम के माध्यम से संचालित होता है, जिसका नेतृत्व छात्र कार्य के अधिष्ठाता (डीओएसए) प्रोफेसर श्रीवत्सन वासुदेवन करते हैं, जिसमें डॉ. संजीव सिंह,सह अधिष्ठाता, छात्र कार्य (एडीओएसए), कमांडर सुनील कुमार (सेवानिवृत्त), संयुक्त कुलसचिव, श्री तन्मय एच. वैष्णव, सहायक कुलसचिव एवं श्री दिगंत कर्वे, अधिष्ठाता के निजी सहायक द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।

आईआईटी इंदौर में छात्र जीवन उत्साहपूर्ण तथा संतुलित है, जो शैक्षणिक व व्यक्तिगत विकास दोनों के लिए विविध प्रकार के अवसर प्रदान करता है। सुस्थापित क्लबों व प्रकोष्ठ के माध्यम से पाठ्येतर गतिविधियों पर जोर अकादमिक पाठ्यक्रम को प्रभावी ढंग से पूरक बनाता है, जिससे छात्रों को समग्र शिक्षण अनुभव मिलता है। बीटेक परियोजना कार्य, औद्योगिक भ्रमण व विभिन्न प्रकोष्ठ के माध्यम से उद्योग तथा शिक्षाविदों के साथ जुड़ाव में छात्रों की भागीदारी वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के लिए छात्रों को तैयार करने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता के बारे में बहुत कुछ जानकारी प्रदान करती है। इसके अतिरिक्त, छात्र एवं संकाय सदस्यों के बीच अनुकूल अनुपात से पता चलता है कि छात्रों को अपने प्राध्यापकों से पर्याप्त समर्थन और मार्गदर्शन मिलता है, जो एक अनुकूल शिक्षण परिवेश में योगदान देता है। कुल मिलाकर, आईआईटी इंदौर अपने छात्रों को उनके विकास और सफलता के लिए सर्वोत्तम संभव मंच प्रदान करने का प्रयास करता है।

छात्र जिमखाना में मुख्य रूप से 5 परिषद् हैंरू विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद्, सांस्कृतिक परिषद्, खेल परिषद्, परामर्श, बाह्य संपर्क एवं पूर्व छात्र परिषद् तथा शैक्षणिक परिषद्।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् ने छात्रों के विद्यार्जन एवं समग्र विकास के लिए पूरे वर्ष आईआईटीआईएसओसी का आयोजन किया और विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन किया। छात्रों ने कुछ रोचक और विचारोत्तेजक परियोजनाओं पर कार्य किया है। उन्होंने अंतर आईआईटी टेक मीट में भी भाग लिया है और विभिन्न क्षेत्रों में शीर्ष 3 स्थानों में से एक स्थान प्राप्त किया है।

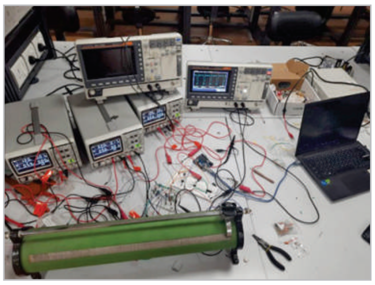
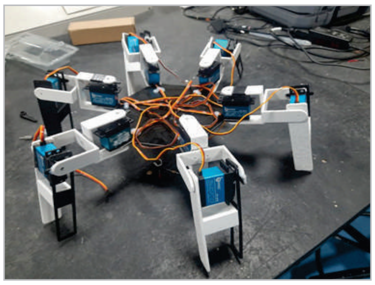

सांस्कृतिक परिषद

सांस्कृतिक परिषद् के अंतर्गत पूरे वर्ष ड्रामेटिक्स क्लब, डांस क्लब, कलाकृति क्लब आदि ने मंच पर छात्रों की प्रतिभा को प्रदर्शित करने के लिए एक साथ मिलकर काम किया और स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस तथा शिक्षक दिवस के समारोह के सुअवसर के दौरान शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने संगीत तथा नृत्य में भारतीय शास्त्रीय प्रस्तुतियों में विशेष रूप से उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। संस्थान ने प्रतिस्पर्धी टी बनाम एम कार्यक्रम की मेजबानी भी की व गरबा नाइट, भेंट (डोनेशन) अभियान आदि जैसे समारोहों का आयोजन किया।

खेल परिषद्

पूरे वर्ष, खेल परिषद् ने परिसर में खेल के प्रति रुचि को बढ़ाने और उसे बनाए रखने के लिए जोश, शौर्य एवं जनरल चौम्पियनशिप जैसे विभिन्न खेल आयोजन किए। परिषद् ने लक्ष्य 2.0 का भी सफलतापूर्वक आयोजन किया, जो 'एम्ब्रेस द चेस' थीम के तहत वार्षिक प्रमुख अंतर–कॉलेज कार्यक्रम है। इसके माध्यम से, इंदौर भर में अन्य कॉलेज टीमों के विरूद्ध हमारी टीमों ने अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। 200 से अधिक छात्रों की भागीदारी के साथ 7 से अधिक खेल खेले गए। इस उत्सव में गैर–पारंपरिक खेल आकर्षण का केंद्र रहे।

शैक्षणिक परिषद्

शैक्षणिक परिषद् ने युवाओं को अनुसंधान एवं नवाचार के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए रिसर्च इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन किया व सभी शैक्षणिक शाखाओं के लिए विभागीय ऑरिएंटेशन आयोजित किए। परिषद् ने छात्रों के बीच शैक्षणिक व अनुसंधान जागरूकता का प्रसार करने के लिए 'टेक्नो संवाद' नामक एक कार्यक्रम भी आयोजित किया।

ई समिट'23

आईआईटी इंदौर के उद्यमिता प्रकोष्ठ ने ई समिट'23 एवं मार्केटिंग फिएस्टा का आयोजन किया। छात्रों ने डॉ. तनु जैन, सुश्री शारदा खापरा, श्री शौर्य मेहरोत्रा और अन्य प्रसिद्ध हस्तियों को व्याख्यान देने एवं समुदाय को प्रेरित करने के लिए आमंत्रित किया। ई–सेल ने छात्रों के बीच ब्रेक इट डाउन टू डेवलप एंट्रेप्रेनुरियल स्पिरिट जैसे कई कार्यक्रमों की मेजबानी भी की।

फ्लक्सस 11.0

फ्लक्सस, संस्थान का वार्षिक तकनीकी उत्सव, एक शानदार सफलता रहा है। सचिन–जिगर की प्रमुख कलाकार जोड़ी के साथ, इस उत्सव में द पाइनएप्पल एक्सप्रेस द्वारा शानदार बैंड नाइट में शानदार प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम में आरआरकैट, एमसीटीई महू आदि की ओर से कई तकनीकी प्रतियोगिताएँ एवं प्रदर्शनियाँ आयोजित की गईं। इनमें से कुछ का नाम लें तो, लक्ष्य माहेश्वरी, राकेश तिवारी जैसे प्रसिद्ध कवियों तथा कहानीकारों के साथ काव्यांजलि की शुरुआत, डॉ. चेतन सिंह सोलंकी, संयुक्ता सिन्हा जैसे वक्ताओं के साथ आई–कॉन्क्लेव व डॉ. विजेंद्र सिंह चौहान, श्री हरपाल सिंह सोखी, श्री राज शमनी तथा श्री अनुभव दुबे जैसी उल्लेखनीय हस्तियों की वर्डस ऑफ़ विज़डम के माध्यम से जारी रहा।

अन्य मुख्य हाइलाइट्स

1. एमयूएन 7.0 – संयुक्त राष्ट्र में भारत के पूर्व प्रतिनिधि श्री टी एस तिरुमूर्ति की गरिमामयी उपस्थिति में, एमयूएनआईआईटीआई को बड़ी सफलता मिली। इस कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के लगभग 300 छात्रों ने भाग लिया।
2. डॉ. के. सिवन के साथ बातचीत – संस्थान के शासी मंडल के अध्यक्ष डॉ. के. सिवन ने हमारे निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी के साथ नालंदा सभागार में छात्रों के साथ बातचीत की। इस सत्र में विचारों का वास्तविक रूप से आदान–प्रदान और नैतिक चर्चाएँ हुईं।
3. छात्रावास दिवस – इस वर्ष, प्रत्येक छात्रावास में छात्रावास दिवस का उत्सव वास्तव में असाधारण था। छात्रों ने नृत्य, गायन, पेंटिंग, कहानी सुनाना, खाना बनाना और कई अन्य गतिविधियों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

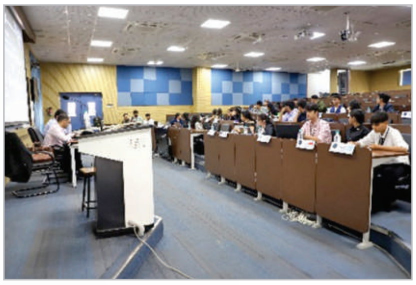

उपलब्धियाँ

1. आईआईटी इंदौर ने इंटर आईआईटी टेक मीट 12.0 में कुल मिलाकर छठा स्थान प्राप्त किया और 5 पदक जीते।

- डेवरेव (हाई प्रेप एनएलपी पीएस): रजत पदक
- एडोब (मिड प्रेप एनएलपी पीएस): कांस्य पदक
- ज़ेल्टा (मिड प्रेप ट्रेडिंग पीएस): कांस्य पदक
- आईजीडीसी (लो प्रेप गेम डेवलपमेंट पीएस): कांस्य
- सर्टिन (लो प्रेप साइबरसिक्यूरिटी पीएस): स्वर्ण

2. हमारे छात्र जसकरन सिंह, खुशी अग्रवाल तथा देवेश जिंदल ने आईसीपीसी 2023 चेन्नई क्षेत्र के लिए सफलतापूर्वक अर्हता प्राप्त की व चेन्नई ऑनसाइट क्षेत्रीय प्रतियोगिता में 21वीं रैंक हासिल की।

3. आईआईटी इंदौर ने आईआईएम इंदौर द्वारा आयोजित अंतर–कॉलेज टूर्नामेंट रणभूमि में महिला एकल और पुरुष युगल में रजत पदक जीते।

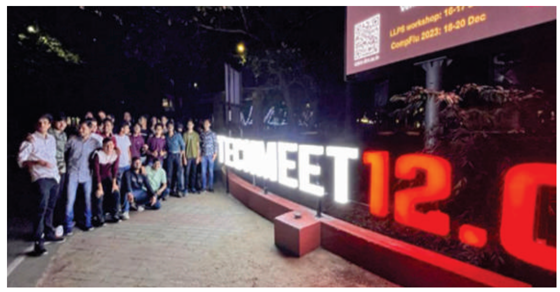

कल्याणकारी गतिविधियाँ

1. आईआईटी इंदौर के पंचदश स्थापना दिवस पर, 321 उदार दानदाताओं के योगदान से दशम् रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया।
2. अवाना क्लब के सदस्यों ने जगन्नाथ नारायण वृद्धाश्रम का दौरा किया और वृद्ध लोगों को प्रसन्नता, सहयोग एवं सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से निवासियों से जुड़े।
3. दिवाली के उत्सव के बीच, हमारे छात्रों ने परिवहन कार्यालय के कर्मचारियों और श्रमिकों को पारंपरिक मिठाइयों और बोतलों का वितरण किया, जो सौहार्द और आपसी सम्मान की मिठास का प्रतीक है।
4. अवाना क्लब ने बॉम्बे में बीइंग सेवक चौरिटेबल फाउंडेशन के साथ मिलकर नेत्रहीन छात्रों के लिए आवश्यक किट प्रदान की, जो सामाजिक कल्याण के प्रति हमारे समर्पण को दिखलाता है। किट में विशेष ब्रेल सिस्टम, महत्वपूर्ण पोषक तत्व, नोटबुक तथा शैक्षिक सामग्री शामिल थी, जो दृष्टिबाधित शिक्षार्थियों की अनूठी आवश्यकताओं को पूरा करती थी।
5. अवाना क्लब के सदस्यों ने सिमरोल हायर सेकेंडरी स्कूल और कन्याशाला का दौरा किया, जहाँ उन्होंने कक्षा 4 से 12 तक के विद्यार्थियों से बातचीत की। जोश और समर्पण के साथ, टीम ने विभिन्न विषयों की मूल अवधारणाओं को साझा किया, जिससे एक आकर्षक और संवादात्मक शिक्षण परिवेश तैयार हुआ।
6. संस्थान के सभी स्थानों से कपड़े और स्टेशनरी आइटम एकत्र करने के लिए एक कपड़ा दान अभियान चलाया गया, जिससे उदारता की भावना व्यापक समुदाय तक पहुँची। स्थानीय संगठनों के साथ भागीदारी करते हुए, इस अभियान ने उन क्षेत्रों की पहचान की जहाँ दान का सबसे महत्वपूर्ण प्रभाव होगा। यह आयोजन सामूहिक कार्रवाई और सहानुभूति की शक्ति का एक प्रमाण था।
7. छात्रों ने परिसर में हरित क्षेत्र का विस्तार करने और स्थिरता तथा पारिस्थितिकी तंत्र पुनःस्थापन को बढ़ावा देने के लिए एक सफल वृक्षारोपण अभियान भी आयोजित किया।

प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ, आईआईटी इंदौर

आईआईटी इंदौर का प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ (टीपीसी) शीर्ष बहुराष्ट्रीय कंपनियों, शोध संगठनों तथा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) के साथ मजबूत संबंध स्थापित करके अपने छात्रों के लिए असाधारण कैरियर के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। कैंपस प्लेसमेंट के लिए संपर्क के केंद्रीय बिंदु के रूप में कार्य करते हुए, यह प्रकोष्ठ एक निर्बाध भर्ती प्रक्रिया का आयोजन करता है। टीपीसी के पास छात्रों के लिए कैरियर के अवसरों को सुविधाजनक बनाने के लिए विभिन्न प्रमुख भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ बातचीत करने के लिए संकाय सदस्यों और कर्मचारियों की एक समर्पित टीम है। एक बेहतरीन छात्र टीम टीपीसी का एक अभिन्न अंग है, जो गतिविधियों को व्यवस्थित और निष्पादित करने में मदद करती है।

नियोजन सत्र अवलोकन

वर्ष 2023–24 के लिए नियोजन सत्र एक हाइब्रिड इवेंट के रूप में आयोजित किया गया था, जो अक्टूबर 2023 में शुरू हुआ और पूर्णकालिक पदों के लिए जून 2024 में समाप्त हुआ। इंटर्नशिप भर्ती प्रक्रिया अगस्त 2023 में शुरू हुई और सितंबर 2023 में समाप्त हुई।

मुख्य बातें

- वैश्विक आर्थिक संकट ने नौकरी बाजार को काफी प्रभावित किया, जिसके कारण कई संबद्ध कंपनियों ने भर्ती पर रोक लगा दी, जिसके परिणामस्वरूप 2023–24 सत्र के लिए कम चयन हुए।
- इन चुनौतियों के बावजूद, आईआईटी इंदौर ने पिछले वर्ष की तुलना में भाग लेने वाली कंपनियों और कुल प्रस्तावों की संख्या में सफलतापूर्वक वृद्धि की।
- 2023–24 भर्ती अभियान के लिए 7 पीएसयू के साथ कुल 140+ कंपनियों ने पंजीकरण कराया।
- इस वर्ष, आईआईटी इंदौर ने नियोजन सत्र के लिए अन्य पहली पीढ़ी के आईआईटी के साथ सहकार्य किया, 1 दिसंबर, 2023 से शुरू होने वाली दिन–वार भर्ती प्रणाली को अपनाया।

छात्र नियोजन की तैयारीः

प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ (टीपीसी) कैरियर मार्गदर्शन और विकास गतिविधियों की एक श्रृंखला का आयोजन करके छात्रों को कैंपस प्लेसमेंट तथा इंटर्नशिप के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। टीपीसी उद्योग–प्रायोजित हैकथॉन और प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्रों की भागीदारी को बढ़ावा देता है, इंजीनियरिंग, कोडिंग, परामर्श, वित्त और एनालिटिक्स जैसे विभिन्न क्षेत्रों में व्यावहारिक अनुभव को बढ़ावा देता है। समग्र प्लेसमेंट तैयारी सुनिश्चित करने के लिए, टीपीसी उद्योग के रुझानों का गहन विश्लेषण करता है, जिससे यह छात्रों की कैरियर आकांक्षाओं के अनुरूप शीर्ष–स्तरीय भर्तीकर्ताओं को आमंत्रित करने में सक्षम होता है। छात्र प्लेसमेंट की तैयारी के लिए टीपीसी द्वारा की जाने वाली कुछ प्रमुख गतिविधियाँ नीचे दी गई हैं:

1. साक्षात्कार कौशल में ज्ञानार्जन पर दो दिवसीय कार्यशालाः यह गहन कार्यशाला छात्रों को आवश्यक साक्षात्कार तकनीकों की विशेषताओं से अवगत कराती हैं, जिससे भर्ती प्रक्रियाओं के दौरान उनका आत्मविश्वास और प्रदर्शन बढ़ता है।
2. प्लेसमेंट अनुभव पुस्तिकाः प्लेसमेंट अनुभव पुस्तिका – सफल प्लेसमेंट के लिए एक संपूर्ण मार्गदर्शिका नामक एक व्यापक मार्गदर्शिका संकलित और प्रकाशित की गई है, जो छात्रों को प्लेसमेंट में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए मूल्यवान अंतर्दृष्टि और रणनीति प्रदान करती है।
3. एनएक्सपी सेमीकंडक्टर्स द्वारा कैंपस कनेक्ट प्रोग्रामः सेमीकंडक्टर डिज़ाइन, वीएलएसआई, सिस्टम इंजीनियरिंग तथा एम्बेडेड सिस्टम के क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न करियर अवसरों के बारे में छात्रों के बीच जागरूकता लाने के लिए, एनएक्सपी सेमीकंडक्टर्स के तकनीकी नेताओं द्वारा एक सत्र आयोजित किया गया है।
4. गोल्डमैन सैक्स द्वारा महिला संभावना शिखर सम्मेलनः आईआईटी इंदौर की छात्राओं के लिए गोल्डमैन सैक्स के शीर्ष नेताओं से मिलने, आज की दुनिया में विविधता और समावेश पर नया दृष्टिकोण प्राप्त करने और आगे के सफल करियर के लिए सलाह लेने के लिए एक विशेष कार्यक्रम।

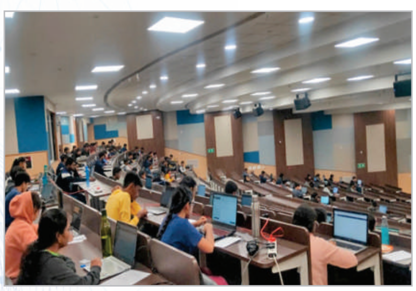
ऑनलाइन मूल्यांकन

प्री–प्लेसमेंट वार्ता

सामूहिक चर्चा

आईआईटी इंदौर में प्रमुख भर्तीकर्ता

आईआईटी इंदौर ने कैंपस में आने वाली कंपनियों की संख्या और छात्रों को दिए जाने वाले पैकेज दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है। भर्ती सत्र के शुरुआती हिस्से में सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, रिसर्च इंजीनियरिंग, एआई/एमएल तथा डेटा साइंस एनालिसिस में भूमिकाएँ देने वाली कंपनियों का दबदबा था। इनमें से कई फर्म अपने–अपने क्षेत्रों में वैश्विक लीडर हैं।

दुनिया की शीर्ष परामर्श फर्म, बैंक तथा सॉफ्टवेयर कंपनियों ने प्लेसमेंट में भाग लिया, जो आईआईटी इंदौर की अपने प्रतिभाशाली छात्रों के पूल से कुछ बेहतरीन भर्तीकर्ताओं को आकर्षित करने में सफलता को दर्शाता है।

इसके अतिरिक्त, कैंपस भर्ती में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। एचपीसीएल, बीपीसीएल, गेल, ईआईएल, बीईएमएल और सी–डॉट जैसे प्रमुख पीएसयू ने हमारे छात्रों को पूर्णकालिक पदों की पेशकश की।

पूर्णकालिक प्लेसमेंट और इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करने वाली अग्रणी कंपनियों में गूगल, अमेज़न, डीई शॉ, क्वाडआई, ग्रो, मूवइनसिंक, बीएनवाई मेलॉन, डेलोइट, टीसीएस, क्वालकॉम, फ्लिपकार्ट, एक्सट्रिया, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एलएंडटी, आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील, वोल्वो आयशर कमर्शियल व्हीकल्स प्राइवेट लिमिटेड, डोलट कैपिटल, फ्यूचर्स फर्स्ट, गोल्डमैन सैक्स, ओरेकल, मैथवर्क्स, एमएक्यू सॉफ्टवेयर, टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स, एनवीडिया, जगुआर लैंड रोवर, टाटा कैपिटल, जोमैटो, पालो ऑल्टो, वर्सा नेटवर्क्स, एनालॉग डिवाइसेस और एचसीएल टेक आदि शामिल हैं।

चार्ट एवं मैट्रिक्स के साथ समग्र नियोजन सांख्यिकी (वर्ष 2023–24)

प्रोग्राम	बैच साइज	पंजीकृत छात्र	कुल नियोजन प्रतिशत	नियोजित छात्रों का	पंजीकृत छात्रों का प्रतिशत	औसत पैकेज INR (LPA में)	उच्चतम पैकेज (LPA में)
बे.टेक	343	292	233	79.79%	85.13%	24.41	64.11
मास्टर्स	174	92	47	51.09%	52.87%	10.57	39.27

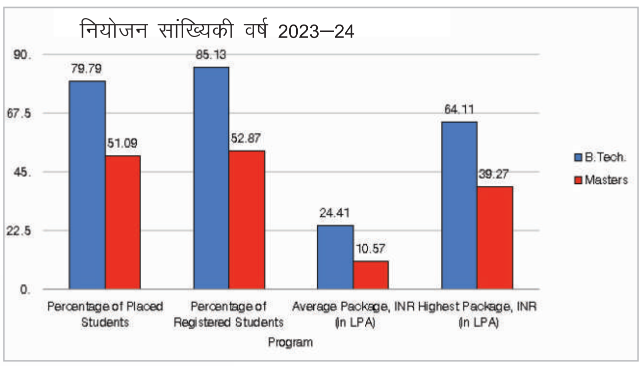

समग्र प्लेसमेंट सांख्यिकी

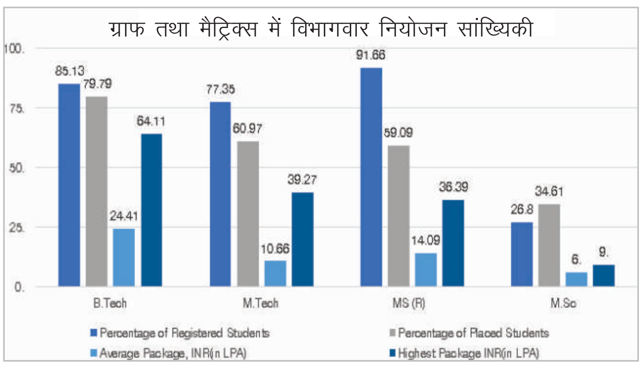

कार्यक्रम–वार प्लेसमेंट सांख्यिकी

चार्ट तथा मैट्रिक्स में कार्यक्रम–वार नियोजन सांख्यिकी (वर्ष 2023–24):

प्रोग्राम	बैच साइज	पंजीकृत छात्र	कुल नियोजन प्रतिशत	नियोजित छात्रों का	पंजीकृत छात्रों का प्रतिशत	औसत पैकेज INR (LPA में)	उच्चतम पैकेज (LPA में)
बे.टेक	343	292	233	85.13%	79.79%	24.41	64.11
एम.टेक	53	41	25	77.35%	60.97%	10.66	39.27
एमएस (आर)	24	22	13	91.66%	59.09%	14.09	36.39
एम.एससी	97	26	9	26.80%	34.61%	6	9

विभागवार बी.टेक प्लेसमेंट (वर्ष 2023–24):

विभागवार (बी.टेक)	पंजीकृत छात्र	कुल नियोजन	नियोजित छात्रों का प्रतिशत	औसत पैकेज INR (LPA में)	उच्चतम पैकेज (LPA में)
सीएसई	83	79	95.18 %	64.11	33.67
ईई	65	55	84.62 %	64.11	26.14
एमई	68	54	79.41 %	41.42	16.51
सीई	40	19	47.50 %	19.65	12.4
एमईएमएस	36	26	72.22 %	41.42	15.71

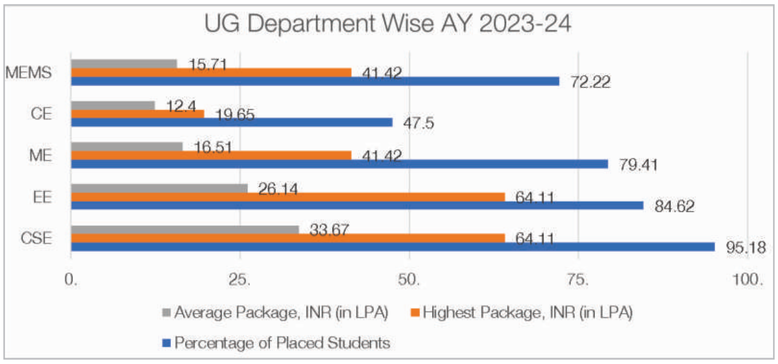

इंटर्नशिप रिपोर्ट

कॉरपोरेट जगत में प्रवेश करने के इच्छुक छात्रों के लिए औद्योगिक अनुभव आवश्यक है। आईआईटी इंदौर में, छात्र 6वें सेमेस्टर के बाद अपनी गर्मियों की छुट्टियों के दौरान इंटर्नशिप करते हैं। प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ (टीपीसी) छात्रों के लिए शीर्ष इंटर्नशिप हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो उन्हें कक्षा के ज्ञान को वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों में लागू करने का अवसर प्रदान करता है।

वर्तमान नियोजन सत्र के दौरान, प्री–फ़ाइनल वर्ष के छात्रों ने भारत और विदेशों में अग्रणी कंपनियों और प्रतिष्ठित शैक्षणिक और शोध संस्थानों के साथ रोमांचक इंटर्नशिप के अवसर हासिल किए। उल्लेखनीय रूप से, इस सीज़न में प्राप्त उच्चतम वेतन बढ़कर 3 लाख रुपये प्रति माह हो गया है। कुल 126 प्री–फ़ाइनल वर्ष के छात्रों ने प्रमुख बहुराष्ट्रीय निगमों के साथ इंटर्नशिप हासिल की, जो हमारे प्लेसमेंट प्रयासों की मजबूती और हमारे छात्रों की क्षमता को दर्शाता है।

विभागवार इंटर्नशिप मैट्रिक्स (वर्ष 2023–24):

विभाग	इंटर्नशिप ऑफर की संख्या (2025 बैच)	पीपीओ कन्वर्ज़न (2024 बैच)
संगणक विज्ञान	59	22
विद्युत अभियांत्रिकी	36	18
यांत्रिक अभियांत्रिकी	8	5
जानपद अभियांत्रिकी	5	0
धातुकर्म अभियांत्रिकी एवं पदार्थ विज्ञान	2	6

निष्कर्षः

आईआईटी इंदौर में 2023–24 का नियोजन सत्र उल्लेखनीय रूप से सुचारू रहा है, जिसमें भाग लेने वाली कंपनियों की संख्या और छात्रों को दिए जाने वाले ऑफर दोनों में आशाजनक वृद्धि देखी गई है। पिछले कुछ वर्षों में, औसत वेतन पैकेज लगातार 20 लाख रुपये प्रति वर्ष के आसपास रहा है, जिसमें उच्चतम पैकेज 65 लाख रुपये प्रति वर्ष तक पहुँच गया है। इस वर्ष, ऑटोमोबाइल, सूचना प्रौद्योगिकी, परामर्श, विश्लेषिकी, कोर इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी, अनुसंधान एवं विकास और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) सहित विभिन्न क्षेत्रों की 140 से अधिक अग्रणी कंपनियों ने कैंपस भर्ती कार्यक्रम में भाग लिया, जिसमें जॉब के कई पदों के लिए ऑफर प्रदान किए गए। पीएसयू की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि ने हमारे प्रतिभाशाली छात्रों के लिए उपलब्ध अवसरों को और समृद्ध किया।

इसके अतिरिक्त, हमारे 10–15ः डिग्रीधारक आमतौर पर शीर्ष रैंक वाले विदेशी विश्वविद्यालयों, आईआईएम तथा आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में उच्च अध्ययन करते हैं, जबकि 3–5ः उद्यमशीलता के उपक्रमों में शामिल होते हैं, अपने स्वयं के उद्यम और स्टार्ट–अप स्थापित करते हैं।

टीपीसी टीम 2023–24 (यूजी + पीजी)

छात्रावास

ए.पी.जे. अब्दुल कलाम छात्रावास आईआईटी इंदौर के स्थायी परिसर में पहला छात्रावास है और इसका उद्घाटन 2016 में हुआ था। इसके बाद, होमी जहांगीर भाभा (एचजेबी) छात्रावास का उद्घाटन 2019 में किया गया और देवी अहिल्या, विक्रम साराभाई (वीएसबी) तथा सी.वी. रमन (सीवीआर) छात्रावासों का उद्घाटन 2020 में किया गया। प्रत्येक छात्रावास में 99 इकाइयाँ हैं, जिनमें कुल 574 छात्र रहते हैं। प्रत्येक इकाई में साझा आधार पर छह शयनकक्ष हैं। इसमें एक सुसज्जित रहने का क्षेत्र, एक आम रसोई, दो शौचालय और दो वाशरूम भी हैं। आईआईटी इंदौर यह सुनिश्चित करता है कि विभिन्न राज्यों, भाषाओं और विभिन्न विभागों के छात्रों को अध्ययन और अनुसंधान के लिए एक अंतःविषय दृष्टिकोण और उनके बीच राष्ट्रीय बंधन को बढ़ावा देने के लिए एक इकाई आवंटित की जाए। सभी छात्रावास सौर गर्म पानी की सुविधाओं से भी सुसज्जित हैं और एपीजे छात्रावास केंद्रीय रूप से वातानुकूलित है।

छात्रावास विभाग का नेतृत्व मुख्य वार्डन डॉ. जयप्रकाश मुरुगेसन करते हैं, जिनकी सहायता मुख्य वार्डन कार्यालय में कनिष्ठ सहायक श्री सुरेन्द्र सिंह सुल्या व सुश्री प्रतिभा चंदनशिवे करते हैं। प्रत्येक छात्रावास का नेतृत्व एक वार्डन करता है, जिसकी सहायता एक पर्यवेक्षक और परिचारक करते हैं। छात्रावासों का विवरण इस प्रकार है:

क्रमांक	छात्रावास का नाम	छात्रावास का प्रकार (छात्रा / छात्र)	वार्डन / प्रभारी वार्डन	सह वार्डन
01	एपीजे छात्रावास (अवुल पाकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम)	छात्र	डॉ. हरेकृष्ण यादव	–
02	सीवीआर छात्रावास (चंद्रशेखर वेंकट रमन)	छात्र	डॉ. सप्तर्षि घोष	–
03	एचजेबी होमी जहांगीर भाभा	छात्र	डॉ.जयप्रकाश मुरुगेसन	–
04	देवी अहिल्या छात्रावास	छात्रा	डॉ. चरिता चेरुगोंडी	डॉ. अनन्या घोषाल
05	विक्रम साराभाई छात्रावास	छात्र	डॉ. राम सजीवन मौर्य	–

छात्रावास में अतिथि कक्ष / इकाइयाँ: –

छात्रावास में 60 अतिथियों के रहने के लिए अतिथि गृह की सुविधा उपलब्ध है। प्रत्येक अतिथि कक्ष आरामदायक प्रवास सुनिश्चित करने के लिए सुविधाओं से सुसज्जित है। प्रदान की जाने वाली सुविधाओं में शामिल हैं:

- स्मार्ट एलईडी टीवी
- सोफा सेट
- सेंटर टेबल
- कूलर
- माइक्रोवेव
- इलेक्ट्रिक केतली
- गद्दा
- कंबल
- चादर
- तकिया
- तौलिए
- कपड़े का स्टैंड

ये सुविधाएँ अतिथियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिज़ाइन की गई हैं, ताकि उन्हें सुखद और सुविधाजनक अनुभव सुनिश्चित हो सके।

छात्रावास की तस्वीरें

छात्रावास क्रमांक 01 – ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

छात्रावास क्रमांक 02 – सी.वी. रमन

छात्रावास क्रमांक 03 – होमी जे. भाभा

छात्रावास क्रमांक 03 –देवी अहिल्या

छात्रावास क्रमांक 5 – विक्रम साराभाई

छात्रावास की मूल सुविधाएँ

बेसिक रूम

कॉमन हॉल

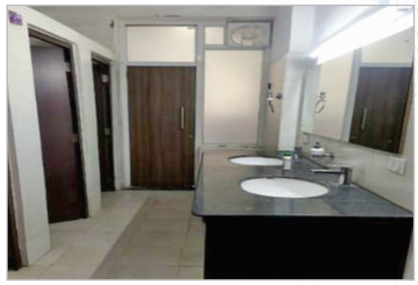
वॉशरूम

आरओ पानी टैप के साथ रसोईघर

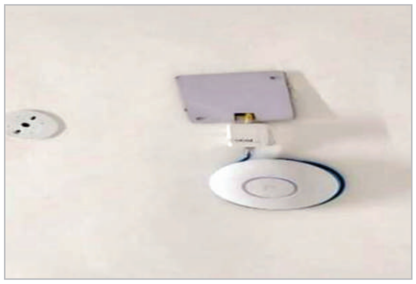
वाईफ़ाई

आरओ वॉटर डिस्पेंसर

छात्रावासों में खेल सुविधाएँ

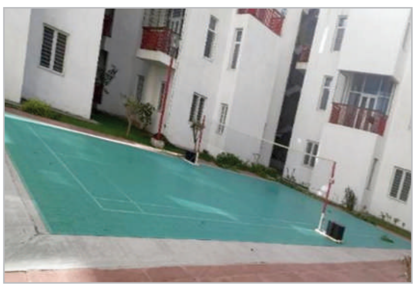
बैडमिंटन कोर्ट

टेबल टेनिस

सॉकर टेबल

छात्रावासों की अन्य सुविधाएँ

समाचार I= स्टैंड

पत्रिका स्टैंड

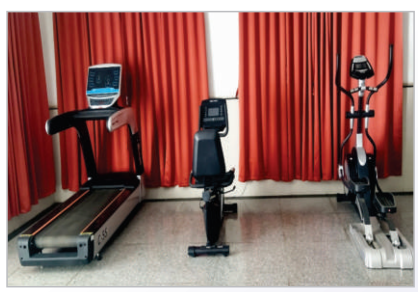
फ़िटनेस उपकरण

केंद्रीय आहार सुविधा

हमारे संस्थान की केंद्रीय आहार सुविधा, जिसे कार्बन बिल्डिंग के नाम से जाना जाता है, समावेशी तथा समुदाय–केंद्रित परिवेश को प्रदर्शित करती है जिसे हम बनाए रखने का प्रयास करते हैं। लगभग 2500 लोगों को एक साथ भोजन कराने की क्षमता के साथ, यह विभिन्न छात्रावासों के छात्रों को एक साथ भोजन करने का कार्य भी निष्पादित करता है, जिससे एकता और सौहार्द की भावना को बढ़ावा मिलता है। इस सुविधा में छात्रों, संस्थान के कर्मचारियों और मेहमानों के लिए अलग–अलग खंड भी शामिल हैं, साथ ही कई रसोई, सामान्य शौचालय और एक लिफ्ट सुविधा भी है, जो सभी के लिए सुविधा और पहुँच सुनिश्चित करती है। इसके अतिरिक्त, कार्यकारी आहार कक्ष संस्थान के आमंत्रित/वीआईपी मेहमानों के लिए असाधारण आतिथ्य और भोजन सेवाएँ प्रदान करता है।

छात्रों को स्वस्थ और पौष्टिक आहार परोसा जाता है, जिसमें छात्र निकाय साप्ताहिक आधार पर मेनू तय करता है और आहार समिति समग्र कार्यों की निगरानी करती है। लगातार फीडबैक और शिकायतों के तत्काल समाधान के माध्यम से आहार की गुणवत्ता बनाए रखी जाती है। कैटरर को भुगतान कैशलेस स्मार्ट कार्ड सुविधा के माध्यम से मासिक भोजन योजना के आधार पर किया जाता है। संपूर्ण भोजन सुविधा कोविड–उपयुक्त व्यवहार का पालन करती है। नियमित आहार सेवाओं के अलावा, कार्बन बिल्डिंग में कई कियोस्क हैं जो चौबीसों घंटे स्वादिष्ट व्यंजन और अन्य सेवाएँ प्रदान करते हैं।

केंद्रीय आहार अनुभाग के कामकाज की देखरेख आहार कर्मचारियों, छात्र निकाय तथा छात्र स्वयंसेवकों की एक टीम द्वारा की जाती है और इसका संचालन डाइनिंग वार्डन डॉ. प्रवर्तन धनपाल की अध्यक्षता वाली आहार समिति द्वारा किया जाता है।

आहार कक्ष की सफाई

सुरक्षित एवं स्वच्छ बैठक व्यवस्था

परामर्श प्रकोष्ठ टीम

परामर्श प्रकोष्ठ दिसंबर–2011 में अपनी स्थापना के बाद से आईआईटी इंदौर का अभिन्न अंग रहा है। इस प्रकोष्ठ का कार्य छात्रों के लिए एक सहायक तथा अनुकूल परिवेश प्रदान करना है, जिसमें वे व्यक्तिगत समस्याओं या शैक्षणिक चुनौतियों पर चर्चा कर सकते हैं तथा परामर्श प्रकोष्ठ टीम के सदस्यों से पेशेवर मदद ले सकते हैं।

आईआईटी इंदौर के छात्र समुदाय के सकारात्मक कल्याण को बढ़ाने तथा समग्र विकास को सुविधाजनक बनाने की दृष्टि से, प्रकोष्ठ की सेवाएँ आईआईटी इंदौर के सभी छात्रों (बी.टेक., एम.टेक/एम.एससी. पीएचडी और किसी भी अन्य पाठ्यक्रम) के लिए समान रूप से सुलभ हैं। मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की रोकथाम पर ध्यान केंद्रित करते हुए – आत्महत्या और पुरानी मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की रोकथाम, परामर्श प्रकोष्ठ छात्रों में विभिन्न मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के लिए प्रारंभिक पहचान तथा हस्तक्षेप के लिए काम करता है।

प्रोफेसर अरुणा तिवारी
संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
प्रभारी प्राध्यापक, परामर्श प्रकोष्ठ

संकाय परामर्श समन्वयक

प्रत्येक विभाग के संकाय सदस्यों को प्रतिवर्ष संकाय परामर्श समन्वयक के रूप में नामित किया जाता है।

डॉ. अप्पिना बालासुब्रमण्यम
विद्युत अभियांत्रिकी

डॉ. गिरीश चंद्र वर्मा
यांत्रिक अभियांत्रिकी

डॉ. चंद्रेश कुमार मौर्य
संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

डॉ. कौस्तव बख्शी
जानपद अभियांत्रिकी

डॉ. चंदन हलदर
धातुकर्म अभियांत्रिकी एवं पदार्थ विज्ञान

डॉ. अमित शुक्ला
खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी एवं अंतरिक्ष अभियांत्रिकी

प्रोफेसर मिर्जा एस. बेग
जीवविज्ञान एवं जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी

डॉ. नरेश कुमार कुमावत
भौतिकी

डॉ. अभिनव रघुवंशी
रसायन विज्ञान

प्रोफेसर स्वदेश कुमार साहू
गणित

डॉ. केदारमल वर्मा
मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल

छात्र परामर्श समन्वयक (एससीसी) एवं छात्र जिमखाना प्रतिनिधि

यूजी, पीजी और पीएचडी के छात्रों को प्रतिवर्ष छात्र परामर्श समन्वयक के रूप में चुना जाता है।

सुश्री पूर्णा कुकड़िया
पीएचडी हेतु
छात्र परामर्श समन्वयक

श्री शुभम अल्टे
पीजी हेतु
छात्र परामर्श समन्वयक

श्री हर्षवर्धन चौबे
यूजी हेतु
छात्र परामर्श समन्वयक

श्री अनिकेत तिवारी
छात्र जिमखाना
प्रतिनिधि

परामर्शदाता

सुश्री मोनिका गुप्ता
वरिष्ठ परामर्शदाता

श्री शुभम मंदसौरकर
परामर्शदाता

सुश्री शुभ्रा व्यास
परामर्शदाता

कार्यालय कर्मचारी

सुश्री शिल्पा चौहान
कनिष्ठ अधीक्षक

परामर्श प्रकोष्ठ निम्नलिखित गतिविधियाँ करता है:

व्यक्तिगत परामर्श सत्र (व्यक्तिगत, ऑनलाइन/टेली परामर्श) – ये सत्र परामर्शदाताओं द्वारा छात्रों को विभिन्न प्रकार की समस्याओं से निपटने में सहायता करने के लिए आयोजित किए जाते हैं; चाहे वह शैक्षणिक, व्यक्तिगत, भावनात्मक, पारिवारिक या सहकर्मी से संबंधित हो या नैदानिक अवसाद, समस्या स्पेक्ट्रम कठिनाइयों, आत्महत्या की प्रवृत्ति तथा व्यक्तित्व विकारों की विशेषताओं सहित मनोवैज्ञानिक चिंताओं की एक विस्तृत श्रृंखला।

माता–पिता परामर्श सत्र – शैक्षणिक या मनोवैज्ञानिक समस्याओं वाले छात्रों के माता–पिता के साथ बैठकें आयोजित की जाती हैं।

नियमित अनुवर्ती – प्रभावी हस्तक्षेप सुनिश्चित करने के लिए छात्रों और उनके माता–पिता के साथ अनुवर्ती परामर्श सत्र आयोजित किए जाते हैं।

छात्र मेंटरशिप कार्यक्रम – छात्र समुदाय के लिए एक स्वस्थ तथा तनाव मुक्त परिवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, जिमखाना महासचिव परामर्श तथा आउटरीच के सहयोग से परामर्श प्रकोष्ठ, छात्र मेंटरशिप कार्यक्रम की देखरेख करता है। छात्र मेंटर छात्रों की शैक्षणिक तथा गैर–शैक्षणिक समस्याओं से निपटने में आग बढ़कर नए छात्रों की मदद करते हैं।

संकाय सलाहकार कार्यक्रम – परामर्श प्रकोष्ठ छात्र कार्य तथा शैक्षणिक कार्य के अधिष्ठाता के परामर्श से संस्थान में नामांकन के बाद नए स्नातक (यूजी) तथा स्नातकोत्तर (पीजी) छात्रों को संकाय सलाहकार नियुक्त करता है। ये संकाय सलाहकार अपने नियुक्त छात्रों के साथ नियमित बातचीत करते हैं, शैक्षणिक मामलों पर मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। यदि कोई छात्र संकट के लक्षण दिखाता है, तो उन्हें आगे की सहायता के लिए छात्र परामर्शदाता के पास भेजा जाता है।

मेरा सुरक्षा कवच– नए बीटेक छात्रों के शामिल होने के दौरान, छात्र कार्य अनुभाग ने जेनेसिस कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में, परामर्श प्रकोष्ठ ने छात्रों के बीच सामाजिक जुड़ाव बढ़ाने और उनके शामिल होने के दौरान आने वाली चुनौतियों को समझने के उद्देश्य से कई सत्र आयोजित किए।

परामर्श प्रकोष्ठ के लिए ऑरिएंटेशन – नए छात्रों के लिए एक ऑरिएंटेशन सत्र आयोजित किया जाता है, जिसमें उन्हें आईआईटी इंदौर में परामर्श प्रकोष्ठ तथा इसके द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं से परिचित कराया जाता है। इस सत्र के दौरान, परामर्श प्रकोष्ठ एवं इसकी पेशकशों के बारे में जानकारी साझा की जाती है।

संकट हस्तक्षेप – परामर्शदाता छात्रों को किसी भी जरूरी और तत्काल समस्या के लिए स्वास्थ्य केंद्र या छात्रावास में भी उनसे बातचात करते है।

सुदृढ़ रेफरल सिस्टम – मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ाने के लिए एक आधार के रूप में, छात्रों को अधिकारियों, शैक्षणिक कार्यालय, स्वास्थ्य केंद्र, संकाय सलाहकारों, माता–पिता तथा मित्रों द्वारा संदर्भित किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, वॉक–इन छात्र जो स्वयं परामर्श सेल से संपर्क करते हैं, उन्हें भी समायोजित किया जाएगा।

दिसंबर–2023 माह में आयोजित की गई गतिविधियाँ

प्लेसमेंट परस्यूट पैवेलियन – प्लेसमेंट परस्यूट पैवेलियन 1 से 8 दिसंबर, 2023 तक आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य अंतिम वर्ष के छात्रों को उनकी प्लेसमेंट संबंधी समस्याओं के लिए सहायता तथा मार्गदर्शन प्रदान करना था। समस्याओं को संबोधित करने के लिए डीए तथा एपीजे, छात्रावास में दोपहर 2 बजे से रात 10 बजे तक परामर्शदाता भी उपलब्ध थे। परामर्शदाता संबंधित कर्मचारियों तथा छात्र प्लेसमेंट समन्वयकों के साथ छात्रों को सहायता प्रदान करने के लिए प्लेसमेंट कार्यालय के साथ समन्वय करते हैं। जिन छात्रों की विशेष समस्याएँ थीं, उनके साथ व्यक्तिगत परामर्श सत्र और मॉक इंटरव्यू आयोजित किए गए।

परीक्षा तनाव सत्र – 4–8 दिसंबर, 2023 के दौरान सभी बीटेक प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए परीक्षा तनाव सत्र आयोजित किए गए थे। इन इंटरैक्टिव सत्रों का उद्देश्य परीक्षा तनाव को प्रबंधित करने के लिए व्यावहारिक रणनीतियों और युक्तियों को साझा करना था। इसने छात्रों को परीक्षा अवधि के दौरान समग्र स्वास्थ्य बनाए रखने में भी मदद की।

04 दिसंबर, 2023 को माननीय निदेशक, छात्र कार्य के अधिष्ठाता तथा परामर्श सेवाओं के प्रभारी प्राध्यापक ने छात्रावास में इंटरैक्टिव सत्र में भाग लिया। सत्रों की श्रृंखला में, महत्वपूर्ण सुझाव व व्यावहारिक उदाहरण साझा किए गए। इन परीक्षा तनाव सत्रों ने छात्रों को आसानी से परीक्षा देने के लिए प्रेरित किया। छात्रों की भलाई को बढ़ाने के लिए नियमित मूल्यांकन और अनुवर्ती योजना बनाई जाएगी।

14 व 15 फरवरी, 2024 को आईआईटी रुड़की, नोएडा परिसर में आयोजित इंटर आईआईटी वेलनेस मीट में भाग लिया –

1. डॉ. संजीव सिंह
2. डॉ. कलंदी प्रधान
3. सुश्री मोनिका गुप्ता

इंटर आईआईटी वेलनेस मीट में भाग लेने वाले टीम के सदस्यों द्वारा साझा किए गए अनुभव

- आईआईटी इंदौर एकमात्र आईआईटी है जिसके पास लाइव समिति है
- छात्रों की समस्याओं को हल करने के लिए उठाए जाने वाले कदमों के बारे में फीडबैक, छात्रों के साथ मासिक या द्विमासिक बातचीत और प्रारंभिक पहचान पर ध्यान केंद्रित करना
- विभिन्न आईआईटी की कार्यप्रणालियों और उनके सामने आने वाली चुनौतियों को भी साझा किया गया

परामर्श समिति 2023–24

परामर्श समिति में संकाय परामर्श समन्वयक (एफसीसी) तथा छात्र परामर्श समन्वयक (एससीसी) दोनों शामिल हैं। बढ़ती छात्र संख्या को देखते हुए इस वर्ष से एससीसी टीम का विस्तार प्रत्येक विभाग / पाठ्यक्रम से शविभाग परामर्श समन्वयकश के साथ किया गया है।

संकाय सलाहकार और छात्र सलाहकार के साथ संवादात्मक बैठक

तिथियाँ:

पहली संवादात्मक बैठकः 18 जुलाई, 2023

दूसरी संवादात्मक बैठकः 10 अक्टूबर, 2023

तीसरी संवादात्मक बैठकः 24 जनवरी, 2024

पीजी और यूजी बैच 2023 के लिए नए छात्रों, उनके संकाय सलाहकारों एवं छात्र सलाहकारों के साथ संवादात्मक बैठकें एक सेमेस्टर में तीन बार आयोजित की गईं। आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस जोशी ने छात्रों को संबोधित किया और इसके बाद संकाय कार्य के अधिष्ठाता, छात्र कार्य के अधिष्ठाता तथा परामर्श सेवाओं के प्रमुख के साथ प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया।

2023—24 के दौरान परामर्श प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित कुछ कार्यक्रम इस प्रकार हैं:

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 2023, 4—सप्ताह की चुनौती

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस एक वैश्विक कार्यक्रम है जो मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देता है। यह छात्रों को मानसिक स्वास्थ्य और तन्यकता को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों में शामिल करने का एक शानदार अवसर प्रदान करता है। इस महत्वपूर्ण दिन की मान्यता में, हमारे छात्रों के लिए 4—सप्ताह की मानसिक स्वास्थ्य चुनौती उनके मानसिक स्वास्थ्य सुदृढ़ बनाने, तनाव को कम करने और एक सहायक समुदाय को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन की गई थी।

सप्ताह 1: स्व—देखभाल तथा तनाव प्रबंधन

- दैनिक स्व—देखभाल युक्तियाँ और चुनौतियाँ।
- भावनात्मक बुद्धिमत्ता तथा आत्म—जागरूकता पर कार्यशालाएँ।
- तनाव तथा समस्या प्रबंधन तकनीकें।

सप्ताह 2: शक्ति तथा दृढ़ता का निर्माण

- मानसिक स्वास्थ्य पर खुले संवाद को प्रोत्साहित करना।
- प्रतिकूल परिस्थितियों पर विजय पाने वाले व्यक्तियों की प्रेरणादायक कहानियाँ।
- चुनौतीपूर्ण समय के दौरान सकारात्मक मानसिकता बनाए रखने पर चर्चा

सप्ताह 3: सामाजिक संपर्क

- सामाजिक संपर्क बढ़ाने के लिए वर्चुअल समूह गतिविधियाँ और खेल।
- सामाजिक समर्थन के महत्व पर पैनल चर्चा।
- छात्रों को सहायता के लिए साथियों और पेशेवरों से संपर्क करने के लिए प्रोत्साहित करना।

सप्ताह 4: शारीरिक स्वास्थ्य

- शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के बीच संबंध को उजागर करना।
- नियमित व्यायाम और मानसिक स्वास्थ्य पर इसके सकारात्मक प्रभाव को प्रोत्साहित करना।
- संतुलित आहार और पर्याप्त नींद को बढ़ावा देना।

चुनौती के लाभ:

1. बेहतर मूड: नियमित व्यायाम से एंडोर्फिन निकलता है, जो सकारात्मक मूड और कम तनाव में योगदान देता है।
2. मजबूत सामुदायिक बंधन: यह चुनौती छात्रों के बीच अपनापन और जुड़ाव की भावना को बढ़ावा देगी, जिससे अलगाव की भावना कम होगी।
3. जीवनशैली की आदतें: जीवन में कम उम्र में स्वस्थ आदतों को प्रोत्साहित करने से दीर्घकालिक स्वास्थ्य और बीमारी की रोकथाम हो सकती है।

22 मार्च, 2024 को डॉ. कृतिका चंद्रशेखर द्वारा एक विशेषज्ञ वार्ता आयोजित की गई।
विषय— "भावनात्मक कल्याण भ्रमिका से स्वयं को बाहर निकालना"

एक भारत श्रेष्ठ भारत

एक भारत श्रेष्ठ भारत

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर

Webpage: http://ebsb.iiti.ac.in/

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 31 अक्टूबर, 2015 को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस के दौरान विभिन्न क्षेत्रों के निवासियों के बीच सतत एवं इच्छित सांस्कृतिक जुड़ाव के विचार के तहत "एक भारत श्रेष्ठ भारत" कार्यक्रम की शुरुआत की थी। यह कार्यक्रम विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लोगों के बीच आपसी संपर्क और आदान–प्रदान के माध्यम से सांस्कृतिक विविधता का जश्न मनाने के लिए शुरू किया गया था, ताकि पूरे देश में समझ की एक आम भावना जागृत हो सके।

आईआईटी इंदौर की एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी) टीम अपने संयोजक प्रोफेसर नीरज कुमार शुक्ला (प्रोफेसर, गणित विभाग) के नेतृत्व में भारत सरकार के विभिन्न अभियानों जैसे एक भारत श्रेष्ठ भारत, राष्ट्रीय आविष्कार अभियान, उन्नत भारत अभियान, स्वच्छ भारत अभियान, आरयूटीएजी आदि को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियों का सक्रिय रूप से संचालन कर रही है।

प्रोफेसर नीरज कुमार शुक्ला
संयोजक

डॉ. आशीष कुमार
टीम समन्वयक
राष्ट्रीय अविष्कार अभियान
(आरएए)

डॉ. मृगेन्द्र दुबे
टीम समन्वयक
उन्नत भारत अभियान
(यूबीए)

प्रोफेसर अरुणा तिवारी
टीम समन्वयक
ग्रामीण प्रौद्योगिकी कार्य समूह
(आरयूटीएजी)

डॉ. अनन्या घोषाल
टीम समन्वयक
स्वच्छ भारत अभियान
(एसबीए)

एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान को बढ़ावा देने के लिए, आईआईटी इंदौर की ईबीएसबी टीम ने अखिल भारतीय शिक्षा समागम के दूसरे संस्करण तथा एनईपी की तीसरी वर्षगांठ के लिए प्रगति मैदान, नई दिल्ली में युवा संगम/छात्र विनिमय कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री ने किया। 29 व 30 जुलाई, 2023 को क्रॉस कल्चरल परफॉरमेंस का आयोजन किया गया। आईआईटी इंदौर के निम्नलिखित प्रतिनिधियों ने भी भाग लियाः प्रोफेसर नीरज कुमार शुक्ला, डॉ. मृगेंद्र दुबे, डॉ. अनन्या घोषाल, श्री ललित जैन और श्री संतोष के. शर्मा। डॉ. अनन्या घोषाल ने प्रदर्शन के समन्वय और कलाकारों को सलाह देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एमओई और एआईसीटीई ने पूरे भारत में 12 सांस्कृतिक टीमों का चयन किया और आईआईटी इंदौर उनमें से एक था।

राष्ट्रीय आविष्कार अभियान को बढ़ावा देने के लिए, आईआईटी इंदौर की ईबीएसबी टीम ने राज्य शिक्षा केंद्र, मध्य प्रदेश सरकार के सहयोग से मध्य प्रदेश के हिंदी माध्यम के स्कूली छात्रों (कक्षा 6–8) के लिए 'विज्ञान पर चर्चा–कार्यक्रम की श्रृंखला' पर 144 से अधिक ऑनलाइन सत्र आयोजित किए। इस श्रृंखला में, अनुभवी विशेषज्ञों / प्रोफेसरों / वैज्ञानिकों ने गणित, विज्ञान और प्रौद्योगिकी की अवधारणाओं को हिंदी में समझाया, जो मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों के शिक्षकों और छात्रों के ज्ञान को बढ़ाता है। ईबीएसबी टीम ने मध्य प्रदेश राज्य सरकार के प्राथमिक स्कूल के शिक्षकों के लिए हिंदी में गणित, विज्ञान और प्रौद्योगिकी से संबंधित कार्यशालाएँ भी आयोजित कीं। स्कूल शिक्षकों के लिए कई प्रशिक्षण कार्यशालाओं की भी योजना बनाई गई है।

आईआईटी इंदौर की ईबीएसबी टीम यूबीए के महान उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए आस–पास के अंगीकार किए गए गांवों, अर्थात् बाई ग्राम, इंद्रा आवास, जगजीवन ग्राम, मिर्जापुर तथा नयागांव में और उनके स्कूलों में लगातार गतिविधियाँ आयोजित कर रही है। आईआईटी इंदौर के संकाय सदस्य और छात्र, ईबीएसबी टीम के साथ मिलकर, समाज के उत्थान से संबंधित आरएए, यूबीए, आरयूटीएजी तथा एसबीए के तहत विभिन्न परियोजनाओं पर लगातार काम कर रहे हैं। शासकीय एमजीएम मेडिकल चिकित्सकों की टीम के साथ बाई ग्राम पंचायत में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया।

आईआईटी इंदौर में विभिन्न स्कूल शिक्षकों और छात्रों को लगातार आमंत्रित करना और फिर आईआईटी इंदौर के संकाय सदस्यों के साथ उनकी बातचीत, उन्हें विभिन्न प्रायोगिक प्रयोगशालाएँ, समूह चर्चाएँ आदि दिखाना।

छात्रों द्वारा विकसित मॉडलों को प्रदर्शित करने के लिए विज्ञान प्रदर्शनी। बच्चों को अवलोकन, प्रयोग, अनुमान चित्रण, मॉडल निर्माण, तर्कसंगत तर्क तथा परीक्षण क्षमता के माध्यम से विज्ञान, गणित और प्रौद्योगिकी (एसएमटी) में प्रेरित और संलग्न होने में सक्षम बनाना।

आईआईटी इंदौर खबरों में

IIT-Indore joins clean Kshipra mission

Sagar.Choukse
@timesgroup.com

Indore: IIT-Indore will be involved as an expert in the ongoing Kanh-Saraswati River purification project as Indore Municipal Corporation (IMC) has got sanction to develop three sewage treatment plants (STPs) at Rs 511 crore under Clean Ganga Mission.

Thirteen more STPs proposed under AMRUT 2.0 and Simhastha Project are meant to ultimately clean Kshipra River before Ujjain Kumbh 2028.

"A Kshipra Purification Cell is being set up at IIT-Indore for this purpose," collector Asheesh Singh said.

According to IMC additional commissioner Siddhartha Jain, the corporation has got sanction for three STPs. P4

IIT-Indore to get 5G lab

Indore: IIT Indore is amongst the 100 institutes in India that will get 5G labs as part of the initiative by the department of Telecommunication, a press statement by IIT-I said on Friday.

"The announcement was made today during the inauguration of 7th edition of India Mobile Congress by PM at Bharat Mandapam. The labs are being set up to build competencies and engagement in 5G technologies for students and startup communities. This will facilitate the development and experimentation of 5G applications in various socioeconomic verticals," the institute said in a statement. IIT-I director Prof Suhas Joshi said "It is a proud moment for the institute for being entrusted with this responsibility."

The institute will require to train at least 50 students and 10 faculty members in 5G lab. TNN

IIT-I study on betel nuts claims to aid in early diagnosis of oral cancer

Financially needy students to be trained in AI, software

Times News Network

MAKING FUTURE READY

- More than 250 youths will be provided training in software development and artificial intelligence
- It's a one-year programme, which will be free of cost, for students of any stream from financially underprivileged backgrounds
- The programme is aimed at creating a pool of industry ready workforce

Indore: Homegrown information technology company, Infobeans Foundation, has collaborated with the Indian Institute of Technology Indore (IIT-I), to train young students from financially underprivileged backgrounds free of cost in artificial intelligence and advanced software to create a pool of industry ready workforce.

Infobeans Technologies Ltd co-founder Avinash Sethi said, "We have signed a MoU with IIT-I's Drishti CPS Foundation under which more than 250 youths will be provided training in software development and artificial intelligence. It's a one-year programme which will be free of cost for students of any stream from financially underprivileged backgrounds. The idea is to create a talent pool by nurturing students in advanced technologies and increase employment opportunities by making them industry ready."

Sethi said, Infobeans foundation imparts training to youths and has already trained 150 students in the past of which 120 students have found placement and the average package is Rs 2-4 lakh per annum.

IIT-I's Drishti CPS Foundation CEO Aditya Vyas said, "We are working in collaboration with many institutions to provide employment-oriented education to youth. We focus on startups and teach financial assistance and business fundamentals to young entrepreneurs."

Infobeans Foundation signed another MoU with Federation of Indian Chambers of Commerce & Industry (FICCI) FLO to conduct software training programmes for girl students.

FICCI FLO Indore chairperson Vibha Jain Sethi said, "This software development training will run for a year and education will be completely free for girls. Members of FICCI FLO Indore will mentor each girl, inspire them to progress, bear some of their educational expenses, and assist in their training. After a year, efforts will also be made to employ trained girls in their institutions."

IIT Indore showcases four technologies at IInvenTive

OUR STAFF REPORTER
city.indore@fpj.co.in

IIT Indore, which participated in the second edition of India's largest research and development (R&D) fair, IInvenTiv 2024 which was held at IIT Hyderabad, showcased four of its technologies. The fair aimed at promoting inclusive involvement of the best institutes in India to develop a self-reliant and developed India by 2047. IInvenTiv 2024 was inaugurated by Dharmendra Pradhan, union minister of education and skill development, in the presence of K Sanjay Murthy secretary of higher education.

IIT Indore showcased technologies in the domains of Defence and Space Technology, Agriculture and Food Processing, Industry 4.0, and Affordable Healthcare. From a total of 250 technologies, 128 were selected to be showcased of which 04 were from IIT Indore.

BIG FEAT: IIT Indore fabricates chips for hardware security, AI applications

पीएचडी छात्रा का शोध • ईंट निर्माताओं से चल रही चर्चा, आगे जाकर बिल्डर, कॉन्ट्रैक्टर को भी करवाएंगे उपलब्ध

आईआईटी इंदौर ने ईंटों के लिए बनाया गोबर का फोमिंग एजेंट, ईंटें हलकी और मजबूत होंगी, गर्मी में घर की दीवारें ठंडी रहेंगी

IN A FIRST, 23 COLLEGE STUDENTS TO COMPLETE BTECH AT IIT INDORE

IIT Indore elevates STEM education with Tinkerers' Lab inauguration

OUR STAFF REPORTER
city.indore@fpj.co.in

Indian Institute of Technology (IIT) Indore inaugurated Prof Deepak Phatak Tinkerers' Lab, a student managed facility on September 11. The facility is funded by the Maker Bhavan Foundation (MBF) and the Desai Sethi Foundation and is named after recipient of Padma Shri Phatak, a former chairman of IIT Indore who is known for his path breaking work on a variety of digital technology domains. The lab will remain open 24x7 to the IIT Indore community.

Phatak was the chief guest and were accompanied by Dr Hemant Kanakia, chairman and founder of Maker Bhavan Foundation and Bharat Desai of Desai Sethi Foundation. Phatak addressed the students and highlighted the value of Learning by Doing for an engineer.

'Tinkerers' Lab is an embodiment of fundamental aptitude and attitude of an IITian. Students will definitely enjoy building things with their own hands. The amount of innovation and creativity will depend upon the talent you use and passion shown. The product prototypes students build here will not be bound by any syllabus, but only by the imaginative ideas and creative talent brought to life. The students are encouraged to work and build things with their own hands and seek advice and mentorship from elders as required. The passion which gets poured into the work done here would make the students far better practical problem solvers in life. Their accomplishments here may constitute tiny steps taken towards becoming successful entrepreneurs,' he said.

IIT Indore director Prof Suhas Joshi said, 'The inauguration of Tinkerers' Lab is a momentous occasion for IIT Indore marking our commitment towards nurturing next generation of engineers who are adept at practical problem solving, besides being well-versed in theory. It reflects IIT Indore's commitment to provide holistic ambience to its students and prepare them to make a real impact in the world. The lab will be open 24x7 and that will give a lot of flexibility to execute working on one's idea whenever it strikes and don't have to wait for the next day.'

Desai joined the inauguration online from USA and interacted with the students in a fireside chat. He shared, 'We are inspired by Phatak's passion for teaching, his deep understanding of technology and his ability to translate that into clear conceptual principles that audiences can readily grasp and his immense love for India. This laboratory is dedicated to his contributions to India and his unwavering support to learning.'

आईआईटी इंदौर की खोज • डिजीज के अंश मिले तो रोकने के प्रयास करेंगे

35 से 40 की उम्र में एमआरआई से पता करेंगे अल्जाइमर का, एआई की मदद लेंगे

'At ₹611 cr, 11 STPs & CETP to be developed'

ISSUES WITH EXISTING STPS AND NULLAH TAPPING

WHAT'S NEXT

Financially needy students to be trained in AI, software

Times News Network

MAKING FUTURE READY

- More than 250 youths will be provided training in software development and artificial intelligence
- It's a one-year programme, which will be free of cost, for students of any stream from financially underprivileged backgrounds
- The programme is aimed at creating a pool of industry ready workforce

Indore: Homegrown information technology company, Infobeans Foundation, has collaborated with the Indian Institute of Technology Indore (IIT-I), to train young students from financially underprivileged backgrounds free of cost in artificial intelligence and advanced software to create a pool of industry ready workforce.

Infobeans Technologies Ltd co-founder Avinash Sethi said, "We have signed a MoU with IIT-I's Drishti CPS Foundation under which more than 250 youths will be provided training in software development and artificial intelligence. It's a one-year programme which will be free of cost for students of any stream from financially underprivileged backgrounds. The idea is to create a talent pool by nurturing students in advanced technologies and increase employment opportunities by making them industry ready."

Sethi said, Infobeans foundation imparts training to youths and has already trained 150 students in the past of which 120 students have found placement and the average package is Rs 2-4 lakh per annum.

IIT-I's Drishti CPS Foundation CEO Aditya Vyas said, "We are working in collaboration with many institutions to provide employment-oriented education to youth. We focus on startups and teach financial assistance and business fundamentals to young entrepreneurs."

Infobeans Foundation signed another MoU with Federation of Indian Chambers of Commerce & Industry (FICCI) FLO to conduct software training programmes for girl students.

FICCI FLO Indore chairperson Vibha Jain Sethi said, "This software development training will run for a year and education will be completely free for girls. Members of FICCI FLO Indore will mentor each girl, inspire them to progress, bear some of their educational expenses, and assist in their training. After a year, efforts will also be made to employ trained girls in their institutions."

IIT-Indore unveils three labs on Ujjain campus

Indore: As part of the upcoming campus at Ujjain, IIT Indore inaugurated three state-of-the-art labs under Centre for Experiential Learning on Innovation, Technology and Entrepreneurship (C-ELITE) in Ujjain engineering college.

The labs, namely Makers' Space, Heritage and Innovation Centre in Astronomy and Space Engineering (HICASE), and Laser Engineering, were inaugurated by chief minister Dr Mohan Yadav. Union education and skill development and entrepreneurship Dharmendra Pradhan was present virtually to mark the event.

IIT Indore director Prof Suhas Joshi said that the campus aligns with the National Education Policy 2020 and envisions a Deep Tech Research and Discovery Campus built on the pillars of research and innovation.

The campus will include Deep Tech Research laboratories, a Discovery Center, a Lab-to-Market Center, and a Center for New and Emerging Technology, he said adding it will also support real-life products through a Lab-to-market Incubation and entrepreneurship opportunities, benefiting engineering students from state colleges.

The Makerspace Laboratory aims to provide a conducive environment for young engineering students to showcase their innovative and creative ideas. It encourages students to dismantle and examine systems, as well as rebuild them. This lab will also enable students to transform their creative concepts into tangible engineering products, an institute release said.

HICASE is a unique center that combines ancient wisdom with modern technology to inspire young minds. It encompasses various aspects such as Astronomical Heritage, Space Science Education Hub, Skill Development Centre, Data Intensive Computing & Analytics Laboratory, and Start-up and Innovation in Device Technology related to Astronomy and Space Research, it said.

The Laser Engineering lab offers hands-on experience to students and faculty in designing laser systems for different industrial needs. The lab includes Laser-based GI Index Printing on Textile, which allows for geographical indexing on textile products and wood carving. It also features Laser Michelson Interferometry for high-precision distance and thickness measurements, Laser Engraving and 3D Printing, Opto-Mechatronics System for nano to micro-level laser beam steering, and Photoacoustic System for Health Monitoring to screen for early stage cancer diagnosis.

Over the next five years, IIT Indore aims to develop 250 new technologies. Through its Lab-to-Market program, it plans to incubate 100 ideas and bring at least half of them to the market-ready stage.

The campus will also offer degree programs, executive programs, and skill development programs. It also aims to train 2500 individuals in deep technology over the next five years. The campus facilities will include five conference halls, fifteen digital classrooms, an Administrative Building, and Residential & Hostel complexes. It will serve as a hub for cutting-edge research, interdisciplinary collaboration, and talent development, contributing to the nation's progress. TNN

IIT-I signs MoU with state skill devpt dept

Indore: Indian Institute of Technology (IIT) Indore signed a memorandum of understanding (MoU) with the department of technical education, skill development and employment of state government on Friday to foster academic collaboration, enhance educational opportunities, and promote student mobility. As part of the collaboration called Vidya Samagam, students from all the government/autonomous engineering colleges including University Institute of Technology - Rajiv Gandhi Proudyogiki Vishwavidyalaya, Bhopal (AGAEC) will get an opportunity to complete their BTech. project at IIT Indore and study advanced courses along with IIT Indore students, IIT-I said in a statement. The MoU signed by IIT-I director Professor Suhas Joshi and additional chief secretary Manu Srivastava will be valid for 5 years.

ACADEMIC COLLABORATION

Joshi said, "Meritorious BTech and BE students studying in pre-final year having no backlog from previous semesters from AGAEC in civil engineering, computer science and engineering, electrical engineering, electronics and telecommunication engineering or electronics and communication engineering, information technology, mechanical engineering, mechatronics engineering and metallurgy would be eligible to apply. We will have a selection process comprising of written examination and or personal interview conducted by IIT Indore."

"Selected students for this programme will start working on their project in an online mode from semester 7. The students may visit IIT Indore during holidays or vacations for guidance and project work. They will join IIT Indore in the eighth semester and will complete their project and study elective courses as per the requirement of AGAEC. Students will be evaluated as per the academic policy of IIT Indore for projects and courses studied," said Joshi.

As part of the MoU, students will be allowed to tailor their education by selecting courses from both institutions that align with their academic and career goals. This flexibility of the programme will promote interdisciplinary learning, cross institutional collaboration, and the development of a well-rounded education. TNN

IIT-I to train industry ready talent pool

Times News Network

Indore: Indian Institute of Technology, Indore (IIT-I), signed a memorandum of understanding (MoU) with an automobile manufacturing unit on Monday to collaborate on developing competencies and train industry ready talent pool.

The agreement signed for a period of five years with Volvo Eicher Commercial Vehicles Limited (VECV) will also allow the employees of the automobile company to acquire MTech, Master of Science (Research) and PhD degrees.

IIT-I director professor Suhas S Joshi said, "This cooperation will cover joint research, scientific mobility, exchange of scientific and technical information, exploitation of research results and transfer of technology. It will also help in training of VECV employees, internship of students from IIT-I, joint workshops, research and consultancy projects."

IIT-I will award M.Tech degree in hybrid and electric vehicle to employees of VECV on completion of the course.

VEVC chief operating officer Rajinder Singh Sachdeva said "This is a VECV sponsored programme for its employees. We hope an exchange of around 100 high quality engineers for training in a time frame of five years for future competencies. This MoU will also enhance collaboration in research and academics in the areas of mutual interest. We are working towards building trained manpower for the future automotive industry."

Ex-ISRO chairman Sivan to head IIT-Indore board of governors

TIMES NEWS NETWORK

Indore: Former Indian Space Research Organisation (ISRO) chief **K Sivan** has been appointed the new chairperson of the board of governors of IIT-Indore, the institute's director Suhas S Joshi told TOI on Wednesday.

Sivan was the ISRO chairman from 2018 to 2022 and was in charge of the Chandrayaan-2 mission that was launched on July 22, 2019.

Professor Joshi said that the institute is working out Sivan's visit to the campus. The chairperson of the board has a three-year tenure.

A note about Dr Sivan's appointment and introduction on IIT-I's website listed his innovative contributions, particularly the strategies adopted in mission design enabling the consistent performance of PSLV. **P4**

Innovators present ideas to address rural challenges

Indore: Innovators and entrepreneurs showcased products and pitched innovations to improve and address challenges faced in rural areas at the Rural Innovators Conclave organised by the Indian Institute of Technology, Indore on Saturday.

More than 14 innovators from across the country showcased their products and ideas in the two-day conclave concluded on Saturday. The conclave conducted by the Centre for Rural Development and Technology (CRDT), IIT Indore in association with the Science and Engineering Research Board saw discussions on challenges faced by rural innovators and upcoming innovations.

CRDT works for skill development, small scale entrepreneurship, development of value-added products, access and opportunities for gender diversity. It also works on developing user-friendly interfaces for launching e-platforms for various rural activities that require outreach to larger communities, helping rural entrepreneurs to develop and sell their products with easy access to technology and facilitating the gap between skills and outreach.

CONCLAVE AT IIT

Professor Suhas Joshi, Director, IIT Indore said, "IIT Indore has been engaging with the neighboring institutes and organizations to identify the problems faced by rural India. Our endeavour will be to improve their living conditions by development and application of appropriate and people friendly technologies by adopting participatory, sustainable, transparent and gender sensitive processes." TNN

IIT-I, Choithram join hands to study brain disorders

Indore: A joint research by Indian Institute of Technology, Indore, (IIT-I) and Choithram Hospital and Research Centre has revealed the likelihood of bacterial infection causing brain disorders in human beings leading to medical conditions like alzheimer.

Researchers claim the revelations in the study will help in deciding the line of treatment for alzheimer at an early stage making treatment more effective.

The study to investigate the role of gut bacteria, Helicobacter pylori (H pylori) in gut-brain axis disruption and neuro inflammation was published in the journal Virulence and it emphasised on the possibility of gut microbial secretions entering the brain through one of the longest nerves, connecting gut to the brain and further inducing neuro related diseases and changing the gut-brain axis (GBA).

The research was led by IIT-I Department of Biosciences and Biomedical Engineering associate professor Dr Hem Chandra Jha and Dr Ajay Kumar Jain, Choithram Hospital and Research Centre, Indore.

Jha said "Our team has assessed the effect of anti-microbial-resistant (AMR) H pylori strains on brain physiology. We now have a potential mechanism linking the stomach bacteria to neurological conditions. This study can help to upgrade the treatment regimen of patients with neurological complications along with prior H pylori infection and deciding the line of treatment for alzheimer."

The GBA consists of bi-directional communication between the central and the enteric nervous system, linking emotional and cognitive centres of the brain with peripheral intestinal functions, IIT-I said in a statement issued on Monday.

The study showed that H pylori infection increases inflammation in the gut compartment and alters the activity of signal transducer and activator of transcription 1 and its downstream molecules. This might act as a transcriptional regulator for inflammatory and alzheimer's disease associated hallmarks, the statement said. TNN

IIT में स्थापित होगा मैन्युफैक्चरिंग सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

इंदौर | आईआईटी इंदौर में मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित होगा। इस सेंटर में शिक्षा और उद्योग जगत के लोगों के लिए काम करने और औद्योगिक समस्याओं का समाधान खोजने के अवसर होंगे। दोनों क्षेत्रों के विशेषज्ञ यहां साथ आकर ज्ञान का आदान प्रदान भी कर सकेंगे। मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में काम कर रहे अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए विशेष कोर्स भी चलाए जाएंगे जिससे वो अपने कार्यस्थल पर आगे बढ़ सकें और अनुभव और शिक्षा प्राप्त कर सकें। इसे लेकर आईआईटी और केस न्यू हॉलैंड कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट (आई) प्रालि के बीच एमओयू हुआ है। आईआईटी इंदौर निदेशक प्रो. सुहास जोशी के मुताबिक आईआईटी इंदौर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना और संचालन के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा और सहायता प्रदान करेगा। आई के डायरेक्टर सतेंद्र तिवारी के मुताबिक हम सीएसआर फंडिंग के तहत अनुसंधान उपकरणों में सहयोग करेंगे।

IIT-I ALUMNI MEET IN HYD HELD WITH 140 EX-STUDENTS, FAMILIES

IIT Indore hosted its second off-campus Alumni Meet in Hyderabad recently, gathering around 140 alumni along with their families. Prof. Suhas Joshi, director of IIT Indore, along with Deans, Registrar, faculty, and staff, attended the event. Prof. Joshi highlighted the institute's journey and recent developments, expressing pride in alumni accomplishments. Prof Suman Mukhopadhyay and other deans discussed current and future institute activities. The event featured the release of the 2023 edition of the Alumni Magazine, performances by alumni and students, and felicitation of volunteers. It celebrated the institute's vibrant community and shared successes.

IIT-I starts centre for translational research

TIMES NEWS NETWORK

Indore: Indian Institute of Technology (IIT) Indore inaugurated the centre for translational research on the occasion of its 15th foundation day on Saturday.

The translation research centre was established to formalize the translation research ecosystem and extend the commercialization of technology from research to product stage, the institute said in a statement.

The Institute awarded Excellence Awards on Technology, Research Paper and Non-Teaching staff on the foundation day.

ON OCCASION OF 15TH FOUNDATION DAY

The chief guest on the occasion Professor Abhay Karandikar, Secretary, Department of Science and Technology (DST), Government of India said, "The new National Education Policy has aimed to make an Atmanirbhar Bharat and I am indeed delighted to see that IIT Indore has taken several initiatives in line with the objectives and vision of NEP. It is heartening to know that IIT Indore has programs to include meritorious students from MP Govt Colleges of Engineering in the curriculum of the Institute during their final year. I am happy to note that IIT Indore is one of first IITs to establish the Department of Astronomy and Space Engineering and have a B.Tech program in Space Science and Engineering and I am confident that this department will play a pivotal role in the growth of space sector in the country."

> The institute gave Excellence Awards on Technology, Research Paper and Non-Teaching staff onfoundation day

"The landscape of higher education in India is experiencing a phenomenal transition and NEP 2020 has emphasized a lot of thrust in innovation. DST has been spearheading the research and innovation ecosystem in the country and has notified the Anusandhan National Research Foundation (ANRF) which will help in creating a robust R&D ecosystem not only to select universities but also educational institutes across the country. DST has also launched a national quantum mission wherein thematic hubs will be set up in the area of quantum computing, quantum communication, quantum sensing and quantum materials and devices," said Karandikar.

On the occasion, the institute awarded five translational research fellowships for upgrading the current technologies to higher Technology readiness levels to bring out market ready products. An exhibition showcasing technologies evolved out of the research at IIT Indore including researches done by the Centre for Rural Technology Development was also organised.

A technology handbook, compilation of 135 sessions of a popular programme of IIT-I, Vigyan Par Charcha and a compilation of minutes of Board of Governors meeting were released on the occasion.

Professor Suhas Joshi, Director, IIT-I said, "In the years to come, we have made major plans and thought processes underway for the expansion of our teaching and research activities and making them more relevant to industries and society. In this context, we are planning for some of the new UG and PG academic programs. Development of a new Industrial Research Park where industries can cross-over the industry academia boundary and come closer to us. On this 15th Foundation Day, let us reaffirm our commitment to excellence, innovation, and societal impact. May the years ahead be filled with even greater achievements, breakthroughs, and contributions to the advancement of knowledge and the betterment of humanity."

IIT-I collaborates with German universities

Indore: The Indian Institute of Technology at Indore (IIT-I) has signed a Memorandum of Understanding (MoU) with DAAD (German Academic Exchange Service), Germany, to foster academic and research collaborations.

Under this agreement, faculty members from IIT-I and German universities will collaborate to discuss research and academic collaborations, IIT-I said in a statement issued on Saturday.

DAAD is an organisation representing German higher education institutions, which promotes internationalisation of academic programmes by providing funding for faculty and student exchange programmes from around the world. The MoU signing took place at the German Embassy in New Delhi on October 11, 2023. Dr Philipp Ackermann, the German Ambassador to India, shared his views on strengthening partnerships between Indian higher education institutions and German universities. TNN

Conservation plan: IIT-I to conduct study on Narmada

TIMES NEWS NETWORK

Indore: Indian Institute of Technology, Indore, (IIT-I) will conduct a detailed study on Narmada River and prepare a report on erosion hotspots, flood-prone areas, sewerage and drainage network as part of the National River Conservation Plan, aimed at cleanliness of river and addressing water related challenges.

A team of six professors from IIT-I will work on the project for an initial three years. The study is part of the memorandum of understanding (MoU) signed between the Ministry of Jal Shakti and academic institutions of the country under the National River Conservation Plan.

The ministry had signed agreements with 12 different technical institutes including IITs, NITs, and NEERI for preparing the outlines of river basin management plans for Narmada, Godavari, Krishna, Cauvery, Periyar, and Mahanadi.

IIT-I in collaboration with IIT Gandhinagar will conduct an extensive study of the 98,796 sq km widespread Narmada River basin.

Professor Manish K Goyal from IIT-I said "IIT Indore will provide a detailed water budget report and identify sediment-contaminated regions and erosion hotspots. Detection and prediction of the flood-prone area and suggesting measures for assessing and sustaining the aquatic biodiversity in the region will be focussed upon."

IIT-I will conduct a detailed analysis of the soil, rock, and water quality availability in the region and provide a proper sewerage and drainage network plan, sanitation mapping. The institute will also study the potential of integrated solid waste management practices and viability of sustainable biological treatment techniques in the Narmada River Basin.

The Mahanadi River basin will be studied by NIT Raipur and NIT Rourkela, the Godavari River basin by IIT Hyderabad and NEERI Nagpur, the Cauvery River basin by IISc Bengaluru and NIT Trichy, the Periyar River basin by IIT Palakkad and NIT Calicut. These institutes will indulge in research, monitoring and gathering technical knowledge required for the condition assessment and management plan in basin management of the six rivers.

IIT-I plans to recycle food waste into compost, biofuel

SWACHH MOVE

New course to handhold agri entrepreneurs

TIMES TRIBUTES
OBITUARY & REMEMBRANCE
RATE CARD

Publications	Rate Per sq.CMS
TOI MP (MP+CG)	Rs.150
TOI Bhopal	Rs.40
TOI Indore	Rs.40
TOI Raipur	Rs.40
TOI Gwalior & Jabalpur	Rs.40

Contact:
Atul; 9920484731
atul.bhargava@timesgroup.com

IIT ने हरियाणा के 238 सरकारी स्कूलों में स्थापित की एस्ट्रोनॉमी लैब

हर लैब में 10 लाख रुपए के उपकरण लगाए गए

संस्थान के कार्यक्रम एवं समारोह

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस – 2023

"वसुधैव कुटुम्बकम के लिए योग" के शाश्वत मंत्र का पालन करते हुए, आईआईटी इंदौर ने 9वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। इस कार्यक्रम का संचालन योग प्रशिक्षक और अभ्यासी श्रीमती मनीषा मंजुल पांडे ने किया। उन्होंने अंग्रेजी और योग में स्नातकोत्तर किया है। इसके अलावा, उन्होंने संगीत और शिक्षा से भी स्नातक किया है। वर्तमान में, वह ऋषिकेश में विन्यास योगशाला में एक शिक्षिका हैं और योग निद्रा और मंत्र जाप के साथ ध्यान कक्षाएँ संचालित करने में माहिर हैं। मनीषा दुनिया की सबसे प्रसिद्ध प्रणालीः 'बिहार स्कूल ऑफ योग' की तकनीकों को शामिल करती हैं, जो दुनिया भर में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण प्रदान करने के अपने प्रामाणिक और व्यावहारिक पहलुओं के लिए जानी जाती है। इस कार्यक्रम में छात्रों, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और परिवारों की बड़ी भागीदारी देखी गई।

एकादश दीक्षांत समारोह दिवस – 2023

आईआईटी इंदौर ने 15 जुलाई, 2023 को 2023 बैच के एकादश दीक्षांत समारोह की मेजबानी की। कुल 554 डिग्री प्राप्तकर्ताओं में से 470 समारोह में उपस्थित रहे। बैच में 297 बी.टेक, 101 एम.एससी., 62 एम.टेक, 12 एमएस रिसर्च और 82 पीएचडी छात्र शामिल थे। डॉ. वोल्कर इपिंग, अध्यक्ष, लीबनिज यूनिवर्सिटी हनोवर जर्मनी मुख्य अतिथि थे। श्री सेनापति 'क्रिस' गोपालकृष्णन, अध्यक्ष, एक्सिलर वेंचर्स, सह–संस्थापक इंफोसिस व अध्यक्ष, इंफोसिस साइंस फाउंडेशन, समारोह के विशिष्ट अतिथि थे। इस अवसर पर प्रोफेसर दीपक बी. फाटक, अध्यक्ष, शासी मंडल तथा प्रोफेसर सुहास एस. जोशी, निदेशक आईआईटी इंदौर भी उपस्थित थे।

इस दौरान, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के श्री पूर्णदीप चक्रवर्ती को सभी स्नातक डिग्री प्राप्तकर्ताओं में से सर्वश्रेष्ठ अकादमिक प्रदर्शन के लिए राष्ट्रपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के कृशानु सैनी, विद्युत अभियांत्रिकी के आर्यन रस्तोगी, यांत्रिक अभियांत्रिकी की इशिका बुद्धिराजा, जानपद अभियांत्रिकी के सत्यम वत्स, धातुक्रम अभियांत्रिकी एवं पदार्थ विज्ञान की रमा संदीप एदलाबादकर को सभी स्नातक डिग्री प्राप्तकर्ताओं में से अलग–अलग विभाग के सर्वश्रेष्ठ अकादमिक प्रदर्शन के लिए संस्थान के रजत पदक से सम्मानित किया गया। एम.टेक की समृद्धि सक्सेना और एम.एससी प्रोग्राम के सईद काज़िम हुसैन नासिर को भी सभी स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्तकर्ताओं में से सर्वश्रेष्ठ अकादमिक प्रदर्शन के लिए संस्थान के रजत पदक से सम्मानित किया गया, वहीं रसायन विज्ञान विभाग की सुश्री सृजिता पाल को दो वर्षों के मास्टर्स प्रोग्राम के सभी डिग्री प्राप्तकर्ताओं के बीच उच्चतम सीपीआई हासिल करने वाली सर्वश्रेष्ठ महिला छात्रा के रूप में श्बूटी फ़ाउंडेशन गोल्ड मेडलश से सम्मानित किया गया। संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के प्रशील कुमार तिवारी और ज्योतिष्णा बैश्य को "इंट्रा–सेंसर फ़िंगरप्रिंट प्रेज़ेंटेशन अटैक डिटेक्शन" के लिए सर्वश्रेष्ठ बी.टेक प्रोजेक्ट की उपाधि से सम्मानित किया गया। जानपद अभियांत्रिकी की सुश्री नियति तोतला को सभी डिग्री प्राप्तकर्ताओं में से सर्वश्रेष्ठ सर्वांगीण प्रदर्शन के लिए संस्थान के रजत पदक से सम्मानित किया गया।

नए बी.टेक छात्रों हेतु ऑरिएंटेशन कार्यक्रम – 2023

आईआईटी इंदौर ने 2 अगस्त, 2023 को नए बी.टेक छात्रों के लिए ऑरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित किया। यह कार्यक्रम ऑफलाइन आयोजित किया गया था, और इसमें अभिभावकों को भी आमंत्रित किया गया था। 99 लड़कियों, 02 ओसीआई और 03 प्रारंभिक सहित विभिन्न कार्यक्रमों में लगभग 480 छात्रों ने दाखिला लिया। इस अवसर पर मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलीकम्युनिकेशन एंड इंजीनियरिंग (एमसीटीई) के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल केएच गवास मुख्य अतिथि थे। इस शैक्षणिक वर्ष से अंतरिक्ष विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, रासायनिक अभियांत्रिकी, गणित एवं कंप्यूटिंग तथा इंजीनियरिंग भौतिकी में चार नए बीटेक कार्यक्रम शुरू हुए हैं। यह संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी, यांत्रिक अभियांत्रिकी, जानपद अभियांत्रिकी तथा धातुकर्म अभियांत्रिकी एवं पदार्थ विज्ञान में मौजूदा बीटेक कार्यक्रमों के अतिरिक्त हैं।

संसदीय राजभाषा समिति का दौरा – 2023

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर ने संसदीय राजभाषा समिति की प्रदर्शनी एवं बैठक में भाग लिया। राजा रमन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केंद्र, इंदौर ने 21 अगस्त, 2023 (सोमवार) को इंदौर मैरियट होटल में बैठक एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर संसदीय राजभाषा समिति की प्रथम उप–समिति ने समीक्षा बैठक की। प्रथम उप–समिति के माननीय संयोजक श्री रामचंद्र जांगड़ा, संसद सदस्य, राज्य सभा ने बैठक की अध्यक्षता की। उनके साथ श्री धर्मेंद्र कश्यप, संसद सदस्य, लोक सभा; श्री इरन्ना कदादी, संसद सदस्य, राज्य सभा; श्री सुजीत कुमार, संसद सदस्य, राज्य सभा; श्री इरफान अहमद खान, वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी; श्री विक्रांत भाटिया, अनुभाग अधिकारी और श्री सहदेव सिंह, रिपोर्टर, साथ ही, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से श्री जगदीश राम पौड़ी, संयुक्त निदेशक, राजभाषा, और श्रीमती सतिंदर मल्होत्रा, सहायक निदेशक, राजभाषा भी उपस्थित थे। इसके अलावा, आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी, राजभाषा समिति के संयोजक प्रोफेसर राजेश कुमार, कुलसचिव श्री एस. पी. होता, संयुक्त कुलसचिव कमांडर सुनील कुमार (सेवानिवृत्त), मुख्य सुरक्षा अधिकारी श्री रमाकांत कौशिक, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष श्री राजेश कुमार और अन्य कर्मचारी भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर, संस्थान द्वारा राजभाषा से संबंधित सभी कार्यों के नमूने प्रदर्शनी में प्रदर्शित किए गए, साथ ही राजभाषा से संबंधित पुस्तकें तथा हिंदी साहित्य की पुस्तकें भी प्रदर्शित की गईं। साथ ही संस्थान के निदेशक एवं अन्य अधिकारियों ने प्रदर्शनी में प्रदर्शित सामग्री के बारे में माननीय सदस्यों को जानकारी दी।

प्रोफेसर दीपक फाटक टिंकरर्स लैब का उद्‌घाटन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर (आईआईटी इंदौर) ने 11 सितंबर, 2023 को प्रोफेसर दीपक फाटक टिंकरर्स लैब का उद्‌घाटन किया, जो एक छात्र प्रबंधित सुविधा है। इस सुविधा को मेकर भवन फाउंडेशन (एमबीएफ़) तथा देसाई सेठी फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित किया गया है और इसका नाम पद्‌मश्री से सम्मानित प्रोफेसर दीपक बी. फाटक के नाम पर रखा गया है, जो एक विशिष्ट शिक्षक तथा स्वयं एक बेहतरीन निर्माता हैं, जो विभिन्न डिजिटल प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अपने अग्रणी कार्यों के लिए जाने जाते हैं। यह लैब आईआईटी इंदौर समुदाय के लिए 24•7 खुली रहेगी। इस दौरान, प्रोफेसर दीपक बी. फाटक मुख्य अतिथि थे और उनके साथ मेकर भवन फाउंडेशन के अध्यक्ष व संस्थापक डॉ. हेमंत कनकिया और देसाई सेठी फाउंडेशन के श्री भरत देसाई भी उपस्थित थे।

हिंदी पखवाड़ा – 2023

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर ने राजभाषा समिति के तत्वावधान में 14 से 29 सितंबर, 2023 तक हिंदी पखवाड़ा – 2023 का आयोजन किया। 14 सितंबर, 2023 को संस्थान में 'हिंदी दिवस' मनाया गया तथा हिंदी पखवाड़ा– 2023 समारोह का औपचारिक उद्‌घाटन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आईआईटी इंदौर के प्रशासन के अधिष्ठाता प्रोफेसर संदीप चौधरी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में संस्थान के कुलसचिव श्री एस.पी. होता उपस्थित रहे। साथ ही, राजभाषा समिति के संयोजक प्रोफेसर राजेश कुमार तथा डॉ. शरद गुप्ता भी इस गौरवशाली कार्यक्रम में उपस्थित थे। इस पखवाड़े में कुल 5 प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। सभी प्रतियोगिताओं में संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों, अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। 29 सितम्बर, 2023 को आईआईटी इंदौर परिसर में स्थित केन्द्रीय विद्यालय के बच्चों ने हिंदी पुस्तक प्रदर्शनी में प्रदर्शित पुस्तकों एवं उनके लेखकों के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा विद्यार्जन संसाधन केंद्र (संस्थान पुस्तकालय) की अन्य पुस्तकों से भी परिचित हुए। समापन सत्र में सभी विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया है तथा संस्थान के प्रथम त्रैमासिक हिंदी समाचार पत्रिका का विमोचन किया गया।

पूर्व छात्र सम्मेलन – बैंगलोर यात्रा

आईआईटी इंदौर ने 23 सितंबर 2023 को द हिल्टन, बेंगलुरु एम्बेसी मान्यता बिजनेस पार्क बेंगलुरु में अपना पहला आउट ऑफ कैंपस पूर्व छात्र सम्मेलन – बेंगलुरु यात्रा आयोजित किया है। इस कार्यक्रम का उद्‌घाटन आईआईटी इंदौर के माननीय निदेशक प्रोफेसर सुहास एस जोशी के संबोधन से हुआ, जिसके बाद अधिष्ठाता पूर्व छात्र एवं कॉर्पोरेट संबंध एसीआर (प्रोफेसर सुमन मुखोपाध्याय), अधिष्ठाता आरएंडडी (प्रोफेसर आई. ए. पलानी) तथा अधिष्ठाता छात्र कार्य (प्रोफेसर श्रीवत्सन वासुदेवन) ने संबोधन किया।

इस कार्यक्रम में लगभग 200 पूर्व छात्रों (अपने परिवार के सदस्यों के साथ) ने भाग लिया, जो देश और विदेश में विभिन्न कंपनियों और उद्योगों में अलग–अलग डोमेन में काम कर रहे हैं। प्रोफेसर जोशी ने पूर्व छात्रों को 2009 में इसकी स्थापना की तिथि से संस्थान की पूरी यात्रा साझा की। इस कार्यक्रम में प्रोफेसर सुभेंदु रक्षित, प्रोफेसर आनंद पारे, प्रोफेसर आमोद सी. उमरीकर, प्रोफेसर एस.के. सफीक अहमद, प्रोफेसर रुचि शर्मा, प्रोफेसर नेमिनाथ हुबली, प्रोफेसर देवेंद्र देशमुख, डॉ. पार्थ प्रतिम चट्टराज, सीनियर वीपी (एसीआर) तथा श्री अशोक कुमार देव, उप कुलसचिव (एसीआर) भी शामिल हुए, जिन्हें अपने पूर्व छात्रों और उनके परिवार के सदस्यों से बातचीत करने का मौका मिला। कार्यक्रम के अन्य मुख्य आकर्षण थे संस्थान की वर्ष पुस्तिका 2023 का विमोचन, पूर्व छात्रों और वर्तमान छात्रों द्वारा संगीतमय प्रदर्शन और स्टैंडअप कॉमेडी और आईआईटी इंदौर के निदेशक द्वारा स्वयंसेवकों और कलाकारों का सम्मान। कार्यक्रम का समापन आईआईटी इंदौर के कुलसचिव श्री सिबा प्रसाद होता द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

स्वच्छता श्रमदान अभियान – 2023

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर ने गांधी जयंती से एक दिन पहले 1 अक्टूबर 2023 (रविवार) को स्वच्छता श्रमदान अभियान चलाया। इस अभियान में संस्थान के सदस्यों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। इस कर्तव्य–बोध दिवस के अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस जोशी; छात्र कार्य के अधिष्ठाता प्रोफेसर श्रीवत्सन वासुदेवन; शैक्षिक बाह्य संपर्क के अधिष्ठाता प्रोफेसर देवेंद्र लक्ष्मणराव देशमुख; आधारभूत संरचना विकास के अधिष्ठाता प्रोफेसर मनीष कुमार गोयल, कुलसचिव श्री एस पी होता; मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ शिल्पा राउत; उप कुलसचिव (प्रशासन) श्री सुरेश चंद्र ठाकुर; सहायक कुलसचिव (सामग्री प्रबंधन अनुभाग) सुश्री पूजा दत्ता; अन्य अधिकारी, छात्र और कर्मचारी उपस्थित थे। इसके अलावा संस्थान परिसर में स्थित केंद्रीय विद्यालय ने भी इस कार्य में भाग लिया, जहाँ विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती नीलम मालवीय, अन्य शिक्षक और स्कूली बच्चों ने भी इस अभियान में बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और इसे सफल बनाया।

इस अभियान के तहत संस्थान के लगभग 200 कार्मिकों एवं परिवार के सदस्यों ने संस्थान के विभिन्न स्थानों की सफाई की तथा स्वच्छता श्रमदान अभियान में भाग लिया। साथ ही, संस्थान के लोगों ने जैव विविधता को बनाए रखने के लिए परिसर में फैले वन क्षेत्र का भी भ्रमण किया। इसी क्रम में, सभी ने जल शक्ति कार्यक्रम के तहत संस्थान परिसर द्वारा विकसित एवं संधारित जलाशयों के परिधि क्षेत्र की भी सफाई की। इस तरह लोगों ने विशेष कार्यक्रम 'एक तारीख–एक घंटा–एक साथ' को सार्थक बनाया तथा देश एवं संस्थान परिसर को स्वच्छ एवं कचरा मुक्त बनाने का संकल्प लिया।

प्रधानमंत्री द्वारा आईआईटी इंदौर के शैक्षणिक पॉड का उद्घाटन

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गांधी जयंती की पूर्व संध्या यानी 2 अक्टूबर, 2023 को आईआईटी इंदौर के शैक्षणिक पॉड्स का उद्घाटन किया। वे ग्वालियर से ऑनलाइन शामिल हुए और पीएम–अजय योजना के तहत छात्र छात्रावास और संस्थान के आधारभूत संरचना विकास के तीसरे चरण की आधारशिला रखी।

शैक्षणिक भवन, जिन्हें पॉड्स कहा जाता है, लगभग 44,000 वर्ग मीटर में फैले हुए हैं, और लगभग 128.9 करोड़ रुपये की लागत से बनाए गए हैं। भवन में शैक्षणिक विभागों की विभिन्न प्रयोगशालाएँ और कार्यालय शामिल हैं। संस्थान की प्रयोगशालाएँ एनईपी 2020 की सिफारिशों के अनुरूप अंतःविषय पाठ्यक्रम और कार्यक्रमों पर जोर देती हैं। आईआईटी इंदौर ने 21वीं सदी के ज्ञान समाजों और उनकी आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए अपने शैक्षणिक कार्यक्रम, शोध पहल और आउटरीच गतिविधियाँ विकसित की हैं। वैश्विक रूप से सोचें, वैश्विक रूप से कार्य करें के मंत्र के साथ, आईआईटी इंदौर सीखने और शोध का वैश्विक केंद्र बन रहा है।

5जी लैब परीक्षण हेतु चुनी गई देश की 100 प्रयोगशालाओं में आईआईटी इंदौर भी शामिल

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर को भारत सरकार के दूरसंचार विभाग द्वारा देश में स्थापित की जाने वाली 100 5जी प्रयोगशालाओं में से चुना गया है। यह घोषणा आज भारत मंडपम् में माननीय प्रधानमंत्री द्वारा इंडिया मोबाइल कांग्रेस के 7वें संस्करण के उद्घाटन के दौरान की गई। छात्रों और स्टार्टअप समुदायों के लिए 5जी तकनीकों में दक्षता और जुड़ाव बनाने के लिए प्रयोगशालाएँ स्थापित की जा रही हैं। इससे विभिन्न सामाजिक–आर्थिक क्षेत्रों में 5जी अनुप्रयोगों के विकास और प्रयोग की सुविधा होगी।

जबकि सरकार प्रयोगशाला स्थापित करने के लिए पूंजीगत व्यय का 80% वित्त पोषित करेगी, शेष 20% संस्थान द्वारा पूरा किया जाएगा। हालांकि, सरकार अगले चार वर्षों के लिए परिचालन व्यय का 100% वहन करेगी।

आईआईटी इंदौर उन्नत क्वांटम पर ध्यान केंद्रित करेगा और स्थानीय विकास में योगदान देगा और वैश्विक स्तर पर अनुसंधान नवाचार का प्रदर्शन करेगा। 5जी प्रयोगशाला उपकरणों में 5जी एसए अवसंरचना (मिड बैंड), 5जी सिम, डोंगल, आईओटी गेटवे, राउटर तथा एप्लीकेशन सर्वर के साथ–साथ प्रबंधन डैशबोर्ड भी शामिल होंगे, जो प्रयोगशाला की आवश्यकताओं को पूरा करेंगे।

आईआईटी इंदौर में भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों में अंतर्राष्ट्रीयकरण पर आईएचईडी कार्यशाला आयोजित

आईआईटी इंदौर ने जर्मन अकादमिक एक्सचेंज सर्विस (डीएएडी) के सहयोग से 30 व 31 अक्टूबर, 2023 को "भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों में अंतर्राष्ट्रीयकरण – संरचना और सेवाएँ" पर आईएचईडी कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का उद्घाटन आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी और जर्मन वाणिज्य दूतावास, मुंबई की उप महावाणिज्यदूत श्रीमती मार्जा–सिरखा इनिग ने किया। कार्यशाला का उद्देश्य भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों और जर्मन विश्वविद्यालयों के बीच सहयोग के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं और अवसरों पर विचार–विमर्श करना था।

इस कार्यशाला में शिक्षा संस्थानों के अंतर्राष्ट्रीयकरण के लिए जर्मन और भारतीय रणनीतियों और क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और वैश्विक नेटवर्क को कुशल तरीके से बढ़ावा देने में अंतर्राष्ट्रीय संबंध कार्यालयों की भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया गया। जर्मनी में उपलब्ध विभिन्न फंडिंग और शोध अवसरों पर भी चर्चा की गई।

परमाणु भौतिकी पर 67वीं डीएई संगोष्ठी–2023

आईआईटी इंदौर ने 9–13 दिसंबर, 2023 के दौरान परमाणु भौतिकी पर 67वीं डीएई संगोष्ठी–2023 की मेजबानी की है, जिसमें 'परमाणु शैल मॉडल' विषय पर एक पूर्व–संगोष्ठी ऑरिएंटेशन कार्यक्रम है। यह इतिहास के 67 वर्षों में पहली बार मध्य भारत में हो रहा है। इन संगोष्ठियों का उद्देश्य परमाणु भौतिकी समुदाय को अपने शोध कार्य प्रस्तुत करने तथा शोधकर्ताओं के साथ वार्ता करने के लिए एक वैज्ञानिक मंच प्रदान करना है, जो विषय सीमाओं को आगे बढ़ाने में मदद करता है। संगोष्ठी के वैज्ञानिक विचार–विमर्श में पूर्ण वार्ता, योगदान पत्रों की मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ और थीसिस प्रस्तुतियाँ शामिल हैं। इसके अलावा, इंडियन फिजिक्स एसोसिएशन (आईपीए) द्वारा यंग अचीवर अवार्ड (वाईएए) और सर्वश्रेष्ठ पीएचडी थीसिस अवार्ड भी दिया गया। संगोष्ठी के संयोजक के रूप में डॉ. आराधना श्रीवास्तव, बीएआरसी मुंबई तथा स्थानीय संयोजक के रूप में प्रोफेसर रघुनाथ साहू, आईआईटी इंदौर उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में परमाणु भौतिकी के विभिन्न क्षेत्रों– परमाणु संरचना, परमाणु प्रतिक्रियाएँ, परमाणु खगोल भौतिकी, हैड्रॉन भौतिकी, क्वार्क–ग्लूऑन प्लाज्मा, इलेक्ट्रोवीक इंटरैक्शन, परमाणु उपकरण और भविष्य की सुविधाओं पर 700 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। इस भव्य कार्यक्रम में भारत और विदेश से लगभग 550 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जो कि आईआईटी इंदौर में अपनी तरह का पहला कार्यक्रम था। इस कार्यक्रम का उद्घाटन 9 दिसंबर 2023 को पद्म भूषण प्रोफेसर वी.एस. राममूर्ति, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के पूर्व सचिव व एक प्रसिद्ध परमाणु भौतिक विज्ञानी के मुख्य अतिथि के रूप में हुआ। संगोष्ठी परमाणु विज्ञान अनुसंधान बोर्ड, परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित है।

आईआईटी इंदौर में रूरल इनोवेटर्स कॉन्क्लेव आयोजित

आईआईटी इंदौर में 5 और 6 जनवरी, 2024 को रूरल इनोवेटर्स कॉन्क्लेव का आयोजित किया गया, जिसके माध्यम से इनोवेटर्स और उद्यमियों के एक बड़े समूह को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने, उसके माध्यम से सहायता करने और ग्रामीण जीवन को बेहतर बनाने के लिए अपने नवाचारों को लेकर विचार साझा करने का एक मंच प्रदान किया गया। इस दौरान, प्रतिभागियों ने कॉन्क्लेव में अपने उत्पाद प्रदर्शित किए, ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के सामने आने वाली समस्याओं से अवगत कराया और उनके लिए संभावित समाधान बताए। कॉन्क्लेव में ग्रामीण इनोवेटर्स के सामने आने वाली चुनौतियों और आने वाले 10 वर्षों में अपेक्षित ग्रामीण इनोवेशन पर चर्चा शामिल रही। इसके अलावा, इस अवसर पर 14 से अधिक इनोवेटर्स ने भी अपने इनोवेशन का प्रदर्शन किया। यह कॉन्क्लेव ग्रामीण विकास एवं प्रौद्योगिकी केंद्र, आईआईटी इंदौर द्वारा विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड के सहयोग से आयोजित किया गया।

ग्रामीण विकास और प्रौद्योगिकी केंद्र, आईआईटी इंदौर का लक्ष्य कौशल विकास, लघु–स्तरीय उद्यमिता, मूल्य वर्धित उत्पादों का विकास, लैंगिक विविधता के लिए पहुंच तथा अवसर और विभिन्न ग्रामीण गतिविधियों से जुड़े ई–प्लेटफॉर्म लॉन्च करने हेतु उपयोगकर्ता के लिए आसान इंटरफेस विकसित करना है, जिनके लिए ग्रामीण उद्यमियों को प्रौद्योगिकी तक आसान पहुंच के साथ अपने उत्पादों को विकसित करने और बेचने में मदद करने और कौशल तथा आउटरीच के बीच अंतर को सुविधाजनक बनाने के लिए बड़े समुदायों तक पहुंच की आवश्यकता होती है।

इस अवसर पर, उद्घाटन सत्र में प्रोफेसर सुहास जोशी, प्रोफेसर वीरेंद्र कुमार, सीआरडीटी आईआईटी दिल्ली, डॉ. देबप्रिया दत्ता, प्रमुख और वरिष्ठ सलाहकार – सीड डिवीजन, डीएसटी, डॉ. नेहा गुप्ता, वरिष्ठ सलाहकार, राज्य नीति और योजना आयोग, मध्य प्रदेश , प्रोफेसर पारुल ऋषि, आईआईएफएम भोपाल, श्री सिद्धार्थ जैन, सीईओ, इंदौर जिला पंचायत, श्रीमती भारती ठाकुर, सचिव, नर्मदा, प्रोफेसर संदीप चौधरी, डीन (प्रशासन) और डॉ. देबायन सरकार, प्रमुख सीआरडीटी ने भाग लिया।

विश्व हिंदी दिवस – 2024

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर ने राजभाषा समिति के तत्वावधान में 10 जनवरी, 2024 (बुधवार) को विश्व हिंदी दिवस – 2024 का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रशासन के अधिष्ठाता प्रोफेसर संदीप चौधरी व विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री एस. पी. होता उपस्थित रहे, साथ ही राजभाषा समिति के संयोजक प्रोफेसर राजेश कुमार और डॉ. शरद गुप्ता भी उपस्थित थे। इस शुभ अवसर पर सभी अतिथियों और विद्वानों ने संस्थान की राजभाषा समिति द्वारा प्रकाशित हिंदी त्रैमासिक समाचार पत्रिका, द्वितीय अंक, जनवरी – 2024 और हिंदी कैलेंडर – 2024 का विमोचन किया। इस कार्यक्रम में कई संकाय सदस्य, अधिकारी, छात्र और कर्मचारी उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि और संस्थान के कुलसचिव श्री एस. पी. होता ने सबसे पहले आईआईटी इंदौर समुदाय को विश्व हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इसके बाद उन्होंने संस्थान में पिछले वर्ष राजभाषा से जुड़ी सभी गतिविधियों और कुछ प्रस्तावित कार्यक्रमों के बारे में पीपीटी के माध्यम से लोगों का ध्यान आकर्षित किया, जो इस समारोह का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था। संस्थान में हिंदी के कार्यान्वयन में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए राजभाषा समिति के पूर्व संयोजकों और सदस्यों को सम्मानित किया गया। साथ ही विश्व हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर हिंदी शोध पोस्टर प्रस्तुति कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इन्वेंटिव (IInvenTive) – 2024

आईआईटी इंदौर ने भारत के सबसे बड़े अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) फेयर, इन्वेंटिव (IInvenTive) 2024 के दूसरे संस्करण में भाग लिया, जो 19 व 20 जनवरी, 2024 को आईआईटी हैदराबाद में आयोजित किया गया था। इस फेयर का उद्देश्य 2047 तक आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण के लिए भारत के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों की समावेशी भागीदारी को बढ़ावा देना था। इन्वेंटिव (IInvenTive) 2024 का उद्घाटन श्री धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्री ने उच्च शिक्षा सचिव श्री के. संजय मूर्ति की उपस्थिति में किया।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इंदौर ने रक्षा एवं अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, उद्योग 4.0 तथा किफायती स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में अपनी चार तकनीकों का प्रदर्शन किया। कुल 250 तकनीकों में से 128 को प्रदर्शन के लिए चुना गया, जिनमें से 04 आईआईटी इंदौर की थीं। इन प्रौद्योगिकियों को आईआईटी इंदौर के प्रतिष्ठित प्रोफेसरों के शोध समूहों द्वारा विकसित किया गया था, जिनमें प्रोफेसर आई. ए. पलानी, प्रोफेसर तृप्ति जैन और प्रोफेसर शैबाल मुखर्जी शामिल थे।

पूर्व छात्र सम्मेलन – हैदराबाद यात्रा

आईआईटी इंदौर ने 10 फरवरी, 2024 को हैदराबाद में अपने कैंपस से बाहर दूसरा पूर्व छात्र सम्मेलन – हैदराबाद यात्रा आयोजित किया। इस कार्यक्रम में लगभग 140 पूर्व छात्र (अपने परिवार के सदस्यों के साथ) शामिल हुए, जो देश और विदेश में विभिन्न कंपनियों और उद्योगों में अलग–अलग डोमेन में काम कर रहे हैं।

प्रोफेसर सुहास जोशी, निदेशक, आईआईटी इंदौर के साथ अधिष्ठाता, कुलसचिव, संकाय सदस्य और कर्मचारी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। प्रोफेसर जोशी ने संस्थान की स्थापना के बाद से अब तक की यात्रा को साझा किया और आधारभूत संरचना, अनुसंधान, शैक्षणिक पाठ्यक्रम, छात्र गतिविधियों और सुविधाओं के संदर्भ में उपलब्धियों और हाल के विकास पर प्रकाश डाला।

प्रोफेसर सुमन मुखोपाध्याय, अधिष्ठाता एसीआर ने संस्थान द्वारा की जा रही वर्तमान और भविष्य की गतिविधियों पर प्रकाश डाला, जबकि प्रोफेसर पलानी, अधिष्ठाता आरएंडडी और प्रोफेसर एस. वासुदेवन, अधिष्ठाता छात्र कार्य ने संस्थान के जोरदार और प्रेरक विकास के बारे में जानकारी दी। इस कार्यक्रम में संस्थान की पूर्व छात्र पत्रिका आईआईटीआई–एलुमनस के 2023 संस्करण का विमोचन, "गिविंग बैक टू अल्मा माटर" अभियान, पूर्व छात्रों, कर्मचारियों और वर्तमान छात्रों द्वारा संगीत और नृत्य प्रदर्शन और स्वयंसेवकों और कलाकारों का अभिनंदन भी शामिल था।

पंचदश स्थापना दिवस – 2024

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर ने 17 फरवरी, 2024 को संस्थान का पंचदश स्थापना दिवस मनाया। इस दौरान कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के सचिव प्रोफेसर अभय करंदीकर मुख्य अतिथि थे। संस्थान के शासी मंडल के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर दीपक बी फाटक और निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी भी कार्यक्रम के दौरान मौजूद रहे।

दिन के दौरान कई कार्यक्रमों की योजना बनाई गई। दिन का प्रमुख आकर्षण स्थानांतरीय अनुसंधान केंद्र का उद्घाटन था। इसे स्थानांतरीय अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र को औपचारिक बनाने और अनुसंधान से उत्पाद चरण तक प्रौद्योगिकी के व्यावसायीकरण का विस्तार करने के लिए स्थापित किया गया है। बाजार के लिए तैयार उत्पादों को सामने लाने के लिए मौजूदा तकनीकों को उच्च टीआरएल स्तरों पर अपग्रेड करने के लिए पांच ट्रांसलेशनल रिसर्च फेलोशिप प्रदान की गई। इसके अलावा, आईआईटी इंदौर में शोध से विकसित प्रौद्योगिकियों की एक प्रदर्शनी भी लगाई गई है। इसमें ग्रामीण प्रौद्योगिकी विकास केंद्र की प्रौद्योगिकियां भी शामिल थीं। संस्थान ने शासकीय मध्य विद्यालय गाजिंडा को भी अंगीकार किया है ताकि वह उनके सीखने के अनुभव को बढ़ाने में मदद कर सके। इस कार्यक्रम के लिए स्कूल के बच्चों के साथ–साथ हेडमास्टर को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था।

प्रौद्योगिकी पुस्तिका, संस्थान के लोकप्रिय कार्यक्रम विज्ञान पर चर्चा के 135 सत्रों का संकलन तथा शासी मंडल की बैठक के कार्यवृत्त का संकलन भी जारी किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रौद्योगिकी, शोध पत्र तथा गैर–शिक्षण कर्मचारियों के लिए संस्थान उत्कृष्टता पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

आईआईटी इंदौर में पीएमआरएफ वार्षिक संगोष्ठी 2024 आयोजित

आईआईटी इंदौर में दो दिवसीय कार्यक्रम 'पीएमआरएफ वार्षिक संगोष्ठी 2024' का आयोजन किया गया, जिसमें विज्ञान और इंजीनियरिंग के विभिन्न क्षेत्रों के पीएमआरएफ के अंतर्गत अनुदान वाले संस्थानों के शोधकर्ता शामिल हुए। इस संगोष्ठी में बौद्धिक विचार–विमर्श, शैक्षणिक अंतर्दृष्टि और सांस्कृतिक संवर्धन पर चर्चाएँ हुईं, जो कि 3 और 4 मार्च को आयोजित की गई। इस अवसर पर, संगोष्ठी के मुख्य अतिथि के रूप में आईआईटी बॉम्बे के पूर्व निदेशक प्रोफेसर देवांग वी. खाखर उपस्थित रहे और इस संगोष्ठी की मेजबानी आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी ने की।

संगोष्ठी के सत्रों में विशिष्ट वक्ताओं द्वारा अत्याधुनिक अनुसंधान, भविष्य के शैक्षणिक शिक्षाशास्त्र, भारत में वैज्ञानिक अनुसंधान के कौशल और (एक महिला के रूप में), प्रयोगों की एक गहन यात्रा, भारतीय ज्ञान परंपरा और इसकी वर्तमान प्रासंगिकता, एक अच्छा शिक्षक बनने के लिए क्या आवश्यक है?, वैश्विक अनुसंधानः प्रमुखता और उत्पादकता पर व्यापक रूप से विचार–विमर्श किया गया।

प्रधानमंत्री रिसर्च फेलो (पीएमआरएफ) योजना देश के विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों में अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार के लिए डिज़ाइन की गई है। आकर्षक फ़ेलोशिप के साथ, यह योजना सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को अनुसंधान में आकर्षित करती है जिससे नवाचार के माध्यम से विकास के दृष्टिकोण को साकार किया जा सके।

फ़्लक्सस 2024

आईआईटी इंदौर का एकादश वार्षिक तकनीकी–सांस्कृतिक महोत्सव 'फ़्लक्सस 2024' 6–9 मार्च 2024 के बीच आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम 6 मार्च को स्पिकमैके (SPICMACAY) के अंतर्गत पंडित बृज मोहन नारायण के प्रदर्शन के साथ शुरू हुआ, इसके बाद काव्यांजलि कार्यक्रम आयोजित की गई, जिसमें सात प्रतिभाशाली कवि प्रोफेसर राजेश कुमार, श्री पंकज दीक्षित, श्री राहुल प्रकाश, श्री महेंद्र सिंह पंवार, श्री लक्ष्य माहेश्वरी, श्री राकेश तिवारी और सुश्री निधि नरवाल उपस्थित रहीं। इस कार्यक्रम में 7–9 मार्च के बीच कई तकनीकी कार्यक्रम, प्रतियोगिताओं, प्रदर्शनियों और शोकेस का आयोजन किया गया। इस उपलक्ष्य पर, प्रमुख प्रतियोगिताओं में नाइट्रोथ्रस्ट, पिक एन प्लेस, रोबोसॉकर, रोबोसुमो, एयरो आर्टिस्ट्री, ऑब्स्टाकोर्स, मार्गदर्शक, कंसल्टएक्स, जेस्चर कंट्रोल, कॉनकैसल, यूरिस्टिका आदि शामिल रहे। फ़्लक्सस में कई छात्रों, प्रयोगशालाओं तथा राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केंद्र और एमसीटीई जैसे प्रमुख संस्थानों की प्रदर्शनियाँ भी शामिल रहीं। फ्लक्सस 2024 के तकनीकी कार्यक्रमों में सभी डोमेन को मिलाकर 1000 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान, फ्लक्सस में दो टॉक शो, आई–कॉन्क्लेव और वर्ड्स ऑफ विजडम भी आयोजित किए गए। आई–कॉन्क्लेव 8 मार्च को आयोजित किया गया और इसमें श्रीमती संयुक्ता सिन्हा, निदेशक, बिजनेस प्लानिंग, माइक्रोसॉफ्ट इंडिया, श्री गौरव भारद्वाज, वाइस–प्रेसिडेंट, एक्सेंचर इंडिया, श्री अनंत लढा, संस्थापक, इन्वेस्ट आज फॉर कल और प्रोफेसर चेतन सिंह सोलंकी, भारत के सौर पुरुष उपस्थित रहे। वर्ड्स ऑफ विज्डम 9 मार्च को आयोजित किया गया और इसमें डॉ. विजेंदर चौहान, शेफ हरपाल सोखी, राज शामानी और अनुभव दुबे उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त, फ़्लक्सस में तकनीकी कार्यक्रम के साथ–साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। वहीं, दो बैंड, कोई पांच और ज़िद्दी ने 7 मार्च को नालंदा सभागार में प्रदर्शन किया। इसके बाद, 8 मार्च को प्रोग–फ़्यूज़न बैंड पाइनएप्पल एक्सप्रेस और 9 मार्च को बॉलीवुड संगीतकार सचिन–जिगर के शानदार संगीत कार्यक्रम के साथ फ्लक्सस 2024 का समापन हुआ।

आईआईटी इंदौर के सी–एलीट का उज्जैन इंजीनियरिंग कॉलेज में उद्घाटन

उज्जैन में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर के आगामी परिसर के आरंभ के साथ, आईआईटी इंदौर ने आज उज्जैन इंजीनियरिंग कॉलेज में नवाचार, प्रौद्योगिकी एवं उद्यमिता अनुभवात्मक विद्यार्जन केंद्र (C-ELITE) के अंतर्गत तीन अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं का उद्घाटन किया। इसका उद्घाटन मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के करकमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर, भारत सरकार के शिक्षा एवं कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के माननीय कैबिनेट मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान और आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए।

इन प्रयोगशालाओं में मेकरस्पेस, खगोल विज्ञान एवं अंतरिक्ष अभियांत्रिकी धरोहर तथा नवाचार केंद्र (HICASE) और लेजर इंजीनियरिंग शामिल हैं।

मेकरस्पेस प्रयोगशाला युवा इंजीनियरिंग विद्यार्थियों को एक सक्षम वास्तविक परिवेश प्रदान करेगी, ताकि वे अपने उन्नत और रचनात्मक विचारों को विकसित कर सकें और साथ ही, उन्हें अभिव्यक्त भी कर सकें। इस प्रयोगशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को सिस्टम के घटकों को अलग–अलग करने, उन पर शोध करने और मूल सिस्टम को फिर से बनाने के लिए सशक्त बनाना है। यह विद्यार्थियों के रचनात्मक विचारों को वास्तविक इंजीनियरिंग उत्पादों में परिवर्तित करके नए सिस्टम बनाने में भी मदद करेगा।

आईआईटी इंदौर 5 वर्षों में 250 नई तकनीकें विकसित करेगा। लैब–टू–मार्केट कार्यक्रम के माध्यम से, 150 विचारों को विकसित करने और उनमें से कम से कम आधे को मार्केट के लिए तैयार करने की योजना बनाई गई है। इसके अलावा, परिसर में डिग्री कार्यक्रम, एग्जीक्यूटिव कार्यक्रम और कौशल विकास कार्यक्रम होंगे। साथ ही, 5 वर्षों में 2500 कर्मियों को डीप टेक्नोलॉजी में प्रशिक्षित करने की भी योजना है।

नर्मदा नदी क्षेत्र प्रबंधन

केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अनुसार, आईआईटी इंदौर और आईआईटी गांधीनगर को संयुक्त रूप से 98,796 वर्ग किलोमीटर में फैले नर्मदा नदी क्षेत्र का व्यापक अध्ययन करने का कार्य सौंपा गया है।

इस कार्यक्रम में प्रोफेसर मनीष कुमार गोयल के नेतृत्व में प्रोफेसर वर्ग की टीम ने भाग लिया।

इन छह नदी बेसिन के लिए स्थिति मूल्यांकन और प्रबंधन योजना (सीएएमपी) पर अध्ययन करने की एनआरसीडी की पहल नदियों की स्वच्छता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह नदी क्षेत्र प्रबंधन में एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक है और भारत ने पानी से संबंधित मुद्दों का समाधान करने के लिए समग्र दृष्टिकोण अपनाया है, जिसमें पीने के पानी, नदी की सफाई और भूजल पुनर्भरण से संबंधित पहल को वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ा बताया गया है। इस दिशा में, यह महत्वपूर्ण है कि शिक्षा जगत और सरकार नदी बेसिन प्रबंधन के लिए एक साथ मिलकर काम करें।

फायरसाइड वार्ता

शासी मंडल के अध्यक्ष डॉ. के. सिवन ने आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी के साथ नालंदा सभागार में छात्रों के साथ बातचीत की। इस सत्र में विचारों और नैतिकता का शानदार आदान–प्रदान हुआ। इस फायरसाइड चौट में छात्रों ने अपने भविष्य के करियर के रोडमैप के बारे में अपने विचार और समस्याएँ डॉ. के. सिवन के साथ साझा कीं। माननीय अध्यक्ष डॉ. सिवन ने छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों के बीच अपनी जीवन यात्रा के अनुभव और विचार भी साझा किए। यह सत्र सफलता के किस्सों को साझा करने और वर्तमान छात्रों को वास्तविक जीवन के अनुभवों से प्रेरित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

रक्तदान शिविर – 2024

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर ने पंचदश स्थापना दिवस के अवसर पर 7 फरवरी, 2024 को विशेष महत्व के साथ रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में प्रोफेसर सुहास एस. जोशी, निदेशक; प्रोफेसर संदीप चौधरी, अधिष्ठाता, प्रशासन; प्रोफेसर श्रीवत्सन वासुदेवन, अधिष्ठाता, छात्र कार्य और श्री एस. पी. होता, कुलसचिव उपस्थित थे। यह कार्यक्रम मॉडल ब्लड बैंक, एम वाई अस्पताल और एमजीएम मेडिकल कॉलेज, इंदौर के सहयोग से किया गया। हमारे आईआईटी इंदौर समुदाय के कुल तीन सौ इक्कीस व्यक्तियों ने रक्तदान किया और मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने इन रक्तदाताओं को उनके नेक कार्य के लिए हार्दिक बधाई दी। रक्तदान अभियान की सफलता का श्रेय अवाना टीम के नेतृत्व में छात्र स्वयंसेवकों के समर्पण को जाता है।

हरित परिसर अभियान – वृक्ष प्रत्यारोपण

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर ने वृक्ष प्रत्यारोपण की एक सराहनीय पहल की है। यह कार्यक्रम मुख्य रूप से पारिस्थितिकी संतुलन को बनाए रखने के लिए लागू किया गया है। वृक्ष प्रत्यारोपण पेड़ों को उनके मूल स्थान से उखाड़कर नए स्थानों पर लगाने की प्रक्रिया है, जिसका अर्थ है नए स्थानों पर पेड़ों को फिर से उगाना। खंडवा रोड के चौड़ीकरण के दौरान उखाड़े गए असंख्य पेड़ों के लिए एक क्षेत्र प्रदान करके और उन्हें संस्थान के भीतर लगाकर, संस्थान अत्यधिक महत्वपूर्ण और पर्यावरण के अनुकूल गतिविधियाँ कर रहा है। यदि हम विश्व में पर्यावरण के वर्तमान परिदृश्य का आकलन करें तो हम पाते हैं कि पृथ्वी पर ग्लोबल वार्मिंग के कारण जीवन चिंता की ओर बढ़ रहा है। इसके जवाब में संस्थान परिसर में प्रचुर मात्रा में पेड़ लगाए जा रहे हैं, ताकि संस्थान और आस–पास के क्षेत्र के पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखा जा सके। इसके अतिरिक्त, संस्थान ने परिसर में जल निकायों को पुनर्जीवित करने की पहल भी की है। इस महत्वाकांक्षी पहल को आगे बढ़ाते हुए, जल और मृदा संरक्षण के लिए 8 झीलों और कई चेक डैम को पुनर्जीवित किया गया है।

संधारणीयता के लिए पर्यावरण मानविकी पर क्षमता निर्माण कार्यशाला: अंत:विषय आयाम

पर्यावरण मानविकी कार्यशाला के दौरान आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम (जेपीएन सेंटर)

राजभाषा समिति

1. वार्षिक प्रतिवेदन एवं वित्तीय प्रतिवेदन – 2022–23

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर में प्रत्येक वर्ष अनिवार्य रूप से हिंदी व अंग्रेजी में वार्षिक प्रतिवेदन तथा वित्तीय प्रतिवेदन प्रकाशित किया जाता है। संस्थान के वार्षिक प्रतिवेदन में, पिछले वर्ष विभिन्न विभागों, अनुभागों एवं केंद्रों द्वारा किए गए महत्वपूर्ण कार्यों एवं उनके सफल परिणामों की जानकारी प्रवि की जाती है जैसे कि संकाय सदस्यों द्वारा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रस्तुत किए गए शोध– पत्र, पोस्टर प्रस्तुतीकरण, प्राप्त किए गए पेटेंट इत्यादि। साथ ही, इस प्रतिवेदन में पिछले वर्ष आयोजित किए गए विभिन्न कार्याक्रम, बैठक, सम्मेलन इत्यादि का भी विवरण दिया जाता है। वहीं, वित्तीय प्रतिवेदन में विभिन्न विभागों, अनुभागों व केंद्रों के अलग–अलग मदों में खर्च की गई धनराशि का ब्यौरा दिया जाता है। दोनों प्रतिवेदन को मिलाकर, संस्थान के अनुवादक एवं अन्य कर्मचारियों की मदद से वर्ष 2022–23 के वार्षिक एवं वित्तीय प्रतिवेदन के लगभग 45 हजार अंग्रेज़ी शब्दों का अनुवाद किया गया।

2. राजभाषा कार्यान्वयन प्रशिक्षण – 2023

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर में दिनांक 4–8–2023 (शुक्रवार) को राजभाषा कार्यान्वयन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर, प्रशिक्षिका के रूप में आयकर विभाग की सहायक निदेशक (राजभाषा) श्रीमती प्रज्ञा द्विवेदी को आमंत्रित किया गया। इस प्रशिक्षण के प्रारंभ में प्रशिक्षिका ने सभी लोगों को राजभाषा की पृष्ठभूमि के बारे में बताया। इसके बाद, इन्होंने राजभाषा के मूल तत्वों के ऐतिहासिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिपेक्ष्यों से अवगत कराया। साथ ही, राजभाषा के अलग–अलग अधिनियम तथा उनके अनुप्रयोग को लेकर भी ध्यान आकर्षित किया एवं राजभाषा के क्षेत्रीय वर्गीकरण तथा उन क्षेत्रों में आनेवाले विभिन्न राज्यों का राजभाषा कार्यान्वयन के प्रति दायित्व समझाया। इसके अतिरिक्त, संसदीय राजभाषा समिति के मुख्य तथ्यों के बारे में बताया, जिसमें इन्होंने संसदीय राजभाषा समिति की निरीक्षण प्रश्नावाली की विस्तार से व्याख्या की एवं उनसे जुड़ी समस्याओं का निस्तारण किया। इस प्रशिक्षण के दौरान, प्रशिक्षिका ने राजभाषा के अलग–अलग कार्यान्वयन कार्यों के बारे में कई नियम बताए गए, जिसमें प्रशासनिक, गैर–प्रशासनिक एवं अन्य दृकोिण से कई सारी बातें समझायीं । साथ ही, यह भी बताया गया कि राजभाषा के प्रति हमारे क्या–क्या कर्तव्य होने चाहिए एवं इसके निर्वहन का तरीका बताया गया।

3. संसदीय राजभाषा समिति – 2023

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर ने संसदीय राजभाषा समिति की प्रदर्शनी एवं बैठक में भाग लिया। यह बैठक एवं प्रदर्शनी दिनांक 21–8–2023 (सोमवार) को राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केंद्र इंदौर द्वारा इंदौर मैरियट होटल में आयोजित की गई। इस अवसर पर, संसदीय राजभाषा समिति की पहली उप–समिति ने समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर, पहली उप–समिति के संयोजक श्री रामचंद्र जांगड़ा, सांसद सदस्य, राज्य सभा ने इस बैठक की अध्यक्षता की। इनके साथ, श्री धर्मेंद्र कश्यप, सांसद सदस्य, लोक सभा; श्री ईरण्ण कड़ाड़ी, सांसद सदस्य, राज्य सभा; श्री सुजीत कुमार, सांसद सदस्य, राज्य सभा; श्री इरफ़ान अहमद खान, वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी; श्री विक्रांत भाटिया, अनुभाग अधिकारी एवं श्री सहदेव सिंह, रिपोर्टर मौजूद रहे। साथ ही, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से श्री जगदीश राम पौरी, संयुक्त निदेशक, राजभाषा एवं श्रीमती सतिन्दर मल्होत्रा, सहायक निदेशक, राजभाषा भी उपस्थित रहीं। इस अवसर पर, प्रदर्शनी में संस्थान की ओर से राजभाषा से संबंधित सभी कार्य के नमूने लगाए गए एवं राजभाषा से संबंधित पुस्तकें एवं हिंदी साहित्य की पुस्तकें भी लगाई गईं। साथ ही, संस्थान के निदेशक एवं अन्य अधिकारीगण ने माननीय सदस्यों को प्रदर्शनी में लगी सामग्रियों से अवगत कराया। इस प्रदर्शनी में, हमारे संस्थान की ओर से 'विज्ञान पर चर्चा' नामक कार्य विशि कार्य के रूप में प्रस्तुत किया गया।

4. हिंदी पखवाड़ा – 2023

हिंदी की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए प्रत्येक वर्ष की तरह, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर द्वारा राजभाषा समिति के तत्वावधान में दिनांक 14 से 29 सितंबर, 2023 के दौरान हिंदी पखवाड़ा 2023 का आयोजन किया गया। 14 सितम्बर, 2023 को संस्थान में हिंदी दिवस मनाया गया तथा हिंदी पखवाड़ा . 2023 समारोह की औपचारिक शुरुआत की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में संस्थान के अधिष्ठाता (प्रशासन) प्रोफेसर संदीप चौधरी की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही, सम्मानित अतिथि के रूप में संस्थान के कुलसचिव श्री एस. पी. होता तथा अध्यक्ष के रूप में संस्थान की राजभाषा हिंदी समिति के संयोजक प्रोफेसर राजेश कुमार एवं डॉ. शरद गुप्ता उपस्थित रहे। इस पखवाड़े में कुल 5 प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। सभी प्रतियोगिताओं में संकाय सदस्यगण, छात्रगण, अधिकारीगण तथा कर्मचारीगण की सक्रिय भागीदारी रही। हिंदी पखवाड़ा के समापन समारोह के अवसर पर संस्थान की प्रथम हिंदी त्रैमासिक समाचार पत्रिका का विमोचन किया गया। इसी क्रम में, दिनांक 29 सितंबर, 2023 को आई. आई.टी. इंदौर परिसर में स्थित केंद्रीय विद्यालय के बच्चों ने हिंदी पुस्तक प्रदर्शनी में लगाई गईं पुस्तकों एवं उनके लेखकों के बारे में जाना एवं विद्यार्जन संसाधन केंद्र (संस्थान पुस्तकालय) के अन्य पुस्तकों से भी परिचित हुए।

5. तकनीकी हिंदी संगोष्ठी – 2023

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर के भौतिकी विभाग के प्रोफेसर राजेश कुमार ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर द्वारा आयोजित तकनीकी हिंदी संगोष्ठी – 2023 में अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया एवं उनका शोध–पत्र प्रकाशित हुआ । इस अवसर पर, प्रोफेसर कुमार ने 'लचीला इलेक्ट्रोक्रोमिक उपकरण' पर अपना व्याख्यान दिया। इस पहल से संस्थान के अन्य शोधकर्ता भी हिंदी में शोध–पत्र लिखने की सकारात्मक शुरुआत कर रहे हैं। इसी परंपरा को आगे ले जाते हुए संस्थान में हिंदी अनुसंधान पोस्टर प्रस्तुतीकरण का आयोजन विश्व हिंदी दिवस – 2024 के शुभ अवसर पर किया गया।

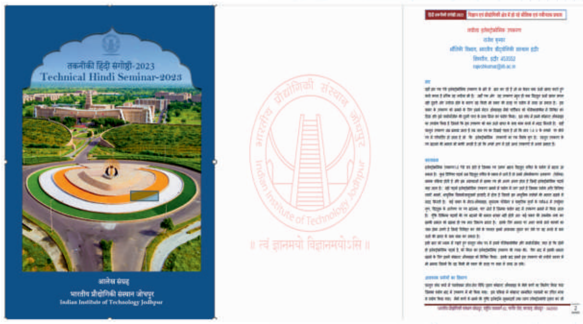

6. एक दिवसीय कंठस्थ 2.0 प्रशिक्षण कार्यक्रम – 2023

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार एवं सी–डैक, पुणे द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक दिवसीय कंठस्थ 2.0 प्रशिक्षण कार्यक्रम में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर की ओर से संस्थान के कनिष्ठ हिंदी अनुवादक श्री शिशिर कुमार ने भाग लिया एवं सफल रूप से प्रशिक्षण प्राप्त किया। इसके साथ, संस्थान के अन्य कर्मचारी भी कंठस्थ 2.0 अनुवाद टूल का उपयोग कर रहे हैं एवं इस टूल को कुशल तरीके से हिंदी कार्यान्वयन के लिए उपयोगिता में ला रहे हैं।

7. विश्व हिंदी दिवस – 2024

संस्थान की राजभाषा समिति द्वारा दिनांक 10 जनवरी, 2024 को विश्व हिंदी दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के पुस्तकालय (लघु सम्मेलन कक्ष) में हुआ। इस अवसर पर संस्थान के अधिष्ठाता प्रशासन प्रोफेसर संदीप चौधरी, कुलसचिव श्री एस पी होता, राजभाषा समिति के संयोजक प्रोफेसर राजेश कुमार, डॉ. शरद गुप्ता, संयुक्त कुलसचिव कमांडर सुनील कुमार (सेवानिवृत्त), उप कुलसचिव (प्रशासन) श्री सुरेश चंद्र ठाकुर एवं अन्य अधिकारीगण, छात्रगण, संकाय सदस्य तथा कर्मचारियों की उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर, हिंदी की महत्ता पर ध्यान आकर्षित करते हुए नूतन वर्ष 2024 के हिंदी संस्करण वाले कैलेंडर का विमोचन किया गया। साथ ही, विश्व भर में हिंदी भाषा का प्रचार–प्रसार हो सके, इसलिए संस्थान के संकाय सदस्यों, छात्र/छात्राओं एवं कर्मचारियों के समक्ष संस्थान की द्वितीय हिंदी त्रैमासिक समाचार पत्रिका का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया। साथ ही, संस्थान में हिंदी के कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए राजभाषा समिति के पूर्व सदस्यों को प्रशस्ति–पत्र, मोमेंटो व पुष्पगुच्छ देकर उनका सम्मान किया गया। इसके बाद, प्रौद्योगिकी को ध्यान में रखते हुए विश्व हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर, हिंदी अनुसंधान पोस्टर प्रस्तुतीकरण का भी आयोजन किया गया था। अंत में, इस कार्यक्रम का समापन लोगों के बीच भेंट के रूप में नूतन वर्ष – 2024 के कैलेंडर एवं समाचार पत्रिका का वितरण करके किया गया।

संस्थान की सुविधाएँ

विद्यार्जन संसाधन केंद्र

विद्यार्जन संसाधन केंद्र (एलआरसी) संस्थान के शिक्षण, अध्ययन, शोध तथा परिसर में अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करता रहा है। उचित प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए, पुस्तकालय सूचना आवश्यकताओं को पूरा करने, आजीवन विद्यार्जन को बढ़ावा देने तथा विद्वान समुदाय के लिए लाभकारी परिवेश बनाने के लिए संसाधन प्रदान करता है।

चित्र 1. विद्यार्जन संसाधन केंद्र (एलआरसी) भवन

पुस्तकालय संग्रह

पुस्तकालय प्रिंट व डिजिटल प्रारूपों में अपने संग्रह को बढ़ाना तथा विस्तार करना जारी रखता है। इनमें शिक्षण एवं शोध के लिए सभी प्रासंगिक विषयों पर पुस्तकें शामिल हैं। एलआरसी में कथा साहित्य, साहित्य व सामान्य रुचि की पुस्तकों जैसे कि वर्तमान घटनाएँ, खेल आदि का एक बढ़िया संग्रह भी है, जो पाठकों की अवकाश के दौरान और मनोरंजनात्मक पढ़ाई करने की ज़रूरतों का ध्यान रखता है। गांधीवादी अध्ययन संग्रह, हिंदी संग्रह, बच्चों की पुस्तकों का संग्रह और मातृभाषा संग्रह जैसे विशेष संग्रह एलआरसी को विशेष बनाते हैं। 31 मार्च, 2024 तक प्रिंट पुस्तकों का कुल संग्रह 41,210+ और ई–पुस्तकों का 8,050+ है।

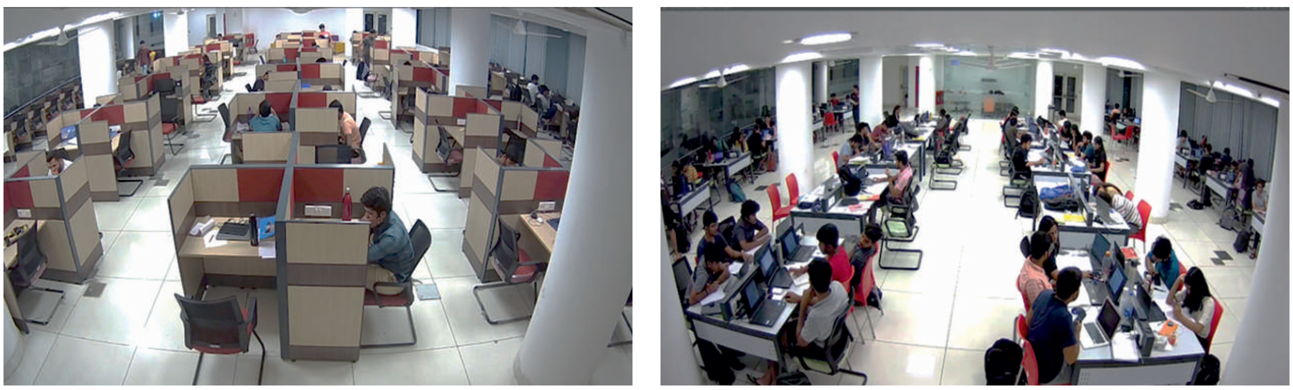

चित्र 2. रीडिंग हॉल

इलेक्ट्रॉनिक संसाधन

आज की सूचना क्रांति की दुनिया में, विशेष रूप से शैक्षणिक परिवेश में इलेक्ट्रॉनिक सूचना संसाधनों तक पहुँच आवश्यक है। वर्ष 2024 के दौरान, एलआरसी ने 3800+ से अधिक ई–जर्नल और 10 डेटाबेस की सदस्यता ली है और उन तक पहुँच प्रदान की है। कुछ प्रमुख सदस्यता प्राप्त ई–संसाधन हैं साइंस डायरेक्ट (5 विषय संग्रह), टेलर एंड फ्रांसिस (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पैकेज), अमेरिकन केमिकल सोसाइटी, एएससीई, रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री, आईईईई/आईईटी इलेक्ट्रॉनिक लाइब्रेरी, एसआईएएम, एमएलए इंटरनेशनल बिब्लियोग्राफी फुलटेक्स्ट, एसीआई मानक एवं जर्नल, साइफाइंडर–एन, स्कोपस, इंडियास्टेट, सीएमआईई प्रोवेस, सीएसडी एंटरप्राइज कैंपस, ग्रामरली, टर्निटिन फीडबैक स्टूडियो, आदि।

इसके अलावा, ई–शोधसिंधु कंसोर्टियम के सदस्य के रूप में, आईआईटी इंदौर शैक्षणिक समुदाय को 5,000+ से अधिक ई–जर्नल और कुछ डेटाबेस तक पहुँच मिल रही है। हाइपरलिंक के साथ ई–संसाधनों की पूरी सूची उपयोगकर्ताओं की सुविधा के लिए एलआरसी वेबसाइट पर उपलब्ध है।

संस्थागत रिपोजिटरी

पुस्तकालय ने आईआईटी इंदौर के संकाय सदस्यों, छात्रों व कर्मचारियों के रचनात्मक तथा विद्वत्तापूर्ण कार्यों एवं शोध को एकत्रित करने, संरक्षित करने, व्यवस्थित करने एवं उन तक पहुँच प्रदान करने के लिए व्यापक रूप से उपयोग किए जाने वाले ओपन सोर्स डीस्पेस सॉफ्टवेयर का उपयोग करके एक संस्थागत डिजिटल रिपोजिटरी (http://dspace.iiti.ac.in:8080/jspui/) बनाई है। इस रिपोजिटरी में निम्नलिखित संग्रहों में 12,420+ से अधिक आइटम हैं: आईआईटीआई स्कॉलरली प्रकाशन (शोध लेख तथा पुस्तकें), थीसिस तथा शोध प्रबंध, बी.टेक प्रोजेक्ट, डिजिटल ह्यूमैनिटीज लैब, समाचार पत्र की कटिंग, दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए संसाधन (ऑडियो व्याख्यान), वार्षिक रिपोर्ट, दीक्षांत समारोह रिपोर्ट, आदि।

संचलन और संदर्भ सेवा

लाइब्रेरी संचलन सेवा कोहा–आईएलएमएस (ओपन–सोर्स सॉफ़्टवेयर) का उपयोग करके स्वचालित है और आरएफआईडी सिस्टम के साथ एकीकृत है। उपयोगकर्ता आरएफआईडी सेल्फ–सर्विस कियोस्क के माध्यम से लोन आइटम जारी करवा सकते हैं और उसे वापस कर सकते हैं। 1 अप्रैल 2023 से 31 मार्च 2024 तक सभी श्रेणियों के उपयोगकर्ताओं को होम स्टडी के लिए कुल 25,091 दस्तावेज़ जारी/नवीनीकृत किए गए। उपयोगकर्ता श्रेणी–वार संचलन डेटा नीचे दी गई तालिका में प्रस्तुत किया गया है:

	बी.टेक.	एम.टेक.	एम.एससी.	एमएस रिसर्च	पीएच.डी. व आरए	संकाय सदस्य	अन्य
होम स्टडी के लिए वितरित किए गए दस्तावेज़	12736	2264	3996	317	3164	1779	835

पुस्तकालय संदर्भ, पुस्तकों का नया संकलन, नए छात्रों के लिए ऑरिएंटेशन कार्यक्रम, अंतर–पुस्तकालय लोन, विषय मार्गदर्शिकाएँ, ई–संसाधनों के लिए प्रशिक्षण सत्र कार्यक्रम, विभिन्न पुस्तकालय सेवाओं के लिए क्यूआर कोड व आईआरआईएनएस पोर्टल के माध्यम से संकाय सदस्य प्रोफ़ाइल प्रबंधन जैसी उपयोगकर्ता सेवाएँ भी प्रदान करता है।

दस्तावेज़ वितरण सेवा पोर्टल

एलआरसी विभिन्न स्रोतों से अपने संग्रह में नहीं रखे गए शोध लेखों को प्राप्त करने की व्यवस्था करता है। यह सेवा कॉपीराइट कानूनों की सीमा के तहत संकाय सदस्यों, शोध विद्वानों, छात्रों व कर्मचारियों को शैक्षणिक तथा शोध उद्देश्यों के लिए प्रदान की जा रही है। इस सेवा को कारगर बनाने के लिए, एलआरसी ने ओपन–सोर्स सॉफ़्टवेयर का उपयोग करके ष्दस्तावेज़ वितरण सेवाष पोर्टल विकसित किया है। इसे लाइब्रेरी वेबसाइट पर http://library.iiti.ac.in/?page_id=2988 पर एक्सेस किया जा सकता है। अप्रैल 2023 से मार्च 2024 की अवधि के दौरान, अन्य संस्थानों के पुस्तकालयों से कुल 1,186+ शोध लेख प्रबंध किए गए हैं और आईआईटी इंदौर के उपयोगकर्ताओं को प्रदान किए गए हैं।

मातृभाषा संग्रहः

पुस्तकालय के इस मातृभाषा संग्रह खंड को आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस जोशी द्वारा समुदाय को समर्पित किया गया। आईआईटी इंदौर के संकाय और कर्मचारियों द्वारा 8 भारतीय भाषाओं (अर्थात संस्कृत, तेलुगु, कन्नड़, ओडिया, मराठी, बंगाली, गुजराती व हिंदी) में 850 से अधिक पुस्तकें दान की गई हैं।

स्वाध्याय

एलआरसी का स्वाध्याय (स्व–अध्ययन स्थान) स्व–अध्ययन के लिए अनुकूल परिवेश प्रदान करता है। यह स्थान मुख्य एलआरसी भवन से अलग है और अपने पाठकों के लिए 24•7 खुला रहता है। इस वर्ष के दौरान, बड़ी संख्या में छात्रों ने इस सुविधा का उपयोग किया और लाभ उठाया।

चित्र 3. स्वाध्याय (स्व–अध्ययन स्थान)

स्वास्थ्य केंद्र

सुविधाएँ–

स्वास्थ्य केंद्र संस्थान समुदाय को समर्पित सेवाएँ प्रदान करता है, जिसमें छात्र, शोध कर्मचारी, कर्मचारी और उनके आश्रित शामिल हैं। इसमें सूक्ष्म बीमारियों के लिए आउट पेशेंट, डेकेयर और इन–पेशेंट सुविधाएँ हैं। यहाँ आपातकालीन सेवाएँ 24 • 7 उपलब्ध हैं। यह अच्छी तरह से सुसज्जित फिजियोथेरेपी सेवाएँ प्रदान करता है।

निदान सेवाएँ– इन–हाउस डायग्नोस्टिक प्रयोगशाला तथा एक्स–रे सुविधाएँ व्यापक देखभाल में मदद करती हैं। बाल चिकित्सा टीकाकरण साप्ताहिक आधार पर किया जाता है। स्वास्थ्य केंद्र की टीम ईसीजी तथा जीआरबीएस जैसी रैपिड जाँच सहित आवश्यक जाँच सुविधाएँ प्रदान करती है।

विशेषज्ञ परामर्श सुविधाएँ – डेंटल, ईएनटी, मेडिसिन, प्रसूति व स्त्री रोग, मनोचिकित्सा, नेत्र विज्ञान, हड्डी रोग तथा कार्डियोलॉजी मामलों के लिए विशेषज्ञ परामर्श सेवाएँ उपलब्ध हैं। समुदाय के सदस्यों को सूक्ष्म दंत प्रक्रियाएँ, प्रसवपूर्व अनुवर्ती एवं सूक्ष्म ईएनटी प्रक्रियाएँ जैसी अन्य सुविधाएँ भी उपलब्ध कराई जाती हैं।

उच्च जाँच और प्रबंधन की आवश्यकता वाले मामलों को सूचीबद्ध अस्पतालों में भेजा जाता है।

वर्ष 2023–2024 के लिए स्वास्थ्य केंद्र का संख्यात्मक डेटा

कुल ओपीडी	:	15769
कुल डे केयर व आईपीडी	:	695
आपातकालीन व ट्रॉमा	:	419
इन–हाउस जांच जैसे ईसीजी, जीआरबीएस	:	700
ओपीडी घंटों के बाद सूक्ष्म आपात स्थिति	:	3143
कुल फिजियोथेरेपी	:	2940

केंद्रीय कार्यशाला

आईआईटी इंदौर में केंद्रीय कार्यशाला की स्थापना वित्तीय वर्ष 2011–2012 के दौरान की गई थी। यह प्रयोगशाला कक्षाएँ, अनुसंधान व परियोजना घटकों का निर्माण कार्य करती है। इसमें आधुनिक अत्याधुनिक सुविधाओं तथा उच्च–स्तरीय अनुसंधान उपकरणों से सुसज्जित उत्कृष्ट आधारभूत संरचना है। केंद्रीय कार्यशाला में सात शॉप हैं, मशीनिंग, वेल्डिंग, फॉर्मिंग, फाउंड्री, इंजेक्शन मोल्डिंग, फिटिंग तथा बढ़ईगीरी, जिसमें कुशल व अत्यधिक कुशल कार्यबल की एक टीम है। कार्यशाला में टर्निंग, मिलिंग, ड्रिलिंग, सरफेस ग्राइंडिंग, इंजेक्शन मोल्डिंग, शीट शियरिंग, बेंडिंग, ड्राइंग, वायर ड्राइंग, निबलिंग, आर्क वेल्डिंग, एमआईजी/एमएजी वेल्डिंग, टीआईजी वेल्डिंग, गैस वेल्डिंग, प्लाज्मा एयर कटिंग, इंडक्शन हीटिंग, मेटल कास्टिंग, फिटिंग तथा बढ़ईगीरी से संबंधित निर्माण कार्य किए जाते हैं।

इसकी स्थापना छात्रों को सरल यांत्रिक घटकों के उत्पादन तथा निर्माण में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए की गई थी। यह कार्यक्षेत्र पर मशीन टूल्स तथा कंप्यूटर का उपयोग करके एक छोटा, प्रभावी और सफल कार्य मॉडल है। छात्रों को विभिन्न विनिर्माण विधियों, सामग्रियों तथा घटकों, प्रक्रियाओं और सॉफ्टवेयर कार्यक्रमों से अवगत कराया जाता है जो वर्तमान में वाणिज्यिक विनिर्माण और असेंबली प्रक्रियाओं में उपयोग किए जाते हैं। यह छात्रों को इंजीनियरों में बदलने में बहुत मददगार है।

केंद्रीय कार्यशाला छात्रों और शोध विद्वानों को उनके शोध उद्देश्यों को साकार करने में तकनीकी विशेषज्ञता और आधारभूत संरचना सहायता प्रदान करके नए और अत्याधुनिक शोध करने में सहायता करती है। केंद्रीय कार्यशाला व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्रों और कार्यशालाओं के माध्यम से छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण और कौशल विकास के अवसर भी प्रदान करती है।

प्रभारी प्राध्यापक, केंद्रीय कार्यशाला

डॉ. डैन सत्यराज, सह प्राध्यापक (एमई) | ईमेल – workshopincharge@iiti.ac.in

शोध रुचियाँ:

- मध्यम से उच्च एन्ट्रॉपी मिश्र धातु
- पुनर्क्रिस्टलीकरण तथा ग्रेन वृद्धि अध्ययन
- सतह संशोधन इंजीनियरिंग (एसएमएटी, लेजर शॉट–पीनिंग, आदि)
- यांत्रिक और कार्यात्मक गुण अध्ययन
- गंभीर प्लास्टिक विरूपण (एसपीडी)
- एमईए और एचईए की माइक्रो, नैनो मशीनिंग

वर्ष 2023–2024 के दौरान गतिविधियाँ

- केंद्रीय कार्यशाला में प्राप्त कार्य अनुरोधः– केंद्रीय कार्यशाला ने वर्ष 2023–2024 के दौरान विभिन्न उद्देश्यों के लिए 329 कार्य अनुरोध पूरे किए, जिनमें यूजी/पीजी अनुसंधान शिक्षण, पीजी अनुसंधान, बीटीपी, प्रायोजित परियोजनाएँ और अन्य निर्माण कार्य शामिल हैं। कार्यशाला ने फ्लावरपॉट स्टैंड, स्टोरेज रेक, कंप्रेसर शेड, बॉक्स, टेबल, स्टैंड आदि बनाने के लिए उपलब्ध स्क्रैप सामग्री का उपयोग किया है। विभिन्न श्रेणियों के लिए कार्य अनुरोधों का वितरण निम्नलिखित चित्र में दिखाया गया है:–

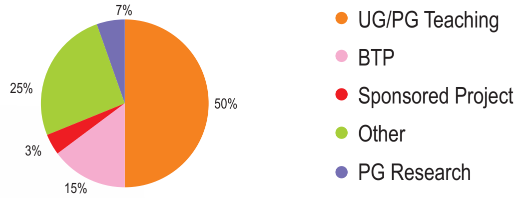

- प्रयोगशाला कक्षाएँ: केंद्रीय कार्यशाला ने विनिर्माण प्रक्रिया प्रयोगशाला (एमई–258) और मशीनिंग विज्ञान और मेट्रोलॉजी प्रयोगशाला (एमई–355) की व्यावहारिक कक्षाएँ आयोजित की हैं।
- कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमः– केंद्रीय कार्यशाला ने (क) नर्मदालय कसरावद, मध्य प्रदेश, भारत के प्रशिक्षकों और (ख) इंदौर क्षेत्र के आईटीआई छात्रों के लिए मूल कार्यशाला अभ्यास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं।
- नई सुविधाओं का विकासः– केंद्रीय कार्यशाला ने मशीनिंग में टूल वियर के मापन, फाउंड्री सैंड के तन्यता, संपीड़न और कतरनी परीक्षण, कोर रेत कठोरता के मापन और मोल्ड कठोरता मापन के लिए नई सुविधाओं का विकास किया है। शीट मेटल प्रयोगों का समर्थन करने के लिए शीटिंग और वायर रोलिंग सुविधा विकसित की।
- आधारभूत संरचना का विकासः केंद्रीय कार्यशाला ने प्रयोगशाला और अनुसंधान कार्यों का समर्थन करने के लिए कार्यशाला परिसर में कक्षा और परिष्कृत उपकरण कक्ष विकसित किया है।

The photographs of some work requests are as follows:

निर्मित सौर पैनल–
छात्र परियोजना

हाउसकीपिंग विभाग के लिए
निर्मित लोहे का डस्टबिन

बागवानी विभाग के लिए स्क्रैप सामग्री
का उपयोग करके आर्क का निर्माण

जानपद अभियांत्रिकी विभाग
के लिए तैयार किए गए सुरक्षा कवर

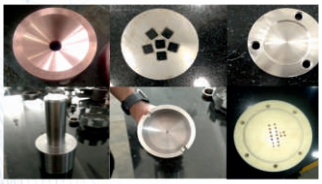
शोध कार्यों के लिए
मशीनी घटक

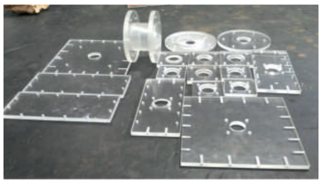
शोध कार्यों के लिए
मशीनी घटक

स्कूली विद्यार्थियों का
केंद्रीय कार्यशाला भ्रमण

केंद्रीय कार्यशाला द्वारा आयोजित
कौशल विकास कार्यक्रम

8 मार्च, 2024 को उज्जैन में आईआईटी इंदौर की सी–एलीट प्रयोगशाला का उद्घाटन समारोह

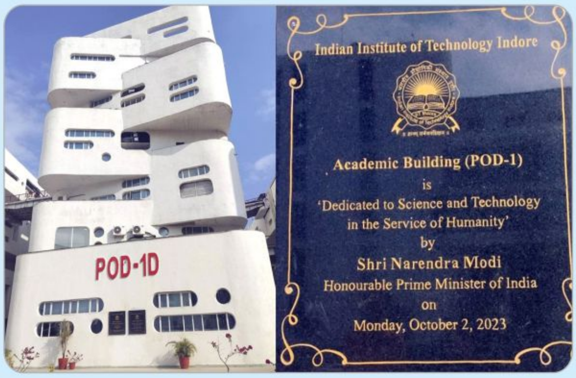

2 अक्टूबर, 2023 को भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शैक्षणिक भवन का उद्घाटन

आईआईटी इंदौर के 15वें स्थापना दिवस पर शासी मंडल की बैठकों के कार्यवृत्त के संकलन का विमोचन– 17/02/2024

डॉ. के. सिवन ने 25 अगस्त, 2023 को आईआईटी इंदौर के शासी मंडल (बीओजी) के अध्यक्ष का पदभार संभाला

आईआईटी इंदौर का 11वां दीक्षांत समारोह

स्वतंत्रता दिवस उत्सव